राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

प्रधान सम्पादक–पुरातत्त्वाचार्य, जिनविजय मुनि

[सम्मान्य सचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर, जोधपुर]

— ❦ —

ग्रन्थाङ्क ४२

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशक

राजस्थान राज्य सस्थापित

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

RAJASTHAN ORIENTAL RESEARCH INSTITUTE, JODHPUR

जोधपुर (राजस्थान)

।

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला

राजस्थान राज्य द्वारा प्रकाशित
सामान्यत अखिल भारतीय तथा विशेषत राजस्थानदेशीय पुरातनकालीन
संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश राजस्थानी, हिन्दी आदि भाषानिबद्ध
विविध वाङ्मयप्रकाशिनी विशिष्ट ग्रन्थावलि

प्रधान सम्पादक
पुरातत्त्वाचार्य जिनविजय मुनि
[ऑनरेरि मेंबर ऑफ जर्मन ओरिएन्टल सोसाइटी, जर्मनी]

सम्मान्य सदस्य
भाण्डारकर प्राच्यविद्यासशोधनमन्दिर, पूना, गुजरातसाहित्य-सभा अहमदाबाद,
विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोधन प्रतिष्ठान, होशियारपुर, निवृत्त सम्मान्य नियामक-
(आनरेरि डायरेक्टर)—भारतीय विद्याभवन बम्बई

ग्रन्थाङ्क ४२

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशक
राजस्थान राज्याज्ञानुसार
सचालक, राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर
जोधपुर (राजस्थान)

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर के

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची

भाग १

प्रकाशनकर्त्ता

राजस्थान राज्य ।

संचालक, राजस्थान ...

जोधपुर (राजस्थान)

विक्रमाब्द २०१६] भारतराष्ट्रीय शकाब्द १८८१ [ख्रिस्ताब्द १६५६

प्रथमावृत्ति १०००

मूल्य ७.५०

मुद्रक—कव्हर और अनुक्रमणिका, अजन्ता प्रिन्टर्स, जयपुर।

हस्तलिखित ग्रन्थों की सूची, हनुमान प्रेस, जयपुर।

विपय-सुची

सञ्चालकीय वक्तव्य

हमारे देश मे बहुत प्राचीन काल ही से लेखन की प्रथा रही है जिसके परिणामस्वरूप तत्कालीन अनेकों ग्रन्थ-भण्डारों की विद्यमानता ज्ञात होती है। हजारो ही देवमन्दिरों, आश्रमों, गुरुकुलों और विद्यापीठो मे विद्वानों एव सरस्वती-पुत्रों द्वारा साहित्य-निर्माण के साथ ही प्रतिलिपि का कार्य भी बडे पैमाने पर होता था और इस प्रकार ग्रन्थ-भण्डारो की सुरक्षा के साथ ही उनकी श्रीवृद्धि भी होती थी। प्राचीनकाल मे पुस्तकालय की सुरक्षा और सवृद्धि करना विद्यापीठ का ही नहीं वरन् देश के प्रत्येक सस्कारी परिवार का भी पवित्र कर्तव्य समझा जाता था। खेद है कि कालान्तर मे हुए सामाजिक, धार्मिक, आर्थिक और राजनैतिक विप्लवों तथा विदेशियो के दुर्दान्त आक्रमणों मे हमारे देश के पुस्तक-भण्डार नष्ट- भ्रष्ट हो गये। अब हमे अपने प्राचीन ग्रन्थ-भण्डारों की यत्र तत्र प्राप्त कुछ ग्रन्थो की प्रतिलिपियों और तिब्बत, नेपाल, चीन आदि देशों मे प्राप्त कतिपय ग्रन्थों के कुछ भाषानुवादों से ही सन्तोष करना पडता है।

राजस्थान प्राचीनकाल से ही हमारे देश का एक सुसांस्कृतिक भाग रहा है और इसलिये यहा बहुत प्राचीनकाल से ही अनेक छोटे-बडे पुस्तक भण्डारो की स्थिति ज्ञात होती है। राजस्थान मे हजारो ही विद्वान् ब्राह्मणो, जैनसाधुओ, यतियो, श्रीमन्तों और शासको ने प्रचुर धन व्यय कर परिश्रम पूर्वक निजी ग्रन्थ-भण्डारों की चित्तोड़, आघाटपुर (आयड़, उदयपुर), भिन्नमाल, जालोर, अजमेर, बाडमेर, नागौर, वैराठ आदि स्थानों मे स्थापना की। ऐसे आदर्श ग्रन्थ-भण्डारों का सामान्य परिचय अब केवल जैसलमेर के जैनमन्दिरों मे भूगर्भस्थित पुस्तक भण्डार से ही प्राप्त किया जा सकता है।

हमारी इस विद्या-राशि के स्थानान्तरण और विनाश का क्रम पिछली कई शताब्दियों से चालू रहा है, जिसके परिणामस्वरूप लाखों ही हस्तलिखित ग्रन्थ अज्ञानियों के हाथों मे पड कर नष्ट हो गये, दीमकों और चूहों के ग्रास बनगये तथा बम्बई, पाटन, बडौदा, कलकत्ता आदि से भी आगे सात समुद्र पार विदेशों मे पहुँचगये। किसी न किसी रूप मे यह क्रम हमारी उपेक्षा के कारण आज भी चल रहा है जिसको देखते हुए अत्यन्त दु ख होता है। हमारी जानकारी मे आज भी केवल राजस्थान मे छोटे-बडे कम से कम ५०० ग्रन्थ-भण्डार है जिनकी सुरक्षा और उपयोग का कोई विशेष प्रबन्ध नहीं है।

राजस्थान-सरकार ने हमारे सुझाव के अनुसार "राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर" स्थापित कर इसके सञ्चालन का कार्य-भार हमे सौंपा तो हमने अपने विशेष यत्न से एक ग्रन्थ-भण्डार की आयोजना की। अब तक इस ग्रन्थ-भण्डार मे काव्य इतिहास, पुराण, कोश, व्याकरण, दर्शन, आयुर्वेद, धर्मशास्त्र, कर्मकाण्ड, योग, ज्योतिष, गणित, सगीत, नृत्य, कामशास्त्र, रास, कथा, रस, अलकारादि विषयों के और सस्कृत, प्राकृत अपभ्रंश, राजस्थानी, गुजराती, ब्रज, खडी बोली आदि भाषाओ मे लिखित लगभग १२,५०० ग्रन्थ सगृहीत और सुरक्षित किये जा चुके है। देश-

विदेश के विद्वानो साहित्यकारों और शोधार्थियों की जानकारी के लिये पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर में समय-समय पर संगृहीत ग्रन्थों के सूचीपत्र की आवश्यकता अनुभव कर हमने मार्च सन् १९५६ ई० तक संगृहीत ४००० ग्रन्थों का सूचीपत्र तैयार करनेका कार्य पाटण निवासीपं० श्री अमृतलाल को सौंपा। उन्होंने ग्रन्थनामादि ग्रन्थ-परिचयपत्रों पर अंकित किये और उनको विषयवार छांट करके प्रस्तुत किया।

तदुपरान्त मन्दिर के प्रवर शोध सहायक श्री गोपलनारायण बहुरा, एम ए. ने मन्दिर के शोध एवं संग्रह विभाग के सूचीपत्र-सहायक श्रीलक्ष्मीनारायण गोस्वामी और श्रीविश्वेश्वरदत्त द्विवेदी के सहयोग से परिचयपत्रकों के आधार पर विषयवार सूचियां तैयार कर यथाशक्य शोधन सम्पादन करके विषयवार प्रेस कापियां प्रस्तुत की और श्रीरमानन्द सारस्वत, गवेषक ने ग्रन्थकार नामानुक्रमणिका बनाई।

मुझे विशेष प्रसन्नता है कि यह सूचीपत्र अब प्रकाशित हो कर विद्वज्जनों के उत्सुक हाथों में पहुँच रहा है। अनन्तर संगृहित ग्रन्थों का सूचीपत्र भी प्रेस के लिये लगभग तैयार किया जा चुका है। आशा है कि वह भी शीघ्र ही प्रकाशित हो जावेगा और भविष्य में संगृहीत होने वाले ग्रन्थों के सूचीपत्र भी यथा समय प्रकाशित होते रहेंगे।

हमारी मंगल कामना है कि राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर का ग्रन्थभण्डार उत्तरोत्तर संवर्द्धित होता हुआ विश्व के विद्वज्जनों की अधिकाधिक ज्ञान-वृद्धि करने में समर्थ हो।

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर
जोधपुर।
ता० १ जनवरी १९५९ ई०

मुनि जिन विजय
सम्मान्य संचालक

राजस्थान पुरातत्त्वान्वेषण मन्दिर

हस्तलिखित ग्रन्थसंग्रह

(१) स्तुति–स्तोत्रादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२३७६ (२)	अच्युताष्टक	---	संस्कृत	२०वीं शताब्दी	२ (१०-११)	अनेककृतिसवलित गुटका
२	११०३	अजितशान्तिस्तव सटीक	टी० जिनप्रभ	प्राकृत	१७वीं श	६	टीका संस्कृत
३	१०६५	अजितशान्तिस्तव सस्तवक		प्राकृत	१९८८	५	नव्यनगर में लिखित
४	२७१० (११)	अन्तःकरणप्रबोधस्तोत्र	वल्लभाचार्य	संस्कृत	१९२५	६–१०	
५	२७६७	अन्नपूर्णाबृहतीस्तुति		,,	१९वीं श	८	रुद्रयामलगता
६	१७६८	अन्नपूर्णासहस्रनामस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	,, ,,	१६	
७	१३५१	अपराधस्तोत्र		,,	१८२८	३	नवीनपुर में लिखित
८	१५३५	अपामार्जनस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१९वीं श.	३६	भविष्योत्तरपुराणगत।
९	१५८८	अपामार्जनस्तोत्र		,,	१९०१	१०	विष्णुधर्मोत्तरपुराणगत
१०	२७६६	अपामार्जनस्तोत्र		,,	१८वीं श	१०	भविष्योत्तरपुराणगत
११	३१०६ (२)	अर्गलास्तुति		,,	१९वीं श	१०–१२	
१२	११०६	अर्हन्नामसहस्रसमुच्चय आदि		,,	१७वीं श	११	
१३	२६१५	आदित्यस्तोत्र		,,	१९०५	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
	८२४	आदित्यहृदयस्तोत्र		,,	१८६८	१६	भविष्योत्तरपुराणगत
	८३३	आदित्यहृदयस्तोत्र		,,	१८५८	२०	भविष्योत्तरपुराणगत। सूनरा में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१६	१६०४	आदित्यहृदयस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श	४८	
१७	२६१८	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	" "	१६	भविष्योत्तरपुराणगत। प्रथम पत्र अप्राप्त।
१८	३७८३	आदित्यहृदयस्तोत्र		"	१८ ?	?	भविष्योत्तर पुराणगत।
१९	७८२	आनन्दलहरी स्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१८५०	?	
२०	८३८	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६वीं श	५	
२१	२६६६	आनन्दलहरी स्तोत्र	"	"	१६२५	४	कृष्णगढ़ म लिखित
२२	२८०५	आनन्दलहरी स्तोत्र		"	१६वीं श	४	
२३	८०६	आपदुद्धारमन्त्रस्तोत्र तथा चतुःषष्टियोगिनी स्तोत्र		"	" "	?	
२४	११६०	आर्याअष्टोत्तरशतक नामस्तोत्र	महामुद्गलभट्ट	"	१७२६	६	भागनगर में लिखित
२५	८०७	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	१८७१	१	देवीपुराणगत
२६	८४२	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	१६वीं श	५	
२७	२६८७	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	" "	३	
२८	६८८ (२)	इन्द्राक्षीस्तोत्र		"	" "	१६–२०	स्कन्दपुराणगत।
२९	३५२१	ईश्वरीछन्द		"	१८५?	?	
३०	२८६३ (७४)	उपधानस्तवन		प्राकृत	१७वीं श	१३६ वाँ	
३१	३५७२ (२६)	कल्याणमन्दिरस्तोत्र	कुमुदचन्द्र	संस्कृत	१६वीं श	७१–७?	जीर्णप्रति
३२	३६५	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक	मू० सिद्धसेन टीका हर्षकीर्ति	"	१६?६	४०	
३३	१०६६	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक त्रिपाठ	टी कनककुशल	संस्कृत	१७६४	१७	सं १६५२ में रचित टीका बीकानेर में लिखित।
३४	१८०६ (१)	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सटीक	मू० सिद्धसेन	संस्कृत	१६वीं श	१–१३	
३५	३६६३	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सबालावबोध	मू० कुमुदचन्द्र	संस्कृत	१६८२	१?	आगरा में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	१११२	कल्याणमन्दिरस्तोत्र सावचूरि	मु० सिद्धसेन	संस्कृत	१६४५	९	नागना में लिखित।
३७	३१९८	कायस्थितिस्तव सावचूरि पंचपाठ		प्राकृत	१९५६	२	अहिपुरदुर्ग में लिखित।
३८	२६८८	कालिकाष्टक	रामकृष्ण	संस्कृत	१८८६	१	
३९	२७९८	कालिकास्तव	चन्द्रदत्त	,,	१८९४	२	अजमेर में लिखित
४०	२८१०	कालिकोपनिषद्		,	१८८६	३	कृष्णगढ़ में लिखित।
४१	२७१२	कालीशतनामावली		,,	२०वीं श	७	
४२	२६५०	कालीसूक्त		,,	१८७७	३	
४३	३१०६ (३)	कीलकस्तोत्र		,,	१९वीं श.	१२–१५	
४४	१८८२ (१४७)	कृष्णकवच		,,	१९वीं श	७८–७९	विष्णुपुराणगत।
४५	३५२	कृष्णस्तव		,,	,, ,,	४	
४६	३५६	कृष्णस्तव		संस्कृत	२०वीं श	४	
४७	३५३	कृष्णस्तवराज		,,	१९वीं श	३	विष्णुयामलगत
४८	३५७२ (४)	कृष्णस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	,, ,,	५५–५६	
४९	२७१० (१३)	कृष्णाश्रयस्तोत्र	,,	,,	१९२५	१०–११	
५०	२३७० (३)	गंगालहरीस्तोत्र	जगन्नाथ पण्डितराज	,,	१९०७	११	
५१	२३०९ (६)	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१९वीं श	२४–२५	
५२	२८२१	गंगाष्टक	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१९वीं श	२	
५३	२६०० (७)	गंगाष्टक	वाल्मीकि	,,	१८२५	१२ वॉ	
५४	२६०१ (७)	गंगाष्टक	वाल्मीकि	,,	१८२३	१२ वॉ	
५५	२६७१	गंगाष्टक	,,	,,	१९वीं श	१	
५६	३६९८	गंगाष्टक	,,	,,	१८६०	१	
५७	१४०५	गंगाष्टक स्तोत्र	कालिदास	,,	१८५१	३	
५८	२८३६	गंगाष्टक स्तोत्र	,,	,,	१७९७	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५९	३३००	गगास्तुवि	केवलराम	संस्कृत	१८३७	७	
६०	२८४	गणेशसहस्रनामस्तोत्र			१९वी श	१९	गणेशपुराणगत ।
६१	३५७३ (४)	गणेशस्तोत्र		„		१७ वाँ	जीर्णप्रति
६२	११२२ (१०)	गणेशाष्टक		„		६ठा	
६३	१५०९	गायत्रीसहस्रनामस्तोत्र		„	१९५७	४१	
६४	२७१५	गायत्रीस्तवराज			१८७७	३	महातन्त्रगत । कृष्णगढ़ म लिखित ।
६५	२९२३	गायत्रीस्तवराज		„	१८८७	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त ।
६६	३३३२	गायत्रीहृदयस्तोत्र			१८वीं श	७९	
६७	१५०७	गायत्रीहृदयस्तोत्र	याज्ञवल्क्य		१९५५	८	
६८	१८८२ (२१६)	गीतगोविन्द की अष्टपदी	जयदेव		१९वीं श	१३६वाँ	
६९	८०८	गुरुगीता		„	१८७६	४	स्कन्दपुराणगत । माढथीविन्दुर में लिखित ।
७०	२३७३ (३)	गुरुपूजास्तोत्र			१८७३	४३–२९	कृष्णगढ में लिखित।
७१	२७६९	गुरुस्तोत्र			२०वीं श	१	
७२	११४२ (३५)	गुर्वष्टक			१९वीं श	३५वाँ	
७३	२७८९	गुर्वष्टक			२०वीं श	१	
७४	२५ ९	गोकुलेशाष्टक	रघुनाथ		१९७७	१	
७५	३४४	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			१८४४	४	सम्मोहनतन्त्रगत ।
७६	३३६	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			१९२५	३३	सम्मोहनतन्त्रगत ।
७७	३४८	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			१९वीं श	८०	
७८	३५०	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			„	५२	
७९	३५१	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			२०वीं श	९	
८०	३१३३	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			१९वीं श	१७	सम्मोहनतन्त्रगत ।
८१	३६८३	गोपालसहस्रनामस्तोत्र			१५८०	११	नारदीयपुराणगत
८२	३१६५	गोविन्दस्तव	शङ्कराचार्य		१९वीं श	२	
८३	२ ७६ (८)	गोविन्दस्तोत्र			२०वीं श	१ से ३	
८४	३२२	गोविन्दाष्टक			„	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८५	२६६६	गोविन्दाष्टक	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६०२	१	कृष्णगढ़ मे लिखित।
८६	२८१८ (१)	गोविन्दाष्टक	,,	,,	१६वीं श.	१–२	
८७	१४२६	गौरीदशकस्तोत्र	,,	,,	१८००	१	
८८	२७५६	गौरीदशकस्तोत्र	,,	संस्कृत	१८८७	२	कृष्णगढ़ मे लिखित।
८६	१०६० (२)	ग्रहशान्तिस्तोत्र	भद्रबाहु	,,	१७११ (?)	३रा	वरवाला ग्राम मे लिखित।
६०	२६०८	चक्रपाणिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	२	
६१	११०५	चतुर्विंशतिजिनस्तुति	सोमप्रभ	,,	१८वीं श.	२	
६२	१०६६	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र	शान्तिचंद्र	,,	१६वीं श	२	
६३	११०२	चतुर्विंशतिजिनस्तोत्र आदि		,,	,, ,,	३	
६४	२६३० (५)	चद्रस्तोत्र		,,	,, ,,	३रा	
६५	१४	चामुण्डासहस्रनामस्तोत्र		,,	,, ,,	१६	देवीयामलगत।
६६	३५५४ (१३)	चिन्तामणिपार्श्वस्तोत्र		संस्कृत	,, ,,	२६वाँ	
६७	२८६३ (४५)	चैत्यवदन		प्राकृत	१७वीं श	८८वाँ	
६८	२८१५	जगदम्बामहिम्नः स्तोत्र	धरानन्दनाथ	संस्कृत	१६१७	५	अजमेर मे लिखित।
६६	२७१० (१६)	जलभेदस्तोत्र		,,	१६२५	११–१२	
१००	२६११	जित ते स्तोत्र		,,	१६वीं श	११	प्रथम पत्र अप्राप्त।
१०१	१०४२	जिनशतक पंजिका-टीकासहित	मू० जंबू, टीका शाब	,,	१७वीं श	२३	अंतिम पत्र अप्राप्त।
१०२	२८६३ (६७)	जिनसमद्रसूरिस्तुति	मतिवर्द्धन	,,	,, ,,	१६२वाँ	हीरकलश लिखित
१०३	२८६३ (१२६)	जिनसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६२०	१६२–१६३	झेंझेऊ ग्राम मे हीरकलशमुनि लिखित।
१०४	११२२ (११)	जिनस्तवन	गगकुशल	,,	१६वीं श	६–७	
१०५	१११७	जीरापल्लीपार्श्वस्तोत्र			१७वीं श	१	
१०६	८२१	ढुंढिराजस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१०७	२८०८	तारासहस्रनामस्तोत्र		संस्कृत	१७वीं श	१७	
१०८	१८०६ (४)	तिजयपहुत्त सटीक		प्राकृत	१६वीं श	२७–२६	
१०६	११०८	तीर्थमालास्तव सबालावबोध	महेन्द्रप्रभ	संस्कृत	१६५५	१६	नवानगर में लिखित
११०	२६१२	तुलसीस्तव		"	१६५२	७	स्कन्दपुराणगत। २रा पत्र अप्राप्त।
१११	३१५३	तुलसीस्तव		"	१६वीं श	५	स्कन्दपुराणगत ७२ पद्य हैं।
११२	७६२	त्रिपुरसुन्दरीमानसीपूजा	शङ्कराचार्य	"	" "	७	
११३	७६३	त्रिपुरसुन्दरीमानसीपूजा	वत्सराम	"	१६वीं श	७	
११४	२७५७	त्रिपुराआरात्रिका		"	१८७०	१	मेडता में लिखित। दो आरात्रिका हैं।
११५	३१८०	त्रिपुरासहस्रनामस्तोत्र		"	१८वीं श	७२	रुद्रयामलगत। प्रथम तथा अन्त्य पत्र शोभन
११६	८२०	त्रिपुरसुन्दरीस्तोत्र	शङ्कराचार्य	"	१६वीं श	१	
११७	२३७० (२)	त्रिपुरास्तोत्र	लघुपंडित	"	" "	८	
११८	२६१४	त्रिपुरास्तोत्र	रामकृष्ण	"	" "	५	
११६	२६१६	त्रिपुरास्तोत्र	लघुपंडित	"	१७वीं श	२	
१२०	३६६२	त्रिपुरास्तोत्र	"	"	१८वीं श	३	
१२१	११०७	त्रिपुरास्तोत्र सटीक	टी सोमतिलक स १३६७ में घटीपुरी में रचित	"	१५५०	१४	मंडपमहादुर्ग में लिखित
१२२	२६२७	त्रिपुरास्तोत्र		"	१७वीं श	७	
१२३	३४३५	त्रिपुरास्तोत्र सटीक	टी सोमतिलक स १३६७ में रचित	"	१८वीं श	३८	
१२४	३६८८ (१)	त्रिपुरास्तोत्र सटीक		संस्कृत	१६वीं श	१–१६	स्थाणुनामकठक्कुर की प्रार्थना
१२५	८२६	त्रिपुरास्तोत्र विवरण सहित	लघुपंडित	संस्कृत	१८वीं श	२०	
१२६	३२१०	त्रिपुरास्तोत्र सावचूरि पचपाठ	,	संस्कृत	१७वीं श	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२७	३४३४	त्रिपुरास्तोत्र सस्तबक	स्तबककार-रूपचन्द्र	सस्कृत	१७६८	८	स्तवककारके हस्ताक्षरों मेलिखित स १७६८ में स्तवक-रचना
१२८	२३७३ (८)	दक्षिणकालिका कर्पूर-स्तोत्र		,,	१८७३	९७–१०४	कृष्णगढ़ में लिखित
१२६	२६५७	दक्षिणकालिकासहस्र-नामस्तोत्र		,,	१८८६	३	,, ,,
१३०	२३७३ (१७)	दक्षिणकालिकास्तवराज		,,	१६वीं श	१५७–१५६	
१३१	२७११	दक्षिणामूर्तिस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	,, ,,	२	
१३२	१४६२	दत्तमहिम्नस्तोत्र	,,	,,	,, ,,	१	
१३३	२३०६ (७)	देवाधिदेवस्तोत्र	,,	,,	,, ,,	२५–२६	
१३४	१०६८	देवा प्रभोस्तव सटीक, त्रिपाठ	मू० जयानन्द	,,	१८वीं श	४	
१३५	१६०८	देवा प्रभोस्तव सावचूरिक, त्रिपाठ	जयानन्द टीका वानर्षि	,,	१७२६	४	बुरहानपुर मे लिखित
१३६	२१२२	देवा प्रभोस्तोत्र सबा-लावबोध		,,	१८वीं श	७	
१३७	२७८३	देवीअपराध भञ्जनस्तोत्र		,,	१ ४	३	रुद्रयामलगत। अजमेर मे लिखित।
१३८	३१०६ (१)	देवीकवच		,,	१६वीं श	१–१०	
१३६	३१६४	देवीकवच		,,	,, ,,	१४	
१४०	२७६७	देवीक्षमापराधस्तोत्र	चन्द्रदत्त	सस्कृत	१८६४	७	अजमेर मे लिखित।
१४१	१४३६	देवीसूक्त		,,	१६वीं श.	११	
१४२	२६४०	देवीसूक्त		,,	,, ,,	१	
१४३	२८२३	देवीसूक्त		,,	१६२६	३	कृष्णगढ मे लिखित।
१४४	२७६५	देवीस्तुति	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	२	
१४५	१०६० (१)	द्वात्रिंशिका	सिद्धसेन	,,	१७६१	३	वरवालाग्राम मे लिखित।
१४६	१०२६	नमस्कारस्तव	जिनकीर्ति	प्राकृत	१६वीं श.	२	
१४७	११६२ (७२)	नवग्रहस्तोत्र		प्राकृत	,, ,,	१५–१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१४८	३५५४ (१४)	नवग्रहस्तोत्र		प्राकृत	१६वीं श	६वाँ	
१४९	२७१० (१०)	नवरत्न		संस्कृत	१६२५	६वाँ	
१५०	३५७२ (८)	नवरत्नस्तोत्र	वल्लभाचार्य		१६वीं श	५३–५४	
१५१	६३१	नवकारबालावबोध		राजस्थानी	१७वीं श	४	
१५२	६६७	नवकारबालावबोध		„	१८वीं श	११	
१५३	२१५२	नवकारबालावबोध		„	„	१०	
१५४	३५१६	नवकारबालावबोध		„	१७वीं श	२	
१५५	१८०५	नवस्मरण		संस्कृत	१६१६	१४	अन्यान्य आचार्यकृत नवस्तोत्र संग्रह
१५६	२७१० (४)	नामरत्नस्तोत्र	रघुनाथ		१६२५	४–५	
१५७	८४४	नारायणहृदयस्तोत्र तथा महालक्ष्मीहृदयस्तोत्र		„	१६वीं श	२५	अथर्वणरहस्यगत
१५८	११२२ (८)	नारायणाष्टक				५वाँ	
१५९	२७०० (२)	निरोधलक्षणस्तोत्र		„	„	१–२	
१६०	२७१० (१६)	निरोधलक्षणस्तोत्र			१६२५	१३–१४	
१६१	१०८८	नेमिजिनस्तुति सावचूरि पचपाठ	पं० विशालि (?)	„	१८वीं श	१	'न' और 'म' दो अक्षर में रचित
१६२	३३१६	पंचमीस्तवराज					
१६३	२६०० (८)	पंचविंशति (अवतार) नामस्तोत्र		„	१६वीं श १८२५	१४ १२वाँ	रुद्रयामलगत पूनरासर में लिखित।
१६४	२६०१ (८)	पंचविंशति (अवतार) नामस्तोत्र			१८२३	१२ वाँ	
१६५	११०६	पार्श्वजिनस्तव सावचूरि पचपाठ			१६वीं श	१	यमकबंध
१६६	२८६३ (६६)	पार्श्वजिनस्तोत्र	प्रमोदहर्ष (?)		७वीं श	१६०वाँ	
१६७	१११२	पार्श्वनाथस्तव			„	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६८	१०८८	पार्श्वनाथ स्तोत्र सटीक	मू० पद्मप्रभ टी० मुनिशेखर	संस्कृत	१९वीं श	४	
१६९	१८०६ (५)	पार्श्वस्तोत्र सटीक	मू० जिनप्रभ	मू० प्रा० टी० सं०	,, ,,	२६–३१	
१७०	१५२	पीताम्बर सहस्रनाम-स्तोत्र		संस्कृत	१८८६	९	
१७१	३१७८	पीयूषलहरी (गंगालहरी)	जगन्नाथ	,,	१९वीं श	८	
१७२	१२१	पीयूषलहरी (गगालहरी)	जगन्नाथ टी० सदाशिव	,,	१८१७	३०	
१७३	२७१० (८)	पुष्टिप्रवाहमर्यादास्तोत्र		,,	१९२५	८ वाँ	
१७४	४२४	पुष्पांजली स्तोत्र	रामकृष्ण भट्ट	,,	१८वीं श	२	मेदनीपुर में लिखित
१७५	३१२	प्रणवाष्टोत्तरशतनाम-स्तोत्र		,,	१९वीं श	३	
१७६	३१३	प्रत्यगिरास्तोत्र		,,	१९२७	२२	
१७७	१७६५	प्रत्यगिरास्तोत्र		,,	१९वीं श.	४	
१७८	२७१० (३)	प्रेमामृतस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	१९२५	३–४	
१७९	१४६१	बगलामुखीस्तोत्र		,,	१९वीं श	४	रुद्रयामलगत।
१८०	८०५	बटुकभैरवशतनामस्तोत्र		,,	१८५६	४	,, ,,
१८१	१४३१	बटुकभैरवस्तोत्र		,,	१९वीं श	१३	,, ,,
१८२	३१८५	बटुकभैरवस्तोत्र		,,	१८८४	१०	,, ,,
१८३	२७६०	बन्दिमोक्षस्तोत्र		,,	१९वीं श	१	,, ,,
१८४	२७१० (६)	बालबोधस्तोत्र		,,	१९२५	६–७	
१८५	२२४६	बाला आरती तथा बालासमयाष्टक		,,	१९२३	१	
१८६	२६१६	बालासहस्रनामस्तोत्र		,,	१८३१	२२	रुद्रयामलगत।
१८७	२८०९	बालासहस्रनामस्तोत्र		,,	१८८८	२१	पुष्करतट मे लिखित
१८८	२६१५ (२)	बालास्तोत्र		,,	१९वीं श	२रा	
१८९	३५५५ (११)	बृहच्छान्ति		,,	,, ,,	२६ वाँ	
१९०	८८	बृहच्छान्ति टीका	हर्षकीर्ति	,,	१९६३	७	जीर्णप्रति है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२३८	१४८	महामृत्यु जयस्तोत्र		संस्कृत	१८६७	१४	भैरवतन्त्रगत ।
२३९	७१८	महालक्ष्मीसूक्त			१६०१	१	
२४०	७८४	महालक्ष्मीस्तोत्र			१६वीं श	२	विष्णुपुराणगत ।
२४१	३५७३ (४०)	महावीरस्तवन	अभयदेव	प्राकृत	१६वीं श	८१ वाँ	जीर्ण प्रति
४२	१०६७	महावीरस्तव महावीरस्तव ऋषभस्तव पार्श्वस्तोत्र		संस्कृत	१६वीं श	२	
२४३	२६६४	मृत्यु जयस्तोत्र		,	१६२५	१	पद्मपुराणगत ।
२४४	११४८ (२)	यमुनाष्टक (गुटका)	वल्लभाचार्य	,	१६वीं श	१८से२०	
२४५	२७१० (५)	यमुनाष्टक	वल्लभाचार्य		१६२५	५–६	
२४६	२७६६	यमुनाष्टक	वल्लभदीक्षित	,	२०वीं श	२	
२४७	६५७२ (६)	यमुनाष्टक			१६वीं श	६०–६२	
२४८	३१४४	यमुनास्तोत्र तथा यमुनाष्टक	निम्बार्कशरणदेव तथा गोस्वामी		१६०२	१०	
२४९	१८०	रकारादिरामसहस्रनाम			१८६८	१२	ब्रह्मयामलगत ।
२५०	१८७	रकारादिरामसहस्रनाम		,	१८६०	१२	
२५१	२३७२ (१५)	राजराजेश्वरी स्तोत्र	शङ्कराचार्य	,	१६वीं श	१५१–१५२	
२५२	३५७६	राधास्तोत्र			१८वीं श	२	ब्रह्माण्डपुराणगत
२५३	३३०	रामचन्द्रस्तोत्र			२०वीं श	४	
२५४	२७३०	रामचन्द्रस्तोत्र		,	१६वीं श	१	
२५५	८१६	रामरक्षाकवच	विश्वामित्र	„	,	४	
२५६	३१८	रामरक्षास्तोत्र		,	१६३३	१०	
२५७	७६०	रामरक्षास्तोत्र		,	१६वीं श	३	
२५८	२३७६ (१)	रामरक्षास्तोत्र	विश्वामित्र		२०वीं श	१से६	गुटका ।
२५९	२६०० (२)	रामरक्षास्तोत्र	„		१८२५	६–१०	
२६०	२६०१ (२)	रामरक्षास्तोत्र	„	„	१८२३	६–१०	
२६१	३२६६	रामरक्षास्तोत्र			१६वीं श	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६२	७६६	रामरक्षास्तोत्र सटीक	महामुद्गलभट्ट	संस्कृत	१८३५	२४	भुजनगर में लिखित
२६३	७८३	रामरक्षा स्तोत्र सार्थ	विश्वामित्र	"	१८३६	५	
२६४	७८५	रामरक्षा स्तोत्र सार्थ	"	"	१८५६	५	
२६५	३०६	रामस्तवराज		"	१६२०	१३	सनत्कुमार संहितागत।
२६६	११४८ (१)	रामस्तवराज स्तोत्र		"	१६वीं श.	१से१७	" "
२६७	१४२५	रामहृदयस्तोत्र		"	" "	४	ब्रह्माण्डपुराणगत
२६८	२६६५	रामाष्टक		"	" "	१	
२६९	३२८२	लक्ष्मीसूक्त		"	१६५८	३	
२७०	३६६०	लक्ष्मीस्तोत्र		"	१६वीं श	१	पद्मपुराणगत।
२७१	१८०६ (३)	लघुशान्ति सटीक	मू. मानदेवसूरि	"	१६वीं श	७४–७७	
२७२	२६१५ (१)	वक्रतुण्डस्तवराज		"	१६वीं श	१–२	
२७३	८१५	वक्रतुण्डस्तोत्र तथा अन्नपूर्णास्तोत्र	वेदव्यास	"	१८१५	१	मथुरा में लिखित।
२७४	२७१० (२)	वल्लभाष्टक		"	१६२५	३रा	
२७५	३४७२ (४)	वल्लभाष्टक		"	१६वीं श	४६–६०	
२७६	११०१	वसुधारास्तोत्र		"	१७वीं श	७	
२७७	२६२५	वसुधारास्तोत्र		"	१८८१	४	मकसुदाबाद बालोचर में लिखित।
२७८	३४४	वागीश्वरीस्तोत्र		"	२०वीं श	७	सनत्कुमारसंहितागत।
२७९	६	वायुदेवस्तवव्याख्या	राम	"	१६वीं श	१६	मू० तत्त्वदीपिकाचार्य
२८०	२७१० (१२)	विवेकधैर्याश्रयस्तोत्र		"	१६२५	१० वाँ	
२८१	३३५	विश्वनाथाष्टक तथा शिवस्तोत्र	व्यास उपमन्यु	"	२०वीं श	६	८वाँ पत्र अप्राप्त
२८२	३०२	विष्णुदिव्यसहस्रनामस्तोत्र		"	१६वीं श	२८	
२८३	३३५	विष्णुपञ्जरस्तोत्र		"	१८६८	१०	ब्रह्माण्डपुराणगत
२८४	८३६	विष्णुपञ्जरस्तोत्र		"	१८५६	५	" "
२८५	२६०० (३)	विष्णुपञ्जरस्तोत्र		"	१८२५	१० वाँ	" "

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२८६	२६०१ (३)	विष्णुपंजरस्तोत्र		संस्कृत	१८२३	१० वाँ	ब्रह्माण्डपुराणगत
२८७	३३०३	विष्णुपंजरस्तोत्र		,,	१६वीं श	४	,, ,,
२८८	१८०२ (३)	विष्णुमहिम्नःस्तोत्र			,, ,,	१३–१५	जीर्णप्रति
२८९	१८६७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		संस्कृत	१८५१	३८	
२९०	२८७६ (२)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श	१–४७	
२९१	२८८७	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श	१६	
२९२	६५	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र	(पद्मपुराणान्तर्गत)	,,	१६वीं श	१२	मानकवीश्वर द्वारा सोनीहरजी ने लिखाया
२९३	८४१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१८६‍	३५	पद्मपुराणगत।
२९४	२६१६	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६६६	१८	,,
२९५	३२८१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र			६वीं श	२५	,,
२९६	३६८१	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श	१७	,,
२९७	२६०० (४)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१८२५	१०–१८	महाभारतगत।
२९८	२६०१ (४)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र			१८२३	१०–१२	
२९९	३५७२ (१)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श	१–४६	भागवतसार समुच्चयगत।
३००	७५२	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र तथा अनन्तव्रतकथा सार्थ			१६वीं श	१६	
३०१	२३७२ (२)	विष्णुसहस्रनामस्तोत्र तथा अष्टाविंशतिनाम स्तोत्र		,,	१६वीं श.	२६+५	
३०२	३२६८	विष्णुस्तवराज		,,	१८६१	१०	महाभारतगत काशी में लिखित।
३०३	३१७	विष्णुस्तुति सटीक	टी० हरिदास	,,	१६वीं श	५	भार्गैरकुरित पद्य की टीका
३०४	१५७७	वीतरागस्तोत्र	हेमचन्द्र	,,	१५वीं श	६	प्रथम पत्र अप्राप्त
३०५	३५१८	वीतराग स्तोत्र पंजिका-युक्त त्रिपाठ	हेमचन्द्र पंजिका विद्यासागर ?		१६वीं श	१३	सं० १५१२ में पंजिका की रचना।
३०६	८३१	वेणीस्तोत्र प्रयागस्तव वेणीस्तोत्र, त्रिवेणीस्तोत्र	शेष ?	,,	१८१५	३	प्रयाग माहात्म्यगत कन्ना में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०७	१३०६	वेदस्तुति		संस्कृत	१६वीं श	६	भागवतगत।
३०८	१६८	वेदस्तुति सटीक त्रिपाठ	टी० चक्रवर्त्ती	,,	१८५८	५०	
३०६	७५८	व्यकटेश्वराष्टक तथा रामाष्टक		,,	१६वीं श	१	
३१०	२७७८	शनिस्तोत्र		संस्कृत	१६२८	३	स्कन्दपुराणगत अजमेर मे लिखित।
३११	३१५१	शनिस्तोत्र		,,	१८४७	७	स्कन्दपुराणगत
३१२	३५६७ (२०)	शनिस्तोत्र		,,	१६वीं श	१३७–१३८	
३१३	३१८६	शनैश्वरस्तोत्र		,,	१७६६	११	स्कन्दपुराणगत
३१४	२६३० (८)	शन्यष्टक	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	४था	
३१५	२६६३	शरभेशस्तोत्र		,,	१८६६	१	आकाशभैरवकल्पगत अजमेर मे लिखित।
३१६	३५५४ (१२)	शान्तिनाथस्तोत्र		,,	१८८३	२६वाँ	
३१७	२७५८	शान्तिस्तुति		,,	१६वीं श	१	
३१८	७६४	शारदाष्टक		,,	,, ,,	१	
३१६	७६८	शारदास्तुति		,,	,, ,,	१	
३२०	७७०	शालिग्रामस्तोत्र		,,	,, ,,	४	भविष्योत्तरपुराणगत।
३२१	११४७ (४)	शालग्रामस्तोत्र		संस्कृत	१८८४	३२से३८	भविष्योत्तर-पुराणगत।
३२२	१५१०	शालग्रामस्तोत्र		,,	१६०२	५	
३२३	८२४	शिवकवच		संस्कृत	१७६६	५	स्कन्दपुराणगत
३२४	१३०६	शिवकवच		,,	१८०५	६	स्कन्दपुराणगत। नवीनपुर मे लिखित।
३२५	१५०३	शिवकवच		,,	१६२३	६	स्कन्दपुराणगत।
३२६	१३६५	शिवदशकस्तोत्र		,,	१८२८	२	नदिकेश्वर पुराणगत
३२७	२७३१	शिवपचाक्षरस्तोत्र		,,	२०वीं श	१	
३२८	३७२	शिवमहिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	,,	१८१३	७	नवानगर में लिखित।
३२६	८११	शिवमहिम्न स्तोत्र	,,	,,	१६वीं श	५	
३३०	१४६७	शिवमहिम्न स्तोत्र	,,	,,	२०वीं श.	५	
३३१	२७७३	शिवमहिम्न स्तोत्र	,,	,,	१७६६	६	प्रथम तथा अन्त्य पत्र शोभन

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३३२	३६८६ (१)	शिवमहिम्न स्तोत्र	पुष्पदन्त	संस्कृत	१६वीं श	१–२	
३३३	७५८	शिवमहिम्न स्तोत्र पंजिका टीका		,,	१८वीं श	२२	
३३४	१७६४	शिवमहिम्न स्तोत्र सटीक	मू० पुष्पदन्त टी०अहोबल(?)	,,	१६वीं श	१६	
३३५	३२६७	शिवमहिम्न स्तोत्र सटीक		,,	१६०७	३४	
३३६	३१५०	शिवमर्मकवच		,,	१६वीं श	५	स्कन्दपुराणगत।
३३७	८००	शिवसहस्रनामस्तोत्र		,,	२०वीं श	१३	लिंगपुराणगत
३३८	३१४६	शिवसहस्रनामस्तोत्र		,,	१६वीं श	२०	२ रा पत्र अप्राप्त।
३३६	८०३	शिवसहस्रनामस्तोत्र आदि १ शिवसहस्रनाम २ शिवकवच, ३ शिव ताण्डव ४ शिवस्तोत्र ५ अपराधस्तोत्र ६ पञ्चवक्त्रस्तुति, ७ परिषद् स्तोत्र, ८ अगस्त्याष्टक ६ देवीस्तोत्र, १० शिवस्तोत्र।		,,	१६वीं श	२१	
३४०	१३४२	शिवस्तुति	व्यास	,,	१८१०	५	सूतसंहितागत
३४१	२६६०	शिवस्तोत्र	रामानन्द सरस्वती	,,	१६२२	२	कृष्णगढ़ में लिखित
३४२	२६६७	शिवस्तोत्र	उपमन्यु	संस्कृत	१८८३	२	
३४३	२७१७	शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१६वीं श	१	
३४४	२६४५	शिवापराधस्तोत्र	शङ्कराचार्य	,,	१६२७	४	अजयनगर में लिखित।
३४५	२६६५	शिवापराधस्तोत्र	,,	,,	१६१६	३	अजमेर में लिखित।
३४६	३३०६ (५)	शिवाष्टक			१६वीं श	२१–२३	
३४७	३५६७ (४)	शिवाष्टक शिवस्तोत्र	शङ्कराचार्य		१८१३	१७–१६	मेड़ता में लिखित
३४८	१३८४	शिवाष्टकस्तोत्र	अगस्तिमुनि	,,	१६वीं श.	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३४९	३३२	शीतलाष्टक		संस्कृत	१७६३	१	
३५०	२७०४	श्रीमल्ललिताष्टक	रूपगोस्वामी	,,	१९वीं श	२	
३५१	११११	शोभनस्तुय'	शोभन	,,	१७वीं श	५	
३५२	१११४	शोभनस्तुतिअवचूर्णि		,,	१५३१	७	
३५३	२६६३	श्यामास्तोत्र		,,	१९वीं श	१	ज्ञानार्णवगत।
३५४	१११०	सकलार्हत्स्तोत्र टीका	गुणविजय	,,	१७वीं श	६	
३५५	१८३	सन्तानगोपालस्तोत्र		,,	२०वीं श	९	
३५६	१८६	सन्तानगोपालस्तोत्र		,,	,, ,,	७	
३५७	२५०० (१)	सन्न्यासनिर्णयस्तोत्र	वल्लभाचार्य	,,	१९वीं श	१ ला	
३५८	२७१० (१८)	सन्न्यासनिर्णयस्तोत्र	,,	,,	१९२५	१२–१३	
३५९	११०४	सप्तस्मरण		प्राकृत	१९वीं श	८	
३६०	१८०१	सप्तस्मरण सटीक		संस्कृत	१७०३	२७	अन्यान्य आचार्य-कृत सात स्तोत्रों का संग्रह।
३६१	२६३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९४३	३९	
३६२	२६३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१८६८	१४०	कूर्मदेशे अर्जुनपुर (नगर) में लिखित।
३६३	३०७	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१७५४	८७	
३६४	७४३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१७३९	४१	
३६५	८२८	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१८११	३७	
३६६	१४३६	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९६९ शके	८०	पत्र १–२ अप्राप्त।
३६७	१४४८	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९२८	३२	
३६८	१४४६	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९३१	३१	
३६९	१४२०	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१७००	६२	पत्र १सेन अप्राप्त।
३७०	२५१३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१८वीं श	७	
३७१	२६२७	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९वीं श	३२	
३७२	२७४३	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९वीं श	८३	अपूर्ण
३७३	२७६४	सप्तशती (चंडीपाठ)		,,	१९२६	२३६	कृष्णगढ में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४१७	१११६	स्तोत्र समह (स्मरणादि)		संस्कृत	१७१९	६	रताडीयागाम में लिखित।
४१८	१८७५ (१)	स्तोत्रादि समह गुटका त्रुटक		प्रा०सं०	१९वीं श	१४९	गुटका
४१९	१०९४	स्मरणादि		संस्कृत	१८६६	९	
४२०	३२१	हनुमत्कवच		,,	१९वीं श	७	
४२१	१३७६	हनुमत्कवच		,,	१९वीं श	२	
४२२	२३२	हनुमत्सहस्रनामस्तोत्र		,,	१६६४	८	ब्रह्माण्डपुराणगत
४२३	२५८७	हनुमदष्टक		,,	१९वीं श	२	
४२४	२८१८ (२)	हनुमदष्टक	रामचन्द्र	,,	१९वीं श	२ रा	
४२५	२६१८	हनुमदष्टोत्तरशतनाम स्तोत्र		,,	१९वीं श	५	

(१) वैदिक ग्रन्थ

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५१६	अध्वर काण्ड ब्राह्मण		संस्कृत	१६८४	१४९	पत्र १ से ४१ अप्राप्त
२	२७३	अनुवाक		,,	१८३९	६	
३	३७६	अनुवाक	कात्यायन	,,	१९वीं श	१०	
४	१२२४	अनुवाक		,,	१७६३	५	
५	१२५२	अनुवाक	कात्यायन	,,	१८२९	८	
६	१२९६	अनुवाक		,,	१८८७	६	
७	१२९०	इष्टि पचपदार्थी		,,	१८३१	१९	
८	१४६१	उषा सभरण ब्राह्मण		,,	१९२६	१२०	
९	२८३५	ऋग्वेद सहिता		,,	१६३६	१७४	
१०	१३३३	ऐष्टिक चातुर्मासी-पद्धति		,,	१९वीं श	३	
११	१६७०	कर्मप्रदीपभाष्य अपूर्ण	आशादित्य	,,	१७वीं श	१२४	पत्र १ से ९ तथा ४१ से ९१ अप्राप्त
१२	१६६६	कर्मविपाक महार्णव-निबध		,,	१६वीं श	२२३	पत्र २ तथा २०१ से २११ अप्राप्त
१३	३६७	कात्यायन सूत्र भाष्य प्रथमाध्याय		,,	१८३१	३४	
१४	३६८	कात्यायन सूत्र भाष्य द्वितीय तृतीयाध्याय		,,	१८२९	४४	
१५	३६९	कात्यायन सूत्र भाष्य		,,	१८२९	४६	
१६	१२०५	कात्यायन सूत्र व्याख्यान (स्नानादि पद्धति)	हरिहर	,,	१७वीं श	२५	
१७	१२७०	कात्यायन सूत्र		,,	१९वीं श	३६	
१८	११८१	कुण्डनिर्माण सटीक	रामवाजपेय टीका-स्वोपज्ञ	,,	१८वीं श	२२	
१९	१६५४	कुण्ड प्रदीपक	महादेव	,,	१८८३	२१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रंथ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
२०	१४०२	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	सस्कृत	१८७२	२१	
२१	१४८७	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	,	१६१८	२४	
२२	११८५	कुण्डप्रदीपक सटीक	महादेव	,	१७६८	७	
२३	१२६४	कुण्डप्रदीपिका सटीक	मजी द्विवेदी भीमजीसुत टीका-स्वोपज्ञ	सस्कृत	१८३०	२०	रचना १६५३ टी १६५७ वि वृद्धनगर
४	१४४३	कुण्डसिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	,	१६१३	२७	
२५	१३३०	कुण्डसिद्धि	विठ्ठल दीक्षित	,	१८२५	५	
२६	२६३४	कुण्डसिद्धि वेवृत्ति		,,	१७६७	२०	
२७	१२१५	कुण्डाहुति	रामचन्द्र		१६४३	६	लावी में लिखित
२८	१४२०	कोकिल स्मृति (श्राद्ध निर्णय)			१६वीं श	१७	
२६	९६८	कौपीतकी ब्राह्मण			१५१८	५१	पत्र १से३ तथा २७वां अप्राप्त
३०	१ ६	गायत्री ब्राह्मण			१६वीं श	२	
३१	१४५२	गृह्यकारिका			१६१२	७	
३२	१२५७	गृह्यपद्धति	वासुदेव		१८२८	४८	
३	१३२२	गृह्यपद्धति	वासुदेव	,	१८५०	७६	
४	१३७३	गृह्यसूत्र	पारस्कराचार्य		१८७६	६३	
३५	१४०८	गृह्यसूत्र	पारस्कराचार्य	,	८२६	३८	पत्र ३ से ६ अप्राप्त
३६	३०१८	गोमली			१६१३	२०	गिरपुर में लिखित
३७	७६७	चरणव्यूह		सस्कृत	१८०१	४	भुजनगर में लिखित
३८	१३५३	चरणव्यूह			१८५२	६	
३६	२६३२	चरणव्यूह			१६३३	२	कृष्णगढ़ में लिखित
४०	३२७५	चरणव्यूह		,	१६२३	१	
४१	१२५८	तत्त्वसार (चरणव्यूह)			१६वां श	१२	
४२	१३७४	दशकुण्डमरीचिमाला	विष्णु	सस्कृत	१८८७	१४	
४३	१२०७	नीलोत्सर्गविधि			१६४६	१२	मत्स्यपुराणगत
४४	१४०	पंचमहायज्ञ फल		,	१६वीं श	५	
४५	१४८४	परिभाषापाकसूत्राणि	केशव		१६११	७	
४६	११७५	पाराशर स्मृति टीका	मूल पाराशर (टीका—माधवामात्य)	,,	१७६८	१५६	तृतीयाध्याय पर्यन्त। पत्र १ से ११ तक मूल पाठ है पश्चात् टीका।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७	७७२	पितृ सहिता		संस्कृत	१८७६	७	
४८	१२४३	पितृ सहिता		"	१८८८	७	
४९	१२६६	पितृ सहिता		"	१८८८	४	
५०	१३६५	पितृ सहिता		"	१६वीं श	५	
५१	१४३५	पुठी (पृष्ठि ?)		संस्कृत	१८३७	३५	हलवद मे लिखित
५२	११४	प्रतिष्ठा ब्राह्मण		"	१६वीं श	६	
५३	१४४०	प्रायश्चित्त सूत्र		"	१६वी श	२	
५४	१५२३	ब्राह्मण ग्रन्थ		"	१७वीं श	व्यस्तपत्र	
५५	१५१८	ब्राह्मण ग्रन्थ त्रुटक		"	१८वीं श	व्यस्तपत्र	
५६	१५२१	ब्राह्मण ग्रन्थ त्रुटक अपूर्ण		"	१७वीं श	८२	पत्र १ से ५, २२, ३६, ३७, ५६, ५७ अप्राप्त
५७	१५२२	ब्राह्मण ग्रथ त्रुटक अपूर्ण		"	१७वीं श	व्यस्तपत्र	
५८	३०५	ब्राह्मण सग्रह		"	१७वीं श	१६०	
५९	१०८०	ब्राह्मणाना वरुण		,	१८५५	४	
६०	१५१५	ब्राह्मणानि (१पादिका१)		"	१७६६	८६	पत्र १ से २४ अप्राप्त
६१	१२ ६	ब्राह्मणानि ३ (शतरुद्री)		"	१७३७	८६	समेत्रडी मे लिखित
६२	[illegible]	ब्राह्मणानि ३		"	१७३०	५३	
६३	१०४६	ब्राह्मणानि ४ (हरियणना प्रथमकाण्ड)		"	१८४७	१७४	नवानगर मे लिखित
६४	१ ७४	ब्राह्मणानि ४		सस्कृत	१८७८	१०५	
६५	१३६५	ब्राह्मणानि ५		"	१८७४	७७	
६६	१२६८	ब्राह्मणानि ५		,	१८८२	१०१	
६७	१५०५	ब्राह्मणानि ५		"	१६वीं श	६१	
६८	११६७	ब्राह्मणानि ६		"	१७वीं श	८६	
६९	[illegible]	ब्राह्मणानि ७		"	१६७२	८३	
७०	१०३३	ब्राह्मणानि ७		"	१८वीं श	१३५	प्रथमपत्र अप्राप्त
७१	११६३	ब्राह्मणानि ११		"	१६७१	७८	नवानगर मे लिखित
७२	११६४	ब्राह्मणानि १०		"	१६६६	८१	
७३	१०३०	ब्राह्मणानि [illegible]		"	१६६६	१०२	पत्र ५१ से ५४ तथा ६७ से १०० तक अप्राप्त नवानगर मे लिखित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७४	३४	मंत्रपक्ष सिद्धि सटीक त्रिपाठ	विठ्ठल दीक्षित	संस्कृत	१६वीं श	२१	टीका स्वोपज्ञ है
७५	१२८२	मत्रशाकली			१६वी श	४६	
७६	१५१४	माध्यन्दिनारण्यक		,	१६वीं श	३१४	अपूर्ण पत्र १ ५३ से ६३, ८६ से ६८ १०५ से ११४, १२३, १२७, १५७, १८६, २००, २०२, २४२, २५६, २६१, एवं ४४ अप्राप्त
७७	११७४	यजुर्वेद भाष्य (१)		,	१७वीं श	१५५	अपूर्ण प्रति है।
७८	१५१६	यजुर्वेद संहिता अपूर्ण		,	१७वीं श	१३६	१६वां अध्याय तक २०वां अपूर्ण
७६	३८२	यजुर्वेद हृव्यन् नाम प्रथमकाण्ड			१८४१	१५६	नवानगर में लिखित
८०	२-५७	रामपद्धति			१८७४	२६	
८१	१२०१	वशा			१६६७	४	
८२	१२०६	वाजश्वनो ऋषि छद			१७८१	३	
८३	३५८	वाजसनेय संहिता		,	१६१८	२७६	
८४	३३२५	वाजसनेय संहिता		,	१८२८	६५	
८५	१२८५	वाजसनेय संहिता-नुक्रमणिका		,,	१८८७	४१	
८६	१५७	वाजसनेय संहिता पूर्व खण्ड		संस्कृत	१६७३	२७६	
८७	१५८	वाजसनेय संहिता उत्तर खण्ड			१६२४	१४६	
८८	३७५	वाजी माध्यन्दिनी संहितानुक्रमणिका			१६वीं श	६६	
८६	११६१	वासिष्ठी तथा होम प्रमाण निर्णय			१८वीं श	६	
६०	११६०	वृद्धपाराशर		,	१८वीं श	७६	१२ अध्याय के ८७ श्लोक पर्यन्त अपूर्ण प्रति
६१	१४ ६	वेदपरिभाषाकसूत्र	केशव		१८८५	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९२	१२०८	वेदोक्त चतुर्माग यज्ञ (१)		संस्कृत	१८वीं श	१३	
९३	१३५६	व्रतानि (वेदोक्त)		,,	१८५४	७	
९४	१४६५	शतपथ ब्राह्मण		,,	१६५५	६६	
९५	१४३३	शिक्षा		संस्कृत	१६वीं श	१५	
९६	१४७४	शिक्षा	याज्ञवल्क्य	,,	१६२०	१से१४	
९७	१४८३	शिक्षा	अमरेश	,,	१६२०	२२	
९८	१२७१	सर्वानुक्रमणिका (यजुर्वेदीया)		,,	१८५२	४२	
९९	१५७४ (२)	संहिता शिक्षा वाल्मीकि-गर्ग-गोतमोक्त		,,	१६२०	१५–१६	
१००	१५५४	साङ्खिनि ब्राह्मण		,,	१६२६	८३	
१०१	१५२८	सामविधि		,,	१८८६	२८	
१०२	१२५५	सामवेदी स्त्री		,,	१८६१	२१	
१०३	३२२२	सूर्योपस्थान		,,	१८७२	१३	
१०४	१२६६	स्नान पद्धति (कात्यायनीय)	हरिहर	,,	१८७६	११	
१०५	१२७७	स्नान पद्धति (कात्यायनीय)	हरिहर	,,	१८६५	१४	
१०६	१२१०	स्नानविधि		संस्कृत	१७६०	७	
१०७	१५२७	स्नानविधि विवरण सहित	मू० कात्यायन विवरण हरिहर	,,	१६१८	१४	
१०८	१५८५	स्नानसूत्र		,,	१६१०	३	
१०९	१५००	होम मन्त्र (परिशिष्ट)	कात्यायन	,,	१६वीं श	१५	

(३) मन्त्रतन्त्रादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१	३७७	अघोरमन्त्राम्नाय		संस्कृत	१९०२	१	
२	२८०४	अन्नपूर्णाकवच		,,	१९वीं श	४	भैरवतन्त्रगत
३	३२३	अन्नपूर्णाष्टक		,,	२०वीं श	३	
४	८९	अथरत्नावली (चतुश्शती टिप्पण)	विद्यानन्द	,,	१९वीं श	७२	
५	२७५५	आकर्षणविधानानि		,,	२०वीं श	४	
६	३१६	कर्णशोधनप्रकार			२०वीं श	१०	
७	२६१०	कालिकाकवच		,,	१९वीं श	५	उत्तरतन्त्रगत
८	२७२९	कालिकाकवच		,,	१८७५	१	रुद्रयामलगत
९	२७९०	कालीमन्त्रविधि		,,	२०वीं श	८	
१०	२७९१	कालीमन्त्रविधि		,,	२०वीं श	१	
११	२७९२	कालीमन्त्रविधि		,,	२०वीं श	२	
१२	२७९३	कालीमन्त्रविधि		,,	२०वीं श	२	
१३	३०३	कालीकल्प		,,	१७५३	१९	बड़नगर में लिखित
१४	२३७३ (१२)	कालीकवच (रुद्रयामलगत)			१८७३	११३-१२१	कृष्णगढ़ में लिखित
१५	४६३४ (१)	कालीपटल			१९वीं श	१ ४	
१६	२६७०	कालीपुरश्चरणविधि			१९वीं श	१	
१७	२९०	कालोत्तरमहातन्त्र			१९वीं श	८९	
१८	१७९७	कुमारिकापूजन तथा दक्षिणकालीकवच		,,	१९१८	५	
१९	१४९६	कुमारीपूजन			१९वीं श	२	
२०	१४६०	कुशकण्डिका	गङ्गाधर		१९वीं श	४	
२१	१४७६	कुशकण्डिका			१९१४	३	मंत्रमहोदधिगत
२२	३७०३	कोष्ठयुद्धनिर्णयचक्र			१७वीं श	६	
२३	२०२१	कौलकुतूहल		,,	१९वीं श	१७५	अपूर्ण (?)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४९	८४०	तत्वत्रयशोधनविधिपान नवक (शाङ्करीपद्धतिगत) पात्रपद्धति (कौलार्णवगत) तथा दो अन्य कृतियाँ		संस्कृत	१९वीं श	६	
५०	२६२५	तं [त्र] मण्डन		„	१९वीं श	७६	
५१	८१०	तन्त्रराज	रामचन्द्र	„	२०वीं श	३६	
५२	३४५७	तन्त्रसार	कृष्णानंदवागीश	„	१७३४	२३६	
५३	२६८४	तान्त्रिकसन्ध्या		„	२०वीं श	१०	
५४	२६९४	तान्त्रिकहवनपद्धति			१८८६	१२	
५५	२६७६	तारानित्यपूजाविधि	नारायणभट्ट	„	१८८८	२७	कृष्णगढ में लिखित
५६	२६११	त्रिपुरमंत्रा			१७वीं श	५	
५७	२७३८	त्रिपुरसुन्दरीमहाम्नाय		„	१९३४	२१	मेड़ता में लिखित
५८	३३८	त्रैलोक्यमंगलकवच		„	२०वीं श	७	सनत्कुमार तन्त्रगत
५९	३४०	त्रैलोक्यमंगलकवच			„	५	
६०	२८११	दक्षिणकालिकाकवच		„	१८७१	२	मेड़ता में लिखित
६१	२३७३ (१०)	दक्षिणकालिकाकवच		„	१८७३	१०८-१०९	कृष्णगढ में लिखित
६२	२३७३ (५)	दक्षिणकालिकानित्य पूजापद्धति		„	१८७३	३३से६९	
६३	२७६२	दक्षिणकालिका पूजापद्धति		„	१८६१	४	मेड़ता में लिखित
६४	२७४५	दक्षिणकालिका पूजनपद्धति भाषा		„	१९२६	९	कृष्णगढ में लिखित
६५	२७३५	दक्षिणकाली पद्धति	अनन्तदेव	संस्कृत	१८७२	७७	मेड़ता में लिखित
६६	२७३९	दक्षिणकालीरश्मि मालाविधि		„	२०वीं श	२	
६७	२७३०	दक्षिणकालीषोडशामन्त्र		„	१९३२	१	
६८	१२०३	दक्षिणामूर्तिसंहिता		„	१८वीं श	४७	अपूर्ण
६९	१७५	दत्तात्रेयपटल		„	१९वीं श	२२	
७०	२८१	दत्तात्रेयपूजापद्धति			„	१०	भैरवयामलगत
७१	३३२३	दमनपूजाविधि		„	१८६८	६	
७२	२७११	दशमहाविद्यानन्मोत्सव-पात्रप्रक्षालन		„	१९७७	१	अजमेर में लिखित
७३	२३७३ (६)	दिग्बन्धहोमपद्धति			१८७३	७०-८८	कृष्णगढ में लिखित

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
७४	३४४	दिव्यमन्त्रौषधपञ्जर-कवच		सस्कृत	२०वीं श	८	
७५	३४१	दिशाबन्धनविधि		"	" "	६	
७६	२७६८	दुर्गोपनिषत		"	१८७७	२	
७७	२६४२	द्वात्रिंशद्दीक्षोपदीक्षा-पुटितपद्धति		सस्कृत	१६३६	४	हरिदुर्ग मे लिखित
७८	१३६२	नमकमन्त्रा.		"	१८३६	४	
७६	१३३६	नमकाङ्गमत्रविधि		"	१६वीं श	२	
८०	१३३५	नमकागमत्रविधि		"	" "	३	
८१	५१	नवग्रहन्यास		"	" "	५	
८२	१४६३	नवग्रहन्यास		"	१६०२	५	
८३	३८१	नवचण्डीसक्षेपपद्धति		"	१८५४	७	
८४	१३६६	नवदुर्गापूजनविधि		"	१६वीं श	६	
८५	२६७८	नवरात्रपूजाविधि		"	१८६४	२४	अजय नगर मे लिखित
८६	२६५५	नवार्णपद्धति		"	१८८७	१८	
८७	७४४	नारायण कवच	वेदव्यास	सस्कृत	१६वीं श	३	भागवतषष्ठस्कन्ध-गत
८८	२३७६ (५)	नारायणकवच सार्थ	नित्यानन्द	"	२०वीं श	२८	
८६	१८६	नारायणचिन्तामणि-कवच		"	१६वीं श	१०	विष्णुयामलगत
६०	३३७	नारायणचिन्तामणि-कवच		"	२०वीं श	२६	" "
६१	३१७२	नारायणवर्म		"	१६वीं श.	५	भागवतगत
६२	३३६	नारायणास्त्रकवच		"	२०वीं श	७	महाकालसहितागत
६३	१८५	नृसिंहकवच		"	१६वीं श.	१	
६४	२६७३	नैमित्तिकविधि	नरसिंह	"	१८८६	३	ताराभक्तिसुधार्णव का ७ वा तरग दिल्ली मे लिखित
६५	२३७३ (१३)	पञ्चचक्रनिरूपण		"	१८७३	१२१-१२६	रुद्रयामलगत
६६	२८१६	पञ्चचक्रनिरूपण		"	१८७१	६	मेडता मे लिखित
६७	३३	पञ्चदशाद्ध्यन्त्रविधि		"	१८६७	४	८२ पद्य मे रचना है

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
९८	२७५०	पञ्चदश्याम्नाय		संस्कृत	१९२३	१०	शिवताण्डवगत
९९	२३७३ (१४)	पञ्चमकारशोधनआदि		,,	१९वीं श	१३०-१५०	
१००	२८६०	पञ्चमुखीहनुमत्कवच		,,	१९वीं श	६	
१०१	२६९८	पञ्चवक्त्रपूजनविधि		,,	१९२१	६	
१०२	१७९	पञ्चवक्त्रशिवपूजन		,,	१९३८	७७	
१०३	१३०	पञ्चवक्त्रशिवपूजा-विधान		,,	१८७७	६	
१०४	१२२३	पञ्चाक्षरन्यासविधान		,,	१८वीं श	७	
१०५	२७९४	पात्रशोधनविधि		,,	१९वीं श	९	
१०६	१२८४	पार्थिवचिन्तामणिप्रयोग			२०वीं श	८	
१०७	३३२९	पार्थिवपूजनप्रयोग		,,	१९वीं श	३	अपूर्ण
१०८	१४४५	पार्थिवेश्वरचिन्तामणि पद्धति तथा शिवसहस्र नामस्तोत्र		,,	१९७०	१०	
१०९	२८७०	पार्थिवपूजनविधि		,,	१८४१	१०	
११०	२६५६	पार्थिवेश्वरपूजा		,,	१९१५	५	अजमेर में लिखित
१११	१४८२	पुरश्चरण		,,	१९१६	२३	
११२	२७६१	पुरश्चरणपद्धति		,,	१८७१	२२	मेड़ता में लिखित
११३	२७५	पुरश्चरणप्रयोग		,,	१९वीं श	४	
११४	२३७३ (११)	पुरश्चरणविधि			१९वीं श	११०-११२	
११५	७७४८	प्रणवन्यास			१९वीं श	३	
११६	१६४	प्रतिष्ठाकर्म			१७६२ शाके	६	वामकेश्वरतंत्रगत
११७	२८०१	प्रत्यङ्गिरामालामन्त्रविधि			१९वीं श	९	
११८	२३६८ (१४)	फुटकरमंत्र		राजस्थानी		४४-४५	
११९	२३६८ (२०)	फुटकर मंत्र			,,	६३-६७	
१२०	१४६६	बटुकभैरवपद्धति		संस्कृत	१९३१	१०	शारदातिलकगत
१२१	३८७	बटुकभैरवाम्नायविधि			१९०४	१८	
१२२	२८०७	बलिदानविधि			१९वीं श	३	
१२३	१८०६	बालाकवच (गौरीसारतंत्रगत)		,,	१८८८	३	पुष्करारण्य में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२४	३२४२	बालात्रिपुराकवच		संस्कृत	२०वीं श	६	शारदासमुच्चयगत
१२५	२७७५	बालात्रिपुरापूजाविधान-पद्धति		,,	१८६७	२०	मेडता में लिखित
१२६	२७५२	बालात्रिपुरार्चनविधि		,,	२०वीं श	१३०	(किंचिदपूर्ण)
१२७	२६८५	बालात्रिपुरासामान्य-पद्धति	माधवाचार्य	,,	१६१२	१८	अजमेर में लिखित
१२८	२८३३	बालात्रिपुरसुन्दरी-पञ्चाङ्ग पटल		,,	१६वीं श	४६	अपूर्ण
१२९	३१६१	बालात्रिपुसुन्दरीविधान-पद्धति		,,	१८७६	७	
१३०	३१८७	बालापटल		,,	१८००	६	मथुरा में लिखित
१३१	२७४६	बालापञ्चोपचारपूजा-विधि		,,	२०वीं श	४	
१३२	११५१	बालापद्धति	सच्चिदानन्दनाथ	,,	१६वीं श	४०	
१३३	२६८२	बालापूजनपद्धति (सार्थ)		संस्कृत	१६१३	२१	कृष्णगढ में लिखित
१३४	२७५१	बीजकोश	दक्षिणामूर्त्ति	,,	१६७५	३२	अजमेर में लिखित
१३५	२७०२	बीजोद्धारकोश		,,	१६२६	८	,, ,,
१३६	१६२	भगवतीकीलकादि		,,	१६वीं श	७	
१३७	३१६२	भगवतीकीलक		,,	,, ,,	११	
१३८	२८६३ (१८)	मनोवाञ्छामन्त्र		,,	१७वीं श	११ वा	
१३९	१६६५	मन्त्रमहोदधि	महीधर	,,	१६वीं श	११५	
१४०	१४१	मन्त्रमहोदधि सटीक	मू० महीधर टीका स्वोपज्ञ	,,	,, ,,	१६५	
१४१	२३६२ (६)	मन्त्रयन्त्रादि		राजस्थानी	१८वीं श	६	
१४२	२६५१	मन्त्रोद्धारकोश	दक्षिणामूर्त्तिमुनि	संस्कृत	१६२६	२२	कृष्णगढ़ में लिखित
१४३	२३७३ (१६)	महाकालकवच (गन्धर्वतन्त्रगत)		,,	१८७७	१५४–१५६	कृष्णगढ में लिखित
१४४	२६७६	महाकालमन्त्रन्यासादि		,,	१६३३	२	हरिदुर्ग में लिखित
१४५	२३७३ (६)	महाकालीकवच		,,	१८७३	१०४–१०७	कालीतन्त्रगत
१४६	२६३८	महाकालीकवच (गन्धर्वतन्त्रगत		,,	१८७३	१	कृष्णगढ में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१४७	२८१२	महाकालीकवच (कालीतन्त्रगत)		संस्कृत	१८७२	२	मेड़ता में लिखित
१४८	१३२५	महामृत्युञ्जयन्यास			१९वीं श	३	
१४९	२६४१	महायन्त्रसंस्कारविधि (पद्य)			१९२५	१	कृष्णगढ में लिखित
१५०	१७२५	महारुद्रजप		,	१७९७	५	
१५१	१३३१	महारुद्रपद्धति (ऋग्वेदीय)		,	१८३०	१०	
१५२	१३७७	महारुद्रपद्धत्यनुक्रमणिका		,	१९वीं श	२	
१५३	१३८२	महारुद्रपुरश्चरणविधि		”		३	
१५४	१३१७	महारुद्राहुति			”	३	
१५५	३३१७	महालक्ष्मीहृदय		,	१७वीं श	१०	
१५६	२८१७	महासरस्वतीमन्त्र		”	२०वीं श	३	
१५७	२६६९	मातृक निघण्टु बीजकयुक्त			१९२६	३	
१५८	३९०	मातृका यास		,	१९वीं श	१०	
१५९	२६८३	मातृकान्यास		,	२०वीं श	७	
१६०	१२३८	मातृपूजनपद्धति			१८४१	५	
१६१	१३८८	मातृस्थापनविधि		”	१९वीं श	२	
१६२	२७७७	मालासंस्कार		,	१९२६	१	कृष्णगढ़ में लिखित
१६३	८७३	मु मनाकलविनीधर्मे नीदवा		फारसी राजस्थानी	२०वीं श	५	
१६४	७७६३	मृत्यु जयनित्यजप		संस्कृत	१८८७	२	अजमेर में लिखित
१६५	१२७२	मृत्यु जयपद्धति			१८५५	९	
१६६	१३५६	मृत्यु जयपीठ-स्थापनविधि			१९वीं श	९	
१६७	१२६३	मृत्यु जयस्तोत्रजपविधि		”	१८८८	१८	भैरवतन्त्रगत
१६८	११५३	यन्त्रचिन्तामणि	दामोदर	,	१७४३	२३	मेड़ता में लिखित
१६९	२६५०	यन्त्रसंस्कार (गद्य)			१९२५	१	तन्त्रसारगत कृष्णगढ़ में लिखित
१७०	२७५४	रक्तचामुण्डामंत्रविधान		,	२०वीं श	१	
१७१	२४७	रजस्वलास्तोत्र		,	” ,	३	रुद्रयामलगत
१७२	३१५	राधाकवच		”		३	रुद्रयामलगत

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७३	३४५	राधाकवच तथा बलि-भद्रकवच		संस्कृत	२ श.	५	रुद्रयामलगत
१७४	३४३	रामकवच		,,	,, ,,	५	ब्रह्मयामलगत
१७५	३४७	रामचन्द्रस्तवराज		,,	१६४२	२०	सनत्कुमार-संहितागत
१७६	७६१	राममन्त्रविधि		,,	१८६८	८	
१७७	२३०६ (७)	रामानदजी रामरक्षा		राजस्थानी	१८, ६	६–१३	
१७८	३१४	रामायणमहामन्त्र		संस्कृत	२०वीं श	११	
१७९	७७७२	रुद्रजप		,,	१८११	१३	बीकानेर में लिखित १ से ३ अप्राप्त
१८०	२८५४	रुद्रजप		,,	१८५७	३४	
१८१	१२४२	रुद्रजपविधि (रुद्रपद्धति)		,,	१८०६	१७	रुद्रचिन्तामणिगत
१८२	१३५७	रुद्रजपागन्यासविधि		,,	१८६८	७	मत्रमहोदधिगत (फु तियाणा में लिखित)
१८३	२६४	रुद्रजाप्य		,,	१७५३	११	(१० वां पत्र अप्राप्त पत्तन नगर में लिखित
१८४	३०१७	रुद्रपद्धति	परशुरामविप्र	,,	१७वीं श.	४०	
१८५	१४७५	रुद्रसूत्रप्रथमाध्याय		,,	१६१८	२	
१८६	२७८६	रुद्राक्षमत्रविधि		,,	२०वीं श.	३	
१८७	३७५	लक्ष्मीनारायणकवच		,,	,, ,,	५	
१८८	१७४६	वनदुर्गाकवच		,,	१८५६	१२	रुद्रयामलगत
१८९	७६४६	वशीकरणविधि		,,	२०वीं श	१	
१९०	७४१	वान्छाकल्पलता		,,	,, ,,	६	
१९१	१४१०	विष्णुयन्त्रस्थापनविधि		,,	१८४७	६	
१९२	११७३ (१५)	वीमानवचउपई	अमरसुन्दर	राजस्थानी	१७वीं श	७६ वां	
१९३	७६५७	वैश्वदेवबलिविधि		संस्कृत	२०वीं श	२	
१९४	२३०८	वैश्वदेवविधि		,,	८७२	६	
१९५	७७२५	शक्तिसगमतत्रप्रथमपटल		,,	१८६५	८	
१९६	७७२४ (१)	शल्योद्धारविधान		,,	१८६५	१–४	(कुब्जिकातंत्रगत) पुष्करारण्य क्षेत्र में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
१६७	२५२६	शंखोद्धारविधि		संस्कृत	१८६५	५	कुब्जिकातन्त्रगत
१६८	२७३२	शंखोद्धारविधि			१६३२	३	अजमेर में लिखि
१६६	२६४८	शतचण्डीविधान		,	१६७६	३	
२००	३३०७	शतचण्डीविधान		,	२०वीं श	२४	
२०१	२६६०	शरभप्रयोगविधि			१८६६	३	आकाश भैरवकल्प गत
२०२	२७७७	शरभय त्रमन्त्रकथन (आकाशभैरवतन्त्रगत)		,	१८६६	२	अजमेर में लिखि
२०३	२६८६	शरभेशयन्त्रपूजन विधान			१८१६	२	आकाश भैरवकल्प गत
२०४	१६७१	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		,	१७वीं श	२६०	पत्र १४८ १५६ [illegible] २५५, अप्राप्त
२०५	१६७२	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		,	१८वीं श	१२	
२०६	१६७३	शारदातिलकटीका (अपूर्ण)		,	,	१५	
२०७	१४४	शारदातिलक सटीक त्रिपाठ (१-५ पटलपर्यन्त)		,	१६वीं श	१३४	४६+७०+१५
२०८	१३८१	शारदातिलकोक्तयन्त्र पूजनविधि			,	१	
२०६	४११	शिवपत्रिका			, ”	१३	१से५ पत्र अप्राप्त अशुद्धप्रति
२१०	३१८८	शिवपञ्चवक्त्रपूजापद्धति		,		६	
२११	२६४३	शिवावलिविधान			१६२६	२	रुद्रयामलगत
२१२	३२०	श्यामाकवच		,	२०वीं श.	११	
२१३	२८१३	श्यामानीराजन			१६वीं श	१	
२१४	२६३४ (७)	श्यामापद्धति	दामोदरानन्द नाथ			४-२२	
२१५	२७३६	श्यामायन्त्रध्यानविवरण	भास्करानन्द नाथ भोजक	,	१६७२	१	हरिदुर्ग में लिखि
२१६	१६६	श्रीउपनिषत्			१६वीं श	१६	
२१७	२८१४	श्रीविद्याक्रमपूजनपद्धति	निजात्मानन्द	,	१६१० शाके	१०३	
२१८	२६९६	षडम्नायरुद्र दिकपाल पूजाद्यादि		,	१६वीं श	४	प्रथम पत्र अप्राप्त

सौभाग्यरत्नाकर

ग्रन्थ संख्या २६२० ।

मन्त्रशास्त्र का दुर्लभ ग्रन्थ (गोस्वामि श्री श्रीनिवासभट्टापरनामधेय श्रीविद्यानन्दनाथ रचित)

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२१६	२७२४	षडाम्नायन्यास (ध्यानमत्रयुक्त)		सस्कृत	१६३१	४७	मेडता मे लिखित
२२०	२७०७	षोडशपात्र		,,	१६२६	५	कृष्णगढ मे लिखित
२२१	१४७७	सन्तानगोपालमन्त्र	-	,,	१६वीं श	८	गौतमीयतत्रगत
२२२	२८०	सन्तानगोपालशताक्षरी जप		,,	,, ,,	१२	
२२३	३०६८	सप्तशतीन्यासविधि		,,	,, ,,	१५	
२२४	२७७६	सप्तशतीस्तोत्रमाला-मन्त्रविधान		,,	१८६०	४	कृष्णगढ में लिखित
२२५	३४५८ (१)	समयातन्त्र		,,	१७०४	१से१०	
२२६	४८	सर्वतोभद्रयन्त्रविधान		,,	२०वीं श	१८	
२२७	२७८१	सर्वमन्त्रोत्कीलन		,,	१६वीं श	१	
२२८	२६५८	सर्वोत्कीलनमन्त्र		,,	१८८७	२	कृष्णगढ़ में लिखित
२२६	२८०२	सक्षेपहोम		,,	१८६४	३	अजमेर मे लिखित
२३०	२८०३	सक्षेपहोम		,,	१८६४	५	
२३१	२७३३	सवित्कल्प		,,	१७४३	१	
२३२	२८६३ (१२८)	सुवर्णसिद्धिप्रयोग		राजस्थानी	१७वीं श.	१६१वॉ	
२३३	२६२०	सौभाग्यरत्नाकर	विद्यानन्दनाथ	सस्कृत	१८६५	२६४	अजमेर मे लिखित
२३४	१८१	हनुमत्पञ्चाक्षरी-द्वादशाक्षरीमालामन्त्र		,,	१६वीं श	१५	
२३५	३१६	हनुमदर्ग		,,	२०वीं श	१५	
२३६	१८८	हनुमद्वाडवानलकवच-मालामत्र		,,	१६वीं श	७	पञ्चमुखवीरहनुमद्वाडवानलसहितागत
२३७	१६३	हनुमन्मन्त्र (मन्त्रमहोदधित्रयोदश) तरङ्गगत		,,	१६वीं श	४	
२३८	१६४	हनुमन्मत्र		,,	१६वीं श.	५	मन्त्रमहोदधिगत

धर्मशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१	११७	अनुस्मृति		संस्कृत	१९वीं श	७	
२	२९४	अनुस्मृति		,	,,	१३	महाभारतगत
३	२८७९ (४)	अनुस्मृति		,	,, ,	१–२०	
४	३३०२	अनुस्मृति		,	,, ,	९	महाभारतगत
५	३६९९	अनुस्मृति		,,	,	१४	
६	१६	अल्लासूक्त		,	, ,,	२	
७	१०००	आगमसारोद्धार	देवचन्द	राज०गु०	१९३१	८१	
८	२०३५	आगमसारोद्धार		,	१९१८	६७	
९	३३२५	आचारमयूख	नीलकण्ठ	संस्कृत	१९वीं श	६०	
१०	३	आचारादर्श	श्रीदत्त	,	१८६७	७२	३७ वाँ पत्र नहीं है जयनगर में लिखित
११	३०४९	आत्मपक्टोपनिषत्			२०वीं श	४	
१२	१८७३	आशौचत्रिंशत्			१९वीं श	१४	
१३	११९८	आशौचदशकसभाष्य	मू० विज्ञानेश्वर हरिहर	,,	१७१५	१३	
१४	११८६	आशौचदशकसभाष्य		,	१८वीं श	७	
१५	२७८	आशौचनिर्णय	रघुनाथ	,	१९वीं श	८	
१६	२९५	आशौचनिर्णय	रघुनाथ		शाके १७५०	१३	
१७	२८६	आशौचनिर्णय	त्र्यम्बकपण्डित		१९२४	१७	
१८	१४६२	आशौचनिर्णय	,,	,	१९०६	७	
१९	१२९९	आशौचनिर्णय			१९वीं श	२१	कालनिर्णयावबोधगत।
२०	३९	आशौचनिर्णय त्रिंशच्छ्लोकी मूल	भट्टाचार्य	,	,, ,	८	
२१	१७९	आशौचनिर्णय त्रिंशच्छ्लोकी व्याख्यासहित	भट्टाचार्य		१९१८	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२	१३८७	आशौचप्रकरण	भट्टोजी भट्ट	सम्कृत	१८१3	६	
२३	३१५६	आशौचप्रकरण	भट्टोजी दीक्षित	,,	१६वी श	८	
२४	१८६२	आशौचप्रकरणस्मृत्यर्थसार (?)		,,	१४८५	८५	पत्र १–२ अप्राप्त
२५	३१२४	आशौचसग्रह	रामभट्ट	,,	१६वीं श	७	
२६	१७८४	आशौचसग्रहविवृतिसहित	विवृति-भट्टाचार्य	,,	१७६६	२०	त्रिशत श्लोकी टीका
२७	१४६८	आशौचसग्रहवृत्ति	भट्टाचार्य	,,	१६०५	२५	
२८	१३३४	आशौचाष्टक		,,	१६वीं श	२	
२६	१४७०	आशौचाष्टकव्याख्या		,,	१८७१	४	अत्य ३० वा
३०	२६१७	आह्निककर्मपद्धति		,,	१८वीं श	२६	पत्र अप्राप्त।
३१	३०६१	ईशावास्योपनिषत्		सस्कृत	२०वीं श	७	
३२	३०६०	कठवल्ल्युपनिषत्		,,	२०वीं श	८	
३३	१४५८	कारिका		,,	१६३६	२३	
३४	३३३६	कालनिर्णय सटीक	मू० माधव टी० वैद्यनाथ	,,	१६वीं श	३६	
३५	३०४२	कालनिर्णय सटीकत्रिपाठ	मू० माधव	,,	,, ,,	१२	
३६	३७०	कालनिर्णय सिद्धान्त सटीक	रघुराम टी० स्वोपज्ञ	,,	१८३५	७०	भुजनगर में रचना मूलरचना स० १७०६ टीका रचना १७१०
३७	२५८६	कालनिर्णय सिद्धान्त सटीक	मू० महादेव टी० रघुराम	,,	१८३५	१४६	नवीनपुर में लिखित स० १७०६ मे गिरिनार में मूल रचना स० १७१० में भुजपत्तन में टीका रचना
३८	३०५७	केनोपनिषत्		सस्कृत	२०वीं श	द २	
३६	२७०८	कौलोपनिषत्		,,	१६३३	१	हरिदुर्ग मे लिखित
४०	२७४२	गन्धोत्तमानिर्णय		,,	१८६६	२४	स० १८७२ (?) मे रचित। अजमेर में लिखित
४१	३१६३	गारुडोपनिषत्		,,	१८८१	३	
४२	२७१	गोपीचन्दनोपनिषद्		,,	२०वीं श	६	
४३	१३३	गोपीचन्दनोपनिषद्		,,	१६वीं श	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
४४	२५८५	गोभीलकगृह्यपद्धति सुबोधिनी	शिवराम	सस्कृत	१८५६	१२८	
४५	१३१४	छान्दोग्योपनिषत्		"	१८६६	६३	
४६	३०५३	छान्दोग्योपनिषत्		"	०वीं श	४६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
४७	१३ ७	तिथिनिर्णय	रघुनाथ	संस्कृत	१८३५	६	
४८	२३६	तृप्तिदीप	रामकृष्ण	"	१६वीं श	१७	
४६	२४५	तृप्तिदीपव्याख्यासहित	रामकृष्ण स्वोपज्ञ व्याख्या	"	१७६५	५१	
५	३०४३	त्रिस्थलीसेतुसार	भट्टोजी दीक्षित	"	१६१६	१३	
५१	२६०६	दानचद्रिका	दिवाकर	"	१६वीं श	३७	पत्र १६ वा अप्राप्त काशी में रचना।
५२	१३२६	दानसमुच्चय		,	१८६	४५	
५३	१२ ४	देवलपद्धति (?) अध्याय ४था अपूर्ण			१७वी श	६०	
५४	१६३२	धर्मयुधिष्ठिरसंवाद		"	१६१६	८	
५५	१०८७	धमशास्त्र	देवलऋषि		१७६६	४८	
५६	१२००	नवरात्रनिर्णय		,	१७वीं श	१६	
५७	२६ १	नारदीयसंहिता		,	१८५७	५१	पत्र ३१ था अप्राप्त
५८	१६५	नारायणोपनिषत्		"	१६वीं श	२	
५६	१८ ३ (२)	नारायणोपनिषत्		,	,	४था	
६०	३५ ५	नित्याराधनविधि व्याख्यान	त्रिमल्लनंदि	,	१७८	२६	
६१	३०६४	निर्णयसिद्धान्तभाषा		गूजर	१६वीं श	१५	
६२	२६०५	निर्णयसिद्धान्त सटीक त्रिपाद	रघुराम	सस्कृत	१८७४	७७	पत्र १से५ तथा ५६ से ६३ अप्राप्त सं० १७०६ म मूल और सं० १७१ में टीका मुनपुर में रचित।
६३	११७२	निर्णयसिन्धु	कमलाकरभट्ट	,	१७६८	२५५	
६४	७५०	निर्णयोद्धार विशेष तिथिनिर्णय	राघवभट्ट	,	२०वीं श	१४	
५	१८ ३ (४)	परमहंसोपनिषत्		"	१६वीं श	५-६	
६६	१४६	पारशिष्चरणव्यूह	कात्यायन		१८८५	८	

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६७	१३७	पुरुषसूक्तभाष्य	महाचार्य	संस्कृत	१६३८	१३	
६८	५८	प्रतिष्ठामयूख	नीलकण्ठ	,,	२०वीं श	२०	अपूर्ण
६९	३७८	प्रतिष्ठामयूख	,,	,,	१८३१	३७	ग्रन्थकारकृत भास्कर-ग्रन्थका विभाग ।
७०	२६३६	प्रतिष्ठामयूख	,,	,,	१६वीं श	६०	अपूर्ण
७१	३०४८	प्रश्नोपनिषत्		,,	२०वीं श	५	
७२	११६३	प्राणाग्निहोत्रोपनिषत्		,,	१६१५	४	
७३	२६२३	बालसंस्कारादि		,,	१६वीं श	१	
७४	३०४५	बृहदारण्यक		,,	१६१८	७१	
७५	१३६२	बृहदारण्यकोपनिषद्		,,	१८२६	१०६	पत्र २-३ अप्राप्त ।
७६	३०४२	ब्रह्मबिन्दूपनिषत्		,,	२०वीं श	४	
७७	१८०३ (२)	ब्रह्मोपनिषद्		,,	१६वीं श	२-३	
७८	१६१४	भास्कर व्यवहारमयूख	नीलकण्ठ	,,	,, ,,	४६	
७९	१६१५	भास्कर श्राद्धमयूख	,,	,,	,, ,,	७६	
८०	३०४०	भृग्वुपनिषत्		,,	२०वीं श	३	
८१	१४३	मदनपारिजात उत्तरार्ध		,,	१८३६	११४	
८२	१६३१	मदनपारिजात	विश्वेश्वर	,,	१६वीं श	१००	अपूर्ण, आदि में मदन राजकुमार का वंशवर्णन है ।
८३	३०३८	मनुस्मृति		,,	८७२	६३	कोट्यारा ग्राम में लिखित ।
८४	२४८६	मलमासनिर्णय	हेमाद्रि	,,	१७३७	२४	चतुर्वर्गचिन्तामणि-गत ।
८५	३०४६	माण्डूक्योपनिषद्		,,	२०वीं श	१०	
८६	२६७८	मानवसूत्र		,,	१६२३	२१	
८७	३०४७	मुण्डकोपनिषद्		,,	२०वीं श	४	
८८	[illegible]	मूल्याध्यायपरिशिष्ट	कात्यायन	संस्कृत	१६वीं श	४	
८९	११८०	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्रमूल	याज्ञवल्क्य	,,	१८वीं श	३१	
९०	१३७	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र मिताक्षरा	विज्ञानेश्वर	,,	१६वीं श	१६७	
९१	३०३३	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र मिताक्षरा विवृति	,,	,,	१७६६	४६	प्रथमाध्याय
९२	३०४१	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र मिताक्षरा विवृति	,,	,,	१७२४	३०६	जोधपुर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
९३	११८९	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति प्रथमाध्याय		संस्कृत	१८वीं श	५४	
९४	११७०	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति प्रथमाध्याय	विज्ञानेश्वर		१७६४	६१	
९५	११७८	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति द्वितीयाध्याय		”	१७६३	१०६	
९६	११७९	याज्ञवल्क्यधर्मशास्त्र वृत्ति तृतीयाध्याय		,	१७६४	१२४	
९७	३१४५	रामायणप्रयोगविधि			१९वीं श	६	रामानुजकल्पद्र मोक्त
९८	१३२	वासुदेवोपनिषद् दीपिकाटीकासह त्रिपाठ		,	” ”	४	
९९	१३१५	वेददीपटीका	महीधर	”	१८४०	७	४०वां अध्याय है।
१००	१२५०	व्रतार्क	श्रीशंकर	,	१८६४	३३४	चुडा में लिखित
१०१	२८९५	व्रतार्क		,	१८५४	३३३	पत्र ३२६ ३२८ ३२७ अप्राप्त
१०२	१६७९	शिक्षापत्री सार्थ	मू० नित्यानन्द स्वामी	,	१९वीं श	१५२	गुटका
१०३	३०५१	शिक्षोपनिषत्			२०वीं श	४	
१०४	३ ८६	शुद्धिविवेक	रुद्रधर	,	१९वीं श	५२	
१०५	१२६१	श्राद्धनिर्णय			१८३३	१०	कौलमतानुसारी
१०६	२७	श्राद्धविवेक	रुद्रधर		१८६९	८६	प्रथम पत्र नहीं है।
१०७	१७६२	श्राद्धाधिकार			१८९३	५	कोकिलपद्धीय।
१०८	२३३९	सन्ध्यातत्त्वविवरण	रामाश्रम	”	१९वीं श	१३६	पत्र ५वाँ अप्राप्त। सं० १७०९ में रचित
१०९	३६९३	सन्यासससहोमपद्धति	शङ्कराचार्य	संस्कृत	१९१७	१०	
११०	११९९	संस्कारपद्धति	गंगाधर		१८वीं श	५९	
१११	१२७९	संस्कारपद्धति			१९वीं श	१५	
११२	१७९०	संस्कारपद्धति	,	”		४६	
११३	१४६५	संस्कारपद्धति	आनंदराम		”	६०	
११४	३३३१	सूक्तविधान		संस्कृत	१९वीं श	४	
११५	३०७२	सूक्तविधान	भट्टोजिदीक्षित		१८९७	५	
११६	१७३५	सूक्तविधान			१८ ६	१	संख्या१७३४ संलग्न है
११७	३०६६	स्नानपद्धति	हरिहर	,	१८वीं श.	६	
११८	१२८५	स्मृतिभास्करशान्तिमयूख	नीलकण्ठ		१९००	१५४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१६९	२६७५	स्मृतिसमुच्चयाह्निक	बद्रिनाथ	सस्कृत	१९वीं श.	५४	
१७०	९१	स्मृत्यर्थसार		"	१९२५	१६०	पत्र २१ तथा १२८वां अप्राप्त
१७१	१५१७	स्मृत्यर्थसार	श्रीधर	"	१५११	८१	पत्र ९ से २९ तथा ५४ से ८० अप्राप्त। काशी मे लिखित।
१७२	११८३	स्मृत्यर्थसार आचाराध्याय	श्रीधराचार्य	"	१७६८	२७	
१७३	११८७	स्मृत्यर्थसार प्रायश्चित्ताध्याय	"	"	१७६८	३४	
१७४	१२६१	स्वाचारदीपिका		"	१९वीं श.	१०	
१७५	१३८९	स्वाचारदीपिका	हरिशर्मा	"	१८६२	३२	स० १६६७ मे गुप्त-प्रयाग मे रचित।
१७६	३१७३	होलिकानिर्णय		"	१९वीं श	४	

कर्मकाण्ड

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१	७७१	अग्निहोत्रहोम		संस्कृत	१८५८	३	
२	३६१	अतिक्रान्तजातककर्मादि चूडाकर्मान्तानुष्ठान		,	१९२४	१०	
३	१३६४	अनन्तोद्यापनविधि		,	१८२७	६	भविष्योत्तरपुराणगत
४	१५०१	अन्नप्राशनकर्म			२०वीं श	३	
५	१५०५	अब्दपूर्तिविधान (वर्षापनपद्धति)		,	१९३६	५	
६	१३४२	अमयैकादशी वैतरणी एकादशी व्रतोद्यापनविधि			१८३८	१२	
७	३८६	अमृतहवनविधि		,	१८३१	२०	
८	१२२७	अवसानविधि		,	१८वीं श.	७१	
९	१९९	अश्लेषाविधान			१९वीं श	४	
१०	१०६७	अश्लेषाविधान			१९वीं श	२	
११	१ १८	अस्त्रोपसंहरण		"	१९वीं श	१	
१२	१३४७	अस्थिक्षेपविधि		,	१८३८	१	
१३	१३९१	अस्थिक्षेपविधि		,	१८६८	३	
१४	१३५९	अस्थिनिक्षेपविधि		सं०गु०	१९वीं श	२	
१५	१४०१	आतुरसंन्यासविधि		संस्कृत	१८७०	१०	
१६	३६०	आभ्युदयिकश्राद्ध	रामचन्द्र		१९१२	१३	
१७	३५७	आराधनाप्रयोग			शाके १७५८	१५	
१८	१०५६	आलोचनाविधि		प्रा०सं० रा०गु०	१८७३	६	सूरतबिन्दर में लिखित
१९	३६३	उपनयनादिप्रनपद्धति		संस्कृत	१९२४	१५	
२०	१६८	उपाकर्म		"	१९४३	९८	श्रावणपची पूर्णमासी उपाकम है।
२१	३६४	उभयैकादशीव्रतविधि			२०वीं श.	१०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२	१४६४	उभयैकादशीव्रतोद्यापन-विधि		संस्कृत	१९वीं श	७	
२३	११६५	ऋतुशान्ति		,,	१९वीं श	१	वासुदेवीपद्धतिगत
२४	१०३१	ऋषिपंचमीव्रतोद्यापन-विधि संक्षेप		,,	१९वीं श.	२	
२५	३८८	एकवस्त्रस्नानविधि		,,	१८३६	७	
२६	१३८१	एकवस्त्रस्नानविधि		,,	१९वीं श	४	
२७	१६५६	एकादशाहकर्तव्य		,,	१९०२	४६	
२८	१४०६	एकोद्दिष्टश्राद्धविधि		,,	१९वीं श	५	
२९	१२६४	और्ध्वदैहिकक्रियापद्धति		,,	१९वीं श	१६	
३०	१६३३	औषधिप्रतिनिधि-क्षेपणादिग्रहण		,,	१९३०	१	कृष्णदुर्ग मे लिखित
३१	१४७८	कर्मदीपिका	हरिदत्त	,,	१९१६	१४	
३२	३८५	कर्मानुक्रमपद्धति	राम	,,	१७वीं श	२७	प्रथम पत्र अप्राप्त
३३	१६१	कार्तवीर्यदीपदानविधि		,,	१९वीं श	२	अपूर्ण
३४	१६३	कार्तवीर्यदीपविधान		,,	,, ,,	१	
३५	१५३८	कालातिक्रमसंस्कार		,,	,, ,,	१०	
३६	१५०४	कुण्डदीपिकाविशेषवचन		,,	२०वीं श	३	
३७	१३६७	कूष्माण्डीशान्ति		,,	१९वीं श	३	
३८	३३०५	कृष्णजन्मोत्सवविधि		,,	,, ,,	२०	
३९	१५१६	कृष्णपूजापद्धति	श्रीधराश्रम	,,	१८५२	६	
४०	१३०२	कोकिलाव्रतपूजा		,,	१८६८	२	
४१	१३२२	क्रियापंचविधान		,,	१८६२	५	
४२	१३५३	क्रियापद्धति (और्ध्वदैहिकपद्धति)	विश्वनाथ	,,	१८०७	१५०	
४३	३८३	क्रियापद्धति		,,	१९वीं श	१२३	अपूर्ण प्रति
४४	१०६७	क्रियापद्धति		,,	१८५५	६	
४५	१०५५	क्रियापद्धति		,,	१८५६	५८	
४६	१०५२	क्रियापद्धति		,	१९वीं श	३८	
४७	३१०३	क्षत्रियसन्ध्या		,,	१८४५	१३	
४८	१४३७	गर्भाधानसंस्कार		,,	१९वीं श	११	
४९	८६	गर्भाधानसीमन्त-नाम-करणचूडाकरणविधि		,,	,, ,,	५	
५०	३५२०	गायत्रीछन्दोरूप०व्याख्या		,,	,, ,,	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५१	२६८१	गायत्रीतर्पण		संस्कृत	१९३४	१	हरिदुर्ग में लिखित
५२	१४८१	गायत्रीनित्यपूजाप्रयोग		,,	१९१५	३२	
५३	१३७५	गायत्रीन्यास		,,	१९वीं श	७	
५४	१४५	गायत्र्यनुष्ठानविधि	स्वयप्रकाशेन्द्र सरस्वती	संस्कृत	१९१३	४७	
५५	३०८०	गोदानविधि		,,	१९०५	५	नंदीपुराणगत)
५६	१४११	गोप्रसवविधि		,,	१८३६	१	शांतिचिन्तामणिगत
५७	१५११	गोमुखप्रसवशांति		,,	२०वीं श	८	
५८	३६७७	ग्रहशांति		,,	१७१५	९	सिंध क्षेत्र में लिखित
५९	९७४७	ग्रहशांतिपद्धति		,,	१९२६	३२	कृष्णगढ़ में लिखित
६०	३१८३	ग्रहशांतिपद्धति			१९००	२३	
६१	१३१२	चत्वरपूजनविधि			१८४३	१	
६२	१२४	चूडाकरणविधि		,,	१८९५	६	
६३	११४७ (१)	चौबीसगायत्रीमंत्र		,,	१८८४	१से२४	
६४	९१	जयसिंहकल्पद्रुम श्राद्ध निर्णय	पौण्डरीक-याजिरत्नाकर	,,	१९वीं श	२३	रचना सं० १७:२)
६५	१२ ५	जीवच्छ्राद्धप्रयोग		,,	१८६०	१०	
६६	१२६६	जीवच्छ्राद्धप्रयोग		,,	१९वीं श.	५	
६७	१०	जीवत्पितृककृत्य		,,	,,	८	
६८	२६३६	ज्येष्ठाभिषेक		,,	१९६२	६	कृष्णगढ़ में लिखित
६९	१४५५	ज्येष्ठाविधान		संस्कृत	२०वीं श	१	
७०	१३५०	तंत्रोक्तवेदोक्तमिश्रित आगमोक्तक्रुरार्कहिक्क-होमविधि			१८७१	१६	
७१	७७९६	तर्पण		,,	२०वीं श	१	
७२	१२७१	तीर्थयात्राविधि		,,	१८४४	३	
७३	१५ २	तुलादानपद्धति		,,	२०वीं श.	४	
७४	१५५०	तुलापुरुषदानविधि		,,	१९२९	२०	
७५	२८७	तुलसीपूजा		,,	२ वीं श.	३	
७६	३८९	तुलसीविवाह		,,	१९वीं श	५	
७७	१५१५	तुलसीविवाह		,,	१८८३	३	
७८	३८०	तुलसीविवाहविधि		,,	१८७२	४	
७९	९९६	त्रिकालसंध्या		,,	२०वीं श	१५	

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८०	७७४	त्रिकालसन्ध्या		संस्कृत	१६वीं श	६	
८१	७७७	त्रिकालसन्ध्या		”	२०वीं श	६	कृष्णगढ मे लिखित
८२	२७१८	त्रिकालसन्ध्या		”	१८७२	४	
८३	२७१६	त्रिकालसन्ध्या		”	१८७७	५	मेडता मे लिखित
८४	२८००	त्रिकालसन्ध्या		”	१८६६	४	
८५	१३१०	त्रिपुण्ड्रधारणविधि		”	१८५८	४	हरिदुर्ग मे लिखित
८६	२६६१	त्रिपुण्ड्रप्रमाण (पुराणोक्त)		”	१६३४	२	
८७	२२६५	दक्षिणकाली पूजा छन्द		”	२०वीं श	३	
८८	२३७	दर्शपूर्णमासी विधान		”	१६वीं श	४७	कात्यायनोक्त
८९	१३०३	दर्शपौर्णमासेष्टि		”	” ”	७	
९०	३३०६	दर्शश्राद्धपद्धति		”	१८४४	१८	
९१	१४४६	दशाहश्राद्धविधि		”	१६०६	५	
९२	१३४१	दिक्पालपूजाविधि		”	१६वीं श	४	
९३	१३१६	दिक्पालबलिदानविधि		”	” ”	८	
९४	१३५०	दिक्पालबलिदानविधि		”	१८७४	१२	
९५	१४१२	दीपदानप्रयोग		”	१८६६	३	
९६	१७६६	दीपमालापूजनप्रकार		”	१६वीं श	१	
९७	१२१७	दूर्वात्रिरात्र		”	” ”	३	
९८	१३४१	मानसीपूजा	शङ्कराचार्य	”	” ”	८	
९९	३६६	द्वात्रिंशद्व्रतास्थापनविधि		”	१८५६	१०	
१००	१४६८	द्वादशाहकृत्य		”	२०वीं श	१६	
१०१	२६६४	नवग्रहपूजाविधि		”	१६वीं श	३	
१०२	१३००	नागबलि		”	१८२८	२	वृद्धशौनकोक्त
१०३	१६४६	नारदपञ्चरात्र पटल (२३–२४)		”	२०वीं श	७	
१०४	१८३६	नित्यतर्पण		संस्कृत	१८६८	१६	
१०५	२८३२ (८)	नित्यतर्पण		”	१७७४	१०२–१०३	गुटका
१०६	१४४८	नित्यतर्पणविधि		”	१६१६	७	
१०७	१४८०	नित्यसंध्यातर्पणविधि		”	१६१८	६	
१०८	२४३४ (८)	पञ्चदेवताश्राद्ध, एकादशाश्राद्ध तथा षोडशश्राद्ध		”	१८६४	६–८	पुष्करारण्य क्षेत्र मे लिखित।
१०९	८८६	[illegible]		”	१६वीं श	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६१	१३८०	रुद्रीजापविधि		संस्कृत	१९वीं श	४	
१६२	१४३०	लक्षपार्थिवलिंगपूजोद्यापनविधि		"	१८६१	९	
१६३	१३८३	लक्षपुष्पिकोद्यापनविधि		"	१८२७	६	स्कन्दपुराणगत
१६४	१२८३	लक्ष्मीपूजनपद्धति		संस्कृत	१९वीं श	२	
१६५	२७ ३	लक्ष्मीसरस्वतीपूजाविधि		"	२०वीं श	२	
१६६	१४९	लघुग्रहशान्ति		"	१८९५	१५	
१६७	१११८	लघुलपोमिकार		"	१७वीं श	३	
१६८	३११	वटसावित्रीपूजाविधि		"	शाके १७४९	४	
१६९	१३२	वापीकूपतडागप्रतिष्ठाविधि (जलोत्सर्गपद्धति)		"	१८४५	२२	
१७०	२५८	वापीकूपतडागादिजलप्रतिष्ठाविधान		"	१९वीं श	७	
१७१	१३२१	वास्तुपद्धति (ऋग्वेदीया)		"	" "	१६	
१७२	३७८	वास्तुपूजापद्धति		"	१८५२	१३	
१७३	१४०६	वास्तुशान्तिपद्धति		"	१८३८	२०	लांगुलपुर में लिखित
१७४	३२२८	वास्तुशान्तिपद्धति		"	१९२६	१५	
१७५	१२८५	वास्तुशान्तिप्रयोग		"	१९वीं श	४३	शिवराम विरचित गोभिलकगृह्यपद्धतिगत
१७६	१२६८	विनायकपूजनविधि			१८८८	१३	
१७७	१४८९	विनायकवेदिकालक्षण		"	२०वीं श	१	
१७८	२३७३ (४)	विभूतिधारणविधि		संस्कृत	१८७३	३०-३२	
१७९	१३५१	विवाहपद्धति			१८५२	८	गृह्यपरिशिष्टगत
१८०	१४३२	विवाहपद्धति		"	१८२३	७९	
१८१	३११८	विवाहपद्धति		"	१९वीं श	२३	
१८२	३६९५	विवाहपाटी (पाठ)		"	" "	५	
१८३	१४९५	विष्णुतर्पणविधि		"	१८३२	३	
१८४	३५९	विष्णुयाग		"	१९वीं श	८७	
१८५	१२१६	विष्णुयागपद्धति		"	१७७७	१७	आमरण में लिखित
१८६	१०८७	विष्णुयागपद्धति		"	१८४४	११	
१८७	१२९१	विष्णुयागपद्धति (प्रयोग)	अनंतदेव	"	१८८४	१५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८८	८४३	विष्णुषोडशोपचारपूजा		संस्कृत	१६वीं श	५	
१८६	२८८५	विष्णुसहस्रनामार्चन		,,	,, ,,	७४	
१६०	३८४	वृद्धिश्राद्धविधि		,,	,, ,,	८	
१६१	१२४४	वृद्धिश्राद्धविधि		,,	१८६५	६	
१६२	१५१३	वृद्धिश्राद्धविधि		,,	१६०१	५	
१६३	३१३८	वैतरणीदानविधि तथा महिषीदानविधि		,,	२०वीं श	१४	
१६४	१२३३	वैतरणीधेनुदानविधि		,,	१७६३	५	
१६५	१५६६	वैतरणीव्रतोद्यापनविधि		,,	१६वीं श	४	
१६६	१५१२	वैधृतव्यतिपातसक्रान्ति-शान्ति		,,	,, ,,	४	शान्तिमयूखगत
१६७	६०४	वैश्वानरश्राहुतिश्रादि		,,	१८वीं श	६	मत्स्यपुराणगत
१६८	१४५६	व्यासपूजा		,,	१६२४	७	
१६६	२५६०	व्यासपूजा सयत्र		,,	१७१६	२	
२००	७७६	व्रतबन्ध		,,	१६०६	११	
२०१	७७३	व्रतोद्यापनविधि		,,	१७६६	६	श्रीखडडीपुर मे लिखित
२०२	२१४	शतचडीविधानपद्धति		,,	१८६०	५६	नवानगर मे लिखि
२०३	७८८	शान्तिकविधि		,,	२०वीं श	५	
२०४	२७७	शान्तिमयूख	भट्टनीलकठ	,,	१६वीं श	१०६	पत्र ४६से४६ तक अप्राप्त
२०५	२४४	शिवपूजनविधि	कात्यायन	,,	२०वीं श	१३	
२०६	३७३	शिवपूजनविधि		,,	१८६०	२४	
२०७	१२८६	शिवपूजनहवनविधि		,,	१८७३	१२	
२०८	१६०	शिवरात्रीव्रतोद्यापनविधि		,,	१६वीं श.	११	
२०६	३६२	शिवलिङ्गप्रतिष्ठापद्धति		,,	१८४३	१३	
२१०	१४४१	शिवलिङ्गप्रतिष्ठापद्धति		,,	१६३४	६	
२११	१४२३	शूद्रकर्तृकलशहोमात्मकग्रहयज्ञ		,,	१८६२	१६	ध्रोल में लिखित
२१२	३०८	श्राद्धकल्प (आपस्तम्ब)		,,	शाके १७४६	१६	
२१३	१२२२	श्राद्धकल्प		,,	१७३७	६	वाजसनेयी, भमेवडी में लिखित
२१४	१४१७	श्राद्धकल्प	कात्यायन	,,	१८७६	७	
२१५	१७०	श्राद्धपद्धति	राम	,,	१८५६	४६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२६९	१३०१	सूर्यव्रतोद्यापनविधि		सं०	१८५४	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
२७०	८८५	सूर्यार्घदानविधि		,,	शाके १७३४	६	भुजपत्तन में लिखित
२७१	१३४६	सूर्यार्घदानविधि		,,	१८२७	४	मोरवी में लिखित
२७२	१४५९	सूर्यार्घप्राणप्रतिष्ठादि		,,	१९३५	११	
२७३	१३११	स्मार्तपदार्थसंग्रह (प्रयोगपद्धति)	गंगाधरभट्ट	,,	१८३१	६२	
२७४	१२४६	स्वस्तिवाचन		,,	१८९५	९	
२७५	१६५७	स्वस्तिवाचनकारिका		,,	१९वीं श	१२	
२७६	२६३१	स्वस्तिवाचादि			१९वीं श	२	
२७७	२६१	हनुमद्दीपदानविधि			२०वीं श	७	सुदर्शनसंहितागत
२७८	२७०	हनुमद्दीपदानविधि		,	१९वीं श	८	,, ,,
२७९	३३१	हनुमद्दीपदानविधि		,	१९वीं श	१७	,, ,,
२८०	१४७९	हवनविधिकुशकण्डिका			१९१८	१९	
२८१	१८	हेमाद्रिप्रयोग		,,	१९वीं श	४	
२८२	१२०९	हेमाद्रिप्रयोग		,,	१९वीं श	७	
२८३	३३३४	हेमाद्रिप्रयोग		,	१७७३	४	दत्तपुर में लिखित

पुराण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भापा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेप
१	१७७	अधिकमासमाहात्म्य		सस्कृत	१७९८	६२	स्कन्दपुराणगत
२	१७२२	अध्यात्मरामायण		,,	१८५६	१०७	
३	२१०	अध्यात्मरामायण उत्तरकाण्ड		,,	शाके १७४८	३२	
४	२०९	अध्यात्मरामायण किष्किंधाकाण्ड		,,	१९वीं श	१२२	
५	२०७	अध्यात्मरामायण वालकाण्ड		,,	,, ,,	२८	
६	२०८	अध्यात्मरामायण युद्धकाण्ड		,,	,, ,,	५२	
७	२०६	अध्यात्मरामायण सुन्दरकाण्ड		,,	,, ,,	१६	
८	२८५०	अरुणाद्रिमाहात्म्य		,,	,, ,,	५६	शिवपुराणगत।
९	१८९० (९८)	अर्जुनगीता	धरमदास	रा०	,, ,,	७६–७९	
१०	३२६७	अर्जुनगीता		सस्कृत	१७८४	७	
११	३२७६	अर्जुनगीता		,,	१८५१	१२	पाटण में लिखित
१२	८६३	अवतारगीता	नरहरिदास	ब्रज०	१८११	६०४	
१३	२२१९	अवतारगीता	बारहट नरहरिदास	रा०	१८२६	६१	पुनरासर में लिखित स० १७३३ में पुष्करारण्य में रचित।
१४	१८६९	अश्वमेध की कथा पुराण	जयमुनि	ब्र०हि०	१८९०	१७४	गुटका। पद्यरचना है
१५	८३९	अष्टादशपुराणनामानि		स०	१९वीं श	१	
१६	३०७०	आश्विनीइन्दिराकृष्णा-माहात्म्य		,,	,, ,,	२	ब्रह्मवैवर्तपुराणगत
१७	३२८४ (४)	एकादशीमाहात्म्य	हरिदास	गू०	१८१६	१–११	राधनपुर मे लिखित स०१६४७ में रचित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६०	२८६२	ब्रह्माण्डपुराण भाषा तथा पद्मपुराण भाषा		रा०	१८०६	२से११३	गुटका पत्र १ ४वां में संवत् है।
६१	३६८६	ब्रह्मोत्तरखंड		संस्कृत	१८२५	११७	स्कन्दपुराणगत
६२	२८२६	ब्रह्मोत्तरपुराण		"	१८६५	५७	जयनगर में लिखित
६३	१२८	भगवद्गीता		"	१७६८	३६	
६४	७४६	भगवद्गीता		"	१७६६	६३	मुजनगर में लिखी
६५	७५५	भगवद्गीता		"	१८७८	४०	मानकूआ गांव में लिखित
६६	१८७५ (२)	भगवद्गीता		,	१६वी श	७७से१८६	गुटका संक्षित।
६७	२३७० (१)	भगवद्गीता		,	१६००	११५	गुटका। कृष्णगढ़ में लिखित।
६८	२३७२ (१)	भगवद्गीता		"	१८५७	१२८	गुटका
६९	२५६५	भगवद्गीता			१८२६	२३	लावरणु में लिखित
७०	२६०० (१)	भगवद्गीता		,	१८२५	१से६	
७१	२६०१ (१)	भगवद्गीता		,	१८२३	१से६	
७२	२६०२	भगवद्गीता		,	१८५६	१३	
७३	२८७६ (१)	भगवद्गीता		,	१६वीं श	१–१६८	गुटका। इस गुटका की सर्व कृतियों में चित्र ८ हैं।
७४	३११३	भगवद्गीता		,	१८वीं श	५८	प्रथम पत्र में शोभन है पत्र ४५ वां अप्राप्त
७५	३३२३	भगवद्गीता		"	१८५६	१६८	
७६	३५६२	भगवद्गीता सटीक	हरिदास	टी०ब्र०	१८५७	५६	टीकारचना पद्यमय है
७७	३५६४	भगवद्गीता सुबोधिनी टीका सहित	श्रीधर	संस्कृत	१८वीं श	६०	
७८	८६२	भगवद्गीता भाषाटीका	जसवंतसिंह	ब्र०हि०	१६वीं श	४०	
७९	२८६१ (१)	भगवद्गीताभाषाबन्ध गीतासार		रा०	१६वीं श		गुटका
८०	१२७	भगवद्गीता समाख्या	भा० शंकर	संस्कृत	१६७४	१६३	पि (ख) रूका नामक गाव में भीम भट्ट ने लिखी।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८१	७५०	भगवद्गीता अर्थसहित		स अ व्र	१८०३	८८	तलवाडा में लिखित
८२	३२३०	भगवद्गीता सार्थ		स.अ गू.	१८१५	१६६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८३	३०६६	भद्राचतुर्थीव्रत		सस्कृत	१६वीं श	२	वामनपुराणगत।
८४	३३३८	भागवत मूल	वेदव्यास	,,	१७वीं श.	६४१	दशमस्कन्ध पर्यन्त। प्रत्येक स्कन्ध की पत्र स क्रमश इस प्रकार है ४३,२४,७६,७२, ५८,४२,४०,४७,१६ प्रथमस्कन्ध के पत्र १ से १८ अप्राप्त।
८५	७४३	भागवत चतुर्थस्कन्ध	,,	,,	१६वीं श.	१६०	
८६	१२४	भागवतपुराण दशमस्कन्ध	,,	,,	१७७६	७८२	
८७	१२६	भागवतपुराण एकादशस्कन्ध	,,	,,	१७५६	५४	
८८	२६३७	भागवत सटीक प्रथमस्कन्ध	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	,,	१७वीं श	१४२	
८९	४१ (१)	भागवतपुराण सटीक प्रथमस्कन्ध	,, ,, ,, ,,	,,	१६वीं श	८७	प्र: और लकृत
९०	१६१५	भागवत सटीक त्रिपाठ प्रथमस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श	७४	
९१	१११	भागवत सटीक त्रिपाठ प्रथमस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श	७४	
९२	४१ (२)	भागवतपुराण सटीक द्वितीयस्कन्ध	,, ,,	,,	१६वीं श	४६	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालकृत।
९३	१६१६	भागवत सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	४३	
९४	११२	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	,, ,,	,,	,, ,,	४३	
९५	१२३	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वितीयस्कन्ध	टी० वल्लभदीक्षित	,,	,, ,,	२५६	
९६	१६६८	भागवत सटीक द्वितीयस्कन्ध		,,	१७७१	६६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१२६	१६२४	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध पूर्वार्धं	मू० वेदव्यास टी० श्रीधर	संस्कृत	१६वीं श	१४४	
१२७	१६२५	भागवत सटीक त्रिपाठ दशमस्कन्ध उत्तरार्धं	„ „	„	१६वीं श	१२७	
१२८	७४२	भागवत दशमस्कन्ध सटीक उत्तरार्ध	„ „	„	१८५३	१७६	
१२९	३३२८	भागवत दशमस्कन्ध सटीक उत्तरार्धं	„ „		१८०२	१२८	मालपुरा में लिखित
१३०	४१ (११)	भागवतपुराण सटीक दशमस्कन्ध उत्तरार्धं	„ „		१६वीं श.	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत। अध्याय ५ से ६० पर्यन्त।
१३१	१६२६	भागवत सटीक त्रिपाठ एकादशस्कन्ध	„ „	„	१८वीं श	१४८	
१३२	४१ (१२)	भागवतपुराण सटीक एकादशस्कन्ध	„ „	„	„ „	१४५	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१३३	१२१	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ एकादशस्कन्ध	„ „		„ „	१४६	
१३४	४१ (१३)	भागवतपुराण सटीक द्वादशस्कन्ध		„	१६वीं श	५४	प्रथम पत्र सचित्र और सुवर्णाक्षरालंकृत।
१३५	१६२७	भागवत सटीक त्रिपाठ द्वादशस्कन्ध	„	„	„ „	४८	
१३६	१२२	भागवतपुराण सटीक त्रिपाठ द्वादशस्कन्ध	„ „	„	१८६६	४८	
१३७	३५६५ (३)	भागवतएकादशस्कन्ध भाषा (पद्य)	चत्रदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	२६२-३७०	
१३८	१२५	भागवतदशमस्कन्धानुवाद		रा०	१८२७	७५	
१३९	३३२५	भागवतपंचमाध्यायभाषा	नन्ददास	ब्र०हि०	१८५८	२५	बीकानेर में लिखित
१४०	२८०३	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	„	१६वीं श.	१३५	स्कन्ध १से३ पर्यन्त
१४१	२८६४	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	„	„ „	५७	चतुर्थस्कन्ध
१४२	२८६५	भागवतभाषानुवाद पद्य	ब्रजदासी	„	१८४०	१०८	स्कन्ध ५से९ पर्यन्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४३	११५०	भागवतमाहात्म्य भाषा आदिपुराण भाषा सारसग्रह रसपुंज (रगझर) ग्रन्थ नेहविधि	सुन्दरकुँवर	व्र०	१६वीं श.	२२४	
१४४	२५६७	भागवतसप्ताहश्रवण-विधि		स०	१७८१	३	पद्मपुराणगत।
१४५	६१८	भोगलपुराण सार्थ		मू०स० अ०रा०	१६वीं श.	८	
१४६	३२५६	भोगलशास्त्र (भूगोल)		रा०गु०	१८८७	१६	
१४७	२८६३ (११३)	मगधादिदेश के नगर तथा ग्राम संख्या		,,	१७वीं श.	१६८वाँ	
१४८	१५१	मलिम्लुचमाहात्म्य		स०	२०वीं श.	४	स्कन्दपुराणगत
१४९	२८२७	मार्कण्डेयपुराण		स०	१९वीं श	२१०	अन्त्य २११ वाँ तथा २१२ वाँ पत्र अप्राप्त
१५०	१५७६ (१)	मौद्गलपुराण प्रथमखड सचित्र		,,	१६११	१०३	चित्र सख्या ५२
१५१	१५७६ (२)	मौद्गलपुराण द्वितीयखड सचित्र		,,	१६११	७६	चित्र सख्या ७२
१५२	१५७६ (३)	मौद्गलपुराण तृतीयखड सचित्र		,,	शाके १७७६	१०५	चित्र संख्या ४२
१५३	१५७६ (४)	मौद्गलपुराण चतुर्थखड सचित्र		,,	१६११	११३	चित्र संख्या ५२
१५४	१५७६ (५)	मौद्गलपुराण पचमखड सचित्र		,,	१६११	६०	चित्र संख्या ५३
१५५	१५७६ (६)	मौद्गलपुराण षष्ठखड सचित्र		,,	१६११	१२७	चित्र सख्या ४५
१५६	१५७६ (७)	मौद्गलपुराण सप्तम खड सचित्र		,,	१६११	४६	चित्र सख्या २१
१५७	१५७६ (८)	मौद्गलपुराण अष्टमखड सचित्र		,,	१६११	६०	चित्र सख्या ४६
१५८	१५७६ (९)	मौद्गलपुराण नवमखड सचित्र		,,	१६११	८८	चित्र सख्या ३८
१५९	१५७६ (१०)	मौद्गलपुराण अवशिष्ट चित्रपत्र		,,	१६११	२०	चित्र सख्या २०

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१६	१८८३	रेणुकामाहात्म्य		संस्कृत	१६४६	४२	पत्र ३१वां अप्राप्य स्कन्दपुराणगत
१६१	२८२५	लघुनारदीयपुराण		,,	१८०२	८७	
१६२	२८३९	वायवीयसंहिता		,,	१९वीं श	३९	शिवपुराणगत
१६३	१२५१	वासुदेवमाहात्म्य टिप्पणसहित		,,	,, ,,	५४ (४८+६)	स्कन्दपुराणगत
१६४	४४	व्यतिपातमाहात्म्य		,,	२०,, ,,	३	स्कन्दपुराणगत
१६५	२८४३	शिवपुराण		,,	१८९६	१३०	
१६६	३२१५	शिवपुराण		,	१९२९	७९	
१६७	२८४०	शिवमाहात्म्य		,	१९वीं श	११	स्कन्दपुराणगत
१६८	२८४१	शिवमाहात्म्य		,,	,, ,,	२३	स्कन्दपुराणगत
१६९	२८४२	शिवसंहिता		,,	,, ,,	५	आदिपुराणगत दक्षकाण्डपर्यन्त।
१७०	२८४४	शिवसंहिता		,,	,, ,,	४३	आसुरकाण्ड
१७१	२८४५	शिवसंहिता (शंकरसंहिता)		,,	,, ,,	२२	वीरमाहेन्द्रकाण्ड
१७२	२८४६	शिवसंहिता		,,	,, ,,	१००	युद्धकाण्ड
१७३	२८४७	शिवसंहिता		,,	१८३५	१४०	सम्भवकाण्ड
१७४	२८४८	शिवसंहिता		,,	१९वीं श	२६	देवकाण्ड
१७५	२८४९	शिवसंहिता		,	१८९६	२११	उपदेशकाण्ड
१७६	२३७६ (३)	सप्तश्लोकीगीता		सं०	२०वीं श	११से१२	
१७७	२६०० (५)	सप्तश्लोकीगीता		,,	१८२५	१२वां	
१७८	२६ १ (५)	सप्तश्लोकीगीता		,,	१८२३	११वां	
१७९	३०१	सार गीता (गद्य)	तुलसीदास	प्रा०हि०	१९वीं श.	५	
१८०	७५१	सूर्यपुराण (कथा)		रा०	१८८०	७	
१८१	४५	स्कन्दपुराण ब्रह्मोत्तरखण्ड		सं०	१९वीं श	९२	
१८२	७४७	हरिवंश		,,	१८५०	४५५	
१८३	१६३३	हरिविजयग्रन्थ प्रथमाध्याय	ब्रह्मानन्द	महाराष्ट्री	१९वीं श	८	
१८४	१६३४	हरिविजयग्रन्थ द्वितीयाध्याय	,,	,,	,, ,,	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८५	१६३५	हरिविजयग्रन्थ तृतीयाध्याय	ब्रह्मानन्द	महाराष्ट्री	१९वीं श.	१६	
१८६	१६३६	हरिविजयग्रन्थ अष्टमाध्याय	” ”	”	२०वीं श.	११	
१८७	१६३७	हरिविजयग्रन्थ नवमाध्याय	” ”	संस्कृत	” ”	१६	
१८८	१६३८	हरिविजयग्रन्थ दशमाध्याय	” ”	महा०	” ”	१६	
१८९	१६३९	हरिविजयग्रन्थ एकादशाध्याय	” ”	”	” ”	१४	
१९०	१६४०	हरिविजयग्रन्थ द्वादशाध्याय	” ”	”	” ”	१४	
१९१	१६४१	हरिविजयग्रन्थ त्रयोदशाध्याय	” ”	”	” ”	१६	
१९२	१६४२	हरिविजयग्रन्थ चतुर्दशाध्याय	” ”	”	” ”	२१	
१९३	१६४३	हरिविजयग्रन्थ पंचदशाध्याय	” ”	”	” ”	१२	
१९४	१६४४	हरिविजयग्रन्थ षोडशाध्याय	” ”	”	” ”	१६	
१९५	१६४५	हरिविजयग्रन्थ सप्तदशाध्याय	” ”	”	” ”	१७	
१९६	१६४६	हरिविजयग्रन्थ विंशतितमाध्याय	” ”	”	” ”	१८	
१९७	२५९१	होलिकामाहात्म्य		सं०	१८५८	४	भविष्योत्तरपुराणगत

(७) वेदान्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२५९३	अध्यात्मविद्योपदेश विधि	शंकराचार्य	संस्कृत	१८वीं श	१६	
२	३६८६	अध्यात्मविद्योपदेश विधि		"	१९वीं श	१९	
३	१८१४	अनगलउल्लासभाषा (पद्य) (आत्मप्रकाश)	आतमराम	प्र०हि०	१८वीं श	४	जीर्णप्रति, अपूर्ण
४	२४६	अष्टावक्रसुक्ति		सं०	१७८४	१३	नलिनाख्यपुर में लिखित।
५	३२६	अष्टावक्री	विश्वेश्वर		१९वीं श	४४	
६	१४७३	आत्मबोधप्रकरण			२०वीं श	४	
७	१८०३ (१)	आत्मबोधप्रकरण			१९वीं श	१-२	
८	१७३७	आत्मबोधप्रकरण सटीक	मू०शङ्कराचार्य	,	१८७२	१५	
९	३२८५	आत्मबोधप्रकरण सटीक	मू०शङ्कराचार्य टी० मुक्तकवि	स०रा०	१९वीं श	२५	
१०	१६५१	आत्मबोधप्रकरण सार्थ			१८९७	३४	
११	३५६२ (१)	गरबचिंतामणी	रामचरन	रा०	१९५६	१-११	
१२	२७७४	गायत्रीव्याख्या	वल्लभाचार्य	सं०	१९५२	२	
१३	२०२	गोपालतापनी		,	१९वीं श	५०	
१४	१६२९	गोपालतापनी (उत्तर तापनी) सटीक त्रिपाठ	टी विश्वेश्वर (जनार्दन) ?	,	१९१३	१६	
१५	१६२८	गोपालतारनी (पूर्वतापनी) सटीक त्रिपाठ		,	२०वीं श	८	
१६	३०२७	गोरक्षप्रमोधभाषा		रा०गू०	१७८५	२	
१७	२४७	चित्रदीपप्रकरण सटीक त्रिपाठ	विद्यारण्य मुनि टी रामकृष्ण	स०	१७६५	२९	प्रथम प्रकरण (पंचदशी का)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१८	२१६८	ज्ञानसमुद्र	सुन्दरदास	ब्र०हि०	१८४६	३६	मलसीसर में लिखित स० १७१० मे रचित
१६	३२३७	दत्तगीता सार्थ		मू०स० अ०गू०	२०वीं श	७	
२०	७७१२	धर्मराजसवाद	शङ्कराचार्य	स०	१६वीं श	२	
२१	२४६	नाटकदीप सटीक	मू०विद्यारण्य मुनि टी०रामकृष्ण	,,	१७६५	६	पंचमप्रकरण (पचदशी का) पत्तननगर मे लिखित।
२२	२५२	पचकोशविवेकप्रकरण-सटीक	,, ,,	,,	१७६५	११	अष्टमप्रकरण (पचदशी का)
२३	१२१२	पचदशी विवरणसहित	,, ,,	,,	१७१२	३००	
२४	२७४०	पचमकारशोधन	शङ्कराचार्य	,,	२०वीं श	४	
२५	२५१	पचमहाभूतविवेक प्रकरण सटीक	मू०विद्यारण्य टी०रामकृष्ण	,,	१७६५	१६	सप्तम प्रकरण (पचदशी)पत्तननगर में लिखित।
२६	८३४	पचीकरण	सुरेश्वराचार्य	,,	१६वीं श	४	
२७	७४८	पचीकरणवार्तिक		,,	१६वीं श.	५	
२८	१२३४	पचीकरण सार्थ		स०ब्र०	१७२८	६	प्रथम पत्र अप्राप्त। नवानगर में लिखित
२६	८५४	पचीकरणानुवाद		ब्र०	१८वीं श	१५	अपूर्ण
३०	३२४०	बिसत(विश्रान्ति)प्रकरण (अष्टावक्र) पद्यानुवाद		ब्र०हि०	१८४५	२६	
३१	१६६	ब्रह्मसूत्रवृत्ति	राम	स०	१६वीं श	३५८ (१३४+२२५)	
३२	३३१४	ब्रह्मसहिता		,,	१६वीं श	८	
३३	२५४	ब्रह्मानन्दप्रकरण सटीक (द्वैतानन्द)	विद्यारण्यमुनि टी०रामकृष्ण	,,	१७६७	१६	१३ वाँ प्रकरण (पचदशी का)
३४	२५५	ब्रह्मानन्द (विषयानन्द) प्रकरण सटीक	,, ,,	,,	१७६७	१६	१५ वाँ प्रकरण (पचदशी का)
३५	२५६	ब्रह्मानन्द (योगानन्द) प्रकरण सटीक	,, ,,	,,	१७६६	३१	१४ वाँ प्रकरण (पचदशी का)
३६	११८८	महावाक्य	शङ्कराचार्य	,,	१६वीं श	५	
३७	२४३	महावाक्यादर्श	रामजी	,,	१५५६	२६	(तत्त्वमसि पदोपरि) पत्तननगर मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३८	२५१६	रामगीताटीका		संस्कृत	१८वीं श	५	भयहर नगर में लिखित।
३९	१६३०	रामतापनी टीका	विश्वेश्वर	"	२०वीं श	२३	
४०	१२८	रामोत्तरतापनीदीपिका		"	१९वीं श	१६	
४१	७६५	वज्रसूची	शङ्कराचार्य	"	" "	२	
४२	७७९	वज्रसूची	"	"	" "	२	
४३	२६७७	वज्रसूची	"	"	१८८७	५	कृष्णगढ़ में लिखित
४४	१८०३ (४)	वज्रसूची	"	"	१९वीं श	६-८	
४५	१३१६	वासिष्ठीभाष्य	वेदमिश्र	"	१८६८	३४	कुचीआणा में लिखित।
४६	८२३	वेदान्तमहावाक्यभाषा (पद्य)	मनोहरदास निरंजनी	ब्र०हि०	१७५०	२५	रचना सं० १७१६
४७	१६०	वेदान्तसार	कृष्णानन्द (सदानन्द)?	सं०	१९वीं श	१२	
४८	२१३	वेदान्तसार	सदानन्द	"	" "	१४	
४९	२५८७	वेदान्तसार		"	१७६५	७	
५०	२५०	वेदान्तसार टीका	नृसिंहसरस्वती	"	१९वीं श	१२	
५१	३ १४	वेदान्तसिद्धान्तदीपिका		"	१८वीं श	१४	
५२	३१११	शतप्रश्नी	मनोहरदास	ब्र०हि०	१८५५	११	कच्छ में लिखित।
५३	१३६	शुद्धाद्वैतमार्तण्डप्रकाश टीका सहित त्रिपाठ	मू० गिरिधर टी०रामकृष्ण	सं०	१९वीं श	२०	
५४	३५०७	समाधितंत्र बालावबोध	पर्वतधर्मार्थी	रा०गू०	१७५६	८५	भुजनगर में लिखित।
५५	१८०३ (६)	सिद्धान्तबिन्दु		सं०	१९वीं श	८-९	
५६	२७१० (७)	सिद्धान्तमुक्तावली		"	१९२५	७-८	
५७	२७१० (८)	सिद्धान्तरहस्य			१९२५	९ वाँ	
५८	३५७२ (१०)	सिद्धान्तरहस्य	वल्लभदीक्षित	"	१९वीं श.	१-२	
५९	१४८	सेवाकौमुदी	बालकृष्णभट्ट	"	२०वीं श	६	

४

वारवूझैमनग्र्यर्थमूझैसवैयाकेमुमुक्षीहोयसोपावैगुरगमतैं।निदाखुवतजेमानरूवडाईक्षोरिकपटलेप

त्यागैचितरावैस्मतैं।विवेकवैरागहोयसमदमश्रोत्रसोया।उपरतितितिक्षाश्रुसरधामेरलेमतैंस्माधान

मोक्षमैनश्रोरकर्जस्माधानध्यानधरैरैनंदिनरावैमनतमतैं॥२७॥दोहरा॥ ॥संवतसत्रासैमहिसो

रहवरषवतीत।हूपसत्रहैसैमहिकरीषटमासताहिवतीत॥२८॥आसोजवदीवउदसीहस्तपहेम

निनाशनाषाहूणीस्रवनई।मासएककृतकार॥२९॥इतिश्रीवेदांतमहावाक्यभाषानामग्रंथकथितं

मनोहरदासनिरंजनीसंपूर्णसमाप्तः॥ ॥श्रीरस्तु॥ ॥संवत्१७५०वर्षेभाद्रवाशुदि१०रवौवारेल

षितं॥पटविश्वनाथात्मजन०वासुदेवमितिनमेदोषः॥ ॥करकृतमपराधंक्षंतुमर्हंतिसंतः॥ ॥

॥श्रीः॥ ॥छ॥ ॥श्रीः॥ ॥छः॥ ॥श्रीकृष्णः॥ ॥छ॥ ॥श्रीः॥ ॥

२५

वेदान्तमहावाक्यभाषा

संवत् १७५० में लिखित (रचनाकाल से ठीक ३४ वर्ष बाद की प्रति)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६०	३३२६	स्वात्मनिरूपण सटीक त्रिपाठ	मू०शंकराचार्य टी०सच्चिदानन्दसरस्वती	सं०	१८वीं श.	२६	
६१	२५६८	हस्तामलक सटीक		,,	१७५३	२	जबालपुर में लिखित
६२	३०१५	हस्तामलकसंवाद	शंकराचार्य	,,	१६वीं श	३	

(८) योग

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१	७६३	गोरक्षशतक (योगशास्त्र)	गोरक्ष	संस्कृत	१९वीं श	६	
२	८५२	योगवासिष्ठसार पद्यानुवादसहित	मू० वसिष्ठ अनु० कवीन्द्र सरस्वती (?)	,, व्रज	१८वीं श	३०	पद्यानुवाद रचना स० १७१४, अन्त्य (३१ वाँ) पत्र अप्राप्त ।
३	३४१३	योगशास्त्र प्रकाश चतुष्टय	हेमचन्द्र	सं०	१६३४	१५	पत्तन में लिखित।
४	९४१	योगशास्त्रबालावबोध	मेरुसुन्दर	राज० गू०	१६वीं श	६७	
५	९४२	योगशास्त्रबालावबोध	,,	,,	१६वीं श	५९	
६	३०३२	योगशास्त्रबालावबोध		,,	१६वीं श	४८	
७	१०६६	योगसार सस्तबक	मू० योगेन्द्रदेव	अपभ्रंश स्त० राज० गू०	१८६४	११	राधनपुर नगर में लिखित ।
८	११७२	योगसूत्र सटीक	मू० भगवान् पतंजलि, टीका भोजदेव	संस्कृत	१८वीं श	४९	
९	७६४	हठप्रदीपिका	आत्माराम	,,	१८७६	१२	
१०	१८०२ (१)	हठप्रदीपिका	आत्माराम		१९वीं श	१–११	जीर्णप्रति ।
११	३०१३	हठप्रदीपिका	आत्माराम योगीन्द्र		१७०६	२५	अवंतीपुरी में लिखित ।

(६) दर्शनशास्त्र

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	३६६७	अन्ययोगव्यवच्छेद द्वात्रिंशिका		स०	१५वीं श.	१	
२	१५५५	आप्तपरीक्षा	विद्यानन्द	"	१७वीं श	६२	
३	२४८	कूटस्थदीपप्रकरण सटीक त्रिपाठ	मू०विद्यारण्य टी०रामकृष्ण	"	१७६५	१३	तृतीयप्रकरण (पचदशीका)
४	६७५	गणधरवादबालावबोध		"	१६वीं श	११	
५	१५५२	तत्त्वचिन्तामणि अनुमानखड	गगेश्वर	स०	१६वीं श.	५३	
६	१५६	तत्वदीप सटीक प्रथम प्रकरण	वल्लभदीक्षित	"	१६१५	५३	
७	२५०	तत्त्वविवेकप्रकरणसटीक त्रिपाठ	विद्यारण्यमुनि टी०रामकृष्ण	"	१७६५	१६	षष्ट प्रकरण (पचदशीका)
८	१५५३	तर्ककौमदी	भास्कर शर्मा	"	१८वीं श.	६	ग्रन्थकार मुद्गलभट्ट के पुत्र थे।
६	५६०	तर्कभाषा	केशवमिश्र	"	" "	२१	
१०	५६४	तर्कभाषा	"	"	" "	३२	
११	१५५४	तर्कभाषा	"	"	१६वीं श.	१३	
१२	२४६१	तर्कभाषा	"	"	१७३१	१६	छप्पइयाग्राम में लिखित।
१३	२६६६	तर्कभाषा सटीक पचपाठ	टी० चिन्नभट्ट	"	१७वीं श.	३३	
१४	३४२६	तर्कभाषा सटिप्पण	"	"	" "	१७	
१५	१७३३	तर्कभाषावृत्ति	वेनभट्ट	"	१६८२	३८	विगयपुर में लिखित
१६	२४६२	तर्कभाषाप्रकाशिकाटीका	बलभद्र	"	१६०७	३३	पत्र १से६ अप्राप्त
१७	३००१	तर्कभाषाप्रकाशिकाटीका	"	"	१५६०	१०४	केशव मिश्र रचित तर्क भाषा की टीका
१८	१७३४	तर्कवाद		"	१८०६	१	न० १७३५ सलग्न

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१९	२२६	तर्कसंग्रह	अन्नम्भट्ट	संस्कृत	१६वीं श	६	
२०	५४६	तर्कसंग्रह	,,	,,	,, ,	८	
२१	५५१	तर्कसंग्रह	,	,	,,	११	
२२	५५६	तर्कसंग्रह	, ,	,	, ,	८	
२३	५५७	तर्कसंग्रह	, ,		१८वीं श	७	
२४	१७३२	तर्कसंग्रह	,, ,		१८०२	६	
२५	२५८७	तर्कसंग्रह	, ,,	,,	१६वीं श	२	
२६	२५६ (१)	तर्कसंग्रह	, ,,	,,	,, ,,	१-४	
२७	५४८	तर्कसंग्रह टीका		,,	,, ,,	१६	
२८	५६२	तर्कसंग्रह टीका		,,	१८वीं श	१३	
२९	४६	तर्कसंग्रहदीपिका टीका		,,	२०वीं श	२४	
३०	५५५	तर्कसंग्रहदीपिका		,,	१६वीं श	११	
३१	५६६	तर्कसंग्रहदीपिका		,	१८वीं श	१६	
३२	५६५	तर्कसंग्रहन्यायबोधिनी टीका	रत्ननाथ (सुरतवासी)	,,	,,	४	
३३	५६७	तर्कसंग्रह न्यायबोधिनी टीका	रत्ननाथ	,,	१८३०	७८	
३४	२४८८	तर्कसंग्रह सटिप्पण	अन्नम्भट्ट	,,	१६वीं श	५	
३५	३३६६	तार्किकरक्षा	वरदराज	,	१६२३	५	
३६	३६५	द्रव्यसंग्रह (कवित्तबंध)	भगवतीदास	अ०हिं०	१६वीं श.	३	सं० १७३१ में रचित
३७	१६२१	द्रव्यसंग्रहबालावबोध	पर्वतधर्मार्थी	रा०गू०	१६८६	४५	
३८	१६२०	द्रव्यसंग्रह भाषार्थसहित	नेमीचन्द्र अर्थ रामचन्द्र	प्रा०रा०	१६वीं श	४८	
३९	२५३	द्वैतविवेक सटीक	मू० विद्यारण्य टी०रामकृष्ण	सं०	१८वीं श	१२	नवम प्रकरण (पंचदशीका)
४०	३६४८	धर्मपरीक्षा	अमितगति	,,	१८८६	६८	नागोर नगर में लिखित। सं० १०७० में रचित।
४१	१८१०	धर्मपरीक्षा	मनोहरदास	अ०हिं०	१८०५	४५	जीर्ण प्रति
४२	२११०	धर्मपरीक्षा भाषा (पद्य)	, ,,	,	१८४०	८३	
४३	३६४६	धर्मपरीक्षा भाषा (पद्य)	, ,		१७८७	६१	
४४	१०७३	धर्मपरीक्षा सटीक त्रिपाठ	यशोविजय उपाध्याय टी० स्वोपज्ञ	प्रा०सं०	१८वीं श	१२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४५	५४५	नञ्वादटिप्पणी	वाचस्पति-भट्टाचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	११	
४६	६६	न्यायप्रवेशव्याख्या	हरिभद्र	,,	१६५४	२७	
४७	१५४६	न्यायसारटीका	वासुदेव	,,	१४६३	४६	अपूर्ण
४८	१६७७	न्यायसारविचार	भट्ट-राघव	,,	१७वीं श	६६	
४९	३४२७	न्यायावतारसूत्र	सिद्धसेन	,,	१६वीं श	१	
५०	४२५	पदार्थतत्त्वनिरूपण	भट्टाचार्य-शिरोमणि	,,	१८वीं श	२	
५१	५५०	पदार्थतत्त्वनिरूपण	भट्टाचार्य-शिरोमणि	,,	१८२३	६	
५२	१७६	पदार्थतत्त्वविवेकप्रकरण		,,	१६वीं श,	२६	
५३	२६५२	पदार्थरत्नमजूषा (फोटोकापी)		,,	१६वीं श.	प्लेट १४	
५४	५५८	प्रमाणनयतत्त्वालोकालंकार सावचूरि पचपाठ	मू० देवाचार्य	,,	१५वीं श.	१०	
५५	५५४	भाषापरिच्छेद	महोपाध्याय-सिद्धान्त पंचानन	,,	१६वीं श.	५	
५६	३१०७	भाषापरिच्छेद	पचानन-भट्टाचार्य	,,	,, ,,	४	
५७	५६१	मगलवाद		,,	१७८५	१	
५८	५५२	मगलवादसुखावबोध-पद्धति		,,	१६वीं श.	४	
५९	३५५५	मानमनोहर	वादिवागीश्वर	,,	१७वीं श	२५	
६०	२६३५	मुक्तावलि		,,	१६वीं श	११	अपूर्ण
६१	३६४७	षड्दर्शननिर्णय		,,	१६६६	१	वीरग्राम में लिखित
६२	५६२	षड्दर्शनसमुच्चय	हरिभद्र	,,	१६वीं श	२	
६३	१५५१	षड्दर्शनसमुच्चय टीका	विद्यातिलक	,,	१५२३	२३	स० १३९२ आदित्य वर्द्धनपुर मे लिखित
६४	१६२६	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक	मू० हरिभद्र टी० गुणरत्न	,,	१६वीं श.	७३	
६५	८१	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक	टी० विद्यातिलक	,,	१६६५	३२	
६६	३६७६	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक	टी० विद्यातिलक	,,	१६वीं श	३९	पत्र १, २ पश्चात लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६७	३३६८	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक	मू हरिभद्र टी॰विद्यातिलक	संस्कृत	१६वीं श	२५	
६८	३४२८	षड्दर्शनसमुच्चयसटीक त्रिपाठ	मू॰ हरिभद्र टी॰विद्यातिलक	"	१८वीं श	२७	
६९	१९२२	सप्तनयविचार		सं॰रा॰	,	१२	
७०	३६५२	सप्तनयविवरण		स॰		५	
७१	५४७	सप्तपदार्थी	शिवादित्य	"	१८५६	९	
७२	५५३	सप्तपदार्थी	,	"	१९वीं श	६	
७३	१९२४	सप्तपदार्थी	,	"	१६३१	४	
७४	२४९० (२)	सप्तपदार्थी		,	१९वीं श	४–८	
७५	३४२४	सप्तपदार्थी			१६६५	५	
७६	३६४५	सप्तपदार्थी	"	"	१७वीं श	४	लेखक ने कर्त्ता का नाम शिवदेव मिश्र लिखा है।
७७	२९९८	सप्तपदार्थी टिप्पण		"	१४८६	८	शिवादित्य रचित सप्तपदार्थी का टिप्पण
७८	३४२५	सप्तपदार्थी टीका मितभाषिणी	माधव	,	१७वीं श	२८	शिवादित्य रचित सप्तपदार्थी की टीका
७९	१९१९	सप्तपदार्थी सटीक	मू॰शिवादित्य टी॰ माधवाचार्य	,	, "	३५	
८०	१९२५	सप्तपदार्थी सटीक	, ,	"	१६वीं श	३९	
८१	३०००	सप्तपदार्थी सदर्भटीका	बलभद्र	"	१५९१	३६	शिवादित्य रचित सप्तपदार्थी की टीका
८२	५४६	सांख्यसूत्र प्रदीपिका			१८५९	१२	
८३	३६४४	स्पर्शनाधिकार		,	१७वीं श	३	
८४	१६१	स्फोटचन्द्रिका	कृष्णभट्ट	,	१९वीं श.	१२	
८५	१२५०	स्याद्वादमंजरी	मल्लिषेणसूरि		१५२७	५७	
८६	३६५१	स्याद्वादरत्नाकर	देवाचार्य		१७९४	१७	सं॰ १४१२ में रचित मूरति में लिखित।

(१०) व्याकरणग्रन्थाः

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	४५७	अनिट्कारिका		संस्कृत	१७६५	४	
२	२४२५	अनिट्कारिका		"	१६वीं श.	६	
३	४५८	अनिट्धातुसग्रह		"	१७वीं श.	३	
४	२४४०	अव्ययार्था		"	२०वीं श	५	
५	३५८५	आख्यातवृत्ति		"	१८२५	११	मेदिनीपुर मे लिखित
६	१६८५	उक्तिरत्नाकर	साधुसुन्दर	संस्कृत राज० गू०	१८७६	१७	
७	१६८५	उक्तिरत्नाकर	"	संस्कृत राज० गू०	१६६४	१६	
८	२६४८	उक्तिसग्रह भाष्य (फोटोकापी)	तिलक पण्डित	संस्कृत राज० गू०	१६वीं श.	१२	
९	१८५६	उपादिप्रयोगव्युत्पत्ति		संस्कृत	१८६६	२१	
१०	४५३	एकादिशतान्तशब्द माधनिका	सहजकीर्ति	"	१७वीं श	२	
११	२६५०	औक्तिक (फोटोकापी)	मोमप्रभ	संस्कृत राज० गू०	१६वीं श	१०प्लेट	
१२	२६५१	आनन्दसुन्दर	आनन्दसुन्दर	संस्कृत राज० गू०	१७वीं श	१४प्लेट	
१३	४३०	औंजदन् माधना		संस्कृत	१६वीं श	१	
१४	३४०७	कविकल्पद्रुम (धातु-पाठ)	वोपदेव	"	१६३१	१६	श्रीकारी सन्निवेश में लिखित।
१५	४५५ (१)	कातन्त्रधातुपाठ		"	१८५७	१-८	सुजनगर मे लिखित।
१६	३३५० (३)	कातन्त्रविभ्रम		"	१७वीं श	(७-८)	
१७	२५२८	कातन्त्रविभ्रम		"	"	"	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६०	१६६२	प्रयाण्यपदसमाधान	सूरचन्द्र	संस्कृत	१९वीं श	२	
६१	२०५४	प्रबोधचन्द्रिका	वैजलभूपाल	,,	१८५२	१७	
६२	११५८	प्राकृतकामधेनु	रावण	,,	२०वीं श	४	
६३	१६८१	प्राकृतप्रकाश सटीक	मू० वररुचि टी० भामह	,,	१८८३	२२	
६४	१५४६	प्राकृतव्याकरण सटीक	हेमचन्द्र टी स्वोपज्ञ	,	१५वीं श	२५	
६५	१६८२	प्राकृतानन्द	रघुनाथ	प्राकृत संस्कृत	१८०५	२२	
६६	४२७	प्रौढमनोरमा	भट्टोजीदीक्षित	,,	१७९८	२०३	सिद्धांतकौमुदी-व्याख्या। अव्ययपर्यंत
६७	१६५६	भाष्यप्रदीपव्याख्या प्रथमाह्निक	नागोजीभट्ट	,,	१९वीं श	२१	कर्त्ता शृ गवेरपुर के रामनृपति के आश्रित थे।
६८	१६५७	भाष्यप्रदीपव्याख्या तृतीयाह्निक	,,	,,	,, ,,	२१	
६९	२२३	भूषणसारदर्पण	हरिवल्लभ	,	, ,,	३२७	
७०	४६३	मध्यसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	,	१८वीं श	१४१	
७१	१६६२	लकारार्थनिर्णय		,,	१९वीं श	८	लघुभूषण की कान्ति नामक टीकान्तगत।
७२	१५५	लघुवैयाकरणभूषण सारटीका	गोपालदेव	,,	, ,	४०	कातिनामक टीका। आख्यातपर्यन्त।
७३	२१८	लघुवैयाकरण भूषण सारटीका	,,	,,	१८वीं श	७१	कारक से समासार्थ निर्णयपर्यंत। कान्ति नामकटीका।
७४	२३१	लघुवैयाकरण भूषणसार	,	,,	१९वीं श	५०	कान्तिनामकटीका।
७५	२१७	लघुशब्दरत्न	हरिदीक्षित		१९वीं श	१८७	प्रौढमनोरमा व्याख्यान।
७६	१५६	लघुशब्देन्दुशेखर		,,	,, ,	२२२	विभक्त्यर्थपर्यन्त। अपूर्ण।
७७	४०३	लघुसिद्धान्तकौमुदी	वरदराज	,	१८४७	६०	
७८	२९१९	लघुसिद्धा तकौमुदी	,		१८९२	८७	स्त्रीप्रत्ययपर्यन्त। पत्र ३८ वाँ अप्राप्त।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
७९	४४४	लिंगनिर्णय	कल्याणसागर	सस्कृत	१८वीं श.	१५	
८०	७६६	लिंगानुशासन	भट्टोजीदीक्षित	,,	१६८६	८	सिद्धान्तकौमुदीगत।
८१	४५१	लिंगानुशासन	हेमचद्र	,,	१८५८	६	
८२	२४२४	लिगानुशामन		,,	१९वीं श	४	सिद्धान्तकौमुदीगत।
८३	२४३२	लिंगानुशासन	हेमचद्र	,,	१६६०	६	पिप्पलोद में लिखित
८४	३५९६	लिंगानुशासन	,,	,,	१६वीं श	१०	
८५	३४०३	लिंगानुशासनविवरण	,,	,,	१६५७	७६	
८६	४५३	लिंगानुशामनविवरणोद्धार		,,	१६वीं श	१८	
८७	४५२	लिंगानुशासन सविवरण	हेमचद्र टी० स्वोपज्ञ	,,	१८३६	३७	माडवी (कच्छ) में लिखित।
८८	१७२८	लिंगानुशासन सविवरण	हेमचद्र विव० स्वोपज्ञ	,,	१६६६	५१	
८९	१६१७	वाक्यप्रकाश औक्तिक सटीक	मू० उदयधर्म टी० हर्षकुल	,,	१६६३	१०	मू० रचना स० १५०७ सिद्धपुर मे राडवर मे लिखित।
९०	३३९७	वामनाविवरण	भीष्म	,,	१७वीं श	८	
९१	२४७६	विपरीतग्रहण प्रकरण		,,	१८२८	२	विक्रमपुर मे लिखित
९२	३९४	वैदिकप्रक्रिया	भट्टोजीदीक्षित	,,	१८५६	२८	सिद्धान्तकौमुदीगत।
९३	२	वैयाकरणकारिका		,,	१८४३	६	आदौफणिभाषित भाष्याब्धे: शब्द-कौस्तुभ उद्धृतः। तत्र निर्णीत एवार्थः सक्षेपेणेह कथ्यते
९४	७७०	वैयाकरणभूषणसार	कौंडभट्ट	,,	१८३३	७८	
९५	२४२४	वैयाकरणभूषणसार	,,	,,	१७५२	४३	मोढग्राम में लिखित
९६	१५३	वैयाकरणभूषणसार (स्फोटवाद)	,,	,,	१७वीं श	५४	
९७	७३५	व्युत्पत्तिप्रकाश प्रथम खंड		,,	१९वीं श	५१	पत्र २२ वा तथा ५० वा अप्राप्त।
९८	१६४८	शब्दकौस्तुभव्याख्या (भावप्रदीप)	कृष्णमिश्र	,,	,, ,,	६८	आह्निक १से३ पूर्ण, ४ था अपूर्ण।
९९	१६४९	शब्दकौस्तुभव्याख्या (भावप्रदीप)	,,	,,	,, ,,	२३	आह्निक ५–६

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१३५	३३४६	सारस्वत दीपिकाटीका	चन्द्रकीर्ति	संस्कृत	१७वीं श	८४	
१३६	३३४७	सारस्वत दीपिकाटीका		,,	,, ,,	१४३	
१३७	२४३८	सारस्वत धातुपाठ	हर्षकीर्ति	,,	१७६३	११	विक्रमपुर में लिखित
१३८	२९६५	सारस्वत धातुपाठ		,,	१७३४	८	
१३९	३३५० (१)	सारस्वत धातुपाठ			१७वीं श	१—७	
१४०	३५८६	सारस्वत धातुपाठ	अनुभूति स्वरुपाचार्य	,,	१८वीं श	४	
१४१	२४३३	सारस्वत धातुपाठ			१७४४	५	जेसलमेरु में लिखित
१४२	४५२	सारस्वत धातुपाठ बालावबोधसहित		मू०स० बा०गु०	१७५६	७	
१४३	३५८७	सारस्वत धातुपाठ व्याख्या		संस्कृत	१८७६	१०	नागोर में लिखित
१४४	२८६६	सारस्वत धातुपाठ सटीक	हर्षकीर्ति टी स्वोपज्ञ	,,	१७६२	७८	
१४५	४३३	सारस्वत धातुपाठ सबालावबोध		सं०राज० गुज०	१७वीं श	४	
१४६	२४३७	सारस्वत धातुपाठ सबालावबोध त्रिपाठ		मू०सं०	१७वीं श	४	
१४७	२९६६	सारस्वत धातुपाठ सविवरण	हर्षकीर्ति वि०स्वोपज्ञ	संस्कृत	१८१५	६१	यशोवती नगरी में लिखित।
१४८	३५६४ (२)	सारस्वतपंचसंधि		,,	१८६१	१—१७	बगड़ीनगर में लिखित।
१४९	३३८९	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति स्वरूपाचार्य		१७२४	४५	फुलेथनगर में लिखित।
१५०	३३४३	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति स्वरूपाचार्य	,,	१७८६	५८	
१५१	३३४४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति स्वरूपाचार्य		१७३७	५५	मेड़्तानगर में लिखित, आख्यान कृदन्त प्रक्रिया
१५२	२९५९	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति स्वरूपाचार्य		१७वीं श	३३	
१५३	३०६३	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति स्वरूपाचार्य		१९वीं श	७४	आख्यातप्रक्रिया पर्यन्त।

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	२८६८	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	संस्कृत	१६वीं श.	५५	
१५५	२४२१	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८३८	७५	
१५६	१६०४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१७वीं श.	४८	
१५७	१६६४	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८१८	७२	माडवी में लिखित।
१५८	४६७	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१७२०	५६	अजार नगर मे लिखित।
१५९	१८६१	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१६वीं श.	७७	स्यादिप्रक्रिया पर्यन्त।
१६०	३५८०	सारस्वतप्रक्रिया	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१७वीं श.	६१	
१६१	३१५४	सारस्वतप्रक्रिया (कृदंत)	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१६वीं श.	८१	
१६२	२६६०	सारस्वतप्रक्रिया टिप्पणसहित	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१४४५	११७	राजनगर में लिखित
१६३	४६४	सारस्वतप्रक्रियाटीका	महीदास	"	१६१३	४४	कृदन्तप्रक्रिया।
१६४	४६५	सारस्वतप्रक्रियाटीका	"	"	१६१३	११३	आख्यात प्रक्रिया।
१६५	४६६	सारस्वतप्रक्रियाटीका	"	"	१८वीं श.	११२	" "
१६६	४५६	सारस्वतप्रक्रियाटीका	"	"	१८०३	२२	आख्यातपर्यन्त।
१६७	१३२०	सारस्वतप्रक्रिया प्रथमा वृत्ति	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८१४	१०१	नवानगर में लिखित।
१६८	१३३४	सारस्वतप्रक्रिया द्वितीया वृत्ति	अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८०७	११६	नोतनपुर में लिखित
१६९	४५०	सारस्वतप्रक्रिया बाला-बबोधसहित	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य	"	१८१३	४८	स्याद्यन्त, प्रथमपत्र अप्राप्त।
१७०	१६१३	सारस्वतप्रक्रिया सटीक	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी० पुञ्जराज	"	१६५५	६७	रामपुरा में लिखित
१७१	१६१४	सारस्वतप्रक्रिया सटीक	मू० अनुभूति-स्वरूपाचार्य टी० पुञ्जराज	"	१५६८	६७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१७२	१५४८	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू० अनुभूति स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	संस्कृत	१७३२	१६८	चक्रापुरी में लिखित
१७३	३३५६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	„	१७०४	२५५	श्रीयशवंतसिंहजी शासित जावाल पुर में लिखित।
१७४	७६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	„	१७७७	६८	
१७५	२६५७	सारस्वतप्रसाद	भट्टवासुदेव		१८७५	११	रचना स० १६३४। कोटला में लिखित।
१७६	२६६१	सारस्वतभाष्य	काशीनाथ	„	१८९०	५६	
१७७	१५५७	सारस्वतलघुभाष्य	रघुनाथनागर		१७६८	२५०	कर्त्ता हाटकेशपुर निवासी थे। २१६वें पत्र के प्रथम पृष्ठ में पूर्वार्द्ध पूर्ण उसी स्थान पर संवत है। उत्तरार्द्ध अपूर्ण
१७८	२१६	सारस्वतवृत्ति	ज्ञानेन्द्रसरस्वती		१९वीं श	१६	स्त्रीप्रत्यय पर्यन्त
१७९	४०५	सारस्वतवृत्ति सिद्धान्त रत्नावली	माधव	„	१६६४	११२	नवानगर में लिखित
१८०	४३०	सारस्वतसारप्रदीपिका टीका	जगन्नाथ	„	१६७४	५६	
१८१	४४६	सारस्वतसूत्रपाठ		„	१७५७	७	पाटण में लिखित
१८२	२५७७	सारस्वतसूत्रपाठ		„	१९वीं श	३	
१८३	२६५८	सारस्वतसूत्रपाठ			१९वीं श	२	सप्तशतसूत्राणि
१८४	३१००	सारस्वतसूत्रपाठ			१९वीं श	८	
१८५	३०८८	सारस्वतसूत्रपाठ		„	१९वीं श	४	
१८६	३१५६	सारस्वतसूत्रपाठ		„	१९०७	११	
१८७	३ ४२	सारस्वतसूत्रपाठ			१६६१	४	श्रीरायसिंह के शासन में लिखित।
१८८	३३५२	सारस्वताख्यानवृत्ति	महीदास	„	१८वीं श	८५	प्रथम पत्र में श्रीदेवी का चित्र है।

व्याकरण-ग्रन्था.

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१८९	१६८३	सिद्धशब्दरूपमाला	वररुचि	सस्कृत	१८८२	८	
१९०	४३१	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि	हेमचन्द्राचार्य	,,	१५०४	३७	चतुर्थाध्याय पर्यन्त। भाकपद्र नगर मे लिखित।
१९१	४३५	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		,,	१५वीं श	३६	चतुर्थाध्याय पर्यन्त।
१९२	४३६	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		,,	,, ,,	१६से७७	द्वितीयाध्याय से पचमाध्याय पर्यन्त।
१९३	३३९३	सिद्धहैमशब्दानुशासन दशपादढु ढिका		,,	१७वीं श	८८	पत्र १–२ अप्राप्त।
१९४	३५४०	सिद्धहैमशब्दानुशासन धातुपाठ		,,	१५वीं श	६	
१९५	३३९४	सिद्धहैमशब्दानुशासन प्राकृतव्याकरणढु ढिका	उदयसौभाग्य	,,	१७वीं श	१७२	
१९६	४०४	सिद्धान्तकौमुदी	भट्टोजीदीक्षित	,,	१९वीं श	३७९	
१९७	३३९६	सिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१७वीं श	२०५	
१९८	३५८४	सिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१९वीं श	२९८	
१९९	१०	सिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्ध	,,	,,	१८५७	१५५	मोतीमहल में लिखित
२००	३५९१	सिद्धान्तकौमुदी उत्तरार्ध	,,	,,	१९वीं श	२१०	
२०१	५२८	सिद्धान्तकौमुदी टिप्पण सहित	,,	,,	१८२७	१८६	सूरेत(सूरत) बिन्दर मे लिखित।
२०२	२२२	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या		,,	१९वीं श.	७९	अव्ययपर्यन्त तत्व-बोधिनी व्याख्या।
२०३	३१०५	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या तत्वबोधिनी		,,	,, ,,	१२९	समासाश्रयविधि-पर्यन्त।
२०४	१८५०	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	,,	१८५०	३५	कृदन्तप्रक्रिया
२०५	१९११	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१७वीं श	५२	
२०६	२५२०	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१९वीं श	९०	तृतीया(कृत) वृत्ति।
२०७	२८५६	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१८५०	१०७	
२०८	२११०	सिद्धान्तचन्द्रिका		,,	१९वीं श.	१६	विभक्त्यर्थ तथा समासप्रक्रियामात्र
२०९	२५५१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध		,,	१८वीं श	३६	तद्धितप्रक्रिया पर्यन्त।
२१०	३८३६	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध	रामचन्द्राश्रम	,,	२०वीं श.	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१७२	१५४८	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू अनुभूति स्वरूपाचार्य टी०चंद्रकीर्ति	संस्कृत	१७३२	१६८	चक्रापुरी में लिखित
१७३	३३५६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति स्वरूपाचार्य टी०चन्द्रकीर्ति	,,	१७०४	१५५	श्रीयशवंतसिंहजी शासित जावाल पुर में लिखित।
१७४	७६	सारस्वतप्रक्रिया सटीक त्रिपाठ	मू०अनुभूति स्वरूपाचाय टी०चन्द्रकीर्ति	,,	१६७७	१८	
१७५	२६५७	सारस्वतप्रसाद	भट्टवासुदेव		१८७५	११	रचना स० १६३४। कोटला में लिखित।
१७६	२६६१	सारस्वतभाष्य	काशीनाथ	,,	१८६०	५६	
१७७	१५५७	सारस्वतलघुभाष्य	रघुनाथनागर		१७६८	२५७	कर्त्ता हाटकेशपुर निवासी थे। २१६वें पत्र के प्रथम पृष्ठ में पूर्वार्द्ध पूर्ण, उसी स्थान पर संवत है। उत्तरार्द्ध अपूर्ण
१७८	७१६	सारस्वतवृत्ति	ज्ञानेन्द्रसरस्वती	,	१६वीं श	१६	स्त्रीप्रत्यय पर्यन्त
१७६	४०५	सारस्वतवृत्ति सिद्धान्त रत्नावली	माधव	,,	१६६४	११२	नवानगर में लिखित
१८०	४३७	सारस्वतसारप्रदीपिका टीका	जगन्नाथ	,,	१६७४	५६	
१८१	४४६	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१७५७	७	पाटण में लिखित
१८२	२४२७	सारस्वतसूत्रपाठ		,	१६वीं श	३	
१८३	२६५८	सारस्वतसूत्रपाठ			१६वी श	२	सप्तशतसूत्राणि
१८४	३१००	सारस्वतसूत्रपाठ			१६वी श	८	
१८५	३०८८	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६वी श	४	
१८६	३१५६	सारस्वतसूत्रपाठ		,,	१६०७	११	
१८७	३३४७	सारस्वतसूत्रपाठ			१६६१	४	श्रीरायसिंह के शासन में लिखित।
१८८	३३५७	सारस्वताख्यातवृत्ति	महीराम		१८वी श	८५	प्रथम पत्र में श्रीदेवी का चित्र है।

व्याकरण-ग्रन्था

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१८९	१६८३	सिद्धशब्दरूपमाला	वररुचि	संस्कृत	१८८२	८	
१९०	४३१	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि	हेमचन्द्राचार्य	,,	१५०४	३७	चतुर्थाध्याय पर्यन्त। भाकपद्र नगर मे लिखित।
१९१	४३५	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		,,	१५वीं श	३६	चतुर्थाध्याय पर्यन्त।
१९२	४३६	सिद्धहैमशब्दानुशासन अवचूरि		,,	,, ,,	१९से७७	द्वितीयाध्याय से पचमाध्याय पर्यन्त। पत्र १-२ अप्राप्त।
१९३	३३९३	सिद्धहैमशब्दानुशासन दशपादढु ढिका		,,	१७वीं श	८८	
१९४	३५५०	सिद्धहैमशब्दानुशासन धातुपाठ		,,	१५वीं श	६	
१९५	३३९४	सिद्धहैमशब्दानुशासन प्राकृतव्याकरणढु ढिका	उदयसौभाग्य	,,	१७वीं श	१७२	
१९६	४०४	सिद्धान्तकौमुदी	भट्टोजीदीक्षित	,,	१९वीं श	३२६	
१९७	३३९६	सिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१७वीं श	२०५	
१९८	३५८४	सिद्धान्तकौमुदी	,,	,,	१९वीं श.	२९८	
१९९	१२	सिद्धान्तकौमुदी पूर्वार्ध	,,	,,	१८५७	१५५	मोतीमहल मे लिखित
२००	३५९१	सिद्धान्तकौमुदी उत्तरार्ध	,,	,,	१९वीं श	२१०	
२०१	४२८	सिद्धान्तकौमुदी टिप्पण सहित	,,	,,	१८२७	१८६	सूरेत(सूरत) बिन्दर मे लिखित।
२०२	२२२	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या		,,	१९वीं श	७६	अव्ययपर्यन्त तत्व-बोधिनी व्याख्या।
२०३	३१०५	सिद्धान्तकौमुदी व्याख्या तत्वबोधिनी		,,	,, ,,	१२६	समासाश्रयविधि-पर्यन्त।
२०४	१८५०	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	,,	१८५०	३५	कृदन्तप्रक्रिया
२०५	१९११	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१७वीं श	५२	
२०६	२५२०	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१९वीं श.	९०	तृतीया(कृत्) वृत्ति।
२०७	२८९९	सिद्धान्तचन्द्रिका	,,	,,	१८५२	१०७	
२०८	३११०	सिद्धान्तचन्द्रिका		,,	१९वीं श.	१६	विभक्त्यर्थ तथा समासप्रक्रियामात्र
२०९	२४४१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध		,,	१८वीं श.	३६	तद्धितप्रक्रिया पर्यन्त।
२१०	३०७६	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्ध	रामचन्द्राश्रम	,,	२०वीं श.	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र सख्या	विशेष
२११	३३५१	सिद्धान्तचन्द्रिका पूर्वार्धं सटिप्पण	रामचन्द्राश्रम	सस्कृत	१७५५	२४	
२१२	२४४२	सिद्धान्तचन्द्रिका	रामाश्रम	,	१७६५	७१	
२१३	३५८२	सिद्धान्तचन्द्रिका व्याख्यावृत्ति	शङ्कर	,	१९०६	४१	योधदुर्ग में लिखित।
२१४	१९०८	सिद्धान्तचन्द्रिका टिप्पणसहित	रामाश्रम	,	१७५३	८५	
२१५	४६२	सिद्धान्तचन्द्रिका टिप्पणसहित	रामचन्द्राश्रम	,	१८वीं श	१ १	
२१६	३३६१	सिद्धान्तचन्द्रिका तत्त्वदीपिकाव्याख्या	शंकर	"	१८वीं श	८२	सं० १७४१ में रचित, रिंयां में लिखित।
२१७	३५८८	सिद्धान्तचन्द्रिका पंचसंधिव्याख्या	रघुनाथ	,	१८वीं श	४२	
२१८	३५७७	सिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या सटिप्पण पूर्वार्धं	सदानंद		१९०२	८६	सेरगढ में लिखित।
२१९	३५७८	सिद्धान्तचन्द्रिकाव्याख्या सटिप्पण उत्तरार्धं	,		१९०२	११४	
२२०	३३१८	सिद्धान्तचन्द्रिका सटिप्पण पूर्वार्धं	रामचन्द्राश्रम	,	१८९७	४८	सुरगढ़ में लिखित।
२२१	३३१९	सिद्धान्तचन्द्रिका सटिप्पण उत्तरार्धं	"	"	१८९१	६९	"
२२२	२४२८	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबोधिनीवृत्ति पूर्वार्धं	सदानंद	,	१९वीं श	१२४	
२२३	२५७२	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबोधिनीवृत्ति उत्तरार्धं			१९२१	१७५	मंभूग्राम में लिखित
२२४	२४२९	सिद्धान्तचन्द्रिका सुबोधिनीवृत्ति उत्तरार्धं	,	,	१९वीं श	१२७	
२२५	३३५० (२)	सेटअनिटकारिका			१७वीं श	७ वाँ	
२२६	३५९०	स्यादिशब्दसमुच्चय	अमरचन्द्र	"	१८४७	२	सूरतबिंदर में लिखित।
२२७	४४७	हैमधातुपाठ	हेमचन्द्र	"	१५वीं श	३	
२२८	४३४	हैमधातुपाठसावचूरि पचपाठ		,	१५वीं श	६	
२२९	३३६५	हैमधातुपारायण			१७वीं श	१२७	
२३०	१९१६	हैमविभ्रम	देवसूरिशिष्य	"	१५वीं श	४	

(११) कोशग्रन्थाः

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	१७३०	अनेकार्थकोश	महाक्षपण काश्मीराम्नायी	सस्कृत	१८४४	११	
२	१११६ (१)	अनेकार्थध्वनिमजरी		,,	१८वीं श	३	
३	५२७	अनेकार्थनाममाला	नन्ददास	व्रज० हिं०	१८८३	११	मानकुआ (कच्छ) मे लिखित
४	५३१	अनेकार्थनाममाला	,,	,,	१८७७	६	
५	३०३५	अनेकार्थनाममाला	,,	,,	१८वीं श	२	
६	२३६७ (५)	अनेकार्थमजरी	,,	,,	१८१२	१०७से ११६	
७	३१७२	अनेकार्थमजरी	,,	,,	१६वीं श.	२३	
८	५२१	अनेकार्थसग्रह	हेमचन्द्र	सस्कृत	१८६८	७६	
९	५३७	अनेकार्थसग्रह	,,	,,	१५वीं श.	१६	सशेष
१०	३३५५	अनेकार्थसग्रह सटीक	मू० हेमचन्द्र टी०महेन्द्रसूरि	,,	१६वीं श.	२४०	स० १२८८ मे लिखित प्रति से लिखित–प्राचीन प्रति, लेखक की १७ पद्यात्मक प्रशस्ति है।
११	३३५४	अनेकार्थसग्रह सशेष	हेमचन्द्र	,,	१६वीं श.	४५	
१२	५४१	अनेकार्थसग्रह सटीक	महेन्द्रसूरि	,,	१६वीं श	२६२	स० १२८२ मे मरुकोट्ट वास्तव्य धर्कट वशीय आशापाल द्वारा लावण्यसिंह ब्राह्मण से लिखापित प्रति की लिपि। अत में १७ प्रशस्ति पद्य हैं।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
५९	१७७१	गणितनाममाला	हरिदत्त	संस्कृत	१८१४	४	भुजनगर में लिखित
६०	२४५१	गणितनाममाला	"	"	१७वीं श	७	
६१	६२६	ज्योतिषनाममाला	"	"	१८६९	६	
६२	५२२	भाषानाममाला	नरसिंह	व्रज०	१८५६	२०	
६३	१७२६	नाममाला	नंददास	,	१९२०	१	
६४	५२५	नाममाला	धनंजय	संस्कृत	१८१५	१२	भुजनगर में लिखित
६५	३३५२	नाममाला		,	१६८८	१३	
६६	१६९	निघण्टु		,	१८३१	५३	
६७	३८२५	निघण्टु	धन्वंतरि	,	१८८८	४४	
६८	३८४०	निघण्टु	,	"	१७७५	२७	जैसलमेरु में लिखित
६९	३८४७	निघण्टु	"		१७६४	५७	रतनपुरी में लिखित
७०	१७२७	निघण्टुनाममाला		,	१९वीं श	२०	किंचित् अपूर्ण
७१	३५३१	निघण्टुनाममाला	धनंजय	"	१६४३	५	प्रथम परिच्छेद पर्यन्त
७२	७१८	निघण्टुनाममाल	धन्वंतरि	"	१८८८	७४६	
७३	२४००	निघण्टुशास्त्र		"	१९वीं श.	२६	
७४	५४०	पाईयलच्छीनाममाला तथा अनेकार्थनाममाला प्रथम काण्ड	पं० धनपाल	प्राकृत	१८वीं श	१०	रचना संवत्—१०२९, सुन्दरी नामक बहिन के लिये रचना की ।
७५	५२९	पारसातनाममाला	कुंवरकुशल	व्रज हि०	१८५७	३५	
७६	२५४८	बृहत्कर्णाभरणकोश	हरिचरणदास	"	१९०५	५७	स० १८३८ में चैनपुर में रचित ।
७७	२७८८	मातृका निघण्टु	महीदास	संस्कृत	१-९५	५	पुष्करारण्यस्थजाट कुअ में लिखित
७८	३०९४	मातृका निघण्टु (एकाक्षरकोश)			२०वीं श	३	
७९	५ ५	मानमंजरीनाममाला	नन्ददास	व्रज हि०	१८७७	१२	मोलकुआ में लिखित
८०	५२९	मानमंजरी नाममाला		,	१८वीं श	१०	
८१	११२६ (२)	मानमंजरी नाममाला			१८२७	१२से२३	
८२	१८७६ (२)	मानमंजरी नाममाला		"	१८वीं श	९७-१०८	गुटका
८३	३५१७	मानमंजरी नाममामा	,	,	१८३३	९	बालोतरा में लिखित
८४	३६७७	मानमंजरी नाममाला	,	,	१८६२	१३	कटावीया में लिखित

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
८५	३६०६	मानमजरीनाममाला	नन्ददास	व्रज०हि०	१८६५	१८	सुरजगढ मे लिखित
८६	३६०८	मानमजरीनाममाला	,,	,,	१८४१	६	पत्तन मे लिखित ।
८७	५३२	मानमजरीनाममाला तथा रसमजरी	,,	,,	१७६८	२४	
८८	७४४७	लघुकर्णाभरणकोश	हरिचरणदास	,,	१८८४	१६	अजमेर मे लिखित
८९	२८६३ (६३)	वस्त्रपल्लवी		सस्कृत	१७वीं श.	१६०वा	दो श्लोक है ।
९०	१५७८ (१)	शारदीयानाममाला	हर्षकीर्ति	,,	१९वीं श.	२४	
९१	३५९८	शारदीयानाममाला	,,	,,	१८९४	२४	सुरजगढ मे लिखित
९२	५६०१	शारदीयानाममाला	,,	,,	१८०७	१३	सवराड मे लिखित
९३	३६०५	शारदीयानाममाला	,,	,,	१८३१	१३	रीया गांव मे लिखित
९४	३६०७	शारदीयानाममाला प्रथम काण्ड	,,	,,	१८३९	११	पाली मे लिखित ।
९५	५२६	शेषनाममाला	हेमचन्द्र	,,	१८५८	१०	मानकुआ मे लिखित
९६	२४४६ (१)	शेषसग्रहसारोद्धार	,,	,,	१७वीं श	१–५	
९७	२०५६	श्रुतिभूषण	हरिचरणदास	व्रज०हि०	२०वीं श	१३	एकाक्षर एव कान्त खान्त शब्दों से पान्त शब्द पर्यन्त, पश्चात किंचित अपूर्ण ।
९८	२७४१	सदाशिवकलापोडशक		सस्कृत	२०वीं श	१	
९९	३५६१ (२)	सरस्वतीनाममाला	महादास भाट	व्रज०हि०	१७२६		अत्य १३ पत्र त्रुटित
१००	११२०	सुबोधचन्द्रिका अनेकार्थनाममाल।	फकीरचद चौहाण	,,	१८२८	६०	एकाक्षर अनेकाक्षर सोभरीनाममाला के आधार से सवत् १८०० में रचित । पाप खाख र में लिखित ।
१०१	५३३	हरिजमननाममाला	रतनू हमीर	राज०	१८८१	२८	मानकुआ ग्राम में लिखित । स० १७७६ मे रचित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१ २	७६८	हरिनाममाला		संस्कृत	१६वीं श	६	हरिशब्दार्थ द्योतक शब्दों का संग्रह।
१०३	७६०	हरिनाममाला	मलराज (शंकराचार्य)	,,	१६०३	१	हरिशब्द के पर्याय वाची शब्दों के पद्य हैं।
१०४	१८८२	हरिनाममाला		ब्रज	१६वीं श	७६—८१	

(११) ज्योतिष–गणितादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	६३५	अकडमचक्र		संस्कृत	१७०७	१	
२	२५४५	अकडमचक्रविधि		,,	१८३३	१	सूरत में लिखित
३	२५६७	अकडमचक्रविधि		,,	२०वीं श.	१	
४	१७६७	अक्षयतृतीयाविचारादि		रा०गु०	१६वीं श.	१	
५	३८०२	अक्षरचूडामणि		स०	१८वीं श	६	उदेपुर में लिखित।
६	६२१	अगस्त्योदय तथा शुक्रोदय विचार		रा०गु०	१६वीं श	१	
७	१७६४	अङ्गविद्या		स०	,, ,,	१	
८	२८६३ (७६)	अङ्गविद्या		,,	१७वीं श.	१४१वां	
९	११२३ (१७)	अङ्गस्फुरणविचार		,,	,, ,,	७८वा	
१०	२८६३ (१११)	अधिकमासविचारादि		स०रा०गू०	,, ,,	१६८वां	
११	३७४२	अबयदीशकुनावली		रा०	१८वीं श	३	
१२	३७५८	अबयदीशकुनावली	सतोदास	हि०	१८८२	२४	विक्रमपुर में लिखित
१३	३७२१	अयनांशकरणविधिआदि		रा०गु०	१६वीं श	३	
१४	१७५३	अर्घकाण्ड		कृत	१८वीं श	१४	किंचित् अपूर्ण
१५	२६४४	अर्घकाण्ड		,,	१६वीं श.	१५	पत्र ६ ठा अप्राप्त।
१६	३७७६	अर्घकाण्ड	हेमप्रभ	,,	१८वीं श.	१६	पत्र १३ वां अप्राप्त।
१७	२०	अर्घदीपक		,,	१६वीं श.	१४	धान्यादि मूल्य के विपय मे हानि वृद्धि द्योतकप्रकरण हैं।
१८	२८६३ (४६)	अर्घप्रकरणवर्णन		रा०गु०	१७वीं श.	८८वां	
१९	२८६३ (६५)	अश्लेपाविचार		स०	,, ,,	१३२वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०	३२६२	अष्टचत्वारिंशतसहस्रानि		संस्कृत	१८वीं श	१	
२१	२५६१	अष्टाविंशतियोग तथा द्वादशभावफल		,,	१६वीं श	५	
२२	६५३	अष्टोत्तरीदशाफल		,	, ,,	६	
२३	३२३८	अष्टोत्तरीमहादशाफल		,	१८७४	१६	
२४	१११५	अष्टोत्तरी दशाफल		,	१७वीं श	४	
२५	३४४८	आरंभसिद्धि सटीक	मू० उदयप्रभ टी० हेमहंस	,,	१६६२	११८	सं० १५१४ में आशा पल्ली में टीका रचना
२६	२८६३ (१०४)	आषाढ़ीपूर्णिमा विचार आदि		सं०रा०	१७वीं श	१६४वा	,
२७	३२३६	उपकरणविधि आदि		गु०	१६वीं श	६	भुजनगर में लिखित
२८	११६३	उपदेशसूत्र	जैमिनी	सं०	२०वीं श.	६	
२९	१२५६	करणकुतूहल	भास्कर	,	१८वीं श	८	
३०	६०८	करणकुतूहल	,,	,	१७२५	१०	ब्रह्मसिद्धान्ततुल्य
३१	६६१	करणकुतूहल	,	,	१८वीं श	१०	
३२	६८४	करणकुतूहल	,	,,	१६वीं श	२२	
३३	३३७६	करणकुतूहल		,,	१६३६	७	
३४	३५६७	करणकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) क्षेपकस्पष्टाधिकार		रा०	१८वीं श	६	
३५	३७५६	करणकुतूहल (ब्रह्मतुल्य) भाषा		,	,	६	
३६	३७५३	करणकुतूहल मकरन्द टीका सहित	भास्कराचार्य मू० श्रीपति	सं०	१८८१	२०	फलवृद्धि में लिखित
३७	२८६७	करणकुतूहल मकरन्द टीकायुक्त	मू० भास्कर श्रीपति	,,	१८वीं श	१६	अपूर्ण
३८	५८६	करणकुतूहलवृत्ति	सुमतिहर्ष	,,	,, ,	२६	
३९	३७२७	करणकुतूहलवृत्ति			१८५२	३७	भास्कराचार्य रचित टीका सोजतनगर में लिखित
४०	३५५६	करणकुतूहलवृत्ति		,,	१७७४	२५	पत्र १, २ अप्राप्य
४१	३४५२	करणकुतूहलवृत्ति	,,	,	१८वीं श	२४	
४२	६७७	करणशार्दूल सारिणीसह	कल्याण	,	१७३०	३५	मंगलपत्तन में रचित नवानगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३	३२१६	कर्पूरचक्रविधि		संस्कृत	२०वीं श	५	
४४	१४०३	कर्मविपाक		गूर्जर	१९वीं श.	७	
४५	१४४४	कर्मविपाक		,,	१६७६	१५	
४६	३८१७	कर्मविपाक		राज०	१८१६	५	रोहिठ मे लिखित।
४७	३७१०	कन्नकी जन्म पत्री विचार		स०	१९वीं श	१	
४८	२५३५	कष्टावली		रा०	,, ,,	१	नक्षत्रवार के योग से प्ररूपिता।
४९	२८९३ (८०)	काकपिंडविचार		स०	१७वीं श	१४३	पत्र का थोडा भाग त्रुटित है।
५०	२८९३ (८१)	काकस्वरस्वरूप		रा०गु०	,, ,,	१४३	पत्र का थोड़ा भाग त्रुटित है।
५१	६९५	कामधेनुटिप्पणिका		स०	१९वीं श.	५	
५२	३२३१	कामधेनुपद्धति		,,	१९२५	२०	
५३	२८९३ (१०९)	कूर्मचक्र		,,	१७वीं श	१६६-१६७	
५४	१३८५	कूर्मचक्र तथा दीपस्थापन विधि		,,	१९वीं श	१	
५५	३५९०	केशवीपद्धत्युदाहरण टीका	विश्वनाथ	,,	१८४७	४३	शाके १५४० मे रचित।
५६	३०८४	कौतुकलीलावती		,,	१९वीं श.	४	
५७	११	खडखाद्यक	ब्रह्मगुप्ताचार्य	,,	१७६४	१४	
५८	२८९३ (९६)	खातचक्रादिविचार		रा०गु०	१७वीं श.	१३ २वा	
५९	६३७	खेटभूषण बालावबोध-सहित	रामचन्द्र	मू०स० बा०रा०गु०	१९वीं श.	१७	सारणी सहित
६०	१९९६	खेटभूषण		स०	१७वीं श	१	
६१	३४४०	गणितग्रन्थ साठीसो दोहा	महिमोदय	रा०	१७५७	६	जोबनेर मे लिखित स० १७३७ के राखी-दिनके रोज रचित।
६२	३७३०	गणितमकरन्द	रामदास	स०	१८६६	२५	जालोरगढ में लिखित ग्रन्थकार वडनगर निवासी थे
६३	२००६	गणितसार मूल	श्रीधराचार्य	,,	१७वीं श.	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६४	३००७	गणितसार मूल	श्रीधराचार्य	संस्कृत	१५१३	६	कर्करपुर में लिखित
६५	२० ५	गणितसार सटीक	,,	मू०सं० टी रा.गु.	१६वीं श	५	
६६	२००७	गणितसार सटीक	,,	रा	१४४७	३१	
६७	६८१	गणितसार सार्थ	शंभुनाथ (महादेव)	सं०रा० गु०	१८वीं श	८	
६८	३८११	गतेष्टकरणविधि		रा०	१६वीं श	२	नागोर में लिखित।
६९	३२४७	गणितचन्द्रिका	फकीरचंद	सं०हिं०	१८१६	२०	सुजनगर में लिखित
७०	१८६०	गर्गमनोरमाटीका		संस्कृत	१८७२	१२	
७१	५३	गिरिधरानन्द	वेदांगराय	,	१६वीं श	७५	१६वां अध्याय १६५ श्लोक तक, पश्चात् अपूर्ण। पत्र ६० था नहीं है। अजमेर नृपति गिरिधर की आज्ञा से रचित। आदि के २३ पद्यों में गौड़ नृपवंशवर्णन है।
७२	३५६४ (५)	गुरुचार		रा०	१८६१	२३-३४	बगड़ी नगर में लिखित।
७३	६४६	गुरुचारादि		स रा गु.	१६वीं श.	६	
७४	११२५ ( )	गुरुचारादि		,,	१८२७	५-१६	गुटका।
७५	२५४१	गुरुफल		०	१७१६	२	नारदपुरी में लिखित
७६	१६८४	गुरुविचार		रा०गु०	१७वीं श	३	
७७	२१५७	गूढ़प्रश्नप्रकाशन		सं०	१८६७	५	
७८	६७३	गृहगोधाविचार		रा०गु०	१७वीं श	१	
७९	५५	गोलाध्याय		सं०	१६वीं श	१३से५	अपूर्ण
८०	९८६३ (६३)	ग्रहकेवली लग्नकेवली तथा नक्षत्रकेवली		,,	१६२८	१२ वां	
८१	६४५	ग्रहणलिखनानुक्रम	नारायण		१८२६	३७	सं० १५८२ में ग्रन्थकार रचित कृति नष्ट ?)होने से, तदनंतर ग्रथित कृति विस्तृत होने से प्रस्तुत रचना सं० १६१६ में कपिला में की।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
८२	६१८	ग्रहणविचार		रा०गु०	१९वीं श.	३	
८३	१७७७	ग्रहणविचार		,,	१९वीं श.	२	
८४	२५७४	ग्रहणविचार		रा०	१९वीं श	२	
८५	६४८	ग्रहणसाधन		रा०गु०	,, ,,	१	
८६	६७४	ग्रहणादि अनेक विचार		,,	,, ,,	६	
८७	४११	ग्रहणार्कज्ञान	ब्रह्मगुप्त	म०	१८४०	८	
८८	३७०९	ग्रहभावप्रकाशताजिक	पद्मप्रभ	,,	१७वीं श	११	
८९	२५१४	ग्रहभावफल		,,	१९वीं श.	९	
९०	१८९३ (१४)	ग्रहभावफल (पद्य)		रा०गु०	१७वीं श.	९वां	
९१	६२१	ग्रहलाघव	गणेश	स०	१८५९	२०	नंदिग्राम मे रचित।
९२	६५८	ग्रहलाघव	गणेशदैवज्ञ	,,	१८२७	१६	नंदिग्राम म रचित। भुजनगर मे लिखित
९३	३१५७	ग्रहलाघव	,,	,,	१९०३	३५	
९४	३४५४	ग्रहलाघव	,,	,,	१७३३	१०	
९५	३७७९	ग्रहलाघव		,,	१८५७	७	९ वा तथा १० वा अधिकार मात्र। पान राहीवर मे लिखित
९६	७०१	ग्रहलाघव उदाहरण-वृत्तिसह त्रिपाठ	मू० गणेशदैवज्ञ टी० विश्वनाथ दैवज्ञ	,,	१९वीं श.	१०३	पत्र पन्द्रहवा नहीं है। टीका कारने आदि में ग्रन्थकार की अन्य कृतियों का नामोल्लेख दिया है।
९७	५८५	ग्रहलाघवटीका	विश्वनाथ	,,	१७वीं श	६०	सिद्धान्तरहस्योदाहरण टीका। गोल-ग्राम में रचित।
९८	५९७	ग्रहलाघव टीका	विश्वनाथ	,,	१८२७	३५	सिद्धान्तरहस्योदाहरण टीका। गोल-ग्राम में रचित।
९९	३७८७	ग्रहलाघव (गणेशकृत) टीका			१८५१	३२	मेदिनीपुर में लिखित।
१००	३७८८	ग्रहलाघव (गणेशकृत) टीका	दिनकर	,,	१८२०	२३	रूपनगढ मे लिखित ग्रन्थकार बारेजा-ग्राम निवासी थे।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१०१	३२१४	ग्रहलाघवसारणीविधि		रा०गु	१६२८	३	
१०२	६२८	ग्रहशीघ्रसिद्धि	त्रिविक्रमदैवज्ञ	सं०	१८८४	३	भायोला में लिखित स० १७७६ में नलिनीपुर में रचित।
१०३	१५६०	ग्रहसिद्धिप्रकरण	महादेव	,,	१८वीं श.	२	
१०४	२०००	ग्रहसिद्धिप्रकरण	,,	,,	, ,	२	
१०५	३७४८	ग्रहस्पष्टकरणविधि		रा०	, ,,	६	
१०६	१६८३	चक्रावली		सं	१८२३	२२	
१०७	२८६३ (६१)	चतुरक्षरपाशाकेवली		,,	१६२२	११५से १२३	राजलदेसर ग्राम में मुनि हीरकलश ने लिखी।
१०८	२८६३ (१२)	चन्द्रगुप्तस्वप्नफल		रा गु०	१७वीं श	९ वां	
१०९	६६१	चन्द्रग्रहणाधिकार		स०	१९वीं श	५	करणकेशरी से उद्धृत।
११०	६८७	चन्द्रबिम्बग्रहणटिप्पणोदाहरण		,,	१८वीं श	८	करणकेशरीगत।
१११	२८६३ (१७)	चन्द्रराशिनिरूपण आदि		,,	१७वीं श	११ वां	
११२	३८०९	चंद्रसूर्यग्रहण सुगमप्रकार		,,	१९वीं श.	४	
११३	२२४	चंद्रार्कीसूत्र	दिनकर	,,	,	२	
११४	२५८४	चंद्रार्की	,,	,,	१९०४	४	
११५	३२५३	चंद्रार्की	,,	,,	१९वीं श	१	
११६	३८१५	चंद्रार्की		,,	, ,,	२	
११७	२५८२	चंद्रार्की टीका		,,	१८२८	६	मोढज्ञातीय दिनकर कृत चंद्रार्की की टीका है।
११८	३१४१	चंद्रोन्मीलन		,	१७८७	२५	
११९	६६३	चमत्कारचिन्तामणि	नारायण	,	१९वीं श	१३	
१२०	११९२	चमत्कारचिन्तामणि	वैद्यनाथ	,,	१९६२	२६	
१२१	३१२८	चमत्कारचिन्तामणि			१९वीं श	१२	
१२२	३७६८	चमत्कारचिन्तामणि		,,	१८६०	९	बगडीद्र ग में लिखित
१२३	३१३	चमत्कारचिन्तामणि सटीक	मू० नारायण टी० धर्मेश्वर	,,	१९१२	२५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१२४	३१६८	चमत्कारचिन्तामणि सटीक त्रिपाठ	मू० नारायण	संस्कृत	१९वीं श	१६	
१२५	६५५	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक	मू० राजऋषि	स०स्त० रा०गु०	१७८६	१२	स्तभतीर्थ में रचित।
१२६	१७८७	चमत्कारचिन्तामणि स्त० वेकर (?)		स०स्त० रा०गु०	१७४२	१५	पत्तन मे लिखित।
१२७	३२२६	चमत्कारचिन्तामणि स्त० वेकर		स०स्त० रा०गु०	१६१६	१६	
१२८	३२६६	चमत्कारचिन्तामणि सस्तबक		स०स्त० रा०गु०	१७६८	१४	
१२६	३७६७	चमत्कारचिन्तामणि सस्तवक		स०स्त० रा०गु०	१८१०	१२	
१३०	३१७१	चमत्कारचिन्तामणिसार्थ		अ०रा०	१८८४	४४	
१३१	३७६८	चमत्कारचिन्तामणिसार्थ		,,	१८७७	३०	देवली में लिखित
१३२	६११	चमत्कारचिन्तामणि-सार्थ तथा द्वादशभावफल	नारायण	स०अ० रा०गु०	१८०८	१३	
१३३	१६८५	चैत्रार्घकाड	हेमप्रभ	स०	१३०५	१६	प्रति १५ वीं श० की ज्ञात होती है।
१३४	२८६३ (१०८)	छायाज्ञान		रा०गु०	१७वीं श.	१६५वा	हीराक (हीरकलश) लिखित।
१३५	३७४४	जगद्भूपणसारिणी	हरिदत्त	स०	१९वीं श.	८८	शाके १५६० में रचित
१३६	३७६०	जगद्भूपणसारिणी		स०रा०	१९वीं श.	७१	
१३७	६२०	जन्मकुडलीविचारादि		रा०	१९वीं श	६	
१३८	२८८२	जन्मपत्रीगणितक्रम		स रा गु	१९वीं श	२६	
१३६	६३८	जन्मपत्रीपद्धति		सं०	१८२२	१६	माडवीबिन्दर मे लिखित।
१४०	२०१०	जन्मपत्रीपद्धति		,,	१७वीं श	२६	
१४१	३७४६	जन्मपत्रीपद्धति		स०रा०	१८७६	१७५	पल्लिका में लिखित।
१४२	३७६१	जन्मपत्रीपद्धति		,,	१८४७	७६	
१४३	३७०५	जन्मपत्रीपद्धति	हरजीत्	स रा गु	१८वीं श,	६६	योधाका वराटीया ग्राम में लिखित।
१४४	५६०	जन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	स०	१८५४	१३६	स० १७५१ में वेला कूल मे रचित। माडवी बिन्दर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१४५	३७११	जन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	सं०	१८५१	११६	सं० १७५१ में बेला कूल में रचित। जैशलमेरु में लिखित
१४६	३४३६	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	मानसागर	"	१७६८	६६	कटालियानगर में लिखित।
१४७	३७४७	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	"	"	१८६२	१२७	फूलाजग्राम में लिखित।
१४८	३७६२	जन्मपत्रीपद्धति (मानसागरी)	"	"	१७६०	९४	सुद्धदंतीनगर में लिखित।
१४९	३७९२	जन्मपत्रीपद्धति	"	"	१८१८	१३०	मेड़ता में लिखित।
१५०	६१०	जन्मपत्रीपद्धति	"	"	१८०८	१०३	वाहड़मेर में लिखित
१५१	९३	जन्मपत्रीलिखनक्रम	विश्वनाथ		१८००	३५	देवपुरी में लिखित।
१५२	३४४६	जन्मसार			१६७६	७५	गागुरड़ाग्राम में लिखित।
१५३	७	जन्मेष्टकालशुद्धि (इष्टदर्पण) निषेकसारोद्धरण			१९वीं श.	८	आदि श्रीमद्व्रजजन वल्लभचरणसरोजं प्रणम्याहम्। जन्मेष्ट कालशुद्धिं यत्नैरुदितां निबध्नामि।
१५४	३५६४ (७)	जमालारा दूहा	महामाई वाचक	रा०	१८६१	३५,४३	बगड़ी में लिखित।
१५५	१९९३	जातककर्मपद्धति	श्रीधराचार्य	सं०	१५७१	६	
१५६	२५२३	जातककर्मपद्धति	श्रीपति	"	१८वीं श.	९	
१५७	२५२९	जातककर्मपद्धति	"	"	१७०७	९	
१५८	३३७१	जातककर्मपद्धति	"	"	१६१२	१३	चित्रकूट में लिखित।
१५९	३७८२	जातककर्मपद्धति (श्रीपतिकृत) वृत्ति	कृष्णदैवज्ञ	"	१८८१	६४	फलवर्धिपुर में लिखित।
१६०	१७७५	जातककर्मपद्धति सटीक	श्रीपति टी० कृष्णदैवज्ञ	"	१९वीं श	४५	अपूर्ण
१६१	३२५८	जातकपद्धति सस्तबक	ढूंढिराज	मू स स्त रा गु	१८वीं श	१३	
१६२	३११९	जातकभूषण	,	"	१७७४	१००	मनोहरपुर में लिखित
१६३	२५५४	जातकलक्षण	,	"	१९वीं श	४	देवपुरनगर में लिखित
१६४	४०	जातकसार		"	१९१६	१०	गुटकाकार है।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१६५	१८५५	जातकसारोद्धार	माधवाचार्य	स०	१६वीं श	४०	द्वादशभाव विचारात्मक अश है।
१६६	२७६१	जातकाभरण	ढुँढिराज	”	१८१८	६१	मेडता मे लिखित।
१६७	३७४५	जातकाभरण	”	”	१८५६	५६	
१६८	२६४५	जातकाभरण	”	”	१६वीं श	६४	अपूर्ण
१६९	६४	जातकालकार	गणेशदैवज्ञ	”	१८वीं श	११	स० १५३५ मे ब्रह्मपुर मे रचित।
१७०	२८८८	जातकालकार	गणेशदैवज्ञ	”	१८५२	१६	शाके १५५५ मे रचित
१७१	३०७४	जातकालकार सटीक	मू० गणेश टी० हरिभानु	”	१६०२	७५	शाके १५५५ मे सूर्यपुर मे मूल रचित खडेला मे लिखित।
१७२	२५८३	जोगबत्रीसी	सोम	रा०गू०	१८वीं श	१	अत मे लेखक ने स्वरोदयविचार लिखा है
१७३	३७१२	ज्ञानप्रदीप केरलवृ ढावन		स०	१७१६	२१	
१७४	६६७	ज्ञानप्रदीपक		”	१६वीं श	२	
१७५	२८६३ (१०३)	ज्येष्ठप्रतिपदाविचार		”	१७वीं श	१६३	चार श्लोक है
१७६	३५४७ (३)	ज्योतिषदूहा		रा०	१६वीं श	१ ला	
१७७	३५४७ (११)	ज्योतिषदूहा		”	१६वीं श	८६-६०	
१७८	१७५६	ज्योतिषप्रकीर्णक		स०प्रा०	१६२४	८	
१७९	३७७३	ज्योतिषप्रकीर्णक		स०रा०	१६वीं श	१४	
१८०	२५७६	ज्योतिषरत्नमाला	श्रीपति	स०	१७०२	२२	
१८१	३२६८	ज्योतिषरत्नमाला	”	”	१७८१	६४	
१८२	३७०६	ज्योतिषरत्नमाला	”	”	१७६५	४७	
१८३	३३७०	ज्योतिषरत्नमाला सटीक पचपाठ	” टी० महादेव	”	१६वीं श	५६	
१८४	४१४	ज्योतिषरत्नमाला बालावबोधसहित	मू० श्रीपति	स बा रा	१७४३	५६	
१८५	३०२३	ज्योतिषरत्नमाला सबालावबोध	मू० श्रीपति	”	१७०१	६६	जालुरनगर में लिखित।
१८६	१६८६	ज्योतिषरत्नमाला सस्तवक	श्रीपति	मू स स्त रा गू	१६६६	५४	जावालपुर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१८७	१८६६ (२)	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	श्रीपति	मू सं.स्त रा०गु०	१६वीं श	१–१०७	
१८८	३७०७	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	,,	मू.स स्त रा०गु०	१७८६	५३	
१८९	३७२५	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ		मू सं.स्त रा०गु०	१८५०	५२	पत्र १५,१६वा अप्राप्त रतलाम में लिखित
१९०	३७३५	ज्योतिषरत्नमाला सार्थ	,,	मू स स्त रा०गु०	१७६७	५३	रत्नपुरी में लिखित विक्रमनगर में बालावबोध रचना।
१९१	६४२	ज्योतिष विचार		स रा गु	१६वीं श	१०	
१९२	२५७५ (१)	ज्योतिष विचार		,,	१८वीं श	१–११	
१९३	३४३९	ज्योतिष विचार	रूपकीर्ति	संस्कृत	१६६३	२३	
१९४	११२५ (४)	ज्योतिषश्लोकसंग्रह			१८२७	६५–६८	
१९५	३८८८	ज्योतिषसंग्रह	नीलकठ	,,	१८वीं श	५३	रचना सं० १७२०
१९६	२५१९	ज्योतिषसार	मु जादित्य	,,	१७१४	५	
१९७	२५५२	ज्योतिषसार	भगवद्दास	ब्र०हि	१८२८	२७	सं० १६९४में शाहजहां के शासन में रचित
१९८	६३२	ज्योतिषसार दुहा	मेघराज	रा०गु०	१८६६	४	चत्रिय गोवर्धन के लिये स० १७२१ में भैंसरोड़ में रचित।
१९९	२७४१	ज्योतिषसारशास्त्र		रा०गु०	१८४६	१५	
२००	१५५७	ताजिक	सम (र)सिंह	,	१६वीं श	५७	
२०१	२९१६	ताजिक	नीलकंठ	सं०	१८४०	४६	पत्र ४ था तथा ८से १० अप्राप्त
२०२	३१३६	ताजिक	,	,	१९०८	४७	
२०३	३०१७	ताजिक	,	,	१६वीं श	४८	शाके १५०९ में रचित।
२०४	३०	ताजिक (सज्ञातंत्र) सटीक	मू० नीलकठ टी० विश्वनाथ	,	१८७९	५१	टीकाकार ने आदि में अपना विस्तृत परिचय दिया है।
२०५	४०९	ताजिकपद्मकोश	गोवर्द्धन	संस्कृत	१८वीं श	३	
२०६	४१०	ताजिकपद्मकोश	,	,,	१८३७	१६	सावरदा ग्राम में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०७	६०६	ताजिकपद्मकोश	गोवर्द्धन	संस्कृत	१७वीं श.	३से६	
२०८	५६४	ताजिकसार	हरिभट्ट	"	१७६८	२१	सिणधरी में लिखित
२०९	६०६	ताजिकसार	"	"	१७२९	३०	रायधनपुर मे लिखित
२१०	१९९९	ताजिकसार	"	"	१६६५	२३	
२११	२००२	ताजिकसार	"	"	१७वीं श	२६	
२१२	२८७१	ताजिकसार	"	"	१८वीं श.	१७	
२१३	२९०९	ताजिकसार	"	"	१७७४	५६	पत्र ९वा अप्राप्त
२१४	६६४	ताजिकसार सार्थ	"	सं०अ० रा०गू०	१८१९	५७	भुजनगर में लिखित
२१५	३७२६	ताजिकसार सार्थ	"	स०अ० रा०गू०	१८६९	३९	सोभत में लिखित।
२१६	१५०	ताजिकसार टीका	सामन्त	स०	१९९६	६७	सं० १६७७ में विष्णु-दास नृप के शासन मे पेरवा मे रचित।
२१७	६६७	ताजिकसार टीका	"	"	१८वीं श	२५	स० १६७७ में रचित
२१८	३००१	ताजिकसार टीका	"	"	१७५९	३३	
२१९	३३७२	ताजिकसार टीका	"	"	१७२०	२३	मेडतानगर में लिखित
२२०	३४३७	ताजिकसार टीका	"	"	१७६३	१५	श्री विष्णुदास शासित खेरवा में स० १६७७ में रचित
२२१	३७३३	ताजिकसार टीका	"	"	१८०९	२२	आकासादाग्राम में लिखित।
२२२	३७५०	ताजिकसार टीका	सुमतिहर्ष	"	१८वीं श	२२	श्री विष्णुदास शासित खेरवानगर में स० १६७७ में रचित
२२३	२९३२	ताजिकसुधानिधि	नारायण	"	१९वीं श	४९	अपूर्ण
२२४	६६६	तिथिकल्पद्रुमसारणी	कल्याण	"	१८१९	६०	भुजनगर में लिखित
२२५	२८०३	तिथिचूडामणि	रामचन्द्र	"	१६९४	१	उन्नतदुर्ग में रचित।
२२६	६७६	तिथिनक्षत्रफलादि		स०रा०गु०	१८वीं श	६	
२२७	६५०	तिथिसारणी (ब्रह्मपक्षे)	त्रिविक्रम	स०	" "	६	
२२८	६६७	तिथिसारणी					
२२९	३१२५	तिथिसारणी		"	१८२१	६	रायधणपुरमें लिखित
२३०	३२४६	तिथिसारणी	केवलराम	"	१९वीं श	३	
		(गंगाप्रकाश)	मनोहर	"	१८६२	५	लकूटपरमे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
२३१	२५८१	तिथ्यानयनटीका		रा० गू०	१८वीं श	१	
२३२	३८१६	त्रिपष्ठि		सं० रा०	१६वीं श	६	
२३३	०८६३ (८७)	दशा विचारकोष्ठक		रा गू०	१७वीं श	१४६ वा	
२३४	६१६	दिनकरी सारणी	दिनकर	सस्कृत	१६वीं श	२१	
२३५	२८६३ (१२०)	दिनमानकुलक	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श	१७५–७६	सं १६१५ में बेलासर में रचित।
२३६	६६२	दोपावली		’	१८७५	३	
२३७	१७८५	दोपावली		रा०	१८वीं श.	६	
२३८	३५५४ (१६)	दोपावली			१६वीं श	२७वां	
२३९	३७५२.	द्वादशभावप्रश्नलग्नादि-विचार		सं०	१८वीं श	१	
२४०	६१२	द्वादशभावफल		”	१७३७	६	
२४१	१७८२	द्वादशभावफल		”	१६वीं श	२	
२४२	१७८३	द्वादशभावफल		”	१८वीं श	१७	
२४३	१७६१	द्वादशभावफल		”	”	४	
२४४	१७६२	द्वादशभावफल		”	”	१०	
२४५	१६६४	द्वादशभावफल		रा०	१७वीं श	४	
२४६	३८०३	द्वादशभावफल		सं	१७६३	३	
२४७	२८१३	द्वादशभावफल		रा	१८वीं श	१४	
२४८	२५५८	द्वादशभावफल तथा ग्रु थाफल		सं	१८६६	६	नागोर में लिखित
२४९	१२१४	द्वादशभाव फल लेखन पद्धति			१७६६	११	
२५०	२५३६	द्वादशभावविचार		”	१६वीं श	१	
२५१	२८६३ (८४)	नक्षत्र विचारादि		सं रा गु	१७वीं श	१४५	१४८वा पत्र का अर्ध भाग नष्ट है
२५२	११२३ (६)	नक्षत्रशकुनावली		रा० गु०	”	५६–६०	
२५३	३७७८	नक्षत्रशकुनावली		रा	१६वीं श	७	
२५४	३३४४	नरपतिनयचर्या	नरपति	सं	१७३५	५१	दुर्गपुर में लिखित
२५५	३५ १	नरपतिनयचर्या	नरपति	”	१६वीं श	१६	पत्र ७४वां अप्राप्त

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५६	३८००	नरपतिजयचर्या	नरपति	संस्कृत	१८वी श.	४६	
२५७	१७६०	नवग्रहचक्र गजचक्र अश्वचक्र रथचक्र		,,	१६वीं श	३	पद्य रचना है।
२५८	२५३०	नवग्रहद्वादशभाव-दृष्टिफल		,,	१८४७	४	
२५६	२३७७ (१)	नवग्रहभावफल		,,	१८०७	१से४६	गुटका
२६०	४०८	नष्टजन्म तथा मृत्युज्ञान		,,	१६वीं श	२	
२६१	१६८७	नष्टजन्मविचार		रा०गु०	१७वीं श.	६	
२६२	६०६	नष्टजातक		स रा गु	१६वीं श	२	
२६३	१७८६	नष्टजातक		संस्कृत	१८वीं श	१	
२६४	६६८	नष्टज्ञान		,,	,, ,,	२	
२६५	५८७	नारचन्द्र	नरचन्द्राचार्य	,,	१६वीं श	३०	
२६६	६०५	नारचन्द्र	,,	,,	,, ,,	४	
२६७	१६८०	नारचन्द्रज्योतिष	,,	,,	१७वीं श.	२५	
२६८	६७५	नारचन्द्र प्रथमपरिच्छेदटिप्पण	सागरचन्द्र	,,	१८वीं श	१५	
२६६	१६६७	नारचन्द्रज्योतिष टिप्पण	,,	,,	१६६३	४३	
२७०	२५७७	नारचन्द्रटिप्पण	,,	,,	१७५४	६	
२७१	३००८	नारचन्द्रटिप्पण	,,	,,	१६६४	३७	
२७२	३४३८	नारचन्द्रटिप्पण	,,	,,	१७वीं श	२६	प्रथम पत्र अप्राप्त
२७३	३६३७	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण	,,	,,	१६वीं श	२०	,, ,,
२७४	३७१०	नारचन्द्रटिप्पण	सागरचन्द्र	,,	१८०६	२६	
२७५	६६०	नारचन्द्र सस्तवक	नरचन्द्र	स०स्त० रा०गु०	१७२४	२८	
२७६	३७२८	नारचन्द्र सस्तवक प्रथम प्रकरण	,,	स०स्त० रा०गु०	१८वी श	३२	
२७७	३७८३	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण सस्तवक	,,	स०स्त० रा०गु०	१७६५	४३	
२७८	३७६६	नारचन्द्र प्रथम प्रकरण सस्तबक	,,	स०स्त० रा०गु	१७६२	३१	सिरोही में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२७६	८	पंचपक्षिनिदर्शन		स०	१६वीं श	५	अंते-पारिजाताख्य शास्त्रे सिमन् सकेरमा करामिधे प्रश्नशास्त्र मिदंप्रोक्त चतुर्था ध्यायसज्ञितम् ।
२८०	३ ६१	पंचपक्षी		"	१८वीं श	२	
२८१	६६६	पचमहापुरुषलक्षण		"	"	१	
२८२	३१८१	पंचागग्रहानयनाधिकार	रामचन्द्र		१८५०	५	रामविनोदान्तर्गत
२८३	६१४	पंचांगग्रहानयनाधिकार	"		१७४३	२	रामविनोदसे उद्धृत
२८४	६५१	पंचागपत्ररचना	कल्याण	"	१८०७	१७	
२८५	३२५४	पचांगपत्रानयनसारणी	सदाशिव		१७६१	२४	
२८६	६६०	पंचागफल		"	१६वीं श.	५	
२८७	५६६	पचाग सारणी	सदाशिव	"	१७ ५	१६	
२८८	३१	पद्मकोश		"	१८१६	१३	
२८९	३११५	पद्मकोश		"	१६वीं श	६	
२९०	३७१५	पद्मकोश ताजिक		"	१८वीं श	४	
२९१	११२३ (१८)	पल्लीशरटपतनविचार		"	१७वीं श	७८ वा	
२९२	१७	पल्ली शरटशान्ति विधान (निमित्त)		"	१६वीं श	३	आदि-अथात' संप्र वक्ष्यामि शृणु शौनक यत्नत' । पल्ल्या' प्रपतन चैव शरटस्यप्ररोहणम्
२९३	२००	पवनविजय (स्वरोदय-शास्त्र) अर्थ सहित		स गू०	" "	४१	
२९४	१७७२	पवन विजय ग्रन्थ		स	१८७३	६	
२९५	८८६३ (७२)	पाचगाथा शकुनावली		प्रा रा.गु	१७वीं श	१३५-१३६	
२९६	२५६६	पातशाहनामोपरि शकुनावली		रा०	१६०८	२	
२९७	१८६७	पाराशरसूत्र		स०	१६वीं श	५	
२९८	३२६५	पाराशरीभाषाटीका	परमसुखदैवज्ञ	रा	" "	८	स० १६६८ में रचित
२९९	४६	पाराशरी सटीक		सं०	१८६४	१५	
३००	३१७६	पाराशरीवचनिका (उडुप्रदीप)		प्र०हिं०	१६०१	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३०१	६५७	पासाकेवली	गर्गऋषि	सं०	१८४७	६	मांडवीबंदर में लिखित
३०२	२८६३ (६२)	पासाकेवली	गर्गऋषि	”	१६६२	१२४ से १३०	मुनिहीर कलशा लिखित
३०३	३५५४ (१७)	पासाकेवली		रा०	१६वीं श	२७-२८	
३०४	२३६८ (६)	पासाकेवली भाषा		”	१८४६	४१-४६	
३०५	२५३८	पुरुष-स्त्री जन्मकुंड-लिकाविचार		सं०	१६वीं श	१	
३०६	२५५४	पूनिमविचार आदि		रा०	”	१६	
३०७	२५६०	पूनिमविचार आदि		”	१८६४	२४	नागोर में लिखित
३०८	२३	प्रतोदयत्र सटीक त्रिपाठ	मू. गणेशदैवज्ञ टी ग्रथकार शिष्य	सं०	१६वीं श	६	
३०६	१७६६	प्रश्नकालज्ञानादि		रा गु स	”	१	
३१०	१७६२	प्रश्नचिन्तामणि		सं०	१८२२	४	
३११	१६६२	प्रश्नज्ञान	उत्पलभट्ट	”	१७वी श	२	
३१२	३०६७	प्रश्नज्ञान	उत्पलभट्ट	”	१६वी श	५	
३१३	३१२६	प्रश्नज्ञान	उत्पलभट्ट	”	१८२७	६	
३१४	२५३४	प्रश्नज्ञान		”	१६वी श	१	
३१५	२८६३ (१०)	प्रश्नज्ञान		”	७वी श	५वां	
३१६	१७४६	प्रश्नप्रदीपक	काशीनाथ	”	२०वी श	१०	
३१७	३७८५	प्रश्नप्रदीपक	काशीनाथ	”	१७६३	५	मन्दसोर के खलचीपुरा मे लिखित।
३१८	२६१४	प्रश्नरत्नटिप्पणी	नन्दराम	”	१८५०	३५	पत्र १ से ६ अप्राप्त
३१६	२५६२	प्रश्नरत्नसटिप्पण	नदराम टी० स्वोपज्ञ	”	१६वी श	४६	
३२०	३७३६	प्रश्नरत्नसटिप्पण	नदराम टी० स्वोपज्ञ	”	१८८७	२५	मू० रचना स० १८०८, टिप्पन रचना स० १८२७ सुभट्टपुर मे लिखित
३२१	६४१	प्रश्नविज्ञान	महादेव	”	१६वीं श	६	
३२२	३१३१	प्रश्नविद्या	गर्ग	”	”	४	
३२३	१६६	प्रश्नविद्या	गर्ग	”	१६०३	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३२४	११५६	वैष्णवशास्त्र	नारायण	सं०	१८ ४	२३	सवाई जयपुर में लिखित।
३२५	३०४४	वैष्णवशास्त्र ताजिक	"	"	१८३३	३२	कल्याणपुरी में लिखित।
३२६	३११६	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	"	"	१६वीं श	३६	
३२७	३१६०	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	"	,	१६वीं श	७४	
३२८	३७०४	प्रश्नवैष्णवशास्त्र	नारायणदास		१८८५	२५	
३२९	१८५३	प्रश्नसंग्रह			१६वीं श	१७	
३३	२१	प्रश्नसार	हयग्रीव	,	१८७४	१४	
३३१	३८८४	प्रश्नसार			१८४३	११	
३३२	३८०१	प्रश्नसार	,		१८८०	१	
३३३	११२३ (२१)	प्रस्थानमासदिनफल		रा०गु०	१७वीं श	८ वां	
३३४	१८९६ (१)	प्रेमज्योतिष	महिमोदय	रा०	१८१८	१-१५	गुटका। सं० १७२३/ के रक्षाबंधनदिन के रोज रचना।
३३५	१७५४	बारमासफल वक्रग्रह फल संक्रांतिफल साठसंवच्छर		"	१८७२	१८	गुटका। भुजनगर में लिखित।
३३६	६१३	बालजातक	हरिदत्त	सं०	१८वीं श	५	
३३७	६८८	बालजातक		,	१६वीं श	५	
३३८	१७८१	बालजातक		"	" "	८	
३३९	६१५	बालबोध		,	" "	९	
३४०	६५७	बालबोध ज्योतिष	मुञ्जादित्य	,	१८७	२३	
४१	६६९	बालबोध	,	"	१८वीं श	९	
३४२	१७९३	बालबोध			१७७८	१	प्रथम पत्र अप्राप्त
३४३	७५११	बालबोध ज्योतिष		"	१६वीं श	९	अपूर्ण
३४४	२८८०	बालबोध ज्योतिष	"	"	, ,	२०	
३४५	१९८८	बालविवेकिनी	माहिदत्त		१७वीं श	४	प्रथम पत्र अप्राप्त
३४६	१ ८८	बालावबोध श्लोक	सहजानंदस्वामी		१९वीं श	७	
३४७	२८९३ (१०१)	विचदीयः	हीरकलश	रा०गु०	१७वीं श	१६३वां	
३४८	३१२७	बृहज्जातक	वराह	सं०	१८४३	३६	
३४९	१९८६	बृहज्जातकविवृति	उत्पलभट्ट		१७वीं श	२९	अध्याय ८से १७तक

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३५०	१७७६	बृहज्जातक विवृतिसहित उत्तरार्ध	मू० वराहमिहिर वि उत्पलभट्ट	रा०	१८वीं श	७६	टीका रचना काल शाके ८८८
३५१	२६००	बृहज्जातक सटीक त्रिपाठ	मू० वराह टी० महीदास	रा०	१८५८	६४	सवाई जयपुर में लिखित। शाके १५२० मे टीका रचना। पत्र ११ से १४ अप्राप्त।
३५२	३०७३	बृहत्संहिता	वृद्धवसिष्ठ	स०	१८५८	१२१	जगन्मोहन नामक तृतीयस्कंध मात्र
३५३	३३७५	बृहत्संहिता	वराह	"	१६३५	१५१	
३५४	२६२८	बृहत्संहिता सटीक	मू वराह टी० उत्पलभट्ट	"	१६वीं श	४४	अपूर्ण। पत्र १ से २ अप्राप्त
३५५	२६७६	बृहत्संहिता	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	"	"	४३६	अपूर्ण। पत्र १ से १०३ तथा ३६० से ३८७ तक अप्राप्त।
३५६	२५१८	ब्रह्मतुल्य टीका		"	१७१५	३३	जावालपुर मे लिखित।
३५७	६३६	ब्रह्मतुल्य सारणी		"	१६वीं श	४	
३५८	३७४०	भडली दूहा		रा०	"	८	
३५९	३५६४ (८)	भडली पुराण		"	"	१–३३	गुटका
३६०	१८७७	भडली पुराण		"	१६वीं श	६	अपूर्ण।
३६१	३७५७	भडली विचार		"	"	१५	
३६२	५६८	भड्डली वाक्य दूहा	भड्डली	रा हि	१८वीं श	४	
३६३	२५३३	भवानीजीवायक जमानारा दूहा		रा हि	१८६३	६	
३६४	२२०६	भवानीवायक		"	१८७७	३	लाडुली झुंझुनगर मे लिखित, १०० पद्यमय रचना है।
३६५	३२२५	भावाध्याय	देवेन्द्र कवि	स०	१८६२	१५	
३६६	६२७	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	"	१७६६	१७	
३६७	१८१८ (२)	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	"	१८००	६–१२	शुद्धदती मे लिखित।
३६८	१८५७	भुवनदीपक	पद्मनाभ	"	१८वीं श	१३	
३६९	२०१०	भुवनदीपक		"	१६६१	१७	लघुकडि मे लिखित।
३७०	३७६५	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	"	१८०७	६	देलवाडानगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३७१	३७६५	भुवनदीपक	पद्मप्रभ	संस्कृत	१६वीं श	१२	
३७२	७२५०	भुवनदीपक टीका			२०वीं श	३८	
३७३	३७६६	भुवनदीपक टीका		"	१८वीं श.	२६	पद्मप्रभीय भुवन दीपक की टीका
३७४	३००५	भुवनदीपकावचूरि		,	१६वीं श	४	
३७५	६१७	भुवनदीपक सस्तवक	पद्मप्रभ	स० स्त० रा गु०	१९वीं श	१४	भुजपुर में लिखित
३७६	६७२	भुवनदीपक सस्तवक	मू० पद्मप्रभ	सं स्त रा गु०	१८वीं श.	१०	
३७७	७५१२	भुवनदीपक सस्तवक	"	सं स्त० रा गु०	१८१२	१०	
३७८	३७९६	भुवनदीपक सस्तवक	,	स० स्त० रा गु	१९वीं श	१५	
७९	२५७	भामाद्रिमहस्पट्टविधि	आशाधर	सं०	७०८	१	
३८०	४९६	भ्रमस्थमहकोष्ठकाणि	त्रिविक्रमद्विप	,	१८१८	१६१	मांडवी बंदर में लिखित।
३८१	३१०९	मकरन्दविवरण	दिवाकर		१९वीं श	११	
३८२	२८९३ (८३)	मंडलविचार		,	७वीं श	१४४–१५	
३८३	६४०	मनकेवलीशकुनावली			१७८८	१	
३८४	३४४३	मनोनन्दन सटिप्पण	हरिवंश	,	१७वीं श	७	
३८५	८५	मयूरचित्र		"	१८४८	१७	धान्यादिमूल्य हानि वृद्धिविचार तथा वृष्टिविचारादि की प्ररूपणा है पत्र ? रा तथा ३ रा नहीं है।
३८६	८९९	मयूरचित्रक		"	१९वीं श	१९	अपूर्ण
३८७	२९०७	मयूरचित्रक	नारदमुनि		१८५०	२३	पत्र २१ वा अप्राप्त
३८८	१७७०	महादशाविचार		"	१९वीं श	३	
३८९	६२५	महादेवी	महादेव	,	" ,	३	
३९०	६७०	महादेवी	,	,	१८२६	१	
३९१	२००४	महादेवीग्रन्थकोष्ठकानि		,	२०वीं श	३९	
३९२	३७७८	महादेवीलघुशेषोपरि		,	१८वीं श	५	
३९३	३७४३	महादेवीसारणी		,	१९वीं श	७६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६४	३७४६	महादेवी सारणी		सं०	१८६१	६२	
३६५	३७५६	महादेवी सारणी		"	१८४८	१५२	
३६६	३७८६	महादेवी सारणी		रा०	१६वीं श	७६	नागोरनगर मे लिखित
३६७	३५६७ (३२)	महामायात्रास्य आदि		"	"	१७७–१८०	
३६८	१७८८	मातृहानियोगादि		सं०	"	७	
३६६	१८५२	मासप्रवेश दिनप्रवेशफल		"	१७७५	१०	मालपुरा नगर में लिखित
४००	६८६	मासफलानि		स रा गू	१८वीं श	३	
४०१	६७६	मु थाफलआदि		सं०	"	१	
४०२	३१५०	मु थाभावफल		"	१८३८	३	
४०३	१७४	मुष्टिचक्र (दोपावली) अर्थसहित)		सं० रा०	१६१४	१०	
४०४	११२३ (१०)	मुष्टिज्ञान		रा० गू०	१७वीं श	६१ वां	
४०५	२५३१	मुष्टिज्ञान		"	"	१	
४०६	२५२०	मुहूर्त		"	१६वीं श	२	
४०७	२५२१	मुहूर्त		"	"	२	
४०८	२५३७	मुहूर्त		रा०	१८वीं श	१	
४०९	२५५६	मुहूर्त		"	१८७६	२	
४१०	२६३१	मुहूर्तकल्पद्रुम	विट्ठलदीक्षित	सं०	१६०६	५७	
४११	३११५	मुहूर्तगणपति	गणपति	"	१६वीं श	६१	अपूर्ण
४१२	६४४	मुहूर्तचिन्तामणि	दैवज्ञ राम	"	"	६	नक्षत्रप्रकरण पर्यन्त
४१३	३११२	मुहूर्तचिन्तामणि	रामदैवज्ञ	"	१८६६	५६	
४१४	३४५५	मुहूर्तचिंतामणि	रामदैवज्ञ	"	१६६६	३०	
४१५	२६४१	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका सहित	मू० राम टी० गोविन्द	"	२०वीं श	६३	पत्र २२,२३,२४ तथा ४८वां अप्राप्त शुभाशुभप्रकरण पर्य्यन्त
४१६	३०६२	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधारा टीका सहित	मू० राम टी. गोविन्द	"	"	२०	गो-चरप्रकरण
४१७	३०६३	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका सहित	मू० राम टी गोविन्द	"	१६०६	२७	सक्रांतिप्रकरण
४१८	३०६५	मुहूर्तचिन्तामणि पीयूषधाराटीका	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	२०वीं श	३४	नक्षत्रप्रकरण । अपूर्ण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४१९	५८९	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	संस्कृत	१८२८	९०	प्रमिताक्षरा टीका सं० १५२२ वाराणसी में रचित। भुजनगर में लिखित
४२०	५९२	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	१८४३	२४९	प्रमिताक्षरा टीका देखो नं० ५८९
४२१	४१३	मुहूर्तचिन्तामणि उत्तरार्ध	रामदैवज्ञ टी० स्वोपज्ञ	"	१९वीं श.	८१	विवाह प्रकरण से अन्त तक वाराणसी में शाके १५२२ में रचित।
४२२	६६२७	मुहूर्तचिन्तामणि सटीक पंचम प्रकरण		"	१९वीं श	४४	अपूर्ण
४२३	११६१	मुहूर्तदीपक	महादेव	,	१८८०	१२	
४२४	१४७	मुहूर्तदीपक व्याख्या सहित त्रिपाठ	"	"	१९वीं श	६३	
४२५	३१५८	मुहूर्तदीपक सटीक	"		१९००	२१	
४२६	६१६	मुहूर्तमार्तण्ड	नारायण	"	१९वीं श	३१	शाके १४९३ में चक्रटाग्राम में रचित। माडविबिंदर में लिखित।
४२७	३२२०	मुहूर्तमार्तण्ड		,	१७वीं श	२५	शाके १४९३ में रचित
४२८	६५०	मुहूर्तमुक्तावली	हरि	,	१९वीं श	११	नाडाप (द) ग्राम में रचित।
४२९	२५१५	मुहूर्तमुक्तावली			१८६३	३	
४३०	२५१६	मुहूर्तमुक्तावली	हरि		१८७०	८	कर्त्ता का निवास स्थान नापाठग्राम था।
४३१	३१७२	मुहूर्तमुक्तावली		,	१९०२	८	
४३२	६८२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक	,	मू सं स्त रा गू	९वीं श	६	नाडायग्राम में रचित
४३३	६२६	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक		मू सं स्त रा गू	१८८७	९	नाडायग्राम में रचित। रावनपुर में लिखित।
४३४	९३७७ (२)	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक		मू सं स्त रा गू	१९वीं श	४६-६३	अपूर्ण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३५	२५२५	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक	मू० भास्कर	मू०सं० स्त०रा०	१९वीं श.	१०	
४३६	२५४२	मुहूर्तमुक्तावली सस्तबक		मू० सं० स्त०रा०	१८७३	१४	अगस्तपुर में लिखित।
४३७	३२३५	मुहूर्त्तमुक्तावली सस्तबक		मू०सं० स्त०रा०	१८६५	५	राधणपुर में लिखित।
४३८	१७८४	मुहूर्तविचार सार्थ		मू०सं० स्त०रा०	१९वीं श.	१६	
४३९	२५७०	मुहूर्त्तसार सावचूरि पचपाठ		सं०	१९वीं श.	३	
४४०	३२६५	मुहूर्त्तानि		रा०गु०	१७वीं श.	१	
४४१	२८९३ (६४)	मूलनक्षत्रविचार आदि		"	"	१३१ वा	
४४२	२२०८	मेघबावनी	मेघराज	रा०	१८४६	२	अहिपुर नगर में लिखित रचना सं० १७२३
४४३	१७८९	मेघमाला		रा०गु०	१९वीं श	५	गुटका
४४४	१७६८	मेघमालादि		सं०रा०	"	३३	ज्योतिष सम्बन्धी अनेक विचार हैं अंत मे कागपरीक्षा है
४४५	२५२२	मेघमाला सस्तबक		मू०सं० स्त रा गु.	१७८९	२७	पत्र २६ वां अप्राप्त
४४६	६३०	मेघमाला सार्थ		मू०सं० स्त.रा गु.	१८वीं श	१५	
४४७	१८९९ (३)	मेघावलीविचार		हिं०	१९वीं श.	१–११	
४४८	६३६	यवनजातक		सं०	१८२०	३	मांडवी बन्दिर में लिखित।
४४९	६४३	यवनजातक		"	१९वीं श	६	
४५०	६९६	यात्राभाव		"	१८वीं श	१	
४५१	२८९३ (७१)	युद्ध वर्षादिविचार पद्य		रा०गु०	१७वीं श	१४२ वां	
४५२	३=१०	योगफल		सं०	१९वीं श	२	
४५३	३८८१	योगयात्राटीका	उत्पलभट्ट	"	१८२३	९८	मूलकर्ता वराह

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
४५४	६८०	योगाध्याय	भट्टकेदार	स०	१८०१	१२	सिणधरी में लिखित रत्नदीपकगत
४५५	१३६७	योगाध्याय	गणपति		१८२४	११	ग्रंथकारकृतरत्न प्रदीपकग्रथान्तर्वर्ती। मुडा में लिखित।
४५६	३८१२	योगिनीदशाफल			१८वीं श	६	
४५७	११२३ (८)	रघुवंशशाकुनावली			१७वीं श	५८–५६	
४५८	१७५७	रघुवंशशाकुनावली		रा गुस	१६वीं श	४	
४५६	२२६३	रत्नदीपक	गणपति	सं	१८वीं श	१०	किंचित् अपूर्ण।
४६०	३४४१	रत्नावली पद्धति	गणेश	"	१८वीं श	८	
४६१	३७ ८	रत्नावली पद्धति	गणेश	"	१७२४	६	
४६२	३३७३	रमल	राम	"	१७वीं श	६	पद्यरचना
४६३	३७१३	रमल	राम	"	१८६२	८	कृष्णगढ़ में लिखित
४६४	३७१६	रमल		"	१८८०	६	नाथारा में लिखित
४६५	१५८०	रमलग्रन्थ		रा० गु०	१८८१	३	जीर्णप्रति है। माक धी बिदर में लिखित।
४६६	३७३१	रमलतन्त्रभाषा		रा	१८६७	१५	पल्लि कपुरी में लिखित।
४६७	३७२२	रमलतन्त्रभाषा गद्य		"	१६वीं श	१७	
४६८	३०३६	रमलप्रश्न		हि०	१८८७	५६	पत्र २, ३ तथा ८वां अप्राप्त। अन्त्य पुष्पिका-इति मुसलमानी भाषा कोरमल
४६६	३७१४	रमलप्रश्नतन्त्र	चिंतामणिपण्डित	स	१८८२	२५	नागपुर में लिखित
४७०	३८	रमलप्रश्नसंग्रह		"	१६वीं श	१६	
४७१	१५७४	रमलशकुनविचार		रा०	१८७७	३	
४७२	६७१	रमलशकुनावली		"	१८०१	४	
४७३	२५०४	रमलसार संग्रह		सं	१८५१	५०	
४७४	३२६१	रश्मिकरणद्वादश भावफल		"	१८वीं श	५	
४७५	३२१८	रात्रिदिनसद्मविधि		"	१६वीं श	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७६	१९	रामविनोद	रामचंद्र	संस्कृत	१६३२	३९	अर्गलपुरमेलिखित,पत्र १ से ६ नहीं है, अकबरशाह के महामात्य महाराजा रामदास की प्रेरणा से रचित।
४७७	२५६८	रामायण दोहा शकुनावली		ब्र०हि०	२०वीं श	१	
४७८	२५३६	राहुविचार		रा०गु०	१९वीं श.	१	
४७९	३०८९	लग्नचन्द्रिका	काशीनाथ	स०	१८८४	३४	
४८०	३४४२	लग्नचन्द्रिका	”	”	१७४९	१४	तडाग्राम में लिखित
४८१	२५६९	लग्नदोषावली		रा०	१८८१	३	
४८२	३४४९	लग्नपरीक्षा		स०	१७वीं श.	८	आरभसिद्धिगत।
४८३	६८३	लघुजातक	वराह	”	१८वीं श	७	
४८४	१९९१	लघुजातक	”	”	१७वीं श.	६	
४८५	३१६७	लघुजातक	”	”	१८१६	१४	
४८६	३२५७	लघुजातक	”	”	१९वीं श.	६	
४८७	२५२७	लघुजातक टीका	महेश्वर	”	१७०५	२३	
४८८	६९३	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० महेश्वर	”	१८वीं श.	२२	शिष्यप्रियानामक टीका
४८९	३४४५	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० महेश्वर	”	१७वीं श.	२४	
४९०	५९३	लघुजातक सटीक त्रिपाठ	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	”	१७२४	१७	
४९१	३७८१	लघुजातक सटीक	मू० वराह टी० उत्पलभट्ट	”	१८७५	२८	विक्रमपुर में लिखित
४९२	२००१	लघुजातक सटिप्पण	वराहमिहिर	”	१६९६	९	जावालपुर मे लिखित
४९३	२५७१	लघुजातक सटिप्पण	उत्पलभट्ट	”	१८२४	११	कृष्णगढ़ मे लिखित
४९४	३९६	लीलावतीगणित	भास्कराचार्य	”	१८९४	४५	
४९५	६७८	लीलावतीगणित	”	”	१७४७	४५	भुजपुर में लिखित
४९६	१५५६	लीलावतीगणित	”	”	१५वीं श.	१३	
४९७	२५६५	लीलावतीगणित	”	”	१७१५	२२	
४९८	२००८	लीलावतीगणित सटीक	”	”	१६६८	४८	
४९९	१८९४	लीलावतीगणित भाषा	गंगाधर मोहनमिश्र	ब्र०हि०	१९वीं श	३०	स० १७१४ मे रचित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
५००	३५६४ (२)	लीलावती गणितभाषा पद्य	लालचन्द	रा०	१८६१	१ २५	गाजीपुरशहर में लिखित। सं० १७ ६ में बीकानेर में रचित
५०१	३७१८	लीलावती गणितभाषा पद्य	,,	रा०	१८४५	२१	सं० १७६१ में गुढा ग्राम में रचित। सरी थारीग्राम में लिखित प्रस्तुत रचना बीकानेर में सं० १७३६ में ही हुई है। जो कि १८ पेज पर समाप्त हो जाती है। शेष तीन पेजों में अंक पाश प्रस्तारादि-गणित लीलावती लिखी गयी है। जिसका रचना काल सं० १७६१ तथा रचना स्थल गुढा ग्राम है।
५०२	३७२३	लीलावती गणित भाषा पद्य	,,	रा०	१९वीं श	१५	सं० १७३६ में बीकानेर में रचित। संख्या ३७१८की रचना और प्रस्तुत रचना एक है प्रशस्ति में वैशिष्ट्य है
५०३	३५९७ (८)	लेखा		,,	१९वीं श.	१०७-१०८	
५०४	६३१	वर्षफलगणितादि		स रा गु	१८वीं श.	३	
५०५	३७८७	वर्षफलपद्धति (केशव कृत) टीका	विश्वनाथ	सं	१८२५	१५	गौरीमहंकावती नगरी में लिखित।
५०६	११८२	वर्षफलप्रकरण	मणित्या (?)चार्य	,,	१७वीं श	४	
५०७	१७५५	वर्षफल मण्डलीवाक्य शनसंवत्सरसमुत्कल्पादि		रा सं०	१९वीं श	१०२	गुटका
५०८	१७६१	वर्षेसाङ्कात्रिविधि तथा द्वादशमासफल		,,	१९वीं श	२	
५०९	२८८३ (११०)	वर्षेशमासफल आदि		सं रा गु.	१७वीं श	१६७वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५१०	३३३५	वसन्तराजशाकुनभाषा		रा०	१८५०	१७६	
५११	३४५१	वसन्तराजशाकुन	वसन्तराज	सं०	१६६६	८३	
५१२	६०	वसन्तराजशाकुनसटीक त्रिपाठ	वसन्तराज टी०भानुचन्द्र	„	१८२७	१८४	सवाईजयनगर में लिखित।
५१३	१५५८	वाराहीसंहिता	वराहमिहिर	„	१७६५	८५	
५१४	३७६६	विवाहदोष (पटल)		„	१६वीं श.	८	
५१५	२५१७	विवाहदोष गद्य		रा०	१६वीं श	६	
५१६	६००	विवाहपटल		स०	१८वीं श.	६	
५१७	६०७	विवाहपटल		„	१७५६	६	रायधनपुर मे लिखित।
५१८	१६६८	विवाहपटल		„	१६७७	८	राणीवाड़ा मे लिखित
५१९	२५०३	विवाहपटल		„	१८६८	१५	
५२०	३२५०	विवाहपटल		„	१८०६	११	
५२१	३७७४	विवाहपटल		„	१६वीं श	१६	
५२२	३७१६	विवाहपटल		„	१८६६	२५	सोभत में लिखित।
५२३	३७५४	विवाहपटल		स रा गू.	१८३४	१२	
५२४	३८१८ (१)	विवाहपटल		स०	१८००	१से६	शुद्धदंती मे लिखित
५२५	३५८०	विवाहपटल(षट्पंचाशिका)		„	१६८५	६	
५२६	६८२	विवाहपटल चौपाई	अभयकुशल	रा०गू०	१६वीं श	६	
५२७	५६५	विवाहपटल (बालावबोध सहित)		मू स.बा. राज०गू०	१८वीं श	११	
५२८	३७३४	विवाहपटल बालावबोध सहित	बा०अमरसाधु सोमसुन्दरशिष्य	मू स.बा राज गू.	१८१६	३२	कंटालियाग्राम में लिखित।
५२९	३७७२	विवाहपटल भाषा पद्य	मतिकुशल	मू मं बा राज गू.	१८६०	४	
५३०	६६४	विवाहपटल सस्तवक		मू स.स्त राज गू.	१८११	२४	रापुर (कच्छवागड) मे लिखित।
५३१	३६२०	विवाहपटल सस्तवक		मू०स० स्त०रा०	१६वीं श	१३	
५३२	३६७५	विवाहपटल सस्तवक		मू०सं० स्त०रा०	„ „	१८	
५३३	३७५५	विवाहपटलसार्थ		मू०स० अ०रा०	१८४६	१४	
५३४	३६७७	विवाहप्रकरण		सं०	१६वीं श	६	काशीनाथ कृत शीघ्र बोधान्तर्गत

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३५	६४६	विवाहवृन्दावन	केशवार्क	सं०	१७४३	१६	आवलियालाग्राम में लिखित।
५३६	२८६	विवाहवृन्दावन सटीक	केशव (?)	"	१८३२	४०	पत्र १ से ६ अप्राप्य
५३७	२८६३ (१०५)	विविधमुहूर्तनक्षत्र विचार		रा०गू०	१७वीं श	१६४–१६५	
५३८	३०५६	वृत्तरत्न	महेश्वर	सं०	१६वीं श	१८	
५३९	३१११	वृद्धयवनजातक	मीनराज	"	१६वीं श	२६६	अन्त्य २६७ व २६८ पत्र अप्राप्य।
५४०	११५४	वृद्धयावन		"	१७५१	५५	
५४१	१७६२	वृष्टिज्ञान		"	१६वीं श	१	
५४२	२५७८	शकुनविचारचक्रयुक्त		रा०	"	१	२ दिशा के शकुन
५४३	२५ ६	शकुन सप्तक पद्य	तुलसीदास	ब्र हि	"	२२	पत्र २ २१ वा अप्राप्य।
५४४	२८६३ (५६)	शकुनावली		हि०	१७वीं श	६५–६८	
५४५	३५०५ (३५)	शकुनावली (पासाकेवली)		रा०गू	२०वीं श	१५४–१६६	
५४६	२८६३ (२८)	शनवरेदिनप्रहर मुहूर्त घड़ीसंख्या चौपाई		"	१७वीं श	६५वां	
५४७	३०७५	शतसंवच्छरी		रा०	१८२७	१६	शतसंवच्छरी पूर्ण करके लेखक ने दश अवतार के कवित्त लिखे हैं।
५४८	१०५०	शतसंवच्छरी तथा भड्डलीवाक्य		रा०	१८६८	२२	
५४९	६०२	शतसंवच्छरी तथा राशिफल		रा० गू०	१७वीं श	१२	शतसंवत्सरी व १७०१ से १७६६
५५०	३२६५ (६)	शनिचार		रा०	१८६१	३३–३४	बगड़ी ग्राम में लिखित।
५५१	१७७८	शनिपुत्तलकविचारादि		"	१८वीं श	२	मुजनगर में लिखित।
५५२	११२५ (१)	शिवालिखित		सं गू०	१८२७	१–४	गुटका।
५५३	२५४६	शिवालिखित		सं०	१६वीं श	१	
५५४	२५२५	शीघ्रबोध	काशीनाथ	"	१८५५	१८	
५५५	२५२६	शीघ्रबोध	काशीनाथ	"	१६वीं श	३०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५५६	३७३६	शीघ्रबोध	काशीनाथ	संस्कृत	१८३८	२७	बीदासर मे लिखित
५५७	३८१४	शीघ्रबोध	"	"	१६वीं श.	२७	अन्य दो पत्रों में द्वादशभावफल लिखा है
५५८	२५५७	शीघ्रबोध सार्थ	"	स.अ रा.	१६००	५१	चूरूनगर में लिखित
५५९	३१०१	शीघ्रबोध सार्थ	"	"	१६वीं श.	८८	पत्र ७६वां अप्राप्त
५६०	२८६३ (१०७)	शुक्रास्तोदयविचार		सं रा गु.	१७वीं श.	१६५वां	
५६१	२००६	श्रीपतिपद्धतिटिप्पणक		स०	१७८७	३५	
५६२	२८६३ (८७)	श्वानचेष्टाविचार		रा०गु०	१७वीं श	१४३-१४४	१४३ वा पत्र का थोडा भाग त्रुटित है
५६३	२८६३ (७५)	श्वानशकुनविचार		"	१७वीं श	१४०-१४१	
५६४	६५६	षट्पचाशिका	पृथुयशा	स०	१८४८	३	माडवी मे लिखित।
५६५	६७३	षट्पचाशिका	"	"	१६वीं श.	४	
५६६	१२०६	षट्पचाशिका	"	"	१७३२	७	
५६७	३७३८	षट्पचाशिका	"	"	१७६१	१	
५६८	३८०६	षट्पचाशिका	"	"	१७७०	२	
५६९	१७५१	षट्पचाशिका सटीक	पृथुयशा टी० उत्पलभट्ट	"	१६वीं श	८	प्रथम पत्र अप्राप्त
५७०	२५६३	षट्पचाशिका सटीक	पृथुयशा टी०उत्पलभट्ट	"	१८४४	१५	
५७१	२५७६	षट्पचाशिका सटीक	पृथुयशा टी०उत्पलभट्ट	"	१७५४	६	
५७२	३४४७	षट्पचाशिका सबालावबोध	पृथुयशा	सं०बा० रा०गु०	१८वीं श	११	
५७३	३७३०	षट्पचाशिका सार्थ		स०अ० ब्र०हि०	१८४७	१०	लया मे लिखित।
५७४	३८०७	षट्पचाशिका सार्थ		स०अ० रा०	१८४७	५	नागोरनगर मे लिखित।
५७५	३३७४	षट्पचाशिका सावचूरि पचपाठ		स०	१५वीं श	३	
५७६	३२५१	षड्बलवार्ता		गू०	१७७६	५	श्रीपति पद्धतिटीका के आधार से रचित पत्तननगर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५७७	१७७६	पड्वर्गफल		सं०	१८२०	६	माडवी मन्दिर में लिखित।
५७८	३१३७	पड्वगफल		"	१६वीं श	६	
५७६	३७७१	पड्वर्गफल		"	"	१०	हिल्लाजजातकगत
५८०	६०१	षष्टिसंवत्सरफल		रा० गू०	१८वीं श	१३	
५८१	६५४	षष्टिसंवत्सरफल		"	१८७१	१७	
५८२	१७७३	षोडशयोगवर्णन सटीक		सं०	१८८२	२०	भुजनगर में लिखित
५८३	३८०८	षोडशयोगविचार तथा गुरुचार		रा०	१६वीं श.	६	नागौर में लिखित।
५८४	६	संकेतकौमुदी	हरिनाथ भट्टाचार्य	सं०	१६२१	१४	
५८५	२५४३	संक्रान्तिफल		रा० गू०	१७५४	१	
५८६	३५०४	संक्रान्तिफल		सं०	१६वीं श	११	
५८७	३८०४	संक्रान्तिफल आदि		स० रा०	१७३८	५	कुचडा ग्राम में लिखित।
५८८	२५४०	संक्रान्तिफल तथा पूलमविचार		रा० गू०	१६वीं श.	२	
५८६	३२१७	सज्जनवल्लभ	भानुपंडित	स०	१६१३	१४	वाकानेर में लिखित
५६०	२६२६	संज्ञाविवेकविवृति	माधव	"	१६वीं श	४४	अपूर्ण। नीलकंठकृत ताजिकग्रंथ के संज्ञा-विवेक नामक प्रथम प्रकरण की टीका है।
५६१	३१६१	सन्तानदीपिका		"	१८०८	११	
५६२	११५५	समरसार	रामचन्द्र सोमयाजी	"	१८३६	६	
५६३	२१३	समरसार सटीक	रामचन्द्र सोमयाजी टी० भरत	"	१६वीं श	४२	
५६४	३१३६	समरसार सटीक	रामचन्द्र सोमयाजी टी० भरत	"	"	२६	ग्रन्थ का मुख्य विषय युद्धजयोपाय है टीका कार मूल ग्रन्थकार का छोटा भाई है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६५	२६२५	समाविवेक विवृति	माधव	सं०	१६वीं श	३३	अपूर्ण, नीलकंठकृत ताजिकग्रथ के समा-विवेक नामक द्वितीय प्रकरण की टीका है।
५६६	१४६६	सर्वार्थचिन्तामणि	वैंकटेशशिष्य	सं०	१६०३	१००	चुडा में लिखित।
५६७	६३३	सहमफलस्पष्टाध्याय		रा०	१६वीं श	१	
५६८	३२३६	सहमानि		सं० रा०	१७८४	२	
५६९	३२६४	सवत्सरसार		सं०	१८६२	२२	
६००	३१६६	सवत्सराद्यानयनविधि		"	१६वीं श	१३	
६०१	२५५६	साठसवच्छरदोहा		रा०	१६०६	१२	
६०२	२८३७	साठसवच्छरफल		"	१८६०	४५	
६०३	३५६४ (४)	साठसवच्छरफल		"	१८६१	१–२२	
६०४	५६१	साठसवच्छरी		"	१७वीं श	५	
६०५	१७५२	सामुद्रिक		सं०	१७८५	६	
६०६	१६८१	सामुद्रिक		"	१८वीं श	५	
६०७	३२६०	सामुद्रिक		"	१७७३	५	
६०८	३८०५	सामुद्रिक		"	१६वीं श	६	
६०९	११३२	सामुद्रिक दोहा चौपाई	सुमतिसुम(?)	ब्र० हि०	"	१०	अजैलाप के विनोदार्थ रचना
६१०	६२३	सामुद्रिक भाषा पद्य		"	"	८	
६११	८४५	सामुद्रिक भाषा बंध		"	"	८	
६१२	२५७२	सामुद्रिक शास्त्र गद्य		रा०	१७७४	४	
६१३	२५६४	सामुद्रिक सवालावबोध		मू सं बा रा० गु०	१६६८	१३	
६१४	३४५०	सामुद्रिक सवालावबोध		मू स बा रा०गु०	१७वीं श	२३	
६१५	३४५३	सामुद्रिक सवालावबोध		मू स बा रा०गु०	१५३१	६	प्रथम पत्र अप्राप्य
६१६	१८८६	सामुद्रिक सार्थ		मू स अ रा० गु०	१६वीं श	८१	गुटका। ७५ वा पत्र में सामुद्रिक पूर्ण होता है।
६१७	२५३२	सामुद्रिक सार्थ		मू स अ. रा० गु०	"	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
६१८	३०१२	सामुद्रिक सार्थ		मू सं अ रा० गू०	१७वीं श	१५	
६१९	३५२७	सामुद्रिक सार्थ		मू सं अ रा० गू०	१७८१	५	भुजनगर में लिखित।
६२०	३२८०	सारखी			१८वी श	१५०	
६२१	३२२९	सारसंग्रह	मुंजादित्य	सं०	१९०४	३०	राधनपुर में लिखित
६२२	१७९०	सारसंग्रह सबालाबोध		मू सं बा रा० गू०	१८११	२८	
६२३	३७०१	सारसंग्रह सार्थ	मू महादेवभट्ट	मू सं अ रा० गू०	१७६७	२५	धमड़कानगर में लिखित।
६२४	११९०	सारावली	कल्याण	सं०	१७वीं श	२	
६२५	३०५६	सारावली	कल्याण वर्मा	"	१९वीं श	८५	
६२६	१८६८ (५)	सावण	मालदेवजी	रा०	१७९३	१–१३	गुटका। (पर्वतसर में लिखित) इसके पांच पन्ने तो ठीक अवस्था में हैं अन्तिम ८ पेज आपस में ऐसे चिपके हुए हैं जिन्हें खोल कर पढ़ना भी असम्भव है।
६२७	३७५१	साहाकाढणरा दूहा	मोतीराम	"	१९वीं श	३	सं १८३२ मे रचित।
६२८	२९१३	सिद्धांतरहस्योदाहरण	विश्वनाथ	स०	१८४८	७२	पत्र ७१वा अप्राप्त।
६२९	२९१०	सिद्धान्तशिरोमणि	भास्कराचार्य	,	१८९१	६०	पत्र ३ ४ अप्राप्त
६३०	२९९	सिद्धान्तशिरोमणि (खेटकर्म भद्रतुल्यो दाहरण)	भास्कराचार्य	"	१९१५	१७	
६३१	२९३८	सिद्धान्तशिरोमणिसटीक	भास्कराचार्य टी कृष्णदैवज्ञ	" "	१८वीं श	३२	अपूर्ण।
६३२	२९४०	सिद्धानशिरोमणिसटीक	"		२०वीं श	१३६	
६३३	२८९३ (१६)	सुभिक्षादिवर्णन पद्य		रा० गू०	१७वी श.	१० वां	
६३४	८१४	सूक्ष्मारोदय (शिवस्वरोदय)	सार्थ	मू सं अ रा० गू.	१८८२	३३	भुजनगर में लिखित
६३५	१७०६	सूतिकाध्याय जातककुण्डली विचार पंचवर्गविचार		सं०	१९वीं श	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६३६	६३४	सूर्यचन्द्रपर्वाधिकार	भास्कर	स०	१८वीं श	१	करणकेशरीगत
६३७	९२	सूर्यसिद्धांत		,,	१९वीं श	१८	
६३८	२८८३	सूर्यसिद्धान्त		,,	शा १६३९	२४	
६३९	३७११	सूर्यसिद्धान्त गोलाध्याय		,,	१६१३	१६	श्रीउदयसिंघजीशासित चित्रकूट मे लिखित प्रथम पत्र अप्राप्त
६४०	१७६३	स्त्रीकुंडलिकाविचार		रा०	१९वीं श	१	
६४१	२८९३ (७७)	स्त्रीगर्भनिर्णय		स०	१७वीं श	१४१ वां	
६४२	३५५०	स्त्रीजन्मकुंडलिकाफल		,,	१९वीं श.	११	
६४३	२५५२	स्त्रीजन्मपत्रीपद्धति	लब्धिचन्द्र	,,	१८५०	३	स० १७५१ में वेलाकूल मे रचित
६४४	२५५१	स्त्रीजन्मपत्री फल		,,	१९वीं श	३	
६४५	६०३	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	,,	१७८६	१२	गूर्जरपत्तन मे रचित
६४६	६८९	स्त्रीजातक		,,	१७वीं श	६	प्रथम पत्र नहीं है।
६४७	१८५६	स्त्रीजातक	विश्वनाथ	,,	१९६७	८	सवाईजयपुरमेंलिखित
६४८	३७४८	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	,,	१८७९	२७	ग्रन्थकार गूर्जरपत्तन निवासी थे।
६४९	३७९३	स्त्रीजातक	रामचन्द्र	,,	१९वीं श.	१२	ग्रंथकार का निवास स्थान गुर्जरपत्तन था। पत्र ८ वां मे प्रकरण पूर्ण होने के बाद लेखक ने स्त्री कुंडलिका विषयक काव्य लिखे हैं
६५०	३७९४	स्त्रीजातक सटीक		,,	१८४८	१०	चमत्कार चिन्तामण्यन्तर्गत। सरीयारी मे लिखित।
६५१	३७६४	स्त्रीजातक सार्थ		मू०स० अ०रा०	१८५२	१६	
६५२	३२	स्वप्नाध्याय		स०	१८वीं श	४	प्रकरणकर्ता हरिदास का शिष्य व पुत्र होगा, अन्त्य पृष्ठ खराब होने से अस्पष्ट है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६५३	२०११	स्वप्नाध्याय		सं०	१६वीं श	१	
६५४	३११८६	स्वप्नाध्याय		"	१७६०	५	
६५५	१८४०	स्वरोदय (नरपतिजयचर्या)		"	१८८०	५६	
६५६	१७५६	स्वरोदय	चरनदास	अ हि०	१६०२	१४	भुजनगर में लिखित कर्ता का नाम रन जीत था, उनके गुरु सुखदेवजी ने बदल कर चरनदास रखा
६५७	२५१०	स्वरोदय	चिदानंद	रा०	१६११	२१	सं० १६०७ में रचित
६५८	३०८६	स्वरोदय		सं०	१८वीं श	६	
६५६	३०७६	स्वरोदयभाषा पद्य	चरनदास	अ०हि०	१६वीं श	८	
६६	३००२	स्वरोदयशास्त्र	जीवनाथ	सं०	१७वीं श	१३	
६६१	०५५८	हस्तरेखा चित्र		रा गु०	१६वीं श	१	
६६२	१७५८	हमचक्र		सं	१६वीं श	२	
६६३	७६३०	हायनरत्नटीका	बलभद्र	"	१६वीं श	११	अपूर्ण। पत्र १, १५-से २ तथा ५८ वा अप्राप्य।
६६४	३०४०	हिल्लाजताजिक		"	१६०८	२४	
६६५	६८५	होराप्रदीप सार्थ		मू सं भ रा गु.	१६वीं श.	५	
६६६	३२२१	होराप्रदीपक सार्थ		मू सं भ रा.गु.	१८६२	१	
६६७	१७५८	होलीविचार कार्तिक शुक्ला ५ विचारादि		अ हि गु	१६वीं श.	१	

(१३) छंद-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	५६९	अनुप्रासकथन		व्रज हि०	१९वीं श.	२	
२	५७६	अनुप्रासकथन		,, ,,	,, ,,	७	
३	५८१	अष्टगणविचार		,, ,,	,, ,,	३	
४	२८९३ (२३)	गणविचारचोपाई	हीरकलश	राज०	,, ,,	१३ वां	
५	२४५९	गणसिद्धिप्रकार		संस्कृत	,, ,,	३	अपूर्ण
६	२४५६	गाथालक्षण सटीक		मू० प्रा० टी० स०	१७वीं श.	८	अपूर्ण
७	५७८	छदरतनमाला	कविभोलानाथ भट्ट	व्र० हि०	१९वीं श.	१	
८	५८०	छदशृंगार	महासिंघ सेवग	,, ,,	१८७६	२०	सं० १८५५ में मेरता मे रचित।
९	२४६०	छदसूची पद्य	साधुराम	,, ,,	१८६७	४	कृष्णगढ़ में लिखित।
१०	५७१	छंद कोश	रत्नशेखर	प्राकृत	१८वीं श	७	
११	१९७३	छद:कोश		,,	१५५४	८	
१२	३६५८	पिंगल		अपभ्रंश	१८वीं श.	३६	नागडी ग्राम में लिखित।
१३	२४५७	पिंगलग्रन्थ	सूरत	व्रज हि०	१९०२	२७	कृष्णगढ़ में लिखित।
१४	५७९ (२)	पिंगलभापाजन्मपत्रिका पद्य आदि		,, ,,	१८२६	६-८	गूढा में लिखित।
१५	२३६४ (१)	पिंगल सटीक		राज०	१९वीं श.	४७	
१६	८८९	रघुनाथरूपक	मछाराम सेवक	,,	१९वीं श.	७६	स० १८६७ में जोधपुर में रचित।
१७	२३६४ (२)	रूपदीपक पिंगलभापा	भवानीदास पुष्करणा	रा० गू० व्रज हि०	१८५८	७	रचना स० १७७६

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१८	५७९ (१)	रूपदीपक	जैकिसन	प्र०हि०	१८२६	१-५	स० १७०६ में रचित गूढा में लिखित।
१९	२४५८	रूपदीपपिंगल		”	१९७३	६	सं० १७७६ में रचित
२०	५७४	वर्णपताकामेरुविधि		”	१८वीं श	८	
२१	५८४	वर्णपताकामेरुविधि			१९वीं श	८	
२२	११७० (१)	वृत्तचन्द्रिका	गदाधर	व्रज०	” ”	१५	
२३	५८३	वृत्तमौक्तिक	चन्द्रशेखर कवि	संस्कृत	१७वीं श	१०	
२४	५८२	वृत्तरत्नाकर	भट्टकेदार	”	१८वीं श.	१२	
२५	५८५	वृत्तरत्नाकर	”	”	१८३६	१२	
२६	१७३१	वृत्तरत्नाकर	”	”	७वीं श	८	
२७	१९८२	वृत्तरत्नाकर	”	”	१५वीं श	५	
२८	१९७४	वृत्तरत्नाकर		”	१९६१	१०	
२९	२४५५	वृत्तरत्नाकर	”	”	१८१२	६	रिणी में लिखित।
३०	२४५५	वृत्तरत्नाकर	”	”	१८वीं श	११	
३१	२४६८ (१)	वृत्त रत्नाकर			१७वीं श	१-७	
३२	५८२	वृत्तरत्नाकर टीका	सोमचन्द्र	”	” ”	२७	
३३	२४०२	वृत्तरत्नाकर टीका	”		” ”	¯१	रचना सं० १३२९(?)
३४	३६५५	वृत्तरत्नाकर टीका	”	”	” ”	२४	
३५	३६५७	वृत्तरत्नाकर टीका	”	”	१८वीं श.	३८	स० १३२९ में रचित
३६	३० ४	वृत्तरत्नाकर सटिप्पण	केदारभट्ट	”	१५वीं श.	५	
३७	५६८	वृत्तरत्नाकर सटीक त्रिपाठ	मू० भट्टकेदार टी० समयसुन्दर	”	१८३१	१८	स० १६९४ में रचित
८	१९७९	वृत्तरत्नाकर सटीक	समयसुन्दर	”	१६९६	३५	टीका रचना संवत् १६९४ जालोर में।
३९	३६५३	वृत्तरत्नाकर सटीक	”	”	९वीं श.	३१	
४०	३९५६	वृत्तरत्नावली	चिरंजीव	”	१८१९	८	यशवंतसिंह नृपति के विनोदार्थ रचित मकसूदाबाद में लिखित।
४१	५५०	श्रुतबोध	कालिदास	”	१९वीं श	२	भुजनगर में लिखित
४२	५७३	श्रुतबोध	”	”	” ”	२०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४३	१६७५	श्रुतबोध	कालीदास	संस्कृत	१७वीं श	३	
४४	१६७६	श्रुतबोध	,,	,,	,, ,,	२	
४५	३००३	श्रुतबोध टीका		,,	१८वीं श	१	कालीदास रचित श्रुतबोध की टीका।
४६	१६७७	श्रुतबोध सटीक	मू० कालीदास टी मनोहरशर्मा	,,	१८५८	८	आडिसरनगर मे लिखित।
४७	२४५२	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी मनोहरशर्मा	,,	१७वीं श	५	माणिक्यमल्ल क्षितिपाल के सन्तोपार्थ टीका रचना।
४८	२४५३	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी० हसराज मुनि	,,	१८वीं श.	८	
४९	३६५५	श्रुतबोध सटीक त्रिपाठ	मू० कालीदास टी मनोहरशर्मा	,,	१८२५	७	अजयदुर्ग मे लिखित
५०	१६७८	श्रुतबोध बालावबोध सहित त्रिपाठ	मू० कालीदास बा० नेतृसिंह	,,	१७३४	६	मेडता मे लिखित।
५१	५७७	श्रुतबोध सार्थ त्रिपाठ	मू० कालीदास टी मनोहरशर्मा	,,	१८५८	६	रापुर रायपुर (कच्छ-वागड) मे लिखित

(१४) संगीत-शास्त्र

माक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	३५५७ (५)	रागमाला		ब्रज हिन्दी	१७६१	७३–७४	
२	२८३२ (७)	रागविलास		"	१७७४	९८–१०२	गुटका
३	८४७	रागसागर (गद्य)		राज०	१९वीं श	६	
४	०५२८	संगीत रत्नाकर चतुर्थाध्याय	शार्ङ्गदेव	संस्कृत	,	२१	
५	२६५४	संगीतराज (फोटोकापी)	कुम्भकर्ण	,	१६वीं श	प्लेट ५ ८	दो विभाग हैं। पहले विभाग की प्लेट २२० और दूसरे विभाग की प्लेट २८८ एवं कुल ५०८ प्लेट हैं।

(१५) कामशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	७३७	अनंगरंग	कल्याण	सं०	१७०१	६	
२	१८७६ (४)	अनंगरंग		"	१८वीं श	१४२-१५३	अपूर्ण गुटका
३	७३६	कामसमूह		"	"	२३	पत्र १, २ नहीं है।
४	५२	कामसूत्र	वात्स्यायन	"	२०वीं श	३३	अपूर्ण प्रति है पत्र २५ वां अप्राप्त।
५	२३७६	कामसूत्र सटीक	वात्स्यायन	"	१६४५	२०४	टीका जयमंगला-नामक
६	७५०	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	व्रज	१८वीं श	६	
७	२२६८	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	व्रज हि	१६वीं श	१०	बालिम में लिखित
८	१८६८ (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	व्रज हि	१७६१	१-१८	गुटका पर्वतसर में लिखित।
९	३५६० (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	व्रज हि	१७६५	१-१८	
१०	१८११	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	व्रज हि	१६वीं श	६	
११	१६०२ (३)	कोकसार चौपई	आनन्दकवि	व्रज हि	"	१-४७	
१२	१८३८	कोकसार चौपई सस्तवक	मू. आनन्दकवि	व्रज हि	१६००	६१	गुटका
१३	७३६	कोकशास्त्र (भाषागद्य)	कोकदेव	राज गू	१८१२	११	
१४	७३८	कोकशास्त्र (भाषागद्य)	कोकदेव	राज गू	१८१४	१२	
१५	१८३४	कोकशास्त्र	नरबद	राज. गू	१८वीं श	५	मात्र १०वां प्रकार।
१६	१८३३	रतिप्रमोद	जगन्नाथ	राज	१८५७	२२	स० १८२२ में जैसलमेर में रचित

(१६) काव्य नाटक चम्पू

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१	१८८	अभिज्ञानशाकुन्तल	कालीदास	संस्कृत	१६वीं श	२६	तृतीयांक पर्यन्त, खण्डित प्रति।
२	३३१६	अभिज्ञान शाकुन्तल	,	,	१७२७	३७	
३	६८	अर्थरत्नावली (अष्टलक्षार्थी) टीका	समय सुन्दर		१६६३	४३	"राजानोददते सौख्यम्" इस चरण के आठ लाख अर्थ हैं।
४	२३७६ (७)	अष्टपदी	जयदेव	,,	२०वीं श	१से१२	गीत गोविन्दगत।
५	४२	आनन्दवृन्दावन चम्पू सटीक त्रिपाठ	मूल कर्णपूर टीका (?)	,	१६१२	४८६	टीकानाम आनन्द वर्तिनी सुखवर्तिनी
६	११४५	ऋतुसंहार	कालीदास	,,	१८५७	३७	
७	८०४	कमला भारती संवाद्	मधुसूदन भट्ट	,,	१९वीं श	७	
८	१६४८	कर्पूरमंजरीनाटिका	राजशेखर	प्राकृत	१६५३	८	
९	२६७२	कर्पूरमजरीनाटिका टीका		संस्कृत	१६३५	१०	
१	२९८८	कादंबरी पूर्व खण्ड	बाणकवि	,,	१७वीं श	८५	
११	१८ ६ (१)	का ह्नुजरीभगड़ा		प्रा०	१८३	२-८	आद्य पत्र १ अप्राप्त गुटका
१२	४८८	किरातार्जुनीयकाव्य	भारवि	संस्कृत	१७०४	६०	अन्त्यपत्र सुशोभन है। सूरतिबिंदर म लिखित।
१३	५०८	किरातार्जुनीयकाव्य	,		१८१६	८०	भुजङ्ग ग म लिखित
१४	१८५९	किरातार्जुनीयकाव्य	,,		१७८८	८३	
१५	१६७१	किरातार्जुनीयमहाकाव्य	,,	,	१७८६	५४	
१६	२८७२	किरातार्जुनीयकाव्य	,		१८२६	५७	बलाहूयपुर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७	३४०४	किरातार्जुनीयकाव्य	भारवि	सं०	१६वीं श.	४४	प्रथम पत्र अप्राप्त
१८	१६५३	किरातार्जुनीयकाव्य टीका	मल्लिनाथ	"	१५३१	२१२	पत्र १से७ अप्राप्त श्रीमत्कणी में लिखित
१६	३५४२	किरातार्जुनीयपचदशम सर्ग टीका	प्रकाशवर्ष	"	१७वीं श	१३	
२०	३४०५	किरातार्जुनीयलघुटीका		"	१७२८	१२५	
२१	२६७८	किरातार्जुनीयलघुटीका सहित त्रिपाठ	भारवि	"	१६१६	१००	दंतीपाटक में लिखित ।
२२	४८३	किरातार्जुनीयकाव्य सटिप्पण	भारवि	"	१५६६	५३	आमलकोटनगर में लिखित ।
२३	११५२	कुतुबशत		रा०	१५७०		
२४	१५४५	कुमारपाल चरित्र महाकाव्य	जयसिंहसूरि	स०	१४८३	१७५	
२५	४७६	कुमारपाल चरित्र महाकाव्य	जयसिंहसूरि	"	१४६२	११६	
२६	१६४६	कुमारविहारशतक	रामचन्द्र	"	१६वीं श	५	
२७	१६४२	कुमारविहारशतक		"	१८वीं श	१३	
२८	२४८४	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१७२३	२४	सप्तमसर्ग पर्यन्त
२६	२८७५	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१८२७	२७	वी (वी) क्रमपुर में लिखित ।
३०	१५२७	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१५३०	३०	अष्टमसर्ग पर्यन्त
३१	१५२६	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१५२६	६३	जीर्णप्रति
३२	५१४	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१७वीं श	५४	सप्तमसर्ग पर्यन्त
३३	४६५	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१५५२	१७	सप्तमसर्ग पर्यन्त अनूपपुरा में लिखित
३४	२८२	कुमारसभवकाव्य	कालीदास	"	१४३१	६३	अष्टमसर्ग पर्यन्त । पुष्पिका 'स्वस्ति स १४३१ वर्षे द्वितीय श्रावण शुदि १४ शुक्रे अद्ये हमू दरडीग्रामे राजश्रीलप्रतिप्रतौ मेदपाटज्ञातीयप राउल-सुत प राघवेणकुमार। सभवकाव्यपुस्तको लिखित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५	२७१	कुमारसम्भव काव्य टीका	मल्लिनाथ	संस्कृत	१८वीं श.	७०	सप्तम सर्ग पर्यन्त पत्र १४ वां अप्राप्त
३६	१५५४	कुमारसभव काव्यटीका	"	"	१६१२	१२०	सप्तम सर्ग पर्यन्त देलवाडा में लिखित
३७	३६३३	कुमारसंभव काव्यटीका		"	१८वीं श	४३	सप्तमसर्ग पर्यन्त
३८	५०७	कुमारसभव काव्यटीका	चारित्रवर्धन	,	१८०५	३८	प्रथम पत्र अप्राप्त रचना सं० १८०५ अरडकमल्ल की प्रार्थना से टीका रचना।
३९	३३५८	कुमारसभव काव्य लघु टीका सहित त्रिपाठ	मू०कालीदास	"	१६वीं श	७६	अष्टम सर्ग पर्यन्त
४०	४०७	कुमारसभव काव्य सटीक त्रिपाठ	"	"	१६६०	६७	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४१	२१७७	कुमारसभव काव्य सटीक पंचपाठ	कालीदास टी०मल्लिनाथ	"	१७१२	३६	सप्तमसर्ग पर्यन्त पट्टभेद नगर में लिखित।
४२	२१७६	कुमारसंभव काव्य सटीक पंचपाठ	कालीदास	,	१६वीं श	३०	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४३	३३६०	कुमारसभव काव्य सावचूरि द्विपाठ	मू०कालीदास	,	१७वीं श	४६	सप्तमसर्ग पर्यन्त
४४	३३६४	कुमारसभवाष्टमसर्ग सावचूरि पंचपाठ	"		१६वीं श	८	
४५	८८	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज (पीथल)	व्रज	१६वीं श.	१५	
४६	६१४	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज (पीथल)		१७५०	७०	रचना सं० १६३७ भुज में लिखित
४७	८६७	कृष्णरुक्मणीवेली	पृथ्वीराज	"	१८६७	३४	
४८	१८३५	कृष्णरुक्मणीवेली पद्य टीका सहित	पृथ्वीराज (पीथल) टी० गोपाललाहौरी		१८वीं श	२०	मूल रचना संवत् १६३८ (?) पद्य रचना सं० १६५४।
४९	७४३	कृष्णरुक्मणीवेली पद्यबालावबोधसहित	मू पृथ्वीराज बा०जयकीर्ति	मू०व्रज बा राज	१७६८	३५	मूल रचना संवत् १६३८ सं० १६८६ में बीकानेर में बाला-वबोध रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५०	३६५४२	कृष्णरुक्मणीवेली वालावबोधसहित	पृथ्वीराजकल्याणमलोत, वा शिवनिधान	मू. व्र. वा. रा.	१७३८	८१	मू. रचना स. १६३७ वाला. र स. १६४४ (?)
५१	३५५७ (२)	कृष्णरुक्मणीवेली सटीक	मू पृथ्वीराज कल्याणमलोत	राज०	१७६१	१–६६	योधपुर में लिखित। मू रचना स. १६३८
५२	३५५८ (४)	कृष्णरुक्मणीवेली सवालाबोध	मू पृथ्वीराज वा जयकीर्ति	मू. व्र.हि वा. रा.	१८वीं श	१–७३	स० १६८६ मे बीकानेर मे वालावबोध रचना। पेजलदी तिमरी मे लिखित।
५३	२०६६	कृष्णरुक्मणीवेली सस्तबक	मू पृथ्वीराज (पीथल) स्त शिवनिधान	मू रा.	१७६६	३३	न्यग्रोधनगर में लिखित। मू रचना स० १६३८।
५४	१८६८ (१५)	कृष्णरुक्मणीवेलीसार्थ	पृथ्वीराज (पीथल) कल्याणमलोत	मू व्र अ रा.	१७६२	१–६७	गुटका। अद्रिशर मे लिखित।
५५	२०७०	कृष्णरुक्मणीवेलीसार्थ	मू पृथ्वीराज (पीथल)	मू. व्र अ रा.	१७२२	४६	चहूआण श्री राजसीजी के शासन में सोहीगांम में लिखित। स. १६३८ में रचित।
५६	२४७४	खण्डप्रशस्ति सटिप्पण		स०	१७वीं श	१२	
५७	२८५७	खण्डप्रशस्ति (दशावतार स्तुति) सटीक त्रिपाठ	टी गुणविनय	"	१६७२	२६	स १६७१ में टीका रचना।
५८	१८७०	गीतगोविन्द	जयदेव	"	१६वीं श	११५	गुटका।
५९	१६०१	गीतगोविन्द	जयदेव	"	१६वीं श	५८	
६०	२८५८	गीतगोविन्द	जयदेव	"			
६१	३०७६	गीतगोविन्द सटीक त्रिपाठ	मू जयदेव	"	१६वीं श	४६	पत्र २३ वां तथा २७ वां अप्राप्त।
६२	२३६२ (१)	गीतगोविन्द सार्थ	मू जयदेव	स अ रा	१७२८	५४	गुटका। रूपनगर में लिखित पत्र ३५ से ४१ तक नष्ट।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
६३	६०८	गीतगोविन्द बालावबोधसहित	मू. जयदेव	मू स बा रा गु०	१८वीं श.	२६	
६४	१७०२	घटखर्परकाव्य सटीक		सं०	१८७५	७	
६५	२४६६	घटखर्परकाव्य सटीक त्रिपाठ		”	१७वीं श	२	
६६	३४११	घटखर्परकाव्य सटीक	मू. कालीदास टी शंकरसूरि	”	१८वीं श.	४	
६७	३४१६	घटखर्परकाव्य सटीक	मू. कालीदास	”	१७वीं श	६	
६८	२३६२ (१०)	जगनबत्तीसी	जगन पुष्करणा	ब्र० हि०	१७७६ (४)	८	राजाराम रघुवीर की बत्तीसी
६९	१५३१	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	स०	१५१८	८५	
७०	१९०४	दमयतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	”	१६वीं श	७५	
७१	१९६५	दमयंतीकथा चम्पू	त्रिविक्रमभट्ट	”	१५६१	५५	शोधित प्रति है।
७२	१९६२	दशावतारवर्णन (खण्ड प्रशस्ति (?)		”	१७वीं श	१०	सिरोही में लिखित।
७३	२१६१	दुगोलीगावरी गजल	अर्जुनचन्द्र	रा०	१९३४	५	रचना सं १९२९
७४	२४६७	दुर्घटकाव्य सटीक		सं०	१७७६	१३	अहम्मदपुर में लिखित।
७५	३२८७	दुघटकाव्य (दशावतार स्तुति) सटीक त्रिपाठ		”	१८८६	५	
७६	९७०	दूतांगद नाटक	सुभट	”	१५वीं श	४	
७७	३२०९	दूतांगद नाटक	सुभट कवि	”	१७वीं श	४	
७८	३६३७	दूतांगद नाटक	सुभट कवि	”	१८५०	६	नागपुर में लिखित।
७९	२३६७ (४)	नखशिख वर्णन	केशवदास	ब्र०हि०	१९वीं श	९०–१०६	
८०	३९८४	नखशिख वर्णन सार्थ	मू. केशवदास	मू ब्र हि अ रा	१७५९	२३	रसिकप्रियान्तर्गत बालोत्तरानगर में लिखित।
८१	२९८७	नलोदय		सं०	१४०८	७	
८२	३ ८३	नररत्नकाव्य		”	१९वीं श.	७	
८३	३४६६ (३)	नवरसकाव्य	नारायणदास भरची	गु०	१७वीं श.	१८–२६	
८४	२५ ९	नगराजशतक	नागराज	सं०	१६वीं श	११	
८५	१८८९ (१४)	नीतिमंजरी	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	१९वीं श	६३–९३	भर्तृहरिनीतिशतक पर भाषा काव्य।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
८६	२६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	श्रीहर्ष	संस्कृत	१६वीं श.	५५	सप्तम सर्ग पर्यन्त
८७	४०६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	"	"	१६वीं श	७८	अन्त्य पत्र (७६वां) अप्राप्त।
८८	१५२६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	"	"	१५१६	१८५	
८६	१६३७	नैषधीयचरितमहा-काव्य	"	"	१५वीं श	१४५	सर्ग १५ पर्यन्त १६वा अपूर्ण
६०	०६८२	नैषधीयचरितमहा-काव्य प्रथम सर्ग टीका	नारायण	"	१८४७	६२	भृगुपुर मे लिखित।
६१	१५३६	नैषधीयचरित सटिप्पण	श्रीहर्ष कवि	"	१५०१	१३७	वीरपुर मे लिखित।
६२	३६०६	नैषधीयचरितमहा-काव्य	मू० श्रीहर्ष	"	१६वीं श.	१८	
६३	३६१०	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक द्वितीय सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१६वीं श	१६	
६४	३६११	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक तृतीय सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	" "	२१	
६५	३६११	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक त्रिपाठ चतुर्थ सर्ग	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८८	१५	भट्टपुर में लिखित।
६६	३६१३	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक पचम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८८	२२	
६७	३६१४	नैषधीयचरितमहा-काव्य सटीक षष्ठ सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८६	१८	
६८	३६१५	नैषधीयचरितमहा-काव्य सप्तम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१६वीं श	१६	
६६	३६१६	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक अष्टम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१६वीं श.	२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१००	३६१७	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक नवम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	संस्कृत	१८८८	४०	
१०१	३६१८	नैपधीयचरितमहा काव्य सटीक दशम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८८	३२	
१०२	३६१९	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक एकादश सग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श	२८	
१०३	३६२०	नैपधीयचरितमहा काव्य सटीक द्वादश सर्ग त्रिपाठ	मू श्रीहर्ष टी० ना ायण	"	१९वीं श	२५	
१०४	३६२१	नैपधीयचरितमहा-का य सटीक त्रयोदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श	१८	
१०५	३६२२	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक चतुर्दश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श	१९	
१०६	३६२३	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक पंचदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श	१९	
१०७	३६२४	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक षोडश सग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१८८९	२३	
१०८	३६ ५	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक सप्तदश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण	"	१९वीं श	२७	
१०९	३६२६	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक अष्टादश सर्ग त्रिपाठ	मू० श्रीहर्ष टी० नारायण		१९वीं श	२४	
११०	३६२७	नैपधीयचरितमहा-काव्य सटीक एकोन विंशतितम सर्ग त्रिपाठ	मू श्रीहर्ष टी० नारायण		१९वीं श	१८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१११	३६२८	चरितमहाकाव्य सटीक विंशतितमसर्ग त्रिपाठ	मू. श्रीहर्ष टी. नारायण	सं०	१९वीं श	२०	
११२	३६२९	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक विंशतितमसर्ग त्रिपाठ	मू. श्रीहर्ष टी नारायण	"	१८८९	३१	
११३	३६३०	नैषधीयचरितमहाकाव्य सटीक द्वाविंशतितम सर्ग त्रिपाठ	मू० श्री हर्ष नारायण	"	"	२७	
११४	१९२८	नैषधीयचरितमहाकाव्य सावचूरि पचपाठ	मू. श्री हर्ष	"	१६६७	१००	सुशोधित प्रति।
११५	८९	पउमचरिय	विमलसूरि	प्रा०	१६वीं श	२५३	प्रथम और अन्त्य पत्र नव्य लिखा है।
११६	१९४३	पद्मानन्दकाव्य	अमरचन्द्रसूरि	सं०	१८वीं श.	७	अष्टमसर्गमात्र
११७	४७६	पार्थपराक्रम व्यायोग	प्रल्हादन	"	१७वीं श	६	
११८	२९७३	पार्थपराक्रम व्यायोग	प्रल्हादन	"	"	७	
११९	३३१२	प्रबोधचन्द्रोदयनाटक सटीक त्रिपाठ	मू. कृष्णमिश्र टी रामदास दीक्षित	" " "	१६६०	७०	हरिपुर में लिखित
१२०	१९५२	बाल भारत	अमरचन्द्र	"	१७वीं श	२११	
१२१	१९६६	बालरामायणोद्धार		"	१६वीं श	२	
१२२	२१९२	बिहारीसतयासार सिंगाररसपु जसतक		व्र. हि.	१९३३	५	
१२३	२३४	महानाटक	हनुमत्कवि	सं०	१७२९	७	
१२४	२९४६	महानाटक	हनुमत्कवि	"	१९वीं श	६९	अपूर्ण। पत्र १, २ अप्राप्त।
१२५	३५०२	महानाटक सटीक	हनुमत् टी० मोहनदास मिश्र	"	"	१५९	पत्र २९ वां अप्राप्त
१२६	९८	महाभारत (हरिवंश)	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१९वीं श	४१	कैलाशयात्रा
१२७	१०६	महाभारत अश्वमेधपर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	"	१२८	
१२८	४२६	महाभारत आदिपर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१५०५	३३४	पत्र १ से २६ अप्राप्त नैषधपुर मे लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१२६	१०७	महाभारत आश्रम वासिकपर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१८२६	२५	
१३०	१०२	महाभारत ऐषिक पर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श	१०	
१३१	१०१	महाभारत गदापर्व सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१८००	६६	
१३२	१०६	महाभारत प्रास्थानिक पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श	४	
१३३	१०८	महाभारत मौशल पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	,	१६वीं श	७	
१३४	१८८८	महाभारत विराट् पर्व	शिवदास	ब्र०हि०	१६वीं श	१६	अपूर्ण
१३५	७४१	महाभारत शान्ति पर्व	कृष्णद्वैपायन व्यास	स०	१६वीं श	१३७	अपूर्ण
१३६	१००	महाभारत शान्ति पर्व (राजधर्म आपद्धर्म) सटीक	कृष्णद्वैपायन व्यास	,	१६वीं श	२४०	
१३७	१०५	महाभारत शान्ति पर्व सटीक (मोक्षधर्म)	कृष्णद्वैपायन व्यास		१६वीं श.	४३३	
१३८	६७	महाभारत सटीक (हरिवंश)	कृष्णद्वैपायन व्यास	"	१६वीं श	५३५	
१३९	६६	महाभारत सटीक आनुशासनिक पर्व (दानधर्म)	कृष्णद्वैपायन व्यास टी० नीलकंठ		१६वीं श	३११	
१४०	१८८७ (१४)	महाभारत सटीक त्रिपाठ अश्वमेध पर्व	"	"	१६वीं श.	६५	पत्र १०वां अप्राप्त
१४१	१८८७ (१६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्ति पर्व आपद्धर्म	, ,	"	१६वीं श.	६५	
१४२	१८८७ (२०)	महाभारत सटीक त्रिपाठ आरण्यधर्म (वनपर्व)	,	,	१६वीं श	४८	पत्र १ से १०१ अप्राप्त।
१४३	१८८७ (१०)	महाभारत सटीक त्रिपाठ आश्रमवासिक पर्व	,	,	१८वीं श.	२८	
१४४	१८८७ (३)	महाभारत सटीक त्रिपाठ उद्योगपर्व	" ,	,	१७६०	३०४	पत्र १५१ से २०६ अप्राप्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४५	१६७४	महाभारत उद्योगपर्व अपूर्ण	कृष्णद्वैपायन व्यास	संस्कृत	१७वीं श.	७०से१३३	
१४६	१८८७ (८)	महाभारत सटीक त्रिपाठ गोपिकपर्व	मू कृष्णद्वैपायन टी० नीलकठ	,,	१७६०	८	
१४७	१८८७ (५)	महाभारत सटीक त्रिपाठ कर्णपर्व	मू कृष्णद्वैपायन टी० नीलकठ	,,	१७८६	१२६	
१४८	१८८७ (७)	महाभारत सटीक त्रिपाठ गदापर्व	मू कृष्णद्वैपायन टी० नीलकठ	,,	१७६१	५४	
१४६	१८८७ (४)	महाभारत सटीक द्रोणपर्व	,,	,,	१७६१	२७५	
१५०	१८८७ (६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ मौशलपर्व	,,	,,	१८वीं श.	११	
१५१	१८८७ (७)	महाभारत सटीक त्रिपाठ विराट्पर्व	,,	,,	१८वीं श.	७६	
१५२	१८८७ (१२)	महाभारत सटीक त्रिपाठ विशोकपर्व	,,	,,	१६वीं श	५०	
१५३	१८८७ (६)	महाभारत सटीक शल्यपर्व	,,	,,	१७६०	४५	
१५४	१८८७ (१६)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व-दानधर्म	,,	,,	१६वीं श	१००	अपूर्ण
१५५	१८८७ (१७)	महाभारत सटीक शान्तिपर्व-मोक्षधर्म पूर्वार्द्ध	,,	,,	१६वीं श.	३००	
१५६	१८८७ (१८)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व मोक्षधर्म उत्तरार्द्ध	,,	,,	१६वीं श	३०१से ५७३	
१५७	१८८७ (१५)	महाभारत सटीक त्रिपाठ शान्तिपर्व राजधर्म	,,	,,	१६वीं श.	२१०	पत्र १७६वा अप्राप्त
१५८	१८८७ (१)	महाभारत सटीक त्रिपाठ सभापर्व	,,	,,	१८वीं श	१२४	अन्त्य १२५ वा पत्र अप्राप्त।
१५६	१८८७ (१३)	महाभारत सटीक सौप्तिकपर्व	,,	,,	१८०८	२०	
१६०	१८८७ (११)	महाभारत सटीक स्त्रीपर्व	,,	,,	१८वीं श	२०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२०५	१५४४	रघुवंशमहाकाव्य लघु टीका	जनार्दन	सं०	१६वीं श	२२०	
२०६	२६६	रघुवंशमहाकाव्य टिप्पणी सहित	मू कालीदास	मू सं टी रा गु.	१७वीं श.	७२	
२०७	१६६५	रघुवंशमहाकाव्य साव चूरि प्रथम सर्ग	मू कालीदास अ सुमतिविजय	सं०	१६वीं श	१७	
२०८	३३५७	रघुवशमहाका य सावचूरि	मू कालीदास	"	१६६०	१०६	
२०६	४७१	रघुवंशसर्ग परिचय		"	१७वीं श	२	
२१०	२२६८	रसिकमनमोदिका	सुखदान	ब्र हि	"	३५	
२११	२४६३	राक्षसकाव्य	कालीदास	सं०	"	४	
२१२	१६६७	राक्षसकाव्य सटिप्पण	मू कालीदास	"	१८७५	८	
२१३	३०२८	राधिकानखसिख वर्णन	केशवदास	ब्र हि.	१८वीं श	१२	
२१४	३६८६	रामआज्ञा	तुलसीदास	"	१६वीं श	१८	
२१५	१८४७	रामआज्ञाशुगुणप्रब घ	तुलसीदास	,	१८४०	१६	
२१६	५०६	रामकृष्णकाव्य	पण्डित सूर्य	सं०	१६वीं श	३	
२१७	८६१	रामचरितमानस	तुलसीदास	ब्र हि	"	७३	
२१८	१८६५	रामचरितमानस	तुलसीदास	,	१८४७	१७२	कवित्तबध
२१६	१२३६	रामचरितमानस लंकाकाड	तुलसीदास	"	१८८५	५३	पत्र ३ ४ तथा २३ वा अप्राप्त ।
२२०	३०५५	रामायण बालकाड प्रथमसर्ग	वाल्मीकि	स०	१६वीं श	६	
२२१	३१४७	रामायणबालकाड प्रथमसर्ग	वाल्मीकि	"	,	१०	
२२२	८६८	लखपति (कच्छनरेश) मजरी नाममाला	कु अर कुशल	ब्र	"	१२	सं० १७६४ में रचित कच्छनरेशवंश वर्णन
२२३	११२१	लखपतिमंजरी नाममाला	कु अर कुशल	ब्रज	१८२३	१३	भुजनगर में लिखित । भुजनरेश के वंश वर्णनमयकृति है।
२२४	१८६३	लगनप चीसी	जगदीश भट्ट	ब्र हि	१८५६	१८	गुटका सवाई जय नगर में लिखित । सवाइ प्रतापसिंहजी की आज्ञा से रचना
२२५	५१०	लटकमेलकप्रहसन	शखधर	स०	१६वीं श	१६	प्रथम पत्र नहीं है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२६	१६५०	लटकमेलकप्रहसन	शखधर	संस्कृत	१७वीं श	१२	
२२७	१७७७	वाग्भूषणशतक	रामचन्द्र टी० स्वोपज्ञ	"	१६११	१३	
२२८	२६२	वासुदेवस्तुतिश्लोक पचार्थी टीका सहित		"	२०वीं श.	३	वासना वासुदेवस्य वासित भुवनत्रयम्। सर्वभूतनिवासीनां वासुदेव नमोऽस्तुते इस श्लोक के पाच अर्थ हैं।
२२९	१५३०	वासुपूज्यचरित्र-महाकाव्य		"	१५२०	२०१	
२३०	११६४	विदग्धमुखमण्डन	धर्मदास	"	१८६०	१६	
२३१	१६२३	विदग्धमुखमण्डन	"	"	१७वीं श	१३	
२३२	१६३५	विदग्धमुखमण्डन	"	"	१४६३	८	
२३३	४६७	विदग्धमुखमण्डनटीका	शिवचन्द्र	"	१८वीं श	५४	
२३४	११४६	विदग्धमुखमण्डन सटीक	मू० धर्मदास टी०विनयसागर	"	१९वीं श	१०५	सं० १६६९ में तेजपुर में टीका रचना।
२३५	४८०	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि त्रिपाठ	मू० धर्मदास	"	१६७६	२१	शक्तिपुर में लिखित।
२३६	१७०१	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि पचपाठ	" अ० सहदेव	"	१७वीं श	१७	
२३७	३१०१	विदग्धमुखमण्डन सावचूरि पचपाठ	मू० धर्मदास	"	" "	६	
२३८	१६३१	विदग्धमुखमण्डन सावचूर्णि	"	"	१५वीं श.	१५	
२३९	४७१	विद्वज्जनाभिरामकाव्य सटीक	मू०कालीदास	"	१६वीं श	७	
२४०	२३६७ (७)	विरहमजरी	नन्ददास	"	" "	१४२से १५०	
२४१	१८८६ (१)	विरहसलिता	सवाई-प्रतापसिंहजी	"	" "	१से२	रचना स० १८५०।
२४२	१६५६	विष्णुभक्तिकल्पलता प्रबन्ध	पुरुषोत्तम	"	१७६६	४८	
२४३	१६६०	विष्णुभक्तिकल्पलता प्रबन्ध टीका	महीधर	"	१७६६	६७	स० १६५७ में गिरीशपुरी में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२४४	९२६५	विसरमंजन	सिवदान	राज०	२०वीं श	२	
२४५	६३	शतार्थकाव्य सटीक	सोमप्रभ टी स्वोपज्ञ	सं०	१६६३	२६	एकवृत्त के सौ अर्थ हैं।
२४६	५०२	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	"	"	६३	१० म सर्ग पर्यन्त। भुजमहादुर्ग में राज्ञा न दलिखित।
२४७	१५२८	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	'	१५१४	११६	श्रीमदणहल्लपुर-पत्तने ढढेरवाटके श्री नयप्रभ सूरिणा स्वहस्तेन मुनि पूर्ण कलशपठनार्थं लिखित।
२४८	२१७९	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८वीं श	५९	
२४९	३०७५	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८८६	११४	
२५०	३३५९	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१६वीं श	६५	१६था सर्ग पर्यन्त।
२५१	५११	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८०४	२६७	
२५२	५१५	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८६६	१०९	११ वें सर्ग पयन्त। राधणपुरनगर में लिखित।
२५३	१७०४	शिशुपालवध टीका	दिनकर मिश्र	"	१८वीं श	६०	१० वां सर्ग पर्यन्त।
२५४	३६३४	शिशुपालवध टीका	श्री वल्लभ		१८३८	२३४	विजयसिंह शासित धाता में अमृतसागर द्वारा लिखित।
२५५	२६८०	शिशुपालवध सटिप्पण	मू माघकवि	'	१७०४	६७	
२५६	९६८१	शिशुपालवध सटीक त्रिपाठ	मू माघकवि टी वल्लभ	"	१७०१	१६२	विक्रमपुर में लिखित १५ वें सर्ग के ९ वें श्लोक पर्यन्त टीका लिखित है। यहीं पत्र ११४वें के प्रांत में लेखक ने इस प्रकार पुष्पिका लिखी है 'सं १६६४ जेठ वदि १४ दिने बीकानेर मध्ये।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५७	४७५	शीलदूत	चारित्रसुन्दर	संस्कृत	१६वीं श	६	मेघदूत चतुर्थपाद समस्या पूर्तिबद्ध
२५८	५०	शृ गारतिलक	कालीदास	,,	१७वीं श	३	
२५९	११३३	सतसया	विहारीदास	ब्र०हि०	१८वी श	२७	
२६०	११३५	सतसया	,,	,,	१७१५	११०	संवत् १७०२ मे आगरा मे रचना। सुभटपुर मे लिखित
२६१	१८५६	सतसया	,,	,,	१८५७	७६	
२६२	१८६८ (१)	सतसया	,,	,,	१७६१	१–३६	गुटका। (पर्वतशर मे लिखित)
२६३	१६००	सतसया (ड)	,,	,,	१८२४	८६	शाकम्भरी मे लिखित।
२६४	१६०२ (२)	सतसया (ड)	,,	,,	१६वीं श.	१–५३	
२६५	२०७६	सतसया	,,	,,	१८वीं श	२०	
२६६	२१८८	सतसया	,,	,,	१८७७	३६	कृष्णगढ मे सगनी-राम कवि ने लिखी।
२६७	२२१४	सतसया	,,	,,	१८वीं श	१३	रचना स० १७१६।
२६८	२२७३	सतसया	,,	,,	१८७०	३४	मेडता मे लिखित।
२६९	२२८५	सतसया	,,	,,	१८३८	३०	
२७०	२३६३	सतसया	,,	,,	१८१५	५५	प्रथम पत्र अप्राप्त गुटका।
२७१	२८३२ (२)	सतसया	,,	,,	१७७४	२२से८०	गुटका
२७२	३३८७	सतसया अर्थ सहित	,,	,,	१८८७	७६	उदयपुर मे लिखित
२७३	८४६	सतसया टिप्पणीसहित	,,	,,	१८५६	४६	
२७४	८४८	सतसया पद्यटीका सहित	मू० विहारीदास टी० कृष्णकवि	,,	१८५८	१५०	मधुपुरीगाव में टीका रचना
२७५	२३६६	सतसया सटीक	विहारीदास टी० कृष्णकवि	,,	१८२३	१६२	गुटका, स० १७८२ मे मधुपुरी गाव मे टीका रचना।
२७६	२८८१	सतसया सटीक त्रिपाठ	विहारीदास टी० हरिचरन-दास	,,	१८३५	१३४	स० १८३४ मे टीका की रचना। रूपनगर मे लिखित, प्रथम पत्र अप्राप्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२४४	१२६५	विसर्मनन	सिवदान	राज०	२०वीं श	७	
२४५	६३	शतार्थकाव्य सटीक	सोमप्रभ टी स्वोपज्ञ	सं०	१६६३	३६	प्रकृत के भी अर्थ हैं।
२४६	५०२	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	"	"	६३	१० मे सर्ग पर्यन्त। मुनमहादुर्ग मे राक्षानन्दलिखित।
२४७	१५२८	शिशुपालवधकाव्य	माघकवि	"	१५१५	११६	श्रीमदणहल्लपुर-पत्तन दसैरवास्य श्री नयप्रभ सूरिणा स्वहस्तेन मुनि पुण्य रत्नरासन्नार्थे लिखिता
२४८	२६७६	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८वीं श	५६	
२४९	३०७५	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१८८६	११४	
२५०	३३५६	शिशुपालवध काव्य	माघकवि	"	१६वीं श	६५	१६वा सर्ग पर्यन्त।
२५१	५११	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८ ८	६७	
२५२	५१५	शिशुपालवध टीका	वल्लभ	"	१८६६	१०६	११ वें सर्ग पर्यन्त। राधणपुरनगर मे लिखित।
२५३	१७०४	शिशुपालवध टीका	दिनकर मिश्र	"	१८वीं श	६०	१० वा सर्ग पर्यन्त।
२५४	३६२४	शिशुपालवध टीका	श्री वल्लभ		१८३८	२३४	विनयसिंह शासित याता मे अमृतसागर द्वारा लिखित।
२५५	२६८०	शिशुपालवध सटिप्पण	मू माघकवि	"	१७०४	६७	
२५६	२६८१	शिशुपालवध सटीक त्रिपाठ	मू माघकवि टी वल्लभ	"	१७०१	१६२	विक्रमपुर में लिखित १५ वें सर्ग के ६ वे श्लोक पर्यन्त टीका लिखित है। यही पत्र ११४वें के प्रांत में लेखक ने इस प्रकार पुष्पिका लिखी है 'सं १६६४ जेठ वदि १४ दिने बीकानेर मध्ये।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२५७	४७४	शीलदूत	चारित्रसुन्दर	संस्कृत	१६वीं श	६	मेघदूत चतुर्थपाद समस्या पूर्तिबद्ध
२५८	५०	शृंगारतिलक	कालीदास	,,	१७वीं श	३	
२५९	११३३	सतसया	विहारीदास	ब्र०हि०	१८वीं श	२७	
२६०	११३५	सतसया	,,	,,	१७१५	११०	संवत् १७०२ मे आगरा में रचना। सुभटपुर मे लिखित
२६१	१८५६	सतसया	,,	,,	१८५७	७६	
२६२	१८६८ (१)	सतसया	,,	,,	१७६१	१–३६	गुटका। (पर्वतशार मे लिखित)
२६३	१६००	सतसया (ड)	,,	,,	१८२४	८६	शाकम्भरी में लिखित।
२६४	१६०२ (२)	सतसया (ड)	,,	,,	१६वी श.	१–५३	
२६५	२०७६	सतसया	,,	,,	१८वीं श	२०	
२६६	२१८८	सतसया	,,	,,	१८७७	३६	कृष्णगढ मे मगनीराम कवि ने लिखी।
२६७	२२१४	सतसया	,,	,,	१८वीं श	१३	रचना सं० १७१६।
२६८	२२७३	सतसया	,,	,,	१८७०	३४	मेडता मे लिखित।
२६९	२२८५	सतसया	,,	,,	१८३८	३०	
२७०	२३६३	सतसया	,,	,,	१८१५	५५	प्रथम पत्र अप्राप्त गुटका।
२७१	२८३२ (२)	सतसया	,,	,,	१७७४	२२सेद०	गुटका
२७२	३३८७	सतसया अर्थ सहित	,,	,,	१७८७	७६	उदयपुर मे लिखित
२७३	८४६	सतसया टिप्पणीसहित	,,	,,	१८५६	४६	
२७४	८४८	सतसया पद्यटीका सहित	मू० विहारीदास टी० कृष्णकवि	,,	१८५८	१५०	मधुपुरीगांव में टीका रचना
२७५	२३६६	सतसया सटीक	विहारीदास टी० कृष्णकवि	,,	१८२३	१६२	गुटका, सं० १७८२ मे मधुपुरी गांव मे टीका रचना।
२७६	२२८१	सतसया सटीक त्रिपाठ	विहारीदास टी०हरिचरन-दास	,,	१८३५	१३४	सं० १८३४ में टीका की रचना। रूपनगर मे लिखित, प्रथम पत्र अप्राप्त।

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७७	८२६	सतसया सस्कृत टिप्पण सहित	बिहारीदास टी०ना हाऽयास	ब्र०हि० टी०सं०	१८०५	७६	शुतबोध नामक टिप्पण।
२७८	२०६८	सतसया सार्थ पंचपाठ	बिहारीदास	ब्र०हि०	१७६३	४८	सं० १७४२ में बुरहानपुर में रचित पत्तन में लिखित।
२७९	८७६	सतसया टिप्पण अलंकरचन्द्रिका नाम	मू०बिहारी	,,	१८वीं श	६	आदि के तरह प्रकाश नहीं हैं, १४ १५, १६ प्रकाशमात्र।
२८०	२३०२	सतसया टीका	गिरधर	,,	२०वीं श.	८	अपूर्ण
२८१	२२३७	सतसया सूची	मगनीराम	,,	१९२१	६	दूहका नाम और वर्णकथन युक्त।
२८२	२९८९	स्वप्न वासवदत्ता टीका	नारायण	सं०	१७३०	३९	भुजनगर में लिखित।

(१७) रसालंकारादिशास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१४६	वृत्तिवार्तिक	अप्पय्यदीक्षित	संस्कृत	१६१०	१८	
२	७२६६	अमरचन्द्रिका	सूरतमिश्र	ब्र०हि०	१८२०	८७	बिहारीदासकृत-सतसया की टीका है।जोधपुरनरेश श्री अभयसिंहजी के अमात्य अमरसिंहजी की प्रार्थना से रचित।
३	२३३८	अलंकारभेद कवित्त	खुसराम	,,	२०वीं श	८	अपूर्ण।
४	५७२३	अलंकारशास्त्र		प्राकृत	१५वीं श	४२	अपूर्ण।
५	२३६७ (२)	अष्टजाम	देवदत्त	ब्र०हि०	१६वीं श	७२से६०	
६	२४६१	उज्ज्वलनीलमणि		संस्कृत	१६५०	५०	
७	३७	कविकर्पटीक	शंखधर	,,	१६वीं श.	१०	(छन्दोऽनुवर्ती)
८	१	कविकल्पलता	देवेश्वर	,,	१७वीं श	६७	पत्र १ से ५ व २६ वा नहीं है।
६	३२८६	कविकल्पलता	देवेश्वर	,,	१८८३	३२	माडवी विंदर मे लिखित।
१०	११६६	कविकुलकंठाभरण सटीक	मू दूलाराय	ब्र टी हि	१६वीं श	२८	
११	८६०	कविप्रिया	केशवदास	ब्र०हि०	१८३१	१२७	भुजनगर मे लिखित।
१२	६६६४	कविप्रिया सटिप्पण	केशवदास	ब्र०हि०	१७५७	२८	स्तम्भ तीर्थ मे लिखित, प्रारम्भ मे इन्द्रजीत नृपति का विस्तृत वंशवर्णन है। सं० १६५८ में रचित।
१३	१७२१	कविरहस्य (अपशब्द भाषाख्य काव्य) टीका सावचूरि	हलायुध टी रविधर्म	संस्कृत	१६वीं श	११	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१४	१५४२	कविरहस्य (अपशब्द भापाख्य) टीका सावचूरि	मू हलायुध टी रविधर्म	सं०	१६६३	११	
१५	४२३४	कविवल्लभ	हरिचरनदास	व्र०हि०	१८८४	७३	स० १८३६ में रचित
१६	२२६७	कविवल्लभ	हरिचरनदास	"	१८८६	१७७	स० १८३६ में रचित कृष्णगढ़ में लिखित।
१७	४८२	कवि शिक्षा	अमरचन्द्र	सं०	१७वीं श	११०	
१८	२४८२	का यकल्पलता	अमरचन्द्र	"	१७६६	१२	
१९	३६३६	काव्यकल्पलतावृत्ति	अमरचन्द्र	"	१६वीं श	४४	दुधिचन्द्रपुरमे लिखित।
२०	१८४१	काव्यप्रकाश सटीक	मू मम्मट	"	"	१५	अपूर्ण।
२१	१६७५	काव्यप्रकाशसंकेत	मम्मट	"	"	८६	
२२	११२६	काव्यसिद्धात	सूरतमिश्र	व्र०हि०	"	६	
२३	२२६३	काव्यसिद्धात	सूरतमिश्र	"	१६२५	१६	कृष्णगढ़ में लिखित सं १७६८ में रचित।
२४	११२८	काव्यसिद्धात सार्थ	सूरतमिश्र	"	१८०२	१३	सं १७६८ में रचित। महाराजकुमार लख पतनी (कच्छ राव पुत्र) के पठनार्थ लिखित।
२५	५१३	काव्यालंकार (शृ गारा लंकार)	बलदेव	सं०	१८वीं श.	४	
२६	२८	कुवलयानन्द	अप्पय्यदीक्षित	"	१७वीं श	७१	
२७	३४२२	कुवलयानन्दटीका (अलंकारचन्द्रिका)	वैद्यनाथ		१८वीं श	८१	
२८	२१८७	खुसरविलास	खुसराम (मगनीराम)	व्र०हि०	१६०८	६५	सं १६०४ में रचित सार्द्धशतक पत्र ग्रंथ कार के पुत्र बलदेव द्वारा लिखित अन्तिम भाग ग्रंथकार द्वारा लिखत स्वकीय पुत्र बलदेव के निमित्त रचित। ग्रंथ के भाव में मेड़ता के राज वंश का वर्णन है।
२९	२१८९	खुसविलास	खुसराम (मगनीराम)	"	२०वीं श	८७	अपूर्ण।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३०	२२५६	खुसविलास	खुसराम मगनीराम	ब्र०हि०	१६०८	७१	रचनास०१६०४,ग्रन्थकार ने अपने पुत्र वलदेव के लिए यह प्रति कृष्णगढ़ मे लिखी।
३१	२८३	चन्द्रालोक	जयदेव	सस्कृत	१६वीं श	२६	
३२	२४७६	चन्द्रालोक		”	१६२४	१३	कृष्णगढ में लिखित
३३	७४७५	चन्द्रालोकटीका	महादेव	”	१७४८	१२	
३४	१६६६	चन्द्रालोकसटीक त्रिपाठ	मू० जयदेव टी०भट्टाचार्य	”	१६०१	४५	
३५	२२६१	जलवयशाह्नशाहृइस्क	जयकवि	ब्र०हि०	२०वीं श	१६	अपूर्ण
३६	२२८६	जलवयशाह्नशाहृइस्क प्रकाशिकाटीकायुक्त	जयकवि टी०स्वोपज्ञ	”	१६४५	२१	स० १६४५ मे कृष्णगढ़(हरिदुर्ग)मे रचित, स्वय कर्ता द्वारा लिखित।
३७	१८०७	दृष्टिनिरूपण	भगवद्दास	”	१६वीं श	११	ग्रन्थकारकृत शृ गारसिधु का ६ वां कल्लोल।
३८	२३४३	नायकभेदवर्णन-प्रश्नोत्तर		”	२०वीं श	६	
३६	२३३७	परतापपचीसी	शिवचद	”	१६१६	५	अजमेर में लिखित।
४०	२५५५	पिंगलशास्त्र	हरिराम	”	१६२८	१६	छदरतनावली, स० १७६५में रचित।
४१	३२६६	भावशतक	नागराज	सं०	१८३७	२२	
४२	२२३८	भाषादीपक	हरिचरनदास	ब्र०हि०	१८८६	१८	कृष्णगढ में लिखित, स० १८४४ मे रचित।
४३	८५६	भाषाभूषन	जसवतसिंह	”	१८५६	१८	भाग मे लिखित।
४४	६३० (२)	भाषाभूषन	”	”	१६वीं श	६-१०	
४५	२१५५	भाषाभूषन	भूषण	”	” ”	२३	
४६	१८४८	भाषाभूषन		”	१८०६	११	
४७	२२६४	भाषाभूषन	हरिचरनदास	”	१६०५	१५	कृष्णगढ़ में लिखित।
४८	२६८३	रघुवंशादि महाकाव्य-दुर्घटानि	राजकुण्डकवि	स०	१८वीं श.	३३	
४६	१५४०	रसतरगिणी	भानुदत्तमिश्र	”	१७वीं श	२३	

क्रमांक	ग्रंथांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५०	२४६४	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	सं०	१८८६	४७	कृष्णगढ़ में लिखित।
५१	३४१४	रसतरंगिणी	भानुदत्तमिश्र	"	१७१४	१४	डीडवाणपुर में लिखित। द्वितीय पत्र अप्राप्त।
५२	२०५	रसतरंगिणी सटीक त्रिपाठ	भानुदत्तमिश्र	"	१९वीं श	१२६	रचना सं० १८४१।
५३	२२४१	रसनिबंध	खुसराम	व्र हि०	१९१४	१२	सं १९१४ में अजमेर में रचित और ग्रंथकर्त्ता द्वारा लिखित कर्ता ने अन्त में अपना दो नामों का इस तरह पृथक् करण किया है 'यात नात व्यवहार में मगनीराम कहात। कविता छंद प्रबंध में कविखुसराम विख्यात'
५४	२२५१	रसनिबंध	खुसराम	व्र हि	१९१४	१८	सं १९१४ में अजमेर में रचित और कर्ता द्वारा लिखित प्रथमादर्श कर्ता कवि वृन्दनी के वंशज हैं।
५५	२२८६	रसनिबंध	खुसराम	"	१९१४	१२	सं० १९१४ में रचित ग्रंथकार के हस्ताक्षर कृष्णगढ़ में लिखित।
५६	२२५०	रसप्रबोध	दौलतकवि	"	१८४६	३०	सं० १८४६ में रचित प्रथमादर्श है। ग्रंथकार प्रसिद्ध कवि वृन्दनी के वंशज हैं।
५७	२३६९	रसप्रबोध	दौलतकवि	"	१८४६	३०	सं १८४६ में कृष्णदुर्ग में रचित प्रथमादर्श।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५८	२३६७ (८)	रसमजरी	भानुदत्तमिश्र	संस्कृत	१९वीं श.	१५०से १६८	
५९	२४	रसमजरी	,,	,,	१९वीं श	१८	
६०	३९३	रसमजरी	,,	,,	१८२५	१८	
६१	५०२	रसमजरी	,,	,,	१८२९	२३	भुजनगर में लिखित।
६२	१७१८	रसमजरी	,,	,,	१९वीं श	१६	
६३	१९४७	रसमजरी	,,	,,	१६२०	९	
६४	२४७१	रसमंजरी	,,	,,	१८५९	१८	कृष्णदुर्ग में लिखित।
६५	२९९५	रसमजरी	,,	,,	१७वीं श	१८	जोधपुर मे लिखित।
६६	३०६७	रसमंजरी	,,	,,	१८२७	३२	
६७	३६३८	रसमजरी	,,	,,	१७३५	१६	
६८	१५	रसमजरी	,,	,,	१९वीं श	७	
६९	११४०	रसमजरी	कुलपतिमिश्र	ब्र०हि०	१७७६	८९	सं १७२७ मे रचना राजगढ़ में लिखित।
७०	११७० (३)	रसरहस्य	,,	ब्र०	१८वीं श	७०	
७१	२२८८	रसरहस्य	,,	ब्र०हि०	१८०२	५५	सं. १७२७ में आगरा मे रामसिंघजी की आज्ञा से रचित।
७२	२२३५	रसराज	मगनीराम	,,	१९०३	३८	कृष्णगढ़ मे लिखित।
७३	२२४८	रसराज	,,	,,	१८८६	५३	कृष्णगढ़ मे लिखित, कर्त्ता ने अपने दो नाम इस दोहा से बताए हैं। 'बोलन में मो नाम है मगनी-राम सुहात। कवित छद के बध मे कवि खुसराम विख्यात'।
७४	२८७८	रसराजसटीक	मगनीराम	,,	१९११	३०५	स १८२२ में रचित।
७५	२३४७ (२)	रसवर्णनकवित्त फुटकर		,,	२०वीं श	४-७	
७६	८९८	रसविलास	गोपाल लाहोरी	,,	१८५७	२५	स. १६४४ मे मिर-जाखान के विनोदार्थ रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७७	११२४	रसविलास	कृष्ण	ब्र०हिं०	१७८८	१६२	बिहारीकृत सतसया की टीका सं १७८८ में रचित। कच्छ नरेश देशलजी के कुमार लखपति के विनोदार्थ रचित तथा उनके लिये लिखित प्रति।
७८	८५५	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८५६	५४	गुजनगर में लिखित।
७९	९०६	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८१५	५९	
८०	१६७८	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७३३	७९	गुटका। माहूनिहा नाथाद में लिखित।
८१	१८६८ (२)	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७६१	१–६८	गुटका। पर्वतसर में लिखित।
८२	२०६९	रसिकप्रिया	केशवदास	,	१८वीं श	१९	
८३	२०७७	रसिकप्रिया	केशवदास	"	"	३१	
८४	२२८७	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१९०५	६२	कृष्णगढ़ में लिखित।
८५	२३६५	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८५३	१३२	
८६	३०३३	रसिकप्रिया	केशवदास	,	१७७२	२५	अभितसिंहजी शासित योधपुर में लिखित।
८७	३ ३४	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८वीं श.	६३	
८८	३३११	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१८०१	६०	
८९	३५६० (२)	रसिकप्रिया	केशवदास	"	१७९५	३२–११०	
९०	३८५९	रसिकप्रिया	केशवदास	,	१८वीं श	८२	
९१	२२८३	रसिकप्रिया सटीक	मू. केशवदास टी हरिचरनदास	,	१८७६	१०४	साहिपुरनगर में लिखित।
९२	३०२१	रसिकप्रिया सस्तबक	केशवदास	ब्र हिं स्त रा०गु०	१७६२	१४२	
९३	३०९२	रसिकप्रिया सस्तबक	केशवदास	"	१७३४	४२	स्तबक रचना सं १७२४ जोधाणा में।
९४	३९१३	रसिकप्रिया सस्तबक	मू. केशवदास	"	१८७७	६९	वर्णीपुर में लिखित
९५	१८७६ (२)	रसिकप्रिया सार्थ	मू. केशवदास	ब्र हिं० व रा०	१७४१	९६	गुटका।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
९६	८८३	रसिकप्रियागत–केचिदलकारा		ब्र	१९वीं श.	७	
९७	२३२३	रितुसुखसार	दौलतकवि	ब्र हि.	१८६३	७	स० १७८५ मे सुरगढ में रचित, कृष्णगढमें लिखित।
९८	२९६८	रुद्रटालकार	रुद्रट	स०	१५२८	२३	जीर्णप्रति।
९९	२९६९	रुद्रटालकार टिप्पण	ननिसाधु	”	१५२८	५५	जीर्णप्रति।
१००	२३६७ (६)	रूपमजरी	नन्ददास	ब्र हि	१९वीं श	११६–४२	
१०१	२४६८ (७)	वाग्भटालकार	वाग्भट	स०	१५वीं श	७–१८	
१०२	२४७९	वाग्भटालकार	वाग्भट	”	१६९४	११	
१०३	४८५	वाग्भटालकार सटीक	मू व्राग्भट टी० सिहदेव	”	१७वीं श.	७५	
१०४	४९१	वाग्भटालकार सटीक	मू. वाग्भट टी० सिंहदेव	”	”	३०	
१०५	३४१०	वाग्भटालकार सटीक	मू वाग्भट	”	१७७७	२२	
१०६	१७०८	वाग्भटालकार	”	”	१९१०	२७	
१०७	२९९३	वाग्भटालकार सविवरण	”	”	१७वीं श	१५	
१०८	४६१	वाग्भटालकार सावचूरि पचपाठ	”	”	१५वीं श	६	
१०९	१९६८	वाग्भटालकार सावचूरि पचपाठ	”	”	१५७८	९	
११०	३३६३	वाग्भटालकार सावचूरि	”	”	१५३३	११	
१११	२९९४	वाग्भटालकार सावचूरि पचपाठ	”	”	१४७६	८	
११२	३४०९	वाग्भटालकारावचूरि		”	१७८३	२७	
११३	२३२०	शब्दवृत्ति (पद्य)		ब्र. हि.	२०वीं श.	७५	अपूर्ण।
११४	८६१	शिखनख (पद्य)	राम	”	१९वीं श	३	
११५	८५७	शिखनख वर्णन	बलिभद्र	”	१८५०	८	भुज में लिखित।
११६	२३६७	शिखनखवर्णन	”	”	१९वीं श	५५–७१	
११७	११६८	शिखनख सटीक	मू बलिभद्र टी मनीराम	”	”	१६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
११८	११३८	सिखनखवर्णन सार्थ	मू० केशवदास	ब्र०हि०	१९वीं श.	१६	
११९	५१२	शृङ्गारतिलक	रुद्रट	संस्कृत	१८वीं श.	१५	
१२०	२९९६	शृङ्गारतिलक	रुद्रटभट्ट	,,	१८वीं श	१०	
१२१	२२८४	शृङ्गारविलासिनी	देवदत्त	,,	१८४८	७	रचना सं १७५७। सं १८०५ में रूप नगर में रचित।
१२२	२२९४	साहित्यसार	भजनाथ	ब्र०हि०	१८३९	३३	
१२३	८४१	सुन्दरसिंगार	सुन्दरदास	,,	१९८७	३२	प्रथम पत्र अप्राप्त।
१२४	१८८४ (१)	सुन्दरसिंगार	,,		१७९१	१-५०	गुटका। प्रथम पत्र अप्राप्त। सवाई जयपुर में लिखित।
१२५	१९०३	सुन्दरसिंगार	,,	,	१८५२	५९	गुटका।
१२६	२०७३	सुन्दरसिंगार		,,	१८७५	३६	
१२७	२२७०	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१८०१	३६	जोंहानाबाद में लिखित। प्रारंभ में शाहजहां का वर्णन है।
१२८	२३६७ (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,	१९वीं श.	५५	गुटका।
१२९	२३७२ (२)	सुन्दरसिंगार	,,	,	१८२८	१३२	
१३०	३३१२	सुन्दरसिंगार	,		१८०१	३०	
१३१	३५३९	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७६२	१८	
१३२	३५७० (१)	सुन्दरसिंगार	,,	,,	१७५९	१-५४	पत्तन नगर में लिखित।
१३३	१८७१	सुन्दरसिंगार आदि	,,	,,	१८७२	७४	गुटका। ७१ वें पत्र में सुन्दरसिंगार समाप्त होता है।

(१८) सुभाषित-प्रकीर्णादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२१७१	अक्षरबत्तीसी दूहा		रा०गू०	१६वीं श	२	
२	३५६७ (३०)	अधूरा पूरा		रा०	"	१५२–१५४	
३	२१४२ (२)	अधूरोपूरैरादूहा (प्रहेलिका)		"	"	५–६	
४	३११७ (३)	अमरमूलग्रन्थ	कबीर	हि०	१८२४	६०–६७	
५	६६४	आलोयणछत्तीसी	समय सुन्दर	रा०गू०	१७वीं श	१	संवत १६६८ में अहम्मदपुरमें रचना।
६	३६५६	इन्द्रियपराजयशतक		प्राकृत	"	७	
७	१०७५ (१)	इन्द्रियपराजयशतक सस्तवक		मू प्रा.स्त. रा०गू०	"	१से८	
८	१०४७ (१)	इन्द्रियपराजयशतक सार्थ		"	१६वीं श.	१से८	
६	११२२ (१६)	इश्कचिमन		रा०	"	१० वां	
१०	२०३६	ईसरशिक्षा	ईसर	रा०गू०	१७वीं श	२	
११	२१६४	उत्पत्तिबहुत्तरी	श्रीसार	"	१८वीं श	१	
१२	२८६३ (१३६)	उपदेशगाथा		प्रा०	१७वीं श	२४४वां	
१३	२३६० (५)	उपदेश चितावनी सवैया	सुन्दरदास	ब्र०हि०	१६वीं श	१६–२८	
१४	११२० (४१)	उपदेश चितावनी सवैया	सुन्दरदास	"	"	४८ वां	
१५	८५८	उपदेशबावनी	किसनदास	"	१८८५	१८	
१६	२२१३ (२)	उपदेशसत्तरी	श्रीसार	रा०	१८२८	२–४	पद्य रचना, कालूग्राम मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५९	१८९६	गंगजी के कवित्त आदि		व्र०हि०	१९वीं श	१५–२२	
६०	३२०२	गाथाकोष (सप्तशती) सटीक	टी दिवाकर दास	मू प्रा टी स	१७वीं श	४०	अहिपुर में लिखित।
६१	६५	गाथासाहस्री		प्रा सं	१९६५	३२	
६२	३५६२ (५)	गुणसागरग्रंथ (पद्य)		रा०	१९६७	२१–३४	नोखनेर में लिखित।
६३	३५७३ (८)	घोड़ावर्णन तथा वर्षा वर्णन दूहा		"	१९वीं श	३०–३१	जीर्ण प्रति
६४	३३६८ (८)	चौरासी सीख, भारमा निक आदि		,	"	५१–५५	
६५	२२६०	छपै	गुणसागर	व्र हि	१९४१	१४	प्रथम पत्र अप्राप्य।
६६	३६७०	छूटक दूहा		रा०	१९वीं श	३	
६७	२०१८	जसराजबावनी	जिनहर्ष	व्र हि	"	६	स १७३८ में रचित।
६८	३१८५	जिनरंगबहुत्तरी	जिनरंग	रा०	१८वीं श	२	
६९	२८३२ (९)	ज्ञानपच्चीसी	बनारसीदास	व्र०	१७७४	१०३–१०५	गुटका।
७०	९३० (१)	ज्ञानपंचाशिका	हंसराज	,	१९वीं श	१–५	
७१	८९५	ज्ञानबावनी	हंसराज	"	१८५८	७	मानकुआ में लिखित।
७२	३११७ (२)	ज्ञानसागरग्रंथ	कबीर	हि०	१८२५	१–६०	
७३	११२२ (१२)	ठाकरपचीसी	ठाकर (?)	रा० गु०	१९वीं श	७ वां	
७४	२२१८ (२)	तरकचि तामणी	सुन्दरदास	व्र०	"	१०–१२	
७५	२२९२	दंपति वाक्यविलास	गुपालकवि	व्र हि	१९३२	५२	वृन्दावन में रचित अन्त्य ५१–५२ पत्रों में ग्रंथ की विस्तृत विषयसूची लिखी है।
७६	३५६५ (१)	दादूदयालजी की वाणी	दादूदयाल	"	१९वीं श.	१–१५२	
७७	१८७२	दादूवाणी		"	"	९६	गुटका।
७८	३५७३ (२२)	दूहा।	केसरसिंह जैतावत	रा०	"	८१ वां	जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७६	२३६२ (११)	दूहा कवित्त		ब्र०हि०	१८वीं श	१	
८०	८८५३	दूहा सग्रह	कबीर	"	१६वीं श	१५	
८१	१८०३ (७)	दृष्टान्तशत	कुसुमदेव	स०	"	६-११	
८२	८७०	धर्मबावनी	धर्मसी	व्रज.	१८१५	७	
८३	८८२	धर्मबावनी	धर्मसी	"	१८८२	४	
८४	३५५० (६)	धर्मबावनी	धर्मसी	रा०	१६वीं श	७५-७६	स १७५० में रचित।
८५	३५५५ (२३)	धर्मसिंघ बावनी	धर्मवर्धन	"	"	१४६-१४६	स १७४३ में रचित।
८६	२५००	धर्मोपदेश प्रास्ताविक श्लोका		स०	"	१४	
८७	२८६३ (५८)	धर्मोपदेशश्लोकाः		"	१६२४	६६-११०	रात्रि भोजन मांस मदिरा द्विदलाहार-त्यागादि के विषय मे शांतिपर्वादि ग्रथो के अवतरण हैं। पत्र १०५ के प्रथम पृष्ठ के अन्त में 'लि हीरकलस मुनि' इस प्रकार पुष्पिका है। स. १०७वें पत्र मे हैं।
८८	२३२४	नायिकाभेद कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श	७	
८९	२३३१	नायिकाभेद कवित्त आदि		"	"	३	
९०	२३३३	नायिकाभेदवर्णन कवित्त	खुसराम	"	"	३	
९१	२३३५	नायिकाभेदवर्णन कवित्त		"	"	२	
९२	२३४५	नायिकाभेदवर्णन कवित्त		"	"	११	अपूर्ण।
९३	२३४६	नायिका वर्णन तथा रसवर्णन कवित्त फुटकर		"	"	७	
९४	२८९३ (११६)	निगुणपच्चीसी		स प्रा रा	१७वीं श	१७२-१७३	
९५	२२७१	नीतिप्रबोध	"	ब्र०हि०	१८७६	१०	स. १८७६ में अजमेर में रचित। स्वयं कवि द्वारा लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
९६	२२७२	नीतिप्रबोध	खुमराम	प्र०हि०	१९२३	८	कृष्णगढ़ में लिखित।
९७	२४९६	नीतिशतक सटीक	मू० भर्तृहरि टी० श्रीनाथ व्यास	संस्कृत	१९वीं श	८१	
९८	३६६३	नीतिशतक सटीक	मू० भर्तृहरि	"	१८५९	१३	
९९	३९७	नीतिशतकादि शतकत्रय	"	"	१८५०	३९	तक्षिकपुर में लिखित।
१००	६९७	नीति शृंगार-वैराग्य-शतकत्रय	"	"	१९वीं श	४२	
१०१	६९८	नीति-शृंगार-वैराग्य शतकत्रय		"	१८२२	५०	रायपुर में लिखित।
१०२	७११	नीतिशृंगार-वैराग्य शतकत्रय	"	"	१७वीं श	१८	चित्रकूट में लिखित।
१०३	२८८९	नीतिशतक-शृंगार शतक-वैराग्यशतक	"	"	१६वीं श.	४८	पत्र १, २, ३, १६ वां अप्राप्य, अपूर्ण।
१०४	३३०१	नीतिशृंगार-वैराग्य शतक	"	"	१८१२	४५	
१०५	३६६२	नीतिशतक-शृंगारशतक-वैराग्यशतक सस्तबक	"	सं०रा०	१८९०	६०	पाटोदाभीमका भाम वीरभगना में लिखित।
१०६	११२२ (६५)	पद्मणीनोछंद	कीको	रा०	१९वीं श	८५ वां	
१०७	११२२ (३४)	पद्मिनी आदि स्त्री वर्णन		प्र रा०	" "	३३-३५	
१०८	३६६८	पुराणाष्ट पदिष्टोपदेश सार सार्थ		सं०प्र० रा०गू०	१८८१	१३	मगोई चिवर में लिखित।
१०९	११२२ (६३)	पुरुषना कुवर्णांणछंद		रा गू०	१९वीं श	८४ वां	
११०	१८३७	पुरुषनी ७२ तथा स्त्रीनी ६४ कला		"	१७वीं श	१	
१११	२३०७ (४)	पुरुषमति स्त्री का लेख दूहा बन्ध		रा०	१८७९	१९-३४	आमेर में लिखित।
११२	३५४७ (१)	पोथी प्रेम दूहा		"	१९वीं श	१ ला	
११३	३५५५ (४)	पोथी रसा प्रेम दूहा		"	१८२६	१५ वां	कंगलिया में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११४	३६७१	प्रज्ञाप्रकाशषट्त्रिंशिका	रूपसिंह	सं०	१९वीं श	५	
११५	२३६८ (१५)	प्रहेलिका		रा०	”	४६–५०	
११६	२८९३ (६७)	प्रहेलिका	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	४ था	
११७	११४४ (४)	प्रहेलिका आदि सुभाषित		रा०	१९वीं श	३२–३५	
११८	७१०	प्रास्ताविक		सं०	१८वीं श.	४२	प्रथम पत्र नहीं है।
११९	११२२ (३०)	प्रास्ताविक		रा०	१९वीं श	२८ वां	
१२०	११२२ (३६)	प्रास्ताविक		सं०	”	३५ वा	
१२१	११२२ (४०)	प्रास्ताविक		ब्र स	”	४४–४८	
१२२	११२२ (५४)	प्रास्ताविक		ब्र. रा.	”	७२–७३	
१२३	१८४४	प्रास्ताविक		”	”	४	
१२४	२०२४	प्रास्ताविक		सं०	१८वीं श	६	
१२५	२३०३	प्रास्ताविक	मगनीराम	ब्र हिं.	२०वीं श	४	
१२६	२८९३ (९८)	प्रास्ताविक		रा०गू०	१७वीं श	१६२ वां	
१२७	२८९३ (१०)	प्रास्ताविक		”	”	१६३ वां	
१२८	२८९३ (११४)	प्रास्ताविक		स.प्रा	”	१६९–१७०	
१२९	२८९३ (१४०)	प्रास्ताविक		स रा	”	२४५–२४७	
१३०	३५६७ (१९)	प्रास्ताविक		रा. सं.	१९वीं श	१३६–१३७	
१३१	३६७३	प्रास्ताविक		रा०	१८वीं श.	६	
१३२	११२२ (३८)	प्रास्ताविक कवित्त		ब्र०	१९वीं श.	३६–४४	
१३३	१८४३	प्रास्ताविक		”	”	४	
१३४	२३०५	प्रास्ताविक कवित्त		”	२०वीं श	१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१३५	२३५३	प्रास्ताविक कवित्त	खुसराम	व्र हि०	२०वीं श	२४से४३	गुटक अपूर्ण।
१३६	२३५१	प्रास्ताविक (स्फुटकवित्त)	"	"	" "	१०	
१३७	२८६३ (६)	प्रास्ताविक कवित्त		रा०गू०	१७वीं श	५वा	
१३८	३ २६	प्रास्ताविक कवित्त		रा०	" "	७	
१३९	२३४४	प्रास्ताविक कवित्त के फुटकर पत्र		व्र हि०	१६ २०वीं शताब्दी	२२	
१४०	२ ४८	प्रास्ताविक कवित्त तथा पुष्करजी को कवित्त	खुसराम		२०वीं श	७	
१४१	११२२ (५७)	प्रास्ताविक कवित्त दूहा गूढा आदि		व्र रा सं	१६वीं श.	६६-७१	
१४२	२ ४६	प्रास्ताविक कवित्त फुटकर		व्र०हि०	२०वीं श	१०	
१४३	२३५२	प्रास्ताविक कवित्त फुटकर पत्र		"	"	५१	
१४४	८७१	प्रास्ताविक कवित्त		व्र०	१६वीं श.	४	
१४५	११०२ (६०)	प्रास्ताविक कवित्त			"	८२वा	
१४६	११३०	प्रास्ताविक कवित्त		व्र०हि	" "	४६	
१४७	११२१ (४७)	प्रास्ताविक कवित्त श्लोक		व्र०सं० प्रा गू०	" "	४६–५३	
१४८	१६६१	प्रास्ताविक काव्य सार्थ आदि		सं०रा०	" "	२	प्रादि अव्ययानि तथा २४ उपसर्ग एव दो कृतिया अधिक हैं।
१४९	५५० (८)	प्रास्ताविक कुण्डलिया बावनी	धर्मवर्धन	रा०	" "	७ –७४	सं १७३४ में रचित।
१५०	६८६३ (८८)	प्रास्ताविक गाथा श्लोक		प्रा सं	१७वीं श	१५६वा	
१५१	१८८२ (१६४)	प्रास्ताविक छप्पय कवित्त (सख्या ३५)	अग्रदास कल्यान तुरसी बिहारीलाल मोहन नंद बलभद्र	व्र हि	१६वीं श	६७ से १०३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१५२	१८४१	प्रास्ताविक दूहरा		व्र०हि०	१६वीं श.	३	
१५३	२८३२ (५)	प्रास्ताविक दूहा		राज०	१७७४	४८–८६	गुटका।
१५४	३५६२ (१७)	प्रास्ताविक दूहा		"	२०वीं श.	१३६–१४५	
१५५	३५७३ (४०)	प्रास्ताविक दूहा		"	१६वीं श	१०१वां	जीर्ण प्रति।
१५६	३५७३ (५०)	प्रास्ताविक दूहा		"	"	१२८वा	"
१५७	३६६१	प्रास्ताविक दूहा सवैया आदि		व्र रा गू	"	३३	
१५८	१८४०	प्रास्ताविक दोहा		व्र०हि०	"	३	
१५६	३५५० (१०)	प्रास्ताविकबावनी		राज	"	७६–८३	स १७५३ में रचित।
१६०	१७४२	प्रास्ताविक श्लोक		सं०	१८८५	२५	भुजनगर में लिखित।
१६१	२८६३ (१३)	प्रास्ताविक श्लोक		"	१६वीं श	१६४वां	
१६२	११२२ (४४)	प्रास्ताविक श्लोक कवित्त आदि		सं. व्र	"	५४–६१	जहांगीरशाह तथा कच्छ नरेसों के कवित्त भी हैं।
१६३	११२२ (५७)	प्रास्ताविक श्लोक कवित्त आदि		"	"	७५–८१	
१६४	२८६३ (१२)	प्रास्ताविक श्लोक सस्तबक		स रा गू	१७वीं श.	६ वां	
१६५	७०६	प्रास्ताविक श्लोकादि सार्थ		प्रा० स० रा०गू०	१७८१	७	गुढ़ा में लिखित।
१६६	७१२	प्रास्ताविक सस्तबक		स रा.गू	१८वीं श	१४	
१६७	११२२ (४)	प्रास्ताविक सुभाषित		सं०रा०	१६वीं श	२रा	
१६८	११२२ (२४)	प्रास्ताविक सुभाषित		व्र रा.	"	१७–२३	
१६६	२३७१ (३)	फुटकर कवित्त		व्र हि.रा.	"	५२	

क्रमांक	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१७०	३५६७ (३१)	फुटकर कवित्त		रा०	१९वीं श.	१५५–१७६	वैद्यक यंत्र मंत्रादि भी लिखा है।
१७१	१८७४	फुटकर कवित्त संग्रह तथा इश्कचमन	गंग आदि अनेक कवि	प्र०हि०	,, ,,	२४०	गुटका।
१७२	३५५७ (४)	फुटकर दूहा		रा	१८वीं श.	७२ वां	
१७३	३५६७ (२)	फुटकर दूहा			१९वीं श.	७२–९६	वैद्यक फुटकर भी लिखा है।
१७४	३५५७ (७)	फुटकर दूहा कवित्त आदि		,,	१७९१	७८–८१	
१७५	२०१९	बाजीत फाग कवित्त भ्रमरगुंथमेहिनाआदि		प्र रा गु	१८४६	९	मजादर में लिखित।
१७६	१८५८	बाराखडी	पारीसदास	प्र०हि०	१९वीं श	४	सं १८९९ में रचित
१७७	३५६७ (९)	बावन अख्यरी	कालूदास बारठ	रा०	, ,,	१०९–११२	
१७८	८५०	बावनी तथा बारहमास	किशनदास तथा सुन्दरदास	प्र हि०	,, ,,	१७	अंत में फुटकर कवित्त हैं।
१७९	३६७५	भर्तृहरीशतकत्रय भाषा पद्य	नैनकवि	,,	,, ,,	६४	नृपति अनूपसिंह के पुत्र आनन्दसिंहजी के आनन्दार्थ रचित।
१८०	१०७८	भववैराग्यशतक सस्तबक		प्रा रा गु.	१७वीं श	८	
१८१	१०८०	भववैराग्यशतक सस्तबक		,	१८वीं श	६	
१८२	१०८४ (२)	भववैराग्यशतक सस्तबक		,,	,, ,,	३८से४४	
१८३	१०५७ (२)	भववैराग्यशतक सस्तबक		,,	१९वीं श	८से१६	
१८४	२३३६	भानरसादिवर्णन कवित्त	खुसराम	प्र०हि०	२०वीं श	२५से७०	अपूर्ण।
१८५	२१४२ (३)	मजलस		हि०	१९वीं श	६–७	
१८६	२३०० (३)	मरद अस्त्रीकूँ लिखे बिहारी पैठ दूहाबंध		रा	१८७९	१४–१८	आमेर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१८७	२३०० (२)	मरदप्रति लुगाइरी पैठ [पत्र लेखन] दूहा वध		रा०	१८७६	४–१४	आमेर में लिखित।
१८८	१८१६	मास तथा कवित्त		ब्र. हि.	२०वीं श.	८	
१८९	२८९३ (४७)	मारूदेश निन्दागीत		रा० गू०	१७वीं श.	८८ वा	
१९०	२३३०	मुखवर्णन कवित्त आदि		ब्र. हि.	१९वीं श	६	
१९१	११५४ (३)	मूर्खबहुत्तरी		रा०	"	३०–३२	
१९२	८६६	मूर्खाधिकार		रा० गू०	"	२	
१९३	२२५३	मेडताका कवित्त		ब्र. हि.	२०वीं श	१	
१९४	६४	योगशास्त्रान्तर्गतश्लोका	हेमचन्द्र	स०	"	३१	
१९५	३५६५ (४)	रजबजीका कवित्त	रजब	ब्र. हि	१९वीं श.	३७०–३७६	
१९६	३५६५ (७)	रजबजीका सवैया	"	"	१८०३	३९८–४०३	
१९७	८७१	राजनीति	जसुराम	ब्र.	१८८१	१६	स १८१४ में रचना, मानकूआ में लिखित।
१९८	११२६ (१)	राजनीति	"	ब्र हि	१८२७	१–१२	स १८१४ में रचित।
१९९	११३९	राजनीति	देवीदास	"	१९वीं श	४६	
२००	२२६२	राजाश्रेष्ठि आदि के कवित्त	खुसराम आदि	"	२०वीं श	७०	
२०१	७०२	लघुचाणक्य तथा वृद्धचाणक्य सार्थ		सं० अ. रा.	१८वीं श	९	
२०२	२३६८ (१८)	लघुचाणक्य राजनीति		सं०	१९वीं श	५५–६०	
२०३	३५५३ (१)	लघुचाणक्य राजनीति		"	"	१३–१५	
२०४	८२२	लघुचाणक्य राजनीति तथा रामरक्षास्तोत्र		"	१८८३	५	मानकुआ में लिखित।
२०५	२३६८ (१)	लघुचाणक्य राजनीति सार्थ		स०रा०	१९वीं श.	२–२६	गुटका।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२०६	२५०६	लुकमान हकीमकी नसियत		हि०	१९२५	५	अजमेर में लिखित।
२०७	२५०७	लुकमान हकीमकी नसियत		"	२०वीं श	४	
२०८	१६८०	वचनामृत	सहजानंदस्वामी	गू०	१९वीं श	१०२	गुटका।
२०९	११२२ (६६)	वणिक छपै		रा०	"	८५ वां	
२१०	२८९३ (४९)	वासप्रास्ताविक	हीरकलश	रा० गू०	१७वीं श	८९ वां	
२११	२८९३ (९९)	विद्वद्गोष्ठी		सं०	"	१६२ वां	
२१२	१७१९	विद्वद्गोष्ठी तथा ज्ञान क्रियासंवाद		"	१९वीं श	३	
२१३	५१८	विदग्धमुखमण्डन टिप्पण सहित	बालकृष्ण	"	१८वीं श	१३	
२१४	२८९३ (११८)	विविधदृष्टान्तगीत		रा० गू०	१७वीं श	१७३ वां	
२१५	२२१८ (३)	विवेकचिन्तामणि	सुन्दरदास	ब्र०	१९वीं श.	१२-१३	
२१६	३४२९	वृद्धचाणक्यराजनीति		सं रा गू०	१७वीं श.	१०	
२१७	२५०५	वृद्धचाणक्यराजनीति सबालावबोध		रा० गू०	१६५९	५	चकलासी ग्राम में लिखित।
२१८	३५६४ (१)	वृद्धचाणक्य राजनीति सस्तबक		सं रा	१८५७	१-४४	बगड़ी में लिखित।
२१९	३५५५ (१०)	वृन्दबहुतरी दूहा	वृन्दकवि	रा०	१९वीं श	१-२	जोधपुर में रचित।
२२	१८८९ (१६)	वैराग्यमंजरी	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	"	८३-९४	रचना सं १८५२। भर्तृहरीय वैराग्य शतक पर भाषाकाव्य।
२२१	२२६१	वैराग्यविनोद	सुखराम	ब्र हि	१९०५	७	सं १९०५ में कृष्ण दुर्ग में रचित। कर्ता के हस्ताक्षर।
२२२	१८०३ (८)	वैराग्य शतक	भर्तृहरि	सं०	१९वीं श	१२-१८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२२३	२४९५	वैराग्यशतक	भर्तृहरि	सं०	१९वीं श.	११	
२२४	१७३६	वैराग्यशतक सटीक	,,	,,	१८९९	२१	
२२५	३१७४	वैराग्यशतक सटीक	टी० घनश्याम मिश्र	,,	१६२२ शाके	४७	सं० १८५० मे नारायणपुर मे टीका रचना, पत्र ४० वां अप्राप्त ।
२२६	३६६५	वैराग्यशतक सटीक		,,	१८५९	१६	
२२७	२१२	वैराग्यशतक सटीक त्रिपाठ		,,	१९वीं श.	४२	
२२८	१०७५ (७)	वैराग्यशतक सस्तबक		मू. प्रा स्त.रा.गू.	१७वीं श.	८से१७	
२२९	१८७६ (३)	वैराग्यशतक सार्थ		मू. स. अ.रा.	१८वीं श	१०८से ११	गुटका
२३०	२४९८	वैराग्यशतक सावचूरि पचपाठ		स०	१८वीं श	११	
२३१	१०८४ (१)	शतकत्रय सस्तबक	मू० भर्तृहरि	,,	१८वीं श.	१से३८	
२३२	३१३४ (२)	शतकत्रय सार्थ	,,	सं.अ. रा. गू.	१९वीं श.	१से४३	
२३३	२३०४	शांतित्रक	खुसराम	अ हिं.	१९१४	४	कृष्णगढ़ में लिखित कर्त्ता के हस्ताक्षर ।
२३४	१८८९ (१५)	शृंगारमंजरी	सवाई प्रतापसिंहजी	हिं०	१९वीं श.	७३से८३	भर्तृहरीय शृंगारशतक पर भाषा काव्य ।
२३५	७०५	शृंगारवैराग्य मुक्तावली	सोमप्रभाचार्य	सं०	१९वीं श	४	
२३६	५९	शृंगारशतक तथा नीतिशतक	भर्तृहरि	,,	१८वीं श	८	अपूर्ण, नीतिशतक ६१ वा पद्य तक ।
२३७	१२५५	शृंगारशतक सटीक	मू० भर्तृहरि	,,	१९वीं श	३२	
२३८	२४९७	शृंगारशतक	मू० भर्तृहरि टी० धनसार	,,	१७३१	११	
२३९	३६६४	शृंगारशतक		,,	१८५९	१५	
२४०	३५६७ (२४)	षट्ऋतुकवैकवित्त		रा०	१९वीं श	१४५-१४६	
२४१	३५६७ (६)	पुष्पदर्शन वर्णनकवित्त		,,	१९वीं श.	१०५-१०६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२४२	१६०२ (१)	सतसया	वृन्दजी कवि	ब्र०हि०	१८४१	१-४१	गुटका।
२४३	०७६	सतसया	"	"	१८१३	२२	
२४४	११ ६	सतसया	"	"	१६११	७५	स १७१८(?)मेंरचना।
२४५	११२२ (५३)	सपाईनी जाति		रा०	१९वीं श	७२ वा	
२४६	२२१७ (४)	सप्तव्यसनदूहाकुंडलिया	भीम	"	८वीं श	९रा	
२४७	८२२	सप्तशती	गोवर्धनाचार्य	सं०	१८७२	८०	गुटका।
२४८	११२७	सभाप्रकाश	हरिचरणदास	ब्र०हि०	१९वीं श	५७	स १८ ४ म रचित।
२४९	२२३३	सभाप्रकाश	"	"	१८८६	७२	कृष्णगढ़ में लिखित, स १८१४ म रचित।
२५०	२३४२	सभाप्रकाश के प्रश्नोत्तर		"	२ वीं श.	२	अपूर्ण।
२५१	८६६	सभासार	रघुराम	"	१६१४	३२	कवि का निवासस्थान सारङ्गपुर (अहमदाबाद) था।
२५२	२३५०	समस्याकवित्त आदि	मगनीराम	"	२०वीं श	४	
२५३	३५६५ (६)	सर्वागयोगप्रदीपिका	सुन्दरदास	"	१९वीं श	३६०-३६८	
२५४	९२ ०	सरासो सील	धर्मसी	रा०गू०	२०वीं श	२	
२५५	८७४	सवैया	सुन्दरदास	ब्र०	१९वीं श	५	
२५६	१८४९	सवैया छन्द स्तोत्र सुभाषित ज्योतिषादि संग्रह		सं०ब्र०रा गू०	१८४७	१६०	गुटका।
२५७	३५५५ (२४)	सवैया दूहा		रा०	१९वीं श	१४९-१५०	
२५८	११९२ (६४)	संखणी स्त्री छंद		रा गू०	१९वीं श	८४-८५	
२५९	३५५५ (८)	संतोपछत्तीसी	समयसुन्दर	"	२ वीं श	८५-८८	लूणकरणसर में स १६८४ में रचित।
२६०	६८६	सवेगरसायनबावनी (ज्ञानचिन्तामणि)	कान्तिविजय	"	१९वीं श	६	
२६१	३११७ (१)	साखिया	कबीर	हि०	१८७४	१-३८	
२६२	५५५ ( )	सातवाररा दूहा		रा०	१९वीं श	१६ वा	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२६३	२०४	साहित्यरत्नावली	उदयराम गौड	स०	१६०६	१०	कर्ता का निवास स्थान ओडग्राम था।
२६४	७०६	सिन्दूर प्रकर	सोमप्रभ	"	१८५२	६	राधणपुर मे लिखित।
२६५	७०८	सिन्दूरप्रकर	"	"	१८वीं श	१३	
२६६	१७४१	सिन्दूरप्रकर सटीक	सोमप्रभ टी हर्षकीर्ति	"	१७६६	२२	
२६७	६०७	सिन्दूरप्रकर सावचूरि पचपाठ	सोमप्रभ	"	१६६५	२२	रामिपुर मे लिखित।
२६८	२५०३	सिन्दूरप्रकरावचूरि		"	१६वीं श	१०	
२६९	३५७५ (३५)	सीमधरजी को जीवाजी की चिट्ठी		रा०	२०वीं श	१६७–१७३	
२७०	३५५५ (१६)	सिरोही मांडेवी वीकानेरी जोधपुरी बोलीयां		"	१६वीं श	१०२ रा	
२७१	२३५६	सिवदास सिरोया आदि के कवित्त फुटकरपत्र		ब्र०हि०	२०वीं श	४७	
२७२	११४४ (२)	सीखबहुत्तरी		रा०	१६वीं श	२८–३०	
२७३	२०७५	सीखामणढाल		"	१७वीं श	३	
२७४	११४२ (१)	सुभाषित		"	१८वीं श	१–१७	
२७५	२५०१	सुभाषित काव्य		स प्र रा	१६वीं श	६	
२७६	२४६३	सुभाषितगाथा सटीक त्रिपाठ		स प्रा	"	५	
२७७	२१५३	सुभाषित दोहा कवित्त		रा०ब्र०	१७वीं श	२०	
२७८	८६६	सुभाषित दोहा कवित्त आदि		ब्र०	१६वीं श	१५	
२७९	२२६४	सुभाषित श्लोका		सं०	"	४	
२८०	२४६६	सुभाषित श्लोका:		"	"	५	
२८१	२५०६	सुभाषित सग्रह		"	१८वीं श.	१४	प्रभासपुराणगत
२८२	२२६६	सुभाषित सारोद्धार		"	१५वीं श	४०	
२८३	२५०८	सुभाषितानि		"	१७वीं श	२३	
२८४	३६६०	सुभाषितानि		स रा	"	३	
२८५	३६७२	सुभाषितानि		"	१८वीं श	४	
२८६	३६७५	सुभाषितानि		स.ब्र	१८७७	५	पीचूद मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२८७	१७४०	सुभाषितावली	सकलकीर्ति	संस्कृत	१७५३	६	
२८८	१७३८	सूक्तमाला	कनकविमल	गू०सं०	१६ ६	१५	
२८९	२५०४	सूक्तमाला		सं०	१८६६	१०	पाटण में लिखित।
२९०	३६६७	सूक्तमाला		गू०	१९१२	१५	
२९१	७०३	सूक्तानि		सं०	१८वीं श	४	
२९२	२५०२	सूक्तानि		सं०प्रा०	१६वीं श	१६	
२९३	७०१	सूक्तावली		सं०	१८वीं श	८	
२९४	७०४	सूक्तावली		"	१८५७	१६	धाग में लिखित।
२९५	१७३६	सूक्तावली		"	१८७२	११	
२९६	२५०७	सूक्तावली		"	२०वीं श	१४	
२९७	३६६६	सूक्तावली		"	१६वीं श	५	
२९८	३६६१	सूक्तावली		"	१८८६	५१	
२९९	२३०० (१)	स्त्रीप्रतिपुरुष लेख दूहाबंध		रा०	१८७९	१–४	आमेर में लिखित।
३००	२०९६	स्त्रीप्रशंसा आदि		रा	१७वीं श	१	
३०१	२८९३ (११५)	स्वजनछत्तीसी		सं प्रा	, "	१७०–१७२	
३०२	२८९३ (४८)	हरियालि	हीरकलश	रा	" "	८८ वा	
३०३	२८९३ (५)	हरियालि	हेमाणंद	,	, ,	८९ वां	
३०४	२८९३ (५१)	हरियालि	पील्हा	"	"	८९ वा	
३०५	१ ४९ (२)	हिंसाष्टक सावचूरि	हरिभद्रसूरि	सं०	१८६६	६१से६३	राधणपुर में लिखित।
३०६	२८९३ (६९)	हीयाली	हीरकलश	रा०	१७वीं श	१३५वा	
३०७	२८९३ (६९)	हीयाली	हेमाणंद	,	, "	१३५वां	वृद्धिपुरी में रचित।
३०८	२८९३ (७०)	हीयाली	"	,	१६५७	१३५वा	१३५वा मुनि हीर कलश नामदर्शक प्रहेलिका।
३०९	२५१० (४)	हीयाली		"	१८वीं श	४ था	

(१६) शिल्प-शास्त्र

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	१८६६	राजवल्लभ		स०	१८वीं श	४६	अपूर्ण।
२	२२	वास्तुशास्त्र (रूपमडन)	मडन सूत्रधार	"	१७६४	१७	गुटकाकार है।
३	३११४	वास्तुस.र		"	१६२७	२०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२७	२३८८	गुणागुणग्रन्थ		संस्कृत	१९वीं श	१५	
२८	३८५७	चिकित्सासारसंग्रह	वंगसेन	,	१७४४	३३५	पातिसाह श्री नोरंगसाह के समय में आगरा में लिखित।
२९।	२३९९	ज्वरतिमिरभास्कर	चामुण्डकायस्थ	,	१७४८	५८	सूई म लिखित। स० १५४६ में योगिनी पत्तन(मेदपाद) में श्रीराजमल्ल के शासन में रचित।
३०	१७४६	तिब्बसहाबीफारसी की भाषा (पद्य)	सीताराम	रा०	१८३०	५२	
३१	२३८७	त्रिशती	शार्ङ्गधर	संस्कृत	१८३३	२९	
३२	३४६२	त्रिशती	,	,,	१५९१	१६	
३३	७३२	द्रव्यगुणशतश्लोकी	त्रिमल्लभट्ट	,,	१६३०	८	
३४	२४ १	द्रव्यगुणशतश्लोकी	,,	,,	१७५८	१६	
३५	३८५२	द्रव्यगुणशतश्लोकी सस्तबक	,	,,	१८८५	२९	सं १८३१ में पाली पुर में स्तबक रचना।
३६	११२३ (१९)	नाडीपरीक्षा		,,	१७वीं श	७१ था	
३७	२४१०	नाडीपरीक्षा		,	१९३८	५	
३८.	३८४२	नाडीपरीक्षा सस्तबक		मू०सं० रा०गू०	१९वीं श	२	
३९	२४१२	पथ्यप्रकाश	देवीचंद्र व्यास	संस्कृत	१९२९	६	कृष्णगढ़ में लिखित।
४०	२३९७	पथ्यापथ्य विनिश्चय सस्तबक		मू०सं० स्त०रा०	१९२०	५२	बिकानेर में लिखित।
४१	३८५१	पाकार्णव		संस्कृत	१८वीं श	२३	
४२	२३९६	पाकावली		,	१९वीं श	२३	किसी ग्रन्थ के अंतर्गत प्रकरण है।
४३	३४६७	पालकाप्यगजायुर्वेद,		,	१८वीं श	२००-	द्वितीयस्थान पर्यन्त।
४४	३९२	फरासीसहकीमवैद्यक		राज०	१९वीं श	९२	
४५	९२५	बालतन्त्रग्रन्थभाषा वचनिका	कल्याण पण्डित		१८९५	८२	दीपचन्द्रोपाध्याय रचित संस्कृत ग्रन्थ का अनुवाद।
४६	२३८३	बालतंत्र भाषा	,,	ब्रज०	१९वीं श	१५५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४७	१३४	भावप्रकाश पूर्व खड	भावमिश्र	स०	१६वीं श.	१४३	२८ वें प्रकरण पर्यन्त ।
४८	१३५	भावप्रकाश उत्तर खण्ड	"	"	"	२२१	सपूर्ण ।
४६	१७४३	भिषक्चक्र चित्तोत्सव	हसराज	"	१६१२	३७	
५०	३८२३	मदनविनोद		"	१८वीं श	४३	अंत्य ४४ वा पत्र अप्राप्त ।
५१	२३६४	मदनविनोद	मदनपालनरेश	"	१८७१	६४	मेडता में लिखित, स १४२१ में रचित। अन्त ग्रथकार का विस्तृतमेंवंशवर्णन है।
५२	३८४८	मदनविनोद मदनपाल निघण्टु	मदनपाल	"	१८४२	४८	जगत्तारणिनगर में लिखित । स. १४२० में रचित । १४ पद्यों में ग्रथकार की विस्तृत प्रशस्ति है।
५३	३८४४	मनोरमायोग ग्रथ		"	१८८०	१८	नागोर में लिखित।
५४	३३७७	मल्लप्रकाश	लोकनाथ	"	१६४३	१६	श्रीउदयसिंह शासित सुभटपुर में लिखित । योधपुर नरेश श्री मल्लदेव की प्रेरणा से रचित।
५५	३४६१	माधवी चिकित्सा		"	१७वीं श	८१	
५६	११२३ (२०)	मूत्रपरीक्षा		"	"	७६-८०	
५७	२४०२	मूत्रपरीक्षा		"	१८वीं श.	१	
५८	२४१६	मूत्रपरीक्षा		"	१६वीं श	१	
५६	२८६३ (१०६)	मूत्रपरीक्षा तथा कालज्ञान		रा०	१७वीं श	१६५ वां	
६०	३४६५	योगचिन्तामणि	हर्षकीर्ति	स०	१७५४	३६	फलवर्द्धिनगर में लिखित ।
६१	३८१६	योगचिन्तामणि भाषा टीका सहित	मू हर्षकीर्ति	मू स भा. टी रा गू.	१६वीं श	१०८	
६२	७१४	योगचिन्तामणि बालाव बोधसहित	"	"	१७४६	२०४	तेरा (कच्छ) में लिखित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६३	२३८५	योगचिन्तामणि सस्तबक	मू० हर्षकीर्ति	मू०स० रा०	१८७३	१४६	
६४	२४०३	योगचिंतामणि सस्तबक	"	"	१७७७	१८३	मेडता में लिखित।
६५	३८३६	योगचिंतामणि सस्तबक	"	"	१८वीं श	१०८	
६६	३८४६	योगचिंतामणि सस्तबक	,	"	१८२०	१२८	घटियालीनगर में लिखित।
६७	३५५८ (३)	योगचिंतामणि (सार संग्रह) सार्थ	,	"	१८वीं श	६७–१६०	
६८	७२३	योगमुक्तावली सार्थ	नागार्जुन	,	२ वीं श.	८६	
६९	७२७	योगरत्नाकरचौपई	नयनशेखर	रा० गू०	१८१४	१७८	रचना सं १७३६।
७०	२६२	योगशत सस्तबक		मू सं स्त रा० गू०	१८४२	२२	
७१	१५६२	योगशत टीका	रूपनयन	सं०	१८वीं श.	८३	वैद्यवल्लभाख्या टीका।
७२	३८२८	योगशतक		"	१९वीं श	११	
७३	३८५५	योगशतक		"	१६६५	९	पेर्किद में लिखित।
७४	३८२९	योगशतक सटीक		"	१७५०	१७	
७५	७२१	योगशतक सार्थ	मू० वामन	मू सं रा गू	१८१४	३६	
७६	१७४५	रससंकेतकलिका	चामुण्ड कायस्थ	सं०	१९वीं श.	११	कोटा में लिखित।
७७	१७४४	रामविनोद	रामचन्द्र	ब्र हिं	१८०५	१०३	गुटका। औरंगजेब के शासनकाल में सम्वत् १६५० (?) में रचित।
७८	३५५२ (१)	रामविनोद	रामचन्द्र मिश्र केशवदास सुत	सं०	१७६२	१–८३	अकबर शासित मेहरासहर में सं० १६२० में रचित। भिन्नमाल में लिखित
७९	३८२३	रामविनोद	"	"	१७९०	७६	घृततेल भाजनग्राम में लिखित।
८०	३४४९	रामविनोदभाषा वचनिका	रामचन्द यति	राजस्थानी	१९३०	१५१	पत्र १०० से १०४ तथा ११७ से ११९ अप्राप्त। सं १७२० में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८१	२९२०	रामविनोद वचनिका		राजस्थानी	१९वीं श.	२९	
८२	१५६१	रुग्विनिश्चय		सस्कृत	१५वीं श.	३३	अपूर्ण।
८३	२३८०	रुग्विनिश्चय		”	१९वीं श	९	
८४	२३९५	रुग्विनिश्चय	माधव	”	१८८३	९३	अजमेर में लिखित।
८५	२९०४	रुग्विनिश्चय (माधवनिदान)	”	”	१८९५	७९	पत्र ४९ से ६० अप्राप्त।
८६	३८३४	रुग्विनिश्चय	”	”	१८६७	८४	
८७	३८३८	विनोदवैद्यक	मानजीमुनि	व्र०हि०	१९वीं श.	३८	स० १७४५ में लाहोर मे रचित। ग्रथकार का निवास स्थान बीकानेर था।
८८	३८५३	वैद्यकगुणसार		राज०	१८५९	१०८	प्रथम तथा तीसरा पत्र अप्राप्त।
८९	२४०९	वैद्यकनुखसा		”	२०वीं श.	६	
९०	२४०४	वैद्यक प्रास्ताविकसग्रह		संस्कृत	१८०९	१२	
९१	३५६७ (११	वैद्यक फुटकर		राज०	१९वीं श	११३–१२६	जैन स्तवन पद भी लिखें हैं।
९२	३५६७ (३३)	वैद्यक फुटकर		”	” ”	१८१–२३९	मत्र यत्रादि भी - लिखा है।
९३	३०४१	वैद्यकभाषा	अनतराममिश्र	हिन्दी	१९०७	४४	सवाई प्रतापसिंह जी की आज्ञा से रचित।
९४	३८३२	वैद्यकसार		राज०	१९वीं श.	२७	
९५	३८३७	वैद्यकसार सार्थ		मू स अ रा गू	” ”	९	
९६	२३८२	वैद्यकसारोद्धार		राज०	१९१९	२४०	सग्रहग्रन्थ है।
९७	२४१५	वैद्यजीवन	लोलिंबराज	सस्कृत	१७वीं श.	८	
९८	२४१८	वैद्यजीवन	”	”	१८९९	१३	प्रथम पत्र अप्राप्त।
९९	३८३०	वैद्यजीवन टीका	रुद्रभट्ट	”	१८२१	३९	जोधपुर में लिखित। पट् खेटकाख्य नगर मे रचित।
१००	३८५४	वैद्यजीवन टीका	”	”	१९वीं श	४२	पट्खेट नगर में रचित।
१०१	३८२१	वैद्यजीवन सटीक	लोलिंबराज	”	” ”	४०	प्रथम पत्र अप्राप्त। साकंभरी मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१०२	३८३११	वैद्यजीवन सस्तबक	लोलिम्बराज	मू सं स्त राज०	१८९५	७	लूणासर में लिखित।
१०३	७२८	वैद्यजीवन सार्थ	"	"	१९वीं श	४८	किंचित् अपूर्ण।
१०४	७२९	वैद्यजीवन सार्थ	"	"	१८२४	३२	मुनरानदिर में लिखित।
१०५	५	वैद्यमनोच्छव	नयनसुख	ब्र हि०	१८१९	५६	देवपुरी में लिखित। संम्वत् १६४२ में अकबर के राज्य में रचित।
१०६	७१३	वैद्यमनोच्छव	"	ब्र	१९१०	३०	आमा में रचना।
१०७	७२६	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८६४	१४	सं १६४९ में अकबरशाहशासित सिंहनंदनगर में रचित।
१०८	२३९३	वैद्यमनोच्छव	"	"	१९वी श	१२	सं १६४९ में अकबरशाह क शासन में सिंहनंदनगर में रचित।
१०९	२४१७	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८२५	१५	सं० १६४९ में अकबरशाह के शासन में सौहरिंद (सिंहनंद) नयर में रचित। पत्र १४वां अप्राप्त।
११०	२८८४	वैद्यमनोच्छव	"	"	१७७२	८	
१११	३१८२	वैद्यमनोच्छव	"	"	१९१५	२२	संवत १६४९ में अकबर के शासन में रचित।
११२	३२९२	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८४०	१७	सवत् १६४९ में अकबर के शासन में सिंहनंदमें रचित।
११३	३५५२ (२)	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८वीं श.	८५–२६	
११४	३८२७	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८०९	२४	संवत् १६४९ में रचित।
११५	३८४५	वैद्यमनोच्छव	"	"	१८६७	१५	देवगढ़ में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११६	४००	वैद्यवल्लभ	हस्तिरुचि	संस्कृत	१८५५	१४	
११७	२०३	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	मू.सं.स्त रा०गू०	१८७८	२३	
११८	७२५	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	,,	१९वीं श.	२२	
११९	७३५	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	,,	१८५७	२५	जीर्णगढ़ में पसागरी वेलाजी के लिये लिखी।
१२०	३८३९	वैद्यवल्लभ सस्तबक	,,	,,	१७९८	१२	पडपग्राम में लिखित।
१२१	२३७८	वैद्यविनोद	शंकर भट्ट	सं०	१८८३	६१	किशनगढ़ में लिखित। रामसिंह् नरेश की प्रेरणा से रचित।
१२२	२३८६	वैद्यविनोद	धन्वतरि	,,	१८वीं श.	१८८	
१२३	२३८१	वैद्यविनोद टिप्पणयुक्त	मू० शंकरभट्ट	,,	१८९५	१७२	कृष्णगढ़ में लिखित। रामसिंह् नरेश की प्रेरणा से रचित।
१२४	२३९२	वैद्यविनोद सस्तबक	,,	,,	१९१७	१३४	रामसिंह् नरेश की प्रेरणा से रचित।
२५	१५६३	वैद्यसजीवन		,,	१८वीं श	३	
२६	२३९०	वैद्यावतस	लोलिंवराज	,,	१९वीं श	७	वैद्यावतस पूर्ण करके लेखक ने अनगरगमत वाजीकरणादि के श्लोक लिखे हैं।
२७	२९३३	व्याधिध्वसिनी	भावशर्मा	,,	१९वीं श.	७३	अपूर्ण, पत्र ४ था १७ वां अप्राप्त।
१८	३९८	शतश्लोकी	वोपदेव	,,	१९वीं श	१८	
१	३८२०	शतश्लोकी	,,	,,	१६३८	१३	नीमर में रचित।
०	५२०	शतश्लोकी सटीक	वोपदेव टीका स्वोपज्ञ	,,	१८२२	६१	चन्द्रकला नामक टीका।
१-	७२३	शतश्लोकी सटीका	,,	,,	१७१९	२१	राजनगर में लिखी। चन्द्रकला नामक मूल कृति।
	७३०	शतश्लोकी सार्थ	,,	,,	१८वीं श.	२५	चन्द्रकला नामक।
	१७५	शार्गधरसहिता पूर्व खण्ड	शार्गधर	,,	१९११	१९	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१३४	१५३	शार्ङ्गधरसंहिता उत्तर खण्ड	शार्ङ्गधर	संस्कृत	१६११	६६	
१३५	८०५	शार्ङ्गधरसंहिता सटीक त्रिपाठ	दामोदर शार्ङ्गधर	"	१६वीं श	८४	
१३६	२५१२	शालिहोत्र		राज०	१८१५	८	अश्वचिकित्सा।
१३७	३५४९ (४)	शालिहोत्र		"	१६वीं श	४०-४४	
१३८	३५५० (६)	शालिहोत्र		"	" "	४१-५०	
१३९	३५५६	शालिहोत्र (अश्व चिकित्सा)	नकुल	सं०	१७वीं श	१६	अपूर्ण।
१४०	२४१४	शालिहोत्र अर्थ सहित	मू० नकुल	मू सं० अर्थ राज.	१८१७	२२	सूरतिबन्दर में लिखित।
१४१	७२१	सन्निपातकलिका		सं०	१७वीं श	६	
१४२	२४०८	सन्निपातकलिका सटिप्पण		मू सं टि. राज	१६३६	६	
१४३	३१६	सन्निपातचिकित्सा		सं	१६वीं श	८	
१४४	५८८१	सन्निपातचिकित्सासार्थ		मू सं० अ रा	१८वीं श.	१०	
१४५	२३८४	संहिता	दामोदरसुनु	सं०	१६वीं श	५५	मध्यखण्ड पर्यन्त।
१४६	३४६४	सारसंग्रह			१७वीं श	१६	पत्र ६१ वां नहीं है।
१४७	३४६२	हितोपदेश	श्रीकण्ठ	"	"	२२	पत्र १८ १६, २० अप्राप्त।
१४८	७२४	हिंमतप्रकाश चौपाई	श्रीपतिभट्ट	व्र हि०	१८३५	४२	माधवनिदान की भाषा में चोपाई। नवाब हिंमतखान की आज्ञा से गुजराती औदीच्य ज्ञातीय श्रीपति ने संवत् १७३० में रची।
१४९	३८२६	हृदयदीपकनिघण्टु	वोपदेव	संस्कृत	१८७१	२४	

(११) जैनागम

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५८६	अनुयोगद्वार टीका	हेमचद्र (मल)	स०	१६वीं श.	१७०	
२	१५६०	अनुयोगद्वार सूत्र मूल		प्राकृत	१७वीं श	५७	
३	१५८२	आचारांगसूत्र मूल		"	१६वीं श	५६	
४	१५६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	८१	
५	१६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	४३	
६	२१११	आवश्यकपीठिका-बालावबोध	सोमसुन्दर शिष्य	रा० गू०	१७वीं श.	३६	
७	१६०४	आवश्यकसूत्र लघु-वृत्तिसहित	टी० तिलकाचार्य	मू. प्रा टी सं.	१६वीं श.	२०२	टी० रचना सं० १२६६ । प्रथम पत्र सचित्र ।
८	६६५	उत्तराध्ययनकथा बालावबोध		रा० गू०	१८वीं श	८३	प्रथम पत्र नहीं है।
९	६१	उत्तराध्ययन मूल		अर्धमागधी	१५वीं श	२८	
१०	१६११	उत्तराध्ययन मूल		प्राकृत	१६०६	५०	वणथलीनगरे जामजसाजी राज्ये लिखी ।
११	१६१०	उत्तराध्ययन मूल		"	१७वीं श.	५४	
१२	१५६५	उत्तराध्ययन मूल		"	१६६१	५७	
१३	१६००	उत्तराध्ययन लघुवृत्ति सहित	वृ. नेमिचन्द्र	मू प्रा टी स	१७वीं श	२२३	
१४	१८३१	उत्तराध्ययन सबाला वबोध त्रिपाठ		प्रा रा.गू	१६८०	२३८	
१५	२१२६	उत्तराध्ययन सबाला-वबोध		"	१६००	२७१	अहमदाबाद नगर मे लिखित ।
१६	१६०१	उत्तराध्ययन सबृहद्वृत्ति	टी शान्ताचार्य	प्रा टी स	१६६१	६१७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१३४	१५३	शार्ङ्गधरसंहिता उत्तर खण्ड	शार्ङ्गधर	संस्कृत	१६११	६६	
१३५	८८५	शार्ङ्गधरसंहिता सटीक त्रिपाठ	दामोदर शार्ङ्गधर	"	१६वीं श	८४	
१३६	२५१३	शालिहोत्र		[illegible]	१८१५	८	अश्वचिकित्सा
१३७	३५४६ (४)	शालिहोत्र		"	१६वीं श	४०-४५	
१३८	५५७ (६)	शालिहोत्र		"	" "	४१-५०	
१३९	३४५६	शालिहोत्र (अश्व चिकित्सा)	नकुल	सं०	१७वीं श	१६	अपूर्ण।
१४०	९४१४	शालिहोत्र अर्थ सहित	मू० नकुल	मू. सं० अर्थ राज	१८१७	२२	सूर्यविंब पर लिखित।
१४१	७३१	सन्निपातकलिका		सं०	१७वीं श	६	
१४२	९४८	सन्निपातकलिका सटिप्पण		मू सं टि राज	१६९६	६	
१४३	३१६	सन्निपातचिकित्सा		सं	१६वीं श	८	
१४४	९८८१	सन्निपातचिकित्सासार्थ		मू. सं० अ रा	१८वीं श	१०	
१४५	९३८४	संहिता	दामोदरसूनु	सं	१६वीं श.	५५	मध्यखण्ड
१४६	३४६४	सारसंग्रह		"	१७वीं श	१६	पत्र ६१ है।
१४७	३४६३	हितोपदेश	श्रीकंठ	"	" "	३२	पत्र १८ अप्राप्त
१४८	७२४	हिंमतप्रकाश चौपाई	श्रीपतिभट्ट	ब्र हि०	१८२४	४७	माघशि भाषा है नवाब की आ राजी अ श्री १७३
१४९	३८२६	हृदयदीपकनिघण्टु	बोपदेव	संस्कृत	१०७१	२४	

(२१) जैनागम

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	१५८६	अनुयोगद्वार टीका	हेमचंद्र (मल)	स०	१६वीं श	१७०	
२	१५६०	अनुयोगद्वार सूत्र मूल		प्राकृत	१७वीं श	५७	
३	१५८२	आचारांगसूत्र मूल		"	१६वीं श.	५६	
४	१५६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	८१	
५	१६०	आवश्यकनिर्युक्ति		"	"	४३	
६	२१११	आवश्यकपीठिका-बालावबोध	सोमसुन्दर शिष्य	रा० गू०	१७वीं श.	३६	
७	१६०४	आवश्यकसूत्र लघु-वृत्तिसहित	टी० तिलकाचार्य	मू. प्रा टी. स.	१६वीं श.	२०२	टी० रचना सं० १२९६ । प्रथम पत्र सचित्र ।
८	६६५	उत्तराध्ययनकथा बालावबोध		रा० गू०	१८वीं श	८३	प्रथम पत्र नहीं है।
९	६१	उत्तराध्ययन मूल		अर्धमागधी	१५वीं श	२८	
१०	१६११	उत्तराध्ययन मूल		प्राकृत	१६०६	५०	वणथलीनगरे जामजसाजी राज्ये लिखी ।
११	१६१०	उत्तराध्ययन मूल		"	१७वीं श.	५४	
१२	१५६५	उत्तराध्ययन मूल		"	१६६१	५७	
१३	१६००	उत्तराध्ययन लघुवृत्ति सहित	वृ. नेमिचन्द्र	मू प्रा. टी स.	१७वीं श	२२३	
१४	१८३१	उत्तराध्ययन सबालावबोध त्रिपाठ		प्रा.रा.गू.	१६८०	२३८	
१५	२१२६	उत्तराध्ययन सबालावबोध		"	१६००	२७१	अहमदाबाद नगर में लिखित ।
१६	१६०१	उत्तराध्ययन सबृहद्वृत्ति	टी शान्ताचार्य	प्रा टी स	१६६१	६१७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१७	१५८४	उत्तराध्ययन संस्कृत तथा भाषार्थसहित		मू प्रा टी स	१६वीं श	१३८	
१८	१६०९	उत्तराध्ययन सावचूरि पंचपाठ		"	१७वीं श	१३२	
१९	१५८१	उत्तराध्ययनावचूरि		सं०	१५वीं श	६२	
२०	६९	ऋषिभाषित		अर्धमागधी	१९६७	७	
२१	१५८७	औपपातिकसूत्र		प्राकृत	१६१५	२३	
२२	१५९४	औपपातिकसूत्र सटीक त्रिपाठ	टी० अभयदेव	मू० प्रा० टी० सं	१७वीं श	७६	
२३	२६०५	कल्पसूत्र कल्पद्रु कलिका टीका सहित	टी लक्ष्मीवल्लभ	"	१८५६	१४६	पड़ला में लिखित।
२४	२६०६	कल्पसूत्र टीका		सं०	१८८०	१२७	कल्पद्रु मकलिका नामक टीका का संक्षेप है।
२५	१६०६	कल्पसूत्र मूल	भद्रबाहु	प्राकृत	१७वीं श.	४८	
२६	९६	कल्पसूत्र सचित्र	"	"	१६४१	१४६	चित्र सं० ६२ है।
२७	११७१	कल्पसूत्र सचित्र सस्तबक	"	प्रा रा	१७०३		चित्र सं० ४३ है।
२८	२०२४	कल्पसूत्र सबालावबोध	"	मू प्रा बा रा गू	१७५३	१००	
२९	२०२५	कल्पसूत्र सस्तबक	"	"	१६९८	१२२	
३०	२८९१	कल्पसूत्र सस्तबक	स्त हेमविमल	"	१८वीं श	१८२	पत्र १ तथा ९४ वां अप्राप्त।
३१	१५८३	कल्पान्तर्वाच्यटीका		सं०	१५७६	५१	प्रथम पत्र में चित्र।
३२	२११३	चतुः शरणप्रकीर्णक सबालावबोध	बा धनविजय	प्रा बा रा गू	१७वीं श.	७	बालावबोधकार के शिष्य वीर विजय ने लिखी।
३३	२११४	चतुश्शरणप्रकीर्णक सबालावबोध त्रिपाठ		"	१७१९	६	
३४	१०८४ (३)	चतुःशरणप्रकीर्णक सस्तबक	मू० वीरभद्र	"	१८वीं श	४५-४९	
३५	१६०२	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति मूल		प्राकृत	१६६१	११८	थिरपुद्रनगर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	१५९९	जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति सटीक त्रिपाठ	टी० शांतिचन्द्र	प्रा टी स.	१६६४	३८७	पदार्थरत्न मजूषा नामक टीका । उ० श्री नयविजयजी ने लिखाई ।
३७	२६०४	ज्ञाताधर्मकथांग		प्रा०	१७वीं श	१२१	
३८	१५६३	ज्ञाताधर्मकथांग		”	१६४४	१४६	
३९	१५८८	ज्ञाताधर्मकथांग मूल		”	१६३५	११४	प्रथम पत्र नहीं है। जगत्तारणि मे पातिसाह अकबर राज्य में लिखित।
४०	१६०२	ज्योतिष्करण्डक सटीक	टी० मलयगिरि	मू० प्रा० टी० स०	१८वीं श	१५६	
४१	२१३३	तन्दुलवैचारिकप्रकीर्णक सबालावबोध	बा० पासचन्द	प्रा. रा मू	१६७६	५०	
४२	२११२	दशवैकालिक बालावबोध सहित त्रिपाठ	मू० शय्यंभव बा लक्ष्मणमुनि	”	१६६२	५६	
४३	१५६८	दशवैकालिक सटिप्पण	मू० शय्यंभव	प्रा टी स	१७१६	२०	भुजनगर में लिखित।
४४	१६०७	दशवैकालिक सटीक	मू० शय्यंभव टी० समय सुन्दर	”	१७वीं श	५७	स० १६९१ मे स्तंभतीर्थपुर में लिखित।
४५	१५६७	दशवैकालिक सावचूर्णि पचपाठ	मू० शय्यंभव	प्रा० सं०	१७१८	२३	
४६	१५८६	दशवैकालिकावचूरि		संस्कृत	१५६१	३५	जाउरनगरे लिखी।
४७	७८६३ (५३)	पीस्तालीस आगमनाम		प्रा०	१७वीं श	९० वा	
४८	७८६३ (१६२)	प्रदेशीराजालापक		”	१७वीं श	१६४ वा	
४९	१८१३	प्रश्नव्याकरण बालावबोध सहित		प्रा रा गू	१६३०	१०३	
५०	७४	प्रश्नव्याकरण सस्तबक		रा० गू०	१९वीं श	८८	पांच अध्ययन पर्यन्त।
५१	८०	प्रश्नव्याकरण सस्तबक		”	१९वीं श	७७	अध्ययन ६ से पूर्ण। पत्र ६२ वां अप्राप्त।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५२	१५८५	राजप्रश्नीयसूत्र		प्राकृत	१५१६	७५	नागपुर में लिखित।
५३	१६१२	राजप्रश्नीयसूत्र		"	१६७०	५०	थिरपुर में लिखित।
५४	७८६३ (१०४)	शास्त्रीय आलापकादि सार्थ		प्रा रा मू	१७वीं श.	१६८से २०१	
५५	७६	श्रावकप्रतिक्रमणसूत्र सटीक		प्रा टी सं.	" "	२से१६१	अपूर्ण है।
५६	६५०	षडावश्यकबालावबोध	समयसुन्दर	राज गू.	१८वीं श	३३	
५७	२१६०	षडावश्यकबालावबोध		"	१७वीं श	३०	
५८	१५६६	समवायांग मूल		प्रा०	१६वीं श.	६३	
५९	२१०८	साधुप्रतिक्रमण बालावबोध		रा गू०	१७वीं श	१८	
६०	२२५८	साधुप्रतिक्रमण बालावबोध संग्रह		प्रा गू०	१८३६	१५	चूरू में लिखित।
६१	४२०	साधुप्रतिक्रमणसूत्र बालावबोध सहित त्रिपाठ		प्रा रा गू.	१७वीं श.	६	
६२	१५६१	सूत्रकृतांगनिर्युक्ति		प्रा०	" "	८	

(११) जैनप्रकरण

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२०४२ (१)	अतिचार तथा स्नात्र-विधि		रा० गू०	१८८३	१–६	मगरवाड़ा में लिखित।
२	८७	अध्यात्मसार सटीक	मू० यशोविजय टी० गम्भीर-विजय	सं०	२०वीं श	२६४	
३	२२०३	अध्यात्मसारमाला	नेमिदास	रा० गू०	१८वीं श	६	संवत् १५६५ में रचित।
४	२८६३ (७३)	अल्पबहुत्व विचार		”	१७वीं श	१३७–१३८	
५	२०४१	अष्टप्रकार पूजा		”	१६वीं श	२	
६	१०४७ (३)	आदिनाथदेशनोद्धार सार्थ		प्रा रा.गू.	”	१६–११	
७	२१३६	आराधना गद्य	समयसुन्दर	रा० गू०	२०वीं श	१०	सं. १६८५ में रिणी-नगर में रचना, वीरम-सर में लिखित।
८	१०२६	उपदेशमाला	धर्मदास	प्राकृत	१७वीं श	२७	१ ला पत्र नहीं है।
९	१०२२	उपदेशमाला	”	”	”	१७	
१०	७१	उपदेशमाला (पुष्प माला)	हेमचन्द्र मलधारी	”	१५७७	१७	त्रसापुरी में लिखित।
११	६४५	उपदेशमाला अक्षरार्थ सहित	मू धर्मदास	प्रा.रा गू.	१६वीं श.	८८	प्रथम पत्र नहीं है।
१२	१०२०	उपदेशमालाअवचूरि	धर्मनन्दन	स०	१५१६	३४	
१३	१०१७	उपदेशमालावृत्ति	रत्नप्रभ	”	१६वीं श.	२३६	अपूर्ण।
१४	१०५६	उपदेशमाला सस्तबक	धर्मदास	प्रा.रा.गू.	१८वीं श	४४	
१५	३५२६	उपदेशरत्नकोश सबालावबोध		प्रा बाला. रा.गू.	१७वीं श.	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१६	८२	एकविंशतिस्थानक प्रकरण सस्तबक	मू. सिद्धसेन	प्रा रा गू.	१८ वीं श	८	
१७	१०७१	एकविंशतिस्थानक प्रकरण सस्तबक	"	,	१८२५	६	मन्दराचिन्दर में लिखित।
१८	१०७२	कर्मग्रन्थत्रिक	देवेन्द्रसूरि	प्रा०	१६८१	१४	वाग्पताकानगरी में लिखित।
१६	१ ५५	कर्मग्रन्थपंचक	"	"	१८वीं श.	१७	
२०	१५८०	कर्मग्रन्थसटीक (१ से ५)	" टी स्वोपज्ञ	"	१५वीं श	६२	अन्य पत्र सं १७३४ में अनुसंधित।
२१	१०३४	कर्मप्रकृतिटीका	मलयगिरि	सं०	१५वीं श	१३६	
२२	७८	कर्मप्रकृति सटीक	मू. शिवशर्मा टी मलयगिरि	मू प्रा० टी० सं	१८३०	१६६	मकसूदाबाद में लिखित।
२३	४८६३ (८६)	कर्मविचारसारप्रकरण	साधुरंग	प्रा०	१६०५	१५ – १५८	डेहि में हेमराज सहित ह रकलश लिखित। ओएस वंशीय पाल्हाधायक की प्रार्थना से रचित।
२४	१०५१	कर्मविपाक कर्मस्तव (कर्मग्रन्थ)	देवेन्द्र	"	१६वीं श	६	
२५	३१६२	कर्मविपाकवृत्ति	परमानन्द सूरि	सं०	१६वीं श	१६	
२६	१ ६६	कर्मविपाक सस्तबक	देवेन्द्रसूरि	प्रा रा गू.	१८२४	७	मुनराबिन्दर में लिखित।
२७	१०७३	कर्मस्तव सस्तबक	"	,	१८२४	५	मुनराबिन्दर में लिखित।
२८	३५७३ (४३)	खामणा		रा०	१६वीं श	१०६–१०७	जीर्णप्रति।
२६	१०३५	क्षुल्लकभवावलिप्रकरण सावचूरि पंचपाठ	अव० धर्मशेखरगणि	प्रा अव सं	१६२१	२	
३०	१०५८	क्षेत्रसमास	रत्नशेखर	प्रा०	१८५५	१३	मुनराबिन्दर में लिखित।
३१	४२१	क्षेत्रसमास		"	१७२२	२३	आगरानगर में अकबरशाह के शासन काल में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२	६५६	क्षेत्रसम सवरणी बालावबोध	वत्सराज	रा०गू०	१७वीं श.	१३	स. १६६५ में रचना।
३३	१०२४	क्षेत्रसमासटीका	मलयगिरि	स०	१५वीं श.	१५३	सुरगिरि मे लिखित।
३४	३४६३	क्षेत्रसमास बालावबोध सहित	मू० रत्नशेखर टी० दयासिंह गणि	रा गू प्रा.	१६८४	६०	
३५	३६१६	क्षेत्रसमास सबालावबोध	मू० रत्नशेखर टी० उदयसागर	,,	१७६६	४५	विक्रमपुर मे सवत् १६८६ में लिखित उदयपुर मे बालावबोध रचना।
३६	२११५	क्षेत्रसमास सबालावबोध		,,	१६८४	१६	
३७	१०३३	गुणस्थानक्रमारोह-प्रकरणवृत्ति		सं०	१७वीं श.	१७	
३८	६३६	गौतमपृच्छासबालावबोध		प्रा.बा.रा.	१७वीं श.	६	
३९	६६६	गौतमपृच्छाबालावबोध द्विपाठ		,,	१५३२	६	राजपुर नगर में लिखित।
४०	२०२७	गौतमपृच्छासबालावबोध	बा० जिनसार	,,	१८५३	४१	पेसूआनयर में लिखित।
४१	३४७६	गौतमपृच्छासबालावबोध द्विपाठ		,,	१८वीं श.	१२	
४२	३४६२	गौतमपृच्छासबालावबोध द्विपाठ		,,	१७वीं श.	६	
४३	३६१७	गौतमपृच्छा सबालावबोध		,,	१७६१	३७	मूलत्राणनगर में लिखित।
४४	१० ५	गौतमपृच्छावृत्तिसहित	वृत्ति श्रीतिलक	मू.प्रा स.	१५वीं श	८२	
४५	३५२३	गौतमपृच्छा सार्थ		मू प्रा रा.	१७वीं श.	५	
४६	७००	चतुरत्नकोश	पृथ्वीधराचार्य	सं०	१६वीं श	१२	
४७	२८६३ (१५)	चतुर्विंशति जिनकल्याण वर्णन		प्रा०	१७वीं श	६० वां	
४८	४०८	चातुर्मासिकव्याख्यान	समयसुन्दर	सं० प्रा०	१७४७	६	कृष्णदुर्ग में लिखित।
४९	१०२६	चातुर्मासिकव्याख्यान	,,	स०	१८वीं श	६	
५०	६५६	चातुर्मासिकव्याख्यान बालावबोध	सूरचन्द्र	रा०गू०	१८वीं श.	१२	
५१	३३८३	चातुर्मासिकव्याख्यान बालावबोध	,,	,,	१७वीं श	२८	प्रथम तथा अंत्य पत्र शोभन।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
५२	२८६३ (५२)	चोवीसगति आगति विवरण		रा-गू०	१७वीं श	८६-६०	
५३	१०८३	जीवविचार सावचूरि त्रिपाठ	शांतिसूरि	प्रा सं	१७५८	५	राणीगम में लिखित।
५४	७०	ज्ञानसार (अष्टकानि)		सं०	१६५६	१५	
५५	३२०७	ज्ञानसार	यशोविजयोपाध्याय	"	१७६४	८	
५६	१०४६ (१)	ज्ञानसार सटीक त्रिपाठ	मू यशोविजय टी देवचन्द्रजी	"	१८६६	६१	ज्ञानमंजरी टीका। १ से ६१ राधणपुर में लिखित।
५७	२८६२ (८४)	तिथ्याराधनविचार		प्रा०	१७वीं श.	१४८ वां	पत्र का अर्ध भाग नष्ट होने से अस्पष्ट।
५८	८६३ (१६)	तीर्थंकरभवसंख्या		"	"	११ वां	
५९	२१६२	त्रैलोक्यभवदीपिका चोपाई	(सदारंगशिष्य)	रा० गू०	१८वी श	४	
६०	७५	दर्शनशुद्धिप्रकरण सटीक	मू चंद्रप्रभसूरि	प्रा सं	२ वी श.	८५	
६१	१८३६ (१०)	दशार्णचक्लाणवर्णन	रामचन्द	रा गू०	१६वीं श	४५-४७	गुटका।
६२	३५०४	दिक्कुमारीवर्णन		"	१७वीं श.	४	
६३	२६६६	द्विजवदनचपेटा	अश्वघोष भिक्षु	सं०	१८८७	६	प्रस्तुतकृतिका द्वितीय नाम प्रश्नसूची प्रकरण है।
६४	१५७४	धर्मबिन्दुवृत्ति	मुनिचंद्रसूरि	"	१५०२	५१	
६५	१०५७	धमरत्नप्रकरणवृत्ति	देवेन्द्रसूरि	सं प्रा	१ वीं श	६६	कथात्मक ग्रंथ।
६६	१०७४	नवतत्त्वप्रकरण सस्तबक		मू प्रा स्त रा गू.	१६वीं श	१४	
६७	६७०	नवतत्त्वबालावबोध		रा गू०	१७वीं श	१७	
६८	२११६	नवतत्त्वबालावबोध विचार	मेरुतुंगशिष्य	"	१६०२	६६	मलवरनगर में लिखित।
६९	६६२	नवतत्त्वबालावबोध सहित		प्रा० प्रा० रा०गू०	१६२१	१०	चित्रकोटनगर में लिखित।
७०	२१२७	नवतत्त्वबालावबोध		"	१७२७	२६	स्तंभतीर्थ में लिखित।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७१	३०६३	नवतत्त्वसग्रहबालावबोध		रा०गू०	१८७५	६८	हालकदी मे लिखित।
७२	३५७५ (४)	निगोदविचारस्तवन	क्षमाप्रमोद	"	२०वीं श.	१६५-१६६	सत्यपुर मे रचना।
७३	२११६	पचनिर्ग्रन्थीप्रकरण सबालावबोध	वा० मेरुसुन्दर	प्रा रा गू	१७४१	६	अत्य पत्र में सवत् १७८३ उ० मेघविजयें लीधी छइ इस प्रकार पुष्पिका है। उपाध्याय मेघविजय प्रसिद्ध जैन विद्वान् है।
७४	१८६३	पचमेरुपूजा		रा०	१६वीं श	४	
७५	१०६८	पचसग्रहप्रकरण सस्तबक	मू० जीवविजय	प्रा०स्त० रा०गू०	१८२४	११	
७६	१५७३	पचाशक	हरिभद्र	प्रा०	१७००	३६	
७७	१५७२	पचाशक	"	"	१७वीं श	३५	
७८	१०५७	पर्यन्ताराधनाप्रकरण	सोमसूरि	"	१८वीं श	४	
७९	१०८२	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तबक	"	प्रा०स्त० रा०गू०	१७८२	६	मंडपाचल दुर्ग में लिखित।
८०	१०६३	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तबक	"	प्रा०स्त० रा०गू०	१८वीं श	५	
८१	१०६१	पर्यन्ताराधनाप्रकरण सस्तबक	"	प्रा०स्त० रा०गू०	१६११	६	
८२	७७	पर्युषणाष्टाह्निकाव्याख्यान		सस्कृत	१६वीं श	६	जीर्ण प्रति है।
८३	१०६४	पिण्डविशुद्धिप्रकरण छायासहित	मू० जिनवल्लभ	प्रा छा स	१६२२	६	
८४	६२	प्रकृतिविच्छेदप्रकरणादि प्रकरणचतुष्क	जयतिलक	सस्कृत	१६६३	२१	१प्रकृतिविच्छेद प्रकरण २. सूक्ष्मार्थसंग्रह ३ प्रकृतिस्वरूपसरूपण ४. बधस्वामित्वप्रकरण।
८५	८५	प्रबोधचिन्तामणि	जयशेखर	"	२०वीं श	५६	
८६	१०३८	प्रवज्याविधानकुलक		प्रा०	१७वीं श	२	
८७	१५७१	प्रशमरतिप्रकरण सटीक त्रिपाठ		संस्कृत	१८वीं श.	५०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
८८	२ १२	प्रश्नशतप्रकरण साव चूर्णि पचपाठ	मू जिनवल्लभ	सं०	१५ ५	७	पल्हादनपुर में लिखित। दूसरा पत्र अप्राप्त।
८९	१५७५	प्रश्नोत्तरसमुच्चय (हीरप्रश्न)	कीर्तिविजय	"	१७वीं श	४७	
९०	२१९६	प्रश्नोत्तरसार्धशतक-भाषा	क्षमाकल्याण	रा गु०	१९वीं श	४९	सं० १८७३ में बीकानेर में रचित।
९१	१०४८	प्रश्नोत्तरसार्धशतक			१८६८	१५	सं० १८७३ बीकानेर में रचित तथा लिखित।
९२	१०३१	भवभावनाप्रकरण सावचूरि		मू प्रा० अव स	१५वीं श	१०	
९३	१०६२	भवभावनाप्रकरण सस्तबक	मू हेमचन्द्रसूरि स्त.शांतिविजय	प्रा रा	१८६६	१५	स्तबक रचना संवत् १७ ५। चाचारी नगर में लिखित।
९४	१५७६	भावप्रकरण सावचूर्णि	मू०विनयविमल अव० स्वोपज्ञ	मू प्रा० अव सं	१८वीं श	७	अवचूर्णि रचना सं० १६२३।
९५	१ ३०	भाष्यत्रय सावचूरि त्रिपाठ	मू० देवेन्द्रसूरि अ सोमसुन्दर	प्रा अव स	१७२३	१६	
९६	३५ ५	मनःस्थिरीकरणविचार	सोमसुन्दर	रा गु	१६वीं श.	११	पत्र २ ३ ४ अप्राप्त।
९७	१०८१	रत्नसंचयप्रकरण सस्तबक	मू नेमिचन्द्र	मू प्रा स्त रा गु	१९वीं श	४९	
९८	२५५६	रविकरप्रसरविचार		प्रा सं०	१६वीं श	३	
९९	१०६५	लघुक्षेत्रसमास सस्तबक	रत्नशेखर स्त पार्श्वचन्द्र	मू प्रा स्त रा गु	१८१६	६५	
१००	१०३६	लघुसंग्रहणी	हरिभद्र	प्रा०	१७वीं श	२	
१०१	२८८३ (१३१)	लेश्याविचारादि		"	" "	१६४वा	
१ २	२१५९	लोकनालिकाप्रकरण सटीक		प्रा टी सं	,	५	
१०३	१०१८	विचारपत्र		प्रा सं	१६वीं श	७५	
१०४	८९०	विचार बालावबोध		रा गु०	१७वीं श	१७	
१ ५	२६ ७	विधिप्रपा	जिनप्रभ	प्रा०	१६वीं श	१०३	
१०६	१० ७	विवेकमंजरी	आसड	"	१५वीं श	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०७	३५६०	विवेकविलास स बाला-बोध	जिनदत्तसूरि	सं रा.गू.	१६८७	११६	नगरथट में लिखित।
१०८	११०५ (३)	विवेकविलास सार्थ	मू जिनदत्तसूरि	मू स अ. रा गू.	१८२७	१७–६४	गुटका। भुजनगर म लिखित। स्वप्न शास्त्र गणित निमित्त आदि अनेक विषयों का चर्चण किया है।
१०९	१०४५	विशेषशतक	समयसुन्दर	सं०	१८४६	४६	मुनराबिन्दर में लिखित।
११०	२२७४ (१४)	वीसस्थानकपद पूजा तथा विधि	लक्ष्मीसूरि	रा० गू०	१९वीं श.	६३–७१	रचना सं. १८४५।
				"	"	२	
१११	१०५४	व्याख्यानपद्धति		"	१६वीं श.	प्लेट ३६	फोटो कापी।
११२	२६५६	व्याख्यानपद्धति वच-निका					
११३	१०४१	श्रावकआराधना		सं.	१७७६	५	संवत् १६६७ में उच्चानगर में रचित। कोटड़ा में लिखित।
११४	१०५२	श्रावक आराधना	समयसुन्दर	"	१८वीं श	५	संवत् १६६७ में उच्चानगर मे लिखित।
११५	२८६३ (३७)	शास्त्रीयविचार		रा.गू.प्रा.	१७वीं श	२३६–२४२	
११६	८०६३ (६१)	शीलांगयन्त्र		प्रा	"	१५६–१६०	
११७	१०५०	शीलोपदेशमाला	जयकीर्ति	"	१६५८	४	
१०८	०४६७	शीलोपदेशमाला बाला-वबोधसहित	मू जयकीर्ति बा मेरुसुन्दर	प्रा रा गू.	१८२२	१७०	कथामय ग्रन्थ है।
११६	१५६६	शीलोपदेशमाला सवृत्ति	मू जयकीर्ति वृ विद्यातिलक	प्रा वृ.स.	१८वीं श	१४१	शीलतरंगिणीनाम-वृत्ति
१२०	१०७३	शीलोपदेशमाला सस्तबक	मू जयकीर्ति स्त हरिश्चंद्र मुनि	मू.प्रा.स्त. रा. गू.	१७वीं श.	८	
१२१	१०४३ (७)	श्राद्धविधिप्रकाश	क्षमाकल्याण	रा. गू.	१८०१	१७–२७	जैसलमेर में लिखित

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१२२	७२	श्रावकधर्मविधिप्रकरण सटीक	मू० धनपाल टी धर्मचन्द्र	प्रा स	१६६३	६६	
१२३	१०२८	षट्कर्मग्रन्थ टीका	टी देवेन्द्रसूरि, मलयगिरि	सं०	१६२३	२२६	स्तम्भतीर्थ में लिखित। पाच की टीका देवेन्द्रगिरि ने की है।
१२४	१०२६	षट्कर्मग्रन्थसावचूरि	मू देवेन्द्रसूरि	प्रा अ सं	१७वीं श	१८३	१ से ५ ग्रंथतक टीका
१२५	१ ७७	षष्ठिशतक सस्तबक	मू० नेमिचन्द्र	मू प्रा स्त रा गू	" "	१०	
१२६	१०२२	षोडशक सटीक त्रिपाठ	मू० हरिभद्रसूरि	संस्कृत	१८३६	४३	सूरतिबिंदर में लिखित।
१२७	२८६३ (८६)	संख्यातविचार		रा गू	१७वीं श	१४६वां	
१२८	१०८२	संग्रहणीप्रकरण सस्तबक	हेमसूरि शिष्य	मू प्रा स्त रा गू	१८वीं श	५२	
१२९	५११४	संग्रहणीबालावबोध	शिवनिधान	रा गू	१८११	७३	बब्बूलनगर में लिखित
१३०	३११५	संग्रहणीबालावबोध	दयासिंह	"	१८वीं श	६२	
१३१	२११७	संग्रहणीसबालावबोध	श्रीचन्द्र बा दयासिंह	प्रा रा गू	१६१७	४६	
१३२	१०६	संग्रहणी सस्तबक	हेमसूरि शिष्य	मू प्रा स्त रा गू	१६०३	५३	
१३३	१०४०	सप्ततिका (कर्मग्रन्थ)		प्रा	१६वीं श	६	
१३४	२११८	सप्ततिका कर्मग्रन्थ सबालावबोध त्रिपाठ	बा० कुशलचन्द्र पारचन्द्र शिष्य	मू प्रा	१७३३	१६	जैसलमेर में लिखित।
१३५	६६२	सप्ततिका बालावबोध सहित	मू चन्द्रमहत्तर बा० जयसोम	मू प्रा बा रा गू	१७वीं श	७१	
१३६	१११५	समवसरणस्तवबालावबोध		रा गू	१६वीं श	६	
१३७	१०१६	सम्बोधसप्ततिका		प्रा०	१६वीं श	४	
१३८	२१८१	सम्बोधसप्ततिका सबालावबोध		मू प्रा बा रा गू	१७१७	२३	सूरतबिंदर में लिखित।
१३९	१०५६	सम्बोधसप्ततिका सस्तबक	मू० जयशेखर	मू प्रा स्त रा	१८वीं श	१२	
१४०	६०	सम्बोधसप्तति सटीक	मू रत्नशेखर टी० अमरकीर्ति	मू प्रा टी सं	१६६१	२१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४१	२०६४	समयसारनाटक	बनारसीदास	हि०	१७५८	३१	
१४२	३६१८	समयसारनाटक	"	ब्र हि.	१८वीं श.	५१	स. १६६३ में आगरा में रचित।
१४३	८६४	समयसारनाटक सस्तबक	मू. बनारसीदास स्त० राजमल्ल	ब्र०	१८०४	१४४	ज्यालपुर (भुज) मे लिखित।
१४४	१८१८	समाधितन्त्रबालावबोध सहित	मू. कुंदकुंद(?) बा पर्वतधर्मार्थी	मू स.बा. रा. गू.	१७१२	८४	
१४५	२१०६	समाधितंत्र बालावबोध सहित	"	"	१८२८	७६	अलीगहुरपातशाह के राज्य में अंबहटा में लिखित।
१४६	१०५३ (१)	साधुविधिप्रकाश	क्षमाकल्याण	स०	१८४१	१–१६	जैसलमेर में लिखित।
१४७	१०७६	सिद्धपचाशिका सस्तबक	मू देवेन्द्रसूरि	प्रा. स्त. रा गू.	१७वीं श.	६	
१४८	२८६३ (५५)	सिद्धांतबोल		रा गू.	"	६०–६३	
१४६		सूक्ष्मार्थविचारप्रकरण (सार्धशतक) सटीक	मू. जिनवल्लभ टी० धनेश्वर	मू प्रा टी. स	१५२१	५४	यवनपुर–स्थित कमलसयमोपाध्याय ने देविणीनामक लेखक द्वारा लिखाई
१५०	१०८६	स्थविरावलिकावचूर्णि		स०	१७वीं श	४	

(१३) रास

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
१	११७८ ( )	आरुद्रत्तचोपई	सुमति हपदश शिष्य	रा० गु०	१६७१	३२–३६	सं० १६ १ में रचित।
२	६६४	अजापुत्र चौपई	सुमतिप्रभ	"	१८२६	४२	स १८ २ में रचना, मजुमरी ग्राम में लिखित। साचोर में रचित।
३	३१ ६	अजापुत्ररास	धमदेव	'	१८७१	१२	संवत् १५ १ में सीणी ग्राम म रचित पे (खे) टकुर में लिखित।
४	१६२२	अंजनाचौपाई		"	१७ ४	११	
५	३५५३ (३)	अंजनासुन्दरी चौपाई	पुण्यसागर	"	१८५७	१०७–१२७	नागेर में लिखित।
६	३८६०	अंजनासुन्दरी चौपाई	"	"	१७४७	१८	सं १६८६ में साचोर में रचित। होया देसर में लिखित।
७	३ ७६	अंजनासुन्दरी चौपाई	"	"	१८७७	२७	सकर ग्राम में लिखित। सं १ ८६ में साचरम रचित।
८	३१६१	अंजनासुन्दरी चौपाई	'	"	१८८६	२०	पा (खा) रीयानी धरा में लिखित। स० १६८७ में साचर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३४	१००८	आराधना	अजितदेव	रा॰गु॰	१६४७	१०	स० १५६७ वीरमपुर रचना। मालपुरा मे लिखित।
३५	२४६८	आरामशोभा चोपाई	दयासार	,,	१७४६	१६	रचना स० १७०४ मुलताणनगर मे।
३६	६४६	आर्द्रकुमारचोपाई	ज्ञानसागर	,,	१७३०	१२	स० १७२१ मे लघु-वटपद्र मे रचना।
३७	३०३०	आर्द्रकुमारचोपाई	,,	,,	१७७८	१३	स० १७२१ मे लघु-वडपद्र मे रचित।
३८	६४८	आर्द्रकुमारधमाल	कनकसोम	,,	१७वीं श.	३	स० १६६४ मे अमरिसर मे रचित।
३९	६७७	आषाढाभूति धमाल	,,	,,	१७३७	३	ईडवाग्राम में लिखित। रचना स० १६२८।
४०	६६६	आषाढाभूति धमाल	,,	,,	१७ ४	२	स० १६३८ में रचना।
४१	२१६७	आषाढाभूति धमाल	,,	,,	१८वीं श	६	स० १६३८ में रचित।
४२	२५७३ (१०)	आषाढाभूति धमाल	,,	,,	१६वीं श	३२-३३	स० १६३८ में रचित। जीर्ण प्रति।
४३	१०१२	आषाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	,,	१८१३	६	स० १७२४ चक्रापुरी मे रचना।
४४	२०१५	आषाढाभूतिरास	,,	,,	१८वीं श.	१२	चक्रापुरी ग्राम मे स० १७२४ में रचना।
४५	२०६५	आषाढाभूतिरास	,,	,,	१७६५	८	स १७२४ में चक्रापुरी गाम में रचना।
	२३७४ (१५)	[illegible]भूति	,,	,,	१६वीं श.	७२से७६	सं १७२४ चक्रापुरी मे रचना।
	३२४५	[illegible]	,,	,,	१८७४	६	स १७२४ में चक्रीपुरी मे रचित। वसन्तपुर नगर मे लिखित।
			,,	,,	[illegible]७५१	५	मेडताग्राम मे लिखित, स० १७२४ मे चक्रीपुर मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२०	२७८	अमरसेनवयरसेन रास	राजसुन्दर	रा गू.	१८वीं श	२३	सं १६६७ म जालोर नाग्रालिपुरमें रचना।
२१	२३७४ (२)	अम्बरीपी रास	माइदास	,	१९वीं श	१६–२०	
२२	१८९२	अम्बडविद्याधररास	मंगलमाणिक्य	"	१६६३	८३	पालणजालोर म लिखित। सं १६३९ में उजैणी में रचित।
२३	२११३०	अर्जुनमालीरी चौपाई	मुक्तिनिधान	रा०	१८९३	५	सुवाइग्राम में लिखित।
२४	१८ ६ (१)	अवंतीसुकुमालचौपाई	जिनहर्ष	रा० गू.	१८३१	५७–६५	गुटका, रचना सं० १७४१।
२५	२१५९	अवंतीसुकुमालचौपाई	"	"	१९वीं श.	८	रचना सं० १७४१।
२६	२३७१ (६)	अवंतीसुकुमालचौपाई	"	"	"	३१–३४	रचना सं १७४१।
२७	२८९३ (१३५)	आगमछत्तीस (कुमती विध्वंसनाधिकार) चौपाई	हीरकलश	रा गू.श	१६२१	७ २– २५६	सं १६१७ में कनकपुरी में रचित। कर्त्ता द्वारा स्वयं लिखित।
२८	२११४०	आणंदसंधि	श्रीसार	रा० गू०	१८२४	१२	सं १८० (?) में पुहकरणीनयरी में रचना।
२९	२१७७	आणंदसंधि	"	,	१६६६	१२	सं १६८४ में पुहकरणी में रचना, राजलदेसर में लिखित।
३०	२७०	आणंदसंधि	"	"	१८वीं श	६	संवत् १६८४ में पुहकरणीनयरी में रचित।
३१	२५७२ (३६)	आणंदसंधि	"	"	१९वीं श	८९–९७	स १६८४ पहुकरणी नगरी में रचित। जीर्णप्रति।
३२	३८७१	आणंदसंधि	"	,	१७६४	७	कृष्णगढ़ में लिखित। संवत् १६८४ में पुहकरणीनगरी में रचित।
३३	८७९	आणंदसंधि	,	"	१७१२	६	बीछवाडीया ग्राम में लिखित। संवत् १६८४ में पुहकरणीनयरी में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३४	१००८	आराधना	अजितदेव	रा०गू०	१६४७	१०	स० १५६७ वीरमपुर रचना। मालपुरा मे लिखित।
३५	३४६८	आरामशोभा चोपाई	दयासार	”	१७४६	१३	रचना स० १७०४ मुलताणनगर में।
३६	६४६	आर्द्रकुमारचोपाई	ज्ञानसागर	”	१७३०	१२	स० १७२१ मे लघुवटपद्र मे रचना।
३७	३०३०	आर्द्रकुमारचोपाई	”	”	१७७८	१३	स० १७२१ मे लघुवडपद्र मे रचित।
३८	६४८	आर्द्रकुमारधमाल	कनकसोम	”	१७वीं श	३	स० १६६४ मे अमरिसर मे रचित।
३९	६७७	आषाढाभूति धमाल	”	”	१७७७	३	ईडवाग्राम मे लिखित। रचना स० १६२८।
४०	६६६	आषाढाभूति धमाल	”	”	१७ ४	२	सं० १६३८ में रचना।
४१	२१६७	आषाढाभूति धमाल	”	”	१८वीं श	६	स० १६२८ में रचित।
४२	३५७३ (१०)	आषाढाभूति धमाल	”	”	१९वीं श	३२-३३	स० १६३८ में रचित। जीर्ण प्रति।
४३	१०१२	आषाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	”	१८१३	६	स० १७२४ चक्रापुरी मे रचना।
४४	२०१५	आषाढाभूतिरास	”	”	१८वीं श	१२	चक्रापुरी ग्राम मे स० १७२४ मे रचना।
४५	२०६५	आषाढाभूतिरास	”	”	१७६५	८	स० १७२४ में चक्रापुरी गांम मे रचना।
४६	२३७४ (१५)	आषाढाभूतिरास	”	”	१९वीं श	७२से७६	स० १७२४ चक्रापुरी मे रचना।
४७	३२४५	आषाढाभूतिरास	”	”	१८७४	६	स० १७२४ में चक्रीपुरी में रचित। वसन्तपुर नगर में लिखित।
४८	३६१६	आषाढाभूतिरास	”	”	१७५१	५	मेडताग्राम मे लिखित, स० १७२४ मे चक्रीपुर मे रचित।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
४६	३५५३ (६)	आषाढाभूतिरास	ज्ञानसागर	रा०गु०	१६०५	१६०–१६४	स १८३२ में नागोर में रचित । मेडता में लिखित ।
५०	३१२०	आषाढाभूतिरास		”	१६४१	३	
५१	२०४२	इक्षुकारी संधि	खेमराज	”	१७वीं श	५	प्रथम पत्र अप्राप्त।
५२	३५७३ (१६)	इक्षुकारी संधि	”	”	१६वीं श	६०–६१	जीर्णप्रति ।
५३	४१०३	इक्षुकारी संधि	”	”	१७वीं श.	२	
५४	२२१७ (१)	इक्षुकारी संधि	खेम मुनि	”	१७६०	१–२	किरानगढ़ में लिखित सं० १७४७ में उदयपुर में रचित ।
५५	१०७	इलाचीकुमाररास	ज्ञानसागर	”	१७५६	१७	संवत् १७१६ में रचित । घोघाब दर में लिखित ।
५६	१४६	इलाचीकुमाररास	”	”	१७६५	५	सं १८११ शेपपुर में रचना ।
५७	२०६२	इलाचीकुमाररास	”	”	१७६८	१४	सं० १७१६ में शेपपुर में रचना ।
५८	२०४५	इलाचीकुमाररास	”	”	१८४२	६	शेपपुर में सम्वत् १७१६ में रचना ।
५९	२०६७ (३)	इलाचीकुमाररास	”		१७७२	१७–२२	सं १७२६ में शेपपुर मे रचना। पत्तन में लिखित ।
६०	१५६६	इलाचीकुमाररास	”	”	१८६०	१७	सं १७१६ शेपपुरी में रचना ।
६१	२३७४ (३)	इलाचीकुमाररास	”	”	१६वीं श	२०–२५	रचना सं० १७२१ में शेपपुर में ।
६२	३०२१	इलाचीकुमाररास	”	”	१८वीं श	११	सं० १७१६ में शेपपुर में रचित । नटपद्रनगर में लिखित ।
६३	३२१६	उत्तमकुमाररास	जिनहर्ष	”	१८६५	१८	बीजापुर में लिखित । सं १७४५ में पाटण में रचित ।
६४	१५४	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	सेवक	”	१७११	१६	राजकोटनगर में लिखित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६५	६७६	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	सेवक	रा०गू०	१८११	१३	राधिकापुर में लिखित।
६६	३३७८	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	"	"	१६२४	११	
६७	३४६६	ऋषभदेवविवाहलो (धवल)	"	"	१७३४	१३	
६८	३५७३ (२७)	ऋषभदेवविवाहलो		"	१६वीं श.	७३-७६	जीर्ण प्रति।
६९	६०२	एकादशीमाहात्म्य चोपाई	विष्णुदास	"	१८३१	२६	प्रथम पत्र अप्राप्त। स० १६२४ में रचित। मानकुआ ग्राम में लिखित।
७०	३६८५	एकादशीमाहात्म्यभाषा पद्य	मानदास	ब्र०हि०	१८६८	४६	पाटण नगर में लिखित। स० १८३४ में रचित।
७१	६०५	ओखाहरण	प्रेमानन्द	गूर्जर	१६०३	७४	
७२	३२८६	ओखाहरण	"	"	१६वीं श.	३७	
७३	२१८४	कयवन्नाचोपाई	(जयतसी) जयरंग	राज०	१८वीं श	२१	उदयापुर में लिखित। स० १७२१ में रचित।
७४	२०३७	कयवन्नाचोपाई	जयरंग	रा०गू०	१८२३	३१	स० १७२१ में वीकानेर में रचित, सुरतिबिन्दर में लिखित।
७५	२०६०	कयवन्नाचोपाई	"	"	१७७६	३६	सं० १७२१ में वीकानेर में रचना।
७६	२०६६	कयवन्नाचोपाई	"	"	१७६८	१४	अडसीसर ग्रामे मरुस्थलदेशे लिखित सं० १७२१ मे वीकानेर मे रचित।
७७	३८७४	कयवन्नाचोपाई	"	"	१८५५	१६	सरीयारी मे लिखित स० १७२१ में वीकानेर में रचित।
७८	३६२१	कयवन्नाचोपाई	"	"	१८वीं श	१८	सं० १७२१ मे वीकानेर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७९	३८७५	कयवन्नारास	गुणसागर	रा गु०	१८वीं श	१५	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८०	२०६२	करगडूचौपाई	मतिशेखर	"	१७वीं श	१०	
८१	२०८८	कर्मविपाकरास	वीरचन्द्रमुनि	"	१८२	६	सं० १५२८ में पाटण म रचित।
८२	३८७२	कलावतीचौपाई	रायचन्द	"	१८१३	५	
८३	२१८२	काष्ठकठियाराचौपाई	मानसागर	"	१८०२	१४	बिदासर में लिखित। सं १७४७ म मतिहां में रचित।
८४	३५५४ (५)	काष्ठकठियाराचौपाई	"	"	१६वीं श	६५–६७	सं० १७४७ में पद्मावतीनगर मेंरचित।
८५	३८०३	काष्ठकठियाराचौपाई	"	"	१८४१	६	बीनातटनगर में लिखित। सं १७४१ में पद्मावतीनगर में रचित।
८६	३८८०	किसनजीरो ढालो		राज०	१६वीं श.	८	
८७	१५६४	कुमारपालभव्यरास	हीरकुशल	रा गु०	१७वीं श	१८	रचना स० १६४०। कम्मिमपुर में रचित।
८८	६६३	कुमारपालरास		"	१८८०	१०८	सं० १६७० खंभायती में रचना।
८९	३४७०	कृष्णविवाहलो		"	१८वीं श	८	
९०	६४४	केशी गौतमसंधि		अपभ्रंश	१६वीं श	४	
९१	१३२२ (१४)	केशी गौतमसंधि		रा गु०	१७वीं श	७५–७६	
९२	१८ ६ (५)	खंदकमुनिचोढालीयु		"	१८२६	२३–७	गुटका।
९३	३५७५ (४)	खंदकमुनिचोढालीयु		"	२ वीं श	६६–७७	
९४	२३७४ (१०)	खेमासानो रास	लक्ष्मीरतन	"	१८५०	४३–४८	सं १७४१ वलाउया में रचना।
९५	३०६२	गजसुकुमालछढालीयो	केशव	"	१८वीं श.	३	
९६	१८१६ (१)	गजसुकुमालढाल	शुभवधन	"	"	१–४	
९७	६४७	गजसुकुमाल विवाह	शुभवधनशिष्य	"	१८८०	७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८	२०८२	गजसुकुमालसंधि	मूलाऋषि	रा०गू०	१६६५	८	स० १६२४ में साचोर मे रचना।
६६	३५३७ (१५)	गुणप्रथीर जरासी		हिन्दी	१६वीं श.	१-३५	७६५ पद्य पर्यन्त, अपूर्ण।
१००	२१०३	गुणरत्नाकर छंद	सहजसुन्दर	रा०गू०	१७४६	१६	रचना सं० १५७२।
१०१	३५१४	गुणावलीकथा चोपाई	ज्ञानमेरु	"	१८वीं श.	८	
१०२	२०३३	गुणावलीकथा चोपाई	"	"	१७४३	७	विजयपुर में स.१६७२ मे रचना दसाडा ग्राम मे लिखित।
१०३	३६६८	गुणावलीचोपाई	दीपो	"	१८६१	२६	स० १७५७ मे रचित।
१०४	३८११	गुणावलीचोपाई	दीपऋषि	रा०	१८४८	२४	मौपडदा ग्राम मे लिखित। सं. १७५७ मे मनसर मे रचित।
१०५	६०६	गुणावलीबुद्धिप्रकाशरास	श्रुतसागर	रा०गू०	१७वीं श.	१०	गधारनयर में रचित।
१०६	३६२४	गुणावलीरास	रा नकुशल	"	१७१८	१८	अरटवाडा नगर में लिखित। स. १७१४ में रचित।
१०७	३५६६ (२)	गुसांइजी की लीला	कृष्णदास चोभड	ब्र हिं०	१७वीं श	१०-१७	
१०८	३५६६ (४)	गोवर्धनलीला	नारायणदास वडोदरी	"	१६८८	२६-३७	
१०९	२१६६	गोराबादलकथा	जटमल	रा०गू०	१८६८	६	सबुलागांम में स० १६८५ (पाठा० १६७५) मे रचित पुनरासर मे लिखित।
११०	२३६० (३)	गोराबादल की बात	"	"	१६वीं श	११से१७	
१११	३५५५ (२५)	गोराबादल कवित दूहा बध	"	"	१६वीं श.	१५१-१५६	स० १६८० में रचित, आणदपुर में लिखित।
११२	३३८४	गोराबादल चोपाई	भाग्यविजय	"	१८०३	३१	स० १६६० में कुंभलमेर में रचित।
११३	३३८५	गोराबादल चोपाई	हेमरतन	"	१६वीं श	२६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
११४	३०२६	गोराबादल चोपाई	लब्धोदय	रा०गू०	१७६५	२५	सं० १७०६ म उदयपुर मं रचित।
११५	३२८६	गोराबादल चोपाई	लब्धिउदय	रा०	१७५६	४१	उदयपुर मं लिखित, उदयपुर नरेश श्री जगतसिंहजी के अमात्य हंसराज के छठे भाई डुगरसी के आग्रह से सं० १७ ७ में रचित।
११६	१८३६ (१६)	गौतमरास आदि		रा०गू०	१८३३	११८–१४३	गुटका। सज्झायादि कृतिया हैं।
११७	१८१७	चउपरवीचउपई	समयसुन्दर	„	१८वीं श	२०	सं० १६७३ म जूठा गाम में रचित।
११८	१८२४ (१)	चदनबाला चोपाई	देपाल	रा	१६वीं श	१–४	
११९	९१६	चंदनमलयागिरि चोपाई	भद्रसेन		१८६६	८	विक्रमपुर में रचना। मानकूआ म लिखित।
१२०	१००९	चंदनमलयागिरि चोपाई	,	„	१८वीं श.	४	विक्रमपुर में रचना।
१२१	२ ७५	चंदनमलयागिरिचोपाई	,	„	१९वीं श	८	
१२२	३५५५ (१८)	चंदनमलयागिरि चोपाई	„	,	१६वीं श.	२८–३०	विक्रमपुर म रचित।
१२३	३५५६ (२)	चंदनमलयागिरि चोपाई	„		१८२१	३८–४१	
१२४	३५५७ (११)	चंदनमलयागिरि चोपाई			१८वीं श	१०३–१०५	
१२५	९९०	चन्दराजा रास	मोहनविजय	„	१८८५	१६०	सं० १७३८ राजनगर में रचना।
१२६	९९९	चन्दराजा रास	„	„	१८६०	७७	सं १७३८ राजनगर में रचना।
१२७	२०२२	चन्दराजा रास		„	१८११	६६	सं० १७८३ में राजनगर में रचित।
१२८	२०८४	चन्दराजा रास	„	,	१८२५	१०४	सं० १७८३ में राजनगर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
११४	२०२६	गोराबादल चोपाई	लब्धोदय	रा०गू०	१७६५	२५	सं० १७०६ म उदयपुर में रचित।
११५	३३८६	गोराबादल चोपाई	लब्धिउदय	रा०	१७५६	४१	उदयपुर में लिखित, उदयपुर नरेश श्री जगतसिंहजी के अमात्य हंसराज के छठे भाई डुंगरसी के आग्रह से स० १७ ७ में रचित।
११६	१८३६ (१६)	गौतमरास आदि		रा०गू०	१८३३	११८–१४३	गुटका। सज्झायादि कृतिया ह्रं।
११७	१८१७	चउपरवीचउपई	समयसुन्दर	,,	१८वीं श	२०	स० १६७३ म जूठा गाम में रचित।
११८	१८८४ (१)	चंदनबाला चोपाई	देपाल	रा	१६वीं श	१–४	
११९	९१६	चदनमलयागिरि चोपाई	भद्रसेन	,	१८६६	८	विक्रमपुर मे रचना। मानकूआ म लिखित।
१२०	१००६	चदनमलयागिरि चोपाई	,	,,	१८वीं श	४	विक्रमपुर में रचना।
१२१	२ ७५	चंदनमलयागिरिचोपाई	,,	,,	१६वीं श	८	
१२२	३५५५ (१८)	चंदनमलयागिरि चोपाई	,	,	१६वीं श	२८–३०	विक्रमपुर में रचित।
१२३	३५७६ (२)	चंदनमलयागिरि चोपाई	,	,	१८२१	३८–५१	, ,
१२४	३५५७ (११)	चदनमलयागिरि चोपाई		,	१८वी श	१०३–१०५	
१२५	६६०	चन्द्राजा रास	मोहनविजय	,,	१८८५	१६०	सं० १७३८ राज नगर में रचना।
१२६	६६६	चन्द्राजा रास	,,	,,	१८६०	७७	सं १७३८ राज नगर में रचना।
१२७	२०२२	चन्द्राजा रास	,	,,	१८११	६६	सं० १७८३ में राज नगर में रचित।
१२८	२०८४	चन्द्राजा रास	,,		१८२५	१०४	सं० १७८३ में राज नगर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१३९	३५३७	चन्द्लेहा चौपाई	मतिकुशल	रा गू	१८३०	२३	सं १७२८ में श्रीप चियाक में रचित। राणपुर में लिखित।
१४०	३५४० (२)	चन्दलेहा चौपाई	"	"	१९वीं श.	१३–३६	संवत् १७२८ में श्रीपचीयाप में रचित।
१४१	८८८४	चन्दलेहा चौराई	,	"	१७६१	२७	पीपाड में लिखित। सम्वत् १७२८ में श्रीपचियास में रचित।
१४२	३६२६	चन्दलेहा चौपाई	"	"	१७५७	१६	पै (सै) रवा में लिखित। सम्वत् १७२८ में श्रीपची थाक में रचित।
१४३	३६७१	चन्दलेहा चौपाई	"	,	१७५४	१३	सम्वत् १७२८ में श्रीपचीयाप में रचित।
१४४	१८९६	चन्दलेहा चौपाई	हर्षमूर्ति	,	१७वीं श.	५	रचना श० १५६६।
१४५	२२११	चंपकश्रेष्ठिचौपाई	समयसुन्दर	"	"	१०	सं १६९५ में जालोर में रचित।
१४६	३५७३ (५३)	चित्रसंभूतचौढालीयो	जीवनराज	"	१९वीं श	१३६ वां	श १७४६ विक्रम नेर में रचित। जीर्णप्रति।
१४७	३८८६	चित्रसेनपद्मावती चौपाई	रामविजय उपाध्याय	"	"	१५	सं १८५६ में बीका नेर में रचित।
१४८	९ ४	जम्बूपृच्छारास	वीरमुनि	"	१८८९	१३	सं १७८८ में पाटण में रचना। मान कुआ में लिखित।
१४९	१०१०	जम्बूपृच्छारास	,	"	१८१९	१२	सं १७२८ पाटण में रचना। सुजनगर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५०	२२३१	जंवूस्वामी चोपाई	चद्रभाण	रा०	१८६३	३६	सुवाइगाम मे लिखित। स० १८३८ में बोडावड में रचित।
१५१	३४७२	जवूस्वामी चोपाई	देपाल	रा०गू०	१५४८	८	सवत् १५२२ में रचना।
१५२	३५७३	जवूस्वामी चोपाई	"	"	१६वीं श	३८-४२	सवत् १५

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१६३	६१३	ढु ढकपवाडो	अविचल	रा०गू०	१८७१	६	भुजनगर में लिखित।
१६४	११४४ (१)	ढालामारवणी चोपाई		रा०	१६वीं श	१से२८	
१६५	२२ ७	ढोलमारूरीवार्ता दूहाबध		,	१८७८	८	पुलरासर में लिखित।
१६६	३६०३	त्रिभुवनकुमाररास	उत्तमसागर	रा०गू०	१७६३	२१	घृत माणग्राम में लिखित। सं० १७१२ में पुरबिन्दर में रचित।
१६७	३८८६	त्रिभुवनकुमार रास	,,	,,	१८वीं श.	२६	सोमली नगर में लिखित। सं १७१२ में पुरबिन्दर में रचित।
१६८	३५७५ (७६)	थावच्चामुनिचोढालियो	क्षमाकल्याण		२०वीं श	३११-३१६	महिमापुर में संवत् १८४७ में रचना।
१६९	२२२८	थावच्चासुत चोपाई	राजहृदय	,,	१८वीं श	१७८	सं० १७०७ में बीका नेर में रचित।
१७०	३८८८	थावच्चासुत चोपाई	समयसुन्दर	,,	,, ,	२५	स० १६९१ में पं (सं) भाइत में या (खा) रूयाखड्ड में रचित।
१७१	२१०१ (१)	दानलीला		,,	१६वीं श	१ आ	
१७२	३५६६ (६)	दानलीला	नारायणदास बडोदरी	ब्र हिं	१७वीं श	४१-४७	
१७३	८८१	दानशील तप भावना सवाद	समयसुन्दर	,,	१८वीं श	४	सं० १६६२ में सागानेर में रचना।
१७४	६१८	दानशील तप भावना सवाद	,	,	१७वीं श	४	स० १६६२ में सागा नेर में रचना।
१७५	६६५	दानशील तप भावना सवाद	,,	,	, ,,	६	स० १६६२ सागानेर में रचना।
१७६	१८ ६ (७)	दानशील तप भावना संवाद	,,	,,	१८२६	३२-४०	गुटका। सं० १६६२ सागानयर में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७७	२०४२ (२)	दानशीलतपभावना सवाद	समयसुन्दर	रा० गू०	१७८३	६-१२	स. १६६२ में सांगानेर में रचित। मगर मारवाड मे लिखित।
१७८	२०८६	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	१७०५	६	स. १६६२ मे सांगानेर मे रचना।
१७६	२३७४ (११)	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	१६वीं श	३६-४२	"
१८०	३२५६	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	१८४१	५	कृष्णगढ में लिखित। सवत् १६६२ में सांगानेर मे रचित।
१८१	३२७१	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	२०वीं श	१८	स. १६६२ मे सांगानेर मे रचित। गुटका। रास पूर्ण होने के बाद सज्झायादि पद लिखे हैं।
१८२	३५७३ (५४)	दानशीलतपभावसवाद	"	"	१८१०	१३७-१३६	स १६६२ में सांगानेर मे रचित। जीर्णप्रति।
१८३	३५७५ (३६)	दानशीलतपभावसंवाद	"	"	२०वीं श	१७३-१८१	स १६६२ मे सांगानेर मे रचना।
१८४	३८६१	दानशीलतपभावना सवाद	"	"	१८वीं श	४	सवत् १६६२ मे सांगानेर में रचित। उदैपुर मे लिखित।
१८५	३६२७	दानशीलतपभावना संवाद	"	"	१६वीं श	४	संवत् १६६२ में सांगानेर में रचित।
१८६	११२४ (१०)	दामनकचौपई	दयाशील	"	१६७६	१-६	स १६६३ में राउद्रहनगर में रचित।
१८७	२१७६	दामनकतौपाई	चारित्रसुन्दर	"	१८३०	६	स १८२४ में अजीमगज में रचित। विक्रमपुर में लिखित।
१८८	३२७२	देवकीना ढालीया		गू०	१८६१	२४	खेरालुनग्र में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१८९	१८९६	द्रौपदी चौपाई	कनककीर्ति	रा गू०	१७०७	१०	जैसलमेर में संवत् १६९३ में रचित।
१९०	२१३२	द्रौपदी चौपाई	"	"	१७२७	२९	जैसलमेरनगर में सं (?) में रचना। दयोवड़में लिखित।
१९१	३४७५	द्रौपदी चौपाई	,	"	१७१८	३६	जैसलमेर नगर में। सं १६९३ में रचना। मांडवगढ़ पार्श्वडोल ग्राम को लिखित।
१९२	३५३८	द्रौपदी चौपाई	"	"	१८वीं श	३१	सं० १६९३ में जैसलमेर में रचित।
१९३	९९६	द्रौपदी रास	समयसुन्दर	"	१८४६	२०	सं० १७०० में अहमदाबाद में रचना। भुजनगरमें लिखित।
१९४	११२३ (२)	धन्नाचरित्र रास	मतिशेखर	"	१७वीं श	२२–३०	सं १५१४में रचित।
१९५	११२४ (३)	धन्नाचरित्र रास	"		१६७५	३८–५९	संवत १५१४ में रचना। भुजनगर में लिखित।
१९६	३५०२ (१५)	धन्नाचरित्र रास	,	"	१९वीं श	४२–४९	सं० १५१४ में रचित। जीर्णप्रति।
१९७	२ ३४	धन्नारास	भावनरत्न	"	"	५६	संवत् १७७२ में अणहिल्लपुर पाटण में रचित।
१९८	३५७३ (२०)	धन्नासंधि	कल्याणतिलक	"	"	६५–६७	जैसलमेर में रचित। जीर्णप्रति।
१९९	३३८१	धन्यविलास	कल्याण	,	१९वीं श	४३	सम्वत् १६८५ में रचित।
२००	२१८१	धर्मदत्तधनवतीरी चौपाई	कनकमूर्ति कुशलहर्ष	"	१८२२	४५	बिदासर में लिखित। रचना—सं १७८८।
२०१	३६ ०	नन्दबत्रीसी चौपाई	सिंहकुशल	"	१७१२	६	बूधवड़ में लिखित।
२ २	२ ६५	नन्देरण चौपाई	ज्ञानसागर	"	१८वीं श	१२	
२ ३	८८०	नरसीमेतानु मामेरू	प्रेमानन्द	गू०	१ ९१	१५	मानकुआ में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२०४	११२३ (२५)	नलदवदन्ती चउपई		रा०गू०	१७वीं श.	८६-६४	३१२ वां पद्य पर्यन्त, पश्चात् किंचित् अपूर्ण। अन्त्य ६५ वां पत्र अप्राप्त।
२०५	६५२	नलदवदन्ती चोपाई	समयसुन्दर	,,	१७७४	२८	स० १६७३ मे आणद-नगर में रचना।
२०६	३८८६	नलदवदन्ती चोपाई	,,	,,	१७७६	७२	अवरगाबाद नगर मे लिखित स० १६७३ में मेडतानगर में रचित।
२०७	३६३१	नलदवदन्ती रास	मेघराज	,,	१६८६	२७	पा (खा) रूआवाडा मे लिखित। स.१६६४ मे रचित।
२०८	२०५६	नलायनोद्धार	नयसुन्दर	,,	१६८५	६७	रचना स० १६६५।
२०६	३५६६ (२)	नव आख्यान (नवरत्न) पद्य		गू०	१६वीं श.	१-११	
२१०	२८६३ (२५)	नवनिदानकुलकचोपाई	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	५६-६०	
२११	३५६६	नवरत्न नव आख्यान पद्य		गू०	१६८७	४-१०	आद्य तीन पत्र अप्राप्त।
२१२	३५५५ (१६)	नागदमण		रा०	१६वीं श	१२१-१२६	
२१३	३५७३ (३३)	नागदमण		,,	,, ,,	८२-८६	जीर्ण प्रति।
२१४	३६३२	नागदमण		,,	१७वीं श	४	
२१५	२३७७ (४)	नागदमण चोपाई		,,	१८०७	१६से२६	चोबारी ग्राम में लिखित। राउश्री देशलजी राज्ये।
२१६	२१६६	नागदमणछंद (यदुपति-पवाडो)		,,	१८५२	४	
२१७	८१८	नागदमनपवाडो		,,	१७७६	७	
२१८	६२८	नागदमणपवाडो		,,	१६वीं श	५	
२१६	३०३६	नागमताचोपाई		,,	१८वीं श	६	प्रथम पत्र सचित्र।
२२०	३५५० (११)	नागमताचोपाई		,,	१६वीं श	८४-८७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७२१	१८३०	नागमतु		रा०गू०	१७वीं श	४	
२२२	२१४१	नासकेतुआख्यान	नगनाथ	रा	१८६४	१५	लुणकर्णसर नगर में लिखित।
२२३	६४	नेमिजिनफाग रगसा गरनामा		रा०गू.	१६वीं श	८	वीसल नगर में लिखित।
२२४	३९३३	नेमिनाथधवल	नयसुन्दर	,,	१६६१	८	स० १६३० में रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
२२५	२१७०	नेमिनाथरास	कनककीर्ति	,,	१७वीं श	१	स० १६९२ में वीका-नेर में रचित।
७२६	३८६३	नेमिनाथरास	पुण्यरतन	रा०	१७३५	२	सुरायता ग्राम में लिखित।
२२७	३९३६	नेमिनाथरास	〃	रा०गू०	१७१६	४	
२२८	९७८	नेमिनाथविवाहलो	वीरविनय	,,	१८९४	७	राधनपुर में लिखित।
२२९	२०१७	नेमीश्वरस्नेहवेली	उत्तमविजय	,	१८७७	७	छाणी नगर में लिखित।
२३०	३९३९	पंचेन्द्रियचोपाई		रा०	१८वीं श	४	स १७५१ में रचित।
७३१	३५७५ (४४)	पचेन्द्रियचोपाई		रा०गू०	२०वीं श	२१६–२२८	स० १७५१ आगरा में रचना।
२३२	३९३८	परदेशीप्रतिबोधचोपाई	ज्ञानचद	,,	१७९१	२०	राजनगर में रचित।
२३३	२०८१	परदेशीराज्यचोपाई	सहजसुन्दर		१७वीं श	८	सत्यपुर में लिखित।
<३४	११२३ (५)	परदेशीराजाचोपाई		,	१६३६	१४से३९	
२३५	२१५७	परदेशीराजारी चोपाई		रा	१८८२	१६	बिदासर में लिखित।
२३६	३२४६	परसोतमपुराण पद्य		गू०	१८८१	११३	
२३७	११२३ (११)	पुण्यपालराजरिपि चउपई	सौभाग्यशेखर	रा०गू.	१७वीं श	६५–६९	स० १६४१ निजार नगर में रचित। ग्रथकार अपरनाम शिकरमुनि है।
२३८	११२३ (७)	पुण्यसारगुणश्रीचरित्र रास	विमलमूर्ति	,	१६३६	४६–५८	स० १५७१ में घघूक-पुर में रचित। गो गरू में लिखित।
२३९	३५३५	पुण्यसार चोपाई	पुण्यकीर्ति	,	१७२१	६	सं १६६६ सागानेर नगर में रचना। कोठारा में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र सख्या	विशेष
२४०	३६३७	पुण्यसारचौपाई	पुण्यकीति	रा गू	१८वीं श	६	स. १६६६ में सांगानेर मे रचित।
२४१	३६६५	पुण्यसारचौपाई	"	"	१७६५	४	भेततडाग्राम मे लिखित स. १६६६ मे सांगानेर में रचित।
२४२	३८६४	पुण्यसारचौपाई	पुण्यरत्न	"	१७५४	७	सवत् १६६६ में सांगानेर में रचित।
२४३	१८२२	पुरदरकुमारचौपाई	मालदेव	"	१७वीं श	१०	
२४४	३६४१	पुरदरकुमारचौपाई	"	"	"	७	
२४५	१४४२ (२)	पुण्पसेनपद्मावती चौपाई	कवि सामलदास	गू०	१८वीं श	१७–१०२	स. १४५२ (?) मे श्रीयनगर में रचित। कविगौडमालवी विप्र वीरेश्वर के पुत्र हैं।
२४६	३५४७ (६)	पृथ्वीराजरासो	चदकवि	हिंदी	१६वीं श.	२७–८४	पचम खड अपूर्ण।
२४७	१०१४	पृथीराजरासो (पीर खडसमैयो अजमेररो)	कविचदबरदाई	व्र हि	"	८४	
२४८	२६५५	पृथीराजरासो	चदबरदाई	हिन्दी	१७२३	प्लेट ११२	(फोटो कापी)
२४९	२३६२ (३)	पृथीराजरासो दूसरा खण्ड	चदकवि	"	१८वीं श.	२१	
२५०	२३६२ (४)	पृथीराजरासो तृतीय खण्ड	"	"	"	३	
२५१	२३६२ (५)	पृथीराजरासो १४ वां खण्ड	"	"	"	१४	
२५२	२३६२ (२)	पृथीराजरासो खण्ड २७ वां	"	"	"	१४	
२५३	२३६२ (८)	पृथीराजरासो सजोगिता पूर्वजन्मकथावर्णन	"	"	"	२	
२५४	८६७	पृथीराज (कच्छराजकुमार) विवाह वर्णन	लक्ष्मीकुशल	"	१६वीं श.	६	
२५५	६२०	पृथीराज (कच्छराजकुमार) विवाह वर्णन	"	"	"	४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२५६	६७२	पृथ्वीचन्द्रकुमाररास	गुणसागर	रा०गु०	१६७७	३	सूरतबिंदिर में लिखित।
२५७	१००३	प्रत्येकबुद्धचोपाई	समयसुन्दर	"	१८६७	३१	सं० १६६४ में आगरा में रचना।
२५८	२१७८	प्रत्येकबुद्धचोपाई	"	"	१७वीं श	१०	प्रथम और अंत्य(११) वा पत्र अप्राप्त, रचना सं १६६४।
२५९	१८८२ (१३६)	प्रह्लादचरित्र	रैदास	प्र०	१९वीं श	६९–७०	
२६०	१८९१ (२)	प्रह्लादचरित्र	गोपाल	प्र०हि०	१८४१	२६से४६	गुटका।
२६१	९५८	प्रियमेलकचोपाई	समयसुन्दर	र	१७वीं श	४	सं० १६७२ मेड़ता में रचना।
२६२	९७४	प्रियमेलकचोपाई	"	"	१७५५	६	सं० १६७२ में मेड़ता में रचना। अकबराबाद में लिखित।
२६३	१८१२	प्रियमेलक चोपाई	"	"	१७१४	७	सं० १६७२ में मेड़ता में रचित।
२६४	२०९७ (२)	प्रियमेलक चोपाई	"	,	१७७२	१०–१५	सं० १६७२ में मेड़ता नगर में रचना, पत्तन में लिखित।
२६५	२२०१	प्रियमेलकचोपाई	"	"	१८९०	७	सं० १६७२ में मेड़ता में रचित।
२६६	१८८९ (६)	प्रीतिलता	सवाई प्रतापसिंहजी	हिन्दी	१९वीं श	३३से३९	रचना सं० १८५८।
२६७	१८८९ (७)	प्रेमपंथग्रन्थ	"	"	" "	२४से२६	
२६८	१८८९ (४)	प्रेमप्रकाश	"	"	" "	१ से१९	रचना सं० १८५१।
२६९	१८८९ (३)	फागरंग	"	,	" "	५से१०	रचना सं० १८४८।
२७०	२८२६	फागविहार	नागरीदास	"	, ,	१२	
२७१	२८२५ (२)	बारामास	महीमुहम्मद	प्र०हि०	१८६७	१३–३५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२७२	२१०१ (२)	बाललीला		रा०गू०	१६वीं श.	१–३	
२७३	२१६७	बाललीला		ब्र०हि०	२०वीं श.	१८	
२७४	३५६६ (५)	बाललीला	नारायणदास बडोदरी	"	१७वीं श.	३७–४१	
२७५	११४१	बिल्हणपंचाशिका चौपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८०७	२०	पत्र १, २ अप्राप्त। अंजार में लिखित। कामीजनार्थ रचित।
२७६	२०४२ (३)	बुद्धिरास	शालिभद्र	"	१७८३	१२–१४	भगरवाडा में लिखित।
२७७	२०६८	बुद्धिरास	"	"	१८वीं श.	२	
२७८	३१६५	बुद्धिरास	"	"	१७वीं श.	२	
२७९	३४८०	बुद्धिरास	"	"	१८वीं श	८	
२८०	२२७४	भक्तमाल सटीक	मू० नाभाजी टी० प्रियादास	ब्र०हि०	१८३६	२२०	मामकरकेडि (पुष्कर मडल) में लिखित। टीकारचना स० १७६६।
२८१	२०२३ (१)	भमरगीता	विनयविजय	रा०गू०	१७३४	१–७	स.१७३६ (१७३२) मे रचित। पत्तंनद्रंग मे लिखित।
२८२	३२०६	भमरगीता	मैनाहिन		१७६८	५	
२८३	२३७६ (६)	भवरगीत	मुकुंदकवि	ब्र०हि०	२०वीं श	५–१७	वडनगर मे लिखित। पत्र १ से ४ अप्राप्त।
२८४	३४७७	भोजचरित्र चौपाई	कुशलधीर	रा०गू०	१७४०	३५	पत्र १४, १५, १६ अप्राप्त। स. १७३० मे सौभितनगर में रचना। वहिलग्राम में लिखित।
२८५	११२३ (४)	मगलकलशचरित्र रास	सर्वाणदसूरि	"	१७वीं श	३०–३४	
२८६	३५१६	मगलकलश चौपाई	मंगलधर्म	"	"	१२	स० १५२५ में रचना।
२८७	३५५४ (७)	मगलकलश चौपाई	लक्ष्मीहर्ष	"	१८८०	१–१२	बगडी मे लिखित। स. १७७६ मे काकदी नयर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२८८	३६७४	मंगलकलश चोपाई	लक्ष्मीहर्ष	रा०गू०	१८६६	१०	बाडवास में लिखित, सं १७१९ म श्र्कवी नयर म रचित ।
२८९	३५३३	मंगलकलश फाग	कनकसोम वाचक	"	१७वीं श	७	सं० १६४९ में रचना ।
२९०	२०२९	मंगलकलशरास	दीप्तिविजय	"	१८७४	३३	सं० १७४९ में रचित । रानेर में लिखित ।
२९१	२०८६	मंगलकलशरास	"	,	१८६६	४९	रचना स० १७४९ ।
२९२	३४८८	मत्स्योदरकुमाररास	पुण्यकीर्ति	"	१७वीं श	१५	स० १६८८ बीलपुर में रचना ।
२९३	११४२ (३)	मधुमालतीचोपाई	चतुरभुजदास	रा०	१८वीं श	१०२से २११	
२९४	३५५७ (४)	मधुमालतीचोपाई	"	,	१८२८	१–३३	कटालिया ग्राम में लिखित ।
२९५	३५५५ (१२)	मधुमालतीचोपाई	"	,	१८९६	५८–८९	संग्रामसिंघशासित कटालिया में लिखित ।
२९६	३५६२ (१)	मधुमालतीचोपाई	"	"	१८४६	१–७७	देवगढ में लिखित ।
२९७	३५३८ (१)	मधुमालतीचोपाई	"	"	१९वीं श	१–९३	
२९८	३८९१	मधुमालतीचोपाई	"	"	१८५६	३२	लसाणीग्राम में लिखित।
२९९	१५७८ (२)	मधुमालतीचोपाई सचित्र	,	,	१८७७	१४१	चित्र सं० ८७ हैं ।
३००	२०२६	मलयसुन्दरीरास	कान्तिविजय	,	१७९६	८४	राधनपुर में लिखित, सं० १७७५ में पाटण में रचित ।
३०१	९०४	माधवानलकामकंदला चोपाई	कुशललाभ	"	१६४२	१९	सं० १६१६ में जेसलपुर में रचना जयतारणि में लिखित ।
३०२	९१५	माधवानलकामकंदला चोपाई	"	"	१९वीं श	२१	सं० १६१६ में जेशमेर में रचित ।
३०३	९१६	माधवानलकामकंदला चोपाई	,	,	१८९६	२०	सं० १६१६ में जेसलमेर में रचित । मानकूआ में लिखित ।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३०४	२०६१ (२)	माधवानलकामकदला चौपाई	कुशललाभ	रा० गू०	१८वीं श	२०	स १६१६ मे जैसलमेर में रचना।
३०५	२२२२	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१८२४	१२	पुनरासर मे लिखित। स १६७७ मे जैसलमेर मे रचित।
३०६	२३६० (६)	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१६वीं श	१४–३७	रचना स० १६१६। जैसलमेर। विदासर में लिखित।
३०७	३५३०	माधवानलकामकदला चौपाई	"	"	१७३०	१४	स १६१६ मे जैसल-
३०८	३५५५ (१)	माधवानलकामक चौपाई					
३०९	३५६१ (१)	माधवानल चौपाई					
३१०	३८६५	म [illegible] ानलका चौपाई					
३११	३६४५	[illegible]धानल[illegible] चौपाई					
३१२	६७१	मानतु[illegible]					
३१३	३६४७	मानतु[illegible]					
३१४	३६७६	मानतु[illegible]					
		मानतु[illegible]					

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३१६	१००५	मानतु ग मानवतीरास	मोहनविजय	रा०गू०	१८१२	२६	स० १७६० अणहिलपुर पाटण में रचना दुर्गादासराठोड के शासनकाल में।
३१७	२०३७	मानतु ग मानवतीरास		,,	१८६४	३५	स० १७६० में दुर्गादास राठोड के शासन में अणहल्ल पत्तन में रचित। पत्तन में लिखित।
३१८	२०४६	मानतु ग मानवतीरास	,,		१७८	३३	स १७६ म दुर्गादास के शासन में अणहिल्लपुर पाटण में रचित।
३१९	३२४१	मानतु ग मानवतीरास	,,	,	१९वी श	४१	स० १७५० में दुर्गादास राठोड शासित अणहल्लपुर पत्तन में रचित।
३२०	३२६१	मानतु ग मानवतीरास	,,	,	१८४५	३५	वडावली में लिखित सं० १७६० में दुर्गादास शासित अणह्लपाटण में रचित।
३२१	३५५४ (१०)	मानतु ग मालवतीरास	,,	,,	१८८३	१३–२५	स० १७६० में अणहल्लपुर पाटण में रचित।
३२२	३६४६	मानतु ग मालवतीरास	,,	,	१७७९	२७	राननगर में लिखित स० १७६० मे दुर्गादास राठोड शासित अणहलपुर पाटण में रचित।
३२३	३२२२	मामेरू	प्रेमानन्द	,,	१८७४	१६	
३२४	२८६३ (२६)	मुलवस्त्रिकाविचार चोपाई	हीरकलश	,	१७वीं श	६४–६५	
३२५	३६७८	मुनिपतिचोपाई	धर्ममंदिर	रा०	१८८९	५४	स० १७२५ में पाटण में रचित।

क्रमाक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२६	३४६४	मुनिपतिचौपाई		रा	१७वीं श	३५	सं. १५५० में रचना।
३२७	३४८१	मुनिपतिचौपाई			१५६६	३८	स. १५५० में रचना।
३२८	२८६३ (२४)	मुनिपतिचरित्रचौपाई	हीरकलश	”	१६६८ वैशाख	१२–५८	सं. १६१८ के माघ मास में बीकानयर मे रचित। कनकपुरी मे लिखित।
३२९	२०२१	मुनिपतिचरित्रचौपाई	धर्ममन्दिर	”	१८४१	३६	सम्वत् १७२५ में पाटण में रचित।
३३०	२१२६	मुनिपतिचरित्रचौपाई	”	”	१८१८	३१	सवत् १७२५ मे पाटण मे रचित। रिणी मे लिखित।
३३१	३५७२ (२२)	मृगापुत्रसंधि	कल्याणतिलक	”	१६वीं श.	६७–६८	जीर्णप्रति।
३३२	३६४४	मृगापुत्रसंधि	”	”	१६६७	४	
३३३	६६१	मृगावती चौपई	समयसुन्दर	”	१६६०	२८	स १६६८ मे मुलतान में रचना।
३३४	३८६६	मृगावती चौपई	”	”	१८वीं श	२५	मुलताणनगर में रचित।
३३५	३६४८	मृगावती चौपई	”	”	१७वीं श	३४	स० १५६८ में मुलताण में रचित।
३३६	३६८०	मृगावती चौपई	”	”	”	६०	सं. १६६५ में मुलताण में रचित।
३३७	३५७३ (१२)	मेघकुमारचोढालीयो	कनककवि	”	१६वीं श	३४–३५	जीर्णप्रति।
३३८	३६४६	मेघकुमारचोढालीयो	”	”	१६६१	७	
३३९	३६८१	मेघकुमारचोढालीयो	यादव	”	१८८१	३	आणदपुर में लिखित।
३४०	३१६६	मोती कपासीया सवाद चौपाई	श्रीसार	”	१८वीं श	६	सं १६८२ में फलवधीपुर में रचित।
३४१	३२०८	मोती कपासीया सवाद चौपाई	”	”	१७२५	२	बीकानेर में लिखित। स. १६८२ में फलवधीपुर में रचित।
३४२	३८६७	मोती कपासीया सवाद चौपाई	”	”	१६६५	४	स १६८६ मे फलवधीपुर मे रचित।
३४३	३६५०	मोती कपासीया सवाद चौपाई	”	”	१७वीं श	७	स १६८६ में फलवधीपुर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३४४	३५५५ (२)	मोहनमोहीकथा-पद्य	ज्ञानकवि	हिं०	१९वीं श	१२-१४	
३४५	८३	मोहविवेकरास	धर्ममन्दिर	रा०गू०	१८वीं श	७६	सं० १७४१ में मुलतान में रचना।
३४६	१५६८	यशोधररास	नयसुंदर		१७वीं श	२१	सं० १६७१ में रचना।
३४७	२०२५	यशोधररास	उदयरत्न	„	१८०३	५४	चन्द्रावती (चाणस्मा) में लिखित। संवत् १७६७ में रचित।
३४८	२१३७	यशोधररास	ज्ञानद (लुंका-गच्छीय)	„	१९वीं श	२०	सं० १६२३ में वडोदरा में रचित।
३४९	१८२८	यादवरास	पुण्यरत्न	„	१६९०	३	
३५०	८९२	रतनरासो	पिडीओ जगो	रा०	१८७९	१४	मानकुआँ में लिखित।
३५१	२३१०	रतनरासो	„		१८५	३८	मेड़ता में लिखित।
३५२	२३६ (४)	रतनरासो	„	„	१८४१	१से१२	पत्र ५ ६ अप्राप्त। बीदासर में लिखित।
३५३	३५४८ (३)	रतनरासो			१८वीं श	२१-२८	अपूर्ण। जीर्णप्रति।
३५४	३५४९ (२)	रतनरासो	पिड़ियोजगो	„	१९वीं श	२४-३१	
३५५	३५६० (१)	रतनरासो			१८वीं श	१-३१	
३५६	३५७३ (५१)	रतनरासो	खड़ीयोजगो	„	१८०९	१२९-१३५	जीर्ण प्रति। सं १७१५ में रचित।
३५७	११२३ (२४)	रत्नचूडकुमारचउपई	सेवक (रत्नसूरि शिष्य)	„	१७वीं श	८४-८९	
३५८	११२४ (६)	रत्नचूडकुमारचउपई	„	„	१६७५	१से१२	सं १५७१ में रचना।
३५९	२५५४ (८)	रत्नचूडचोपाई	कनकनिधान	„	१७७६	१-१२	सं० १७२८ में रचित।
३६०	३९८२	रत्नचूडचोपाई		„	१८४१	२४	बीलाडामें लिखित। सं० १७२८ में रचित।
३६१	३९९२	रत्नचूडचोपाई	„	„	१९वीं श	१८	सं० १७२८ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३६२	२७८०	रत्नपालचौपाई	रघुपति	रा०गू०	१८२४	१४	स १८१६ में गजसिंहजी के राज्य में कालूग्राम मे रचित कर्ता ने अपना नाम रघनाथ भी लिखा है। विक्रमपुर में लिखित।
३६३	२२३०	रत्नपालचौपाई	"	"	१८६४	३३	स. १८१६ मे गजसिंह के राज्य में कालूग्राम मे रचित।
३६४	३८६४	रत्नपालचौपाई	कनकसुन्दर	"	१८२१	१३	कल्या[illegible] लिखि[illegible] १७६७
३६५	३८६५	रत्नपालचौपाई	मोहनविजय	"	१८१२	५४	वैराटनगर लिखित। १७६० में रचित।
३६६	३८६६	रत्नपालचौपाई	दर्शनिधान	रा०	१८१७	२७	स १८१६ ग्राम में रचि
३६७	६३६	रत्नपालरास	सुरविजय	"	१७६६	३२	धोलका में स १७३२ णपुर में र
३६८	६८८	रत्नपालरास	"	रा०गू०	१८३०	२५	सम्वत् १६३२ में बरहानपुरमें रचित। मुजनगर में लिखित।
३६९	११७३ (६)	रत्नसार रास	सहजसुन्दर	"	१७वीं श	३६–४६	सवत १५८२ में रचित।
३७०	३६८३	रत्नसार रास	"	"	१८वीं श	१५	सवत १५८८ (?) में रचित।
३७१	७०३६	राजसिंहरतनवती पच कथा रास	प्रभुदास	"	१९वीं श	१६	सवत १७५५ में वटपद्र मे रचित।
३७२	७८६२ (३८)	राजसिंहरत्नावती सि(सं)धि	हीरकलश	"	१६१६	७१–८४	स. १६१६ में [illegible] ग्राम मे रचित। रचना के चौथे दिन में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७३	२२१५	रात्री भोजन चोपाई	धर्मसमुद्र	रा०गु०	१६७०	६	पाडला ग्राम में लिखित। पंचालसायरनयर में रचित।
३७४	३४८३	रात्री भोजन चोपाई	"	"	१७५४	५	सगरोप में लिखित, पचालासोनयर में रचित।
३७५	३५७३ (१७)	रात्री भोजन चोपाई	"	,	१६वीं श	५१से५७	पंचालीसांनयर में रचित। जीर्ण प्रति।
३७६	१००६	राधाविलापबारमास	प्रेमानन्द	गुजर	१८२०	११	
३७७	२८५५ (१)	राधिका विरहबारह मास	संगमकवि	प्रा०हि०	१८६६	१से१३	गुटका।
३७८	३. ०	रामगुणरासे	माधवदास		१८१८	४५	
३७९	३३८७	रामगुणरासो	माधोदास	रा०	१७८३	३७	कृष्णगढ़ में लिखित।
३८०	३३८८	रामगुणरासो	"	,	१८२६	४४	देर्यां में लिखित।
३८१	३४४८ (५)	रामगुणरासो	"	,	१७६१	७२-१२६	तिमरी में लिखित।
३८२	३४४६ (१)	रामगुणरासो	,		१६वीं श	१-२३	
३८३	३५६७ (१)	रामगुणरासो	"	"	१८०६	१-७१	मेडता में लिखित।
३८४	३८६७	रामयशोरसायनरास	केशराज	रा०गु०	१८७१	६५	दुहरग्राम में जमना तटपर लिखित। सं० १६८० में अन्तरपुर में रचित।
३८५	३६८८	रामयशोरसायनरास	,	"	१८४७	१०	लालनगर मेदपाट में लिखित। 'मारवाड देश मध्ये विग्रहथयो तरेमेदपाट मध्ये आयाथा ते जाणवो' लेखक पुष्पि कागद पंक्ति। सं० १६८० में अंतरपुर में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३८६	१८८२ (१६८)	रुक्मणीविवाह	कृष्णदास	ब्र०हि०	१६वीं श.	१०८–१११	
३८७	८७२	रुक्मणीहरण (पद्य)		रा०	१६०४	१२	
३८८	८७५	रुक्मणीहरण (पद्य)		”	”	६	
३८९	२२१०	रुक्मणीहरण (पद्य)	विजैराज	”	१६वीं श	७	पद्य रचना।
३९०	३५००	लीलावती चौपाई	हेमरतन	रा० गू०	१७वीं श	१६	स. १६७३ में पाली-नयर मे रचना।
३९१	९८७	लीलावतीसुमतिविलास रास	उदयरत्न	”	१८४२	१४	स. १७६७ मे ऊना-ऊआ मे रचना। जालियाग्राम में लिखित।
३९२	२०५०	रासलीलावतीसुमति विलास	”	”	१८१७	१३	संवत् १७६७ में उनाउया में रचित।
३९३	३२२७	लीलावतीसुमतिविलास रास	”	”	१८७१	११	धनपुरनगर में लिखित। स १८६७ में ऊनाऊआग्राम में रचित।
३९४	३५१५	लीलावतीसुमतिविलास रास	”	”	१८वीं श	१५	संवत् १७६७ में ऊनाऊआ में रचित।
३९५	३४८६	वच्छराज चौपाई	आनदनिधान	”	”	२१	सं. १७४८ मे सोभित नयर में लिखित।
३९६	३४८५	वसुदेवकुमार चौपाई	हर्षकुल	”	”	८	स १५५७ (१) में वरलासनयरी में रचित।
३९७	१८३६ (४)	वस्तुपालतेजपालरास	समयसुन्दर	”	१६वीं श	१९–२३	तिमरीपुर में रचना। सवत् १६८२।
३९८	२२१३ (३)	वस्तुपालतेजपालरास	”	”	१८३८	४–५	कालू मे लिखित। स १६८२ में तिम-रीपुर में रचित।
३९९	२१७४	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास	सकलचन्द्र	”	१७४१	२६	त्रबावतीनगर में रचित।
४००	२२७४ (१३)	वासुपूज्य पुण्यप्रकाश रास	”	”	१८५७	४७–६२	त्रबावतीनगर में रचना।
४०१	३८६६	विक्रमखापराचौपाई	अभयसोम	”	(१७)६७	९	सवत १७२३ में सिरोही मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
४०२	१८१५	विक्रमचरित्र प्रबंध	उदयभानु	रा०गू०	१५६७	२	गोदावरी ग्राम में लिखित। स० १५६५ में रचित।
४०३	५५५५ (२८)	विक्रमचोबोलीचोपाई	जिनहर्ष	रा	१६वीं श	१६२वा	
४०४	२१२७	विक्रमचोबोलीचोपाई	अभयसोम	रा०गू	१८६६	८	रचना स० १७२४। सुनाम में लिखित।
४०५	२८६०	विक्रमचोबोलीचोपाई		,,	१६वीं श	७२	अन्त्य २३ वा पत्र अप्राप्त।
४०६	३६००	विक्रमचोबोलीचोपाई	,	,,	१७८२	१२	पीपली ग्राम में लिखित। स० १७२४ में रचित।
४०७	२२२५	विक्रमचोबोलीचोपाई	,	,	१७६८	११	सादडी में लिखित स० १७२४ में रचित।
४०८	१०११	विक्रमचोबोली तथा प्रहेलिका	जिनहर्ष		१६वीं श	२	सिणधरी म लिखित।
४ ६	२२०५	विक्रमपंचदंडचोपाई	लक्ष्मीवल्लभ	,	१८५३	११६	बिदासर में लिखि त। स० १७२८ में रचित।
४१०	३८६८	विक्रमपंचदंडचोपाई			१८वीं श	७२	सं १७२८ में रचित।
४११	३६५१	विक्रमपंचदंडचोपाई	,,	,	१८वीं श	७१	अन्त्य ७२ वा पत्र अप्राप्त।
४१२	३६०२	विक्रमपंचदंडचोपाई	लक्ष्मीकीर्ति	,,	१८८१	८४	मलसागवदी ग्राम में लिखित।
४१३	३६६४	विक्रमपंचदंडचोपाई	,	,,	१६वीं श	१०६	लराू में लिखित स० १७२८ में सबल सिंह शासित थलीनगर में रचित।
४१४	२०८०	विक्रमपंचदंडचोपाई	नरपति	,,	१७६२	३४	रचना काल शाके १५०० ।
४१५	२१२८	विक्रमरास	लाभवर्धन	,,	१८६६	२३	सं० १७२३ में जयतारण नगरी में रचना, सुनाम में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४१६	१८२५	विक्रमसेनचौपाई	पर(द)मसागर	रा गू.	१८१६	४५	स. १७२४ में गढ़-वाडा में रचना।
४१७	२०१६	विक्रमसेनचौपाई	परमसागर	,,	१६३५	६१	स. १७२४ में गढ़-वाडा में रचित।
४१८	३८६६	विक्रमसेनचौपाई	,,	,,	१७८४	४८	वगडी में लिखित। स १७२४ मे गोढ-वाड में रचित।
४१६	३८६८	विक्रमसेनचौपाई	मानसागर	,,	१८२८	३६	वडुग्राम मे लिखित। स १७२४ मे कुंड-नगर मे रचित।
४२०	३६६१	विक्रमसेनचौपाई	,,	,,	१७६८	३३	आगेवानगर में लिखित। सवत् १७२४ में कू डइलग-रम में रचित।
४२१	१०१६	विक्रमादित्यचरित्र चौपाई	नरपतिकवि	,,	१७०६	३२	सारीआग्राम में लिखित।
४२२	३६०१	विक्रमादित्यनवसेंकन्या चौपाई	लाभवर्धन	,,	१८४८	१६	सरीयारी में लिखित। सम्वत् १७२३ में जयतारणनगरी में रचित।
४२३	३५७५ (२१)	विजयशेठ विजया शेठाणी चोढालीयो	चद्रकीर्तिसूरि	,,	२०वीं श.	६५–६७	
४२४	२२२७	विद्याविलासचौपाई	राजसिंह	,,	१७वीं श	६	स. १६७६ में चपा-वतीनगरी में रचित।
४२५	२६५२	विद्याविलासचौपाई	,,	,,	१६६३	१३	जेसलमेर में लिखित। सम्वत् १६७६ में चपावती-नयरी में रचित।
४२६	३६६७	विद्याविलासचौपाई	जिनहर्ष	,,	१८५०	२१	तेल्यपुर में लिखित। सवत् १७११ में रचित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
४२७	११२३ (१)	विद्याविलास पवाडउ	हीराणदसूरि	,,	१६३१	२–५	प्रथम पत्र अप्राप्त। सवत् १४८५ में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
४२८	१८२४ (२)	विद्याविलास पवाड़ड	हीराणंद	रा०गू०	१६वीं श	४–८	र० सं० १४८५ ।
४२९	१८२७	विद्याविलास पवाड़ड	,,	,,	१६७६	९	र० स १४८५ ।
४३०	२०१३	विद्याविलास पवाड़ड	,	,,	१९वीं श	५	सं० १४८५ में रचित ।
४३१	३५४४	विद्याविलास पवाड़ड	,,	,	१७वीं श	६	सं० १४८५ में रचित ।
४३२	१००४	विनयचटरास	ऋषभसागर	,,	१८७६	५३	सं० १८१० में पुरमिंदर में रचना। माडवी मिन्दर में लिखित।
४३३	२१२३	विमलमंत्री रास	लावण्यसमय	,,	१८वीं श	२९	सं० १५६८ में माल मुद्र में रचित ।
४३४	२३७४ (१७)	विमलमंत्री रास	,,	,	१८३७	८३–१४१	सं १५६८ में माल समुद्र में रचित ।
४३५	३५३४	विमलमंत्री रास	,,	,,	१७वीं श	६५	स० १५६८ मे मालसमुद्र में रचित।
४३६	२१४८	वीरभाणउदैभाणचौपाई	कुशलसागर	,,	१८४१	४८	बीकानेर में लिखित सं० १७४५ में नवा-नगर में रचित।
८३७	३१६८	वीसस्थानकरास	जिनहर्ष	,,	१८२५	१८१	जोरावरसिंहजी शासित सिरधरी में लिखित ।
४३८	१६५०	वृन्दावनरासभाषा		ब्र०हि०	१९वीं श	८	रचना स० १६८६ ।
४३९	३२१२	वृद्धिसागरनिर्वाणरास	दीपमुनि	रा०गू०	१८ ५	१०	सोमितरामें लिखित।
४४०	३१३४ (२)	वेतालपचीसीकथा गद्य		,,	१९वीं श	१से२५	
४४१	९३४	वेतालपचीसी गद्य			१८८०	६१	मानकुआ में लिखित ।
४४२	२१४१ (१)	वेतालपचीसी गाथा दूहाबंध	देवसील	,	१९वीं श	१–१५	वकाविमास में सं० १६१९ में रचना।
४४३	२१४३ (५)	वेतालपचीसी	देवीदान नाइता	रा०	१८६०	१३–३५	पद्य रचना बीकानेर नृप अनूपसिंह के कुतूहलार्थ रचित। लूणकरणसर में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
४४४	२३६० (६)	वेतालपच्चीसी कथा	देईदान नाइता	रा०	१८४६	२६–५४	बीकानेर नरेश अनूपसिंह के विनोदार्थ रचित। बीदासर में लिखित।
४४५	३२४३	वेतालपच्चीसी	"	"	१८५४	१६	बीकानेर नृप अनूपसिंहजी के कुतूहलार्थ रचित। भाभेर ग्राम मे लिखित।
४४६	२८३०	वेतालपच्चीसी गद्य		"	१६वीं श.	१३	गुटका। अपूर्ण।
४४७	३५५४ (६)	वेतालपच्चीसी गद्य		"	१८८०	१–१३	वगडी में लिखित।
४४८	३५७३ (१)	वेतालपच्चीसी चौपाई	हेमाणंद हीरकलश शिष्य	"	१८१२	१–१७	स. १६४६ में रचित। ओवरीग्राम में लिखित। जीर्णप्रति।
४४९	३६०३	वैदर्भी चौपाई	प्रेमराज	रा०गू०	१८वीं श	७	
४५०	३६६५	वैदर्भी चौपाई		"	१८५६	६	
४५१	१८८६ (८)	व्रजशृंगार	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१६वीं श.	२६–३३	रचना स० १८५१।
४५२	३५१० (१)	शकुंतला रास	धर्मसमुद्र	रा०गू०	१८वीं श	१–३	
४५३	१००२	शत्रुंजयउद्धाररास	समयसुन्दर	"	१८३६	८	सं. १६८६ में नागोर में रचना। राधणपुर में लिखित।
४५४	१८३६ (३)	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१८२६	१०–१६	नागोर में सम्वत् १६८२ में रचना।
४५५	२२२६	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१८वीं श.	२३	गुटका। प्रस्तुतकृति के बाद लेखक ने स्तवन पदादि लिखे हैं।
४५६	३५५४ (३)	शत्रुंजयउद्धाररास	नयसुन्दर	"	१६वीं श	६०–६२	सवत् १६४८ में रचित।
४५७	३६५२	शत्रुंजयउद्धाररास	"	"	१६६५	६	
४५८	३५३६	शांतिनाथ चौपाई	ज्ञानसागर	"	१८वीं श	५०	स. १७२० में पाटण मे रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४५९	३९०४	शान्तिनाथ चोपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८८७	२२	आणदपुर में लिखित, स० १७२० में पाटण में रचित।
४६०	२२०४	शाबप्रद्युम्न चोपाई	समयसुन्दर	,,	१८३८	२५	सं० १६५९ में रचित। बिदासर में लिखित।
४६१	२८८६	शाबप्रद्युम्न चोपाई	,,	,,	१६९४	२२	सं० १६५९ में खंभात में रचित, उजेणीनगरी में लिखित प्रथम पत्र अप्राप्त।
४६२	४०००	शांबप्रद्युम्न चोपाई	,	,,	१८वीं श	१५	अंत्य १६ वा पत्र अप्राप्त।
४६३	९५२	शालिभद्र चोपाई	मतिसार	,	१७९५	१९	सं० १६७८ में रचना।
४६४	९८३	शालिभद्र चोपाई	,,		१८१३	१५	स १६७८ में रचना। सत्यपुर में लिखित।
४६५	१००७	शालिभद्र चोपाई	,	,,	१८वीं श.	१७	सं० १६७८ में रचना।
४६६	१८३९ (१४)	शालिभद्र चोपाई	,,	,,	१८३१	६७-११०	गुटका। दानस ज्झाय सीलसज्झाय।
४६७	[illegible] २०	शालिभद्र चोपाई	,,	,,	१८२१	१७	
४६८	२१८६	शालिभद्र चोपाई	,	,	१७वीं श	२५	
४६९	२३७४ (१)	शालिभद्र चोपाई	,		१८५७	१६	गुटका रचना सं० १६७८।
४७०	३४८७	शालिभद्र चोपाई	,,	,	१७वीं श	२४	स० १६७८ में रचना।
४७१	३५५४ (६)	शालिभद्र चोपाई	,,	,,	१८७९	१-८	सं० १६७८ में रचित।
४७२	३८७१	शालिभद्र चोपाई	,,	,,	१६८९	१८	
४७३	३९५५	शालिभद्र चोपाई	,	,,	१७वीं श	१८	स० १६७८ में रचित।
४७४	३९६५	शालिभद्र चोपाई	जयशेखर शिष्य	,,	, ,	९	
४७५	५५ (७)	शालिभद्र चोपाई	मतिकुशल	,,	१६वीं श	५०-६९	सं० १६७२ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४७६	३२७	शिवरात्रीकथा चोपाई	जावड (?)	रा०गू०	१७८६	२४	आसधिगांवमें लिखित
४७७	३६५६	शिवरात्री चोपाई		,,	१७वीं श	४	
४७८	२१६५	शीलरक्षारास	नयसुन्दर	,,	१६७३	६	रचना स० १६२६।
४७६	२०५७	शीलरक्षारास	विजयदेवसूरि	,,	१७वीं श	७	जालुहरनगर में रचना।
४८०	३५७३ (३७)	शीलरक्षारास	,,	,,	१६वीं श.	६७–१०१	जालोरनयर में रचित। जीर्ण प्रति।
४८१	३८६०	शीलरक्षारास	,,	,,	१७वीं श.	६	जालउरनयर में रचित।
४८२	३६३४	शीलरक्षारास	,,	,,	,, ,,	८	लालउर नयर मे रचित।
४८३	३४७८	शीलरास		,,	१६४४	१०	पडवा में लिखित।
४८४	२०५३	शीलवती चरित्र	नेमविजय	,,	१८३०	५३	सं० १८०० मे रचित।
४८५	११२८ (८)	शीलवती चोपाई	ललितसागर	,,	१६७६	१से३२	स० १६०७ में चक्रापुरी मे रचना।
४८६	२१७३	शीलसिलोकोरास	ज्ञानचद	,,	१८४०	१२	विक्रमपुर मे लिखित।
४८७	६०३	शुकबहोतेरी चोपाई	रत्नसुन्दर	,,	१६०८	८५	स० १६३८ में त्रंबावती ग्राम मे रचित। कृति का गौणनाम रस मंजरी है। भुज नगर में लिखित।
४८८	२०८७	शुकराजकथा	तेजविजय	,,	१६वीं श	३३	
४८६	१५६७	श्रीचन्द्रकेवलीरास	देवविजय	,,	१७१७	६२	र० स० १६६२।
४६०	३६०५	श्री गलचोपाई	महिमोदय	,,	१८५१	४३	देलवाडा में लिखित। भैंसरोड मे आरभ करके जिहानाबाद मे सं० १७२६ में रचित।
४६१	३४८६	श्रीपालरास	गुणरत्न	,,	१७वीं श	२२	स० १५३१ में रचित।
४६२	६८५	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	,,	१८वीं श	८	स० १५३१ में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४५९	३९०४	शान्तिनाथ चोपाई	ज्ञानसागर	रा०गू०	१८८७	२२	आणंदपुर में लिखित, स० १७२० में पाटण में रचित।
४६०	२२०४	शांबप्रद्युम्न चोपाई	समयसुन्दर	"	१८३८	२५	सं० १६५९ में रचित। बिदासर में लिखित।
४६१	२८८६	शांबप्रद्युम्न चोपाई	"	"	१६९४	२२	सं० १६५९ में खंभात में रचित, उजेणीनगरी में लिखित प्रथम पत्र अप्राप्त।
४६२	४०००	शांबप्रद्युम्न चोपाई	,	"	१८वीं श	१५	अंत्य १६ वा पत्र अप्राप्त।
४६३	९५३	शालिभद्र चोपाई	मतिसार	"	१७७५	१९	सं० १६७८ में रचना।
४६४	९८३	शालिभद्र चोपाई	"	,	१८१३	१५	स १६७८ में रचना। सत्यपुर में लिखित।
४६५	१००७	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८वीं श	१७	सं० १६७८ में रचना।
४६६	१८३९ (१४)	शालिभद्र चोपाई	"	"	१८३१	६७-११०	गुटका। दानस ज्झाय सीलसज्झाय।
४६७	२०२०	शालिभद्र चोपाई	"		१८२१	१७	
४६८	२१८६	शालिभद्र चोपाई	,	,	१७वीं श	२५	
४६९	२३७४ (१)	शालिभद्र चोपाई	"		१८२७	१६	गुटका रचना सं० १६५८।
४७०	३४ ७	शालिभद्र चोपाई	,	"	१७वीं श	२४	सं० १६७८ में रचना।
४७१	३५५४ (६)	शालिभद्र चोपाई	,	"	१८७९	१-८	सं० १६५८ में रचित।
४७२	३८७१	शालिभद्र चोपाई	"	,	१६८९	१८	
४७३	३९५५	शालिभद्र चोपाई	"	"	१७वीं श	१८	स० १६७८ में रचित।
४७४	३७९५	शालिभद्र चोपाई	जयशेखर शिष्य	"	" ,	९	
४७५	५५ (७)	शालिभद्र चोपाई	मतिकुशल	"	१६वीं श	५०-६९	सं० १६७२ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७६	३२७	शिवरात्रीकथा चोपाई	जावड (?)	रा०गू०	१७८६	२४	आसंधिगांवमें लिखित
४७७	३९५६	शिवरात्री चोपाई		"	१७वीं श.	४	
४७८	२१६५	शीलरक्षारास	नयसुन्दर	"	१६७३	९	रचना स० १६२९।
४७९	२०५७	शीलरक्षारास	विजयदेवसूरि	"	१७वीं श.	७	जातुहरनगर में रचना।
४८०	३५७२ (३७)	शीलरक्षारास	"	"	१९वीं श	९७-१०१	जालोरनयर में रचित। जीर्ण प्रति।
४८१	३८९०	शीलरक्षारास	"	"	१७वीं श.	६	जालउरनयर में रचित।
४८२	३९३४	शीलरक्षारास	"	"	" "	८	जालउर नयर मे रचित।
४८३	३४७८	शीलरास		"	१६४४	१०	पढवा मे लिखित।
४८४	२०५३	शीलवती चरित्र	नेमविजय	"	१८३०	५३	सं० १७०० में रचित।
४८५	११२८ (८)	शीलवती चोपाई	ललितसागर	"	१६७६	१से३२	स० १६०७ मे चक्रापुरी मे रचना।
४८६	२१७३	शीलसिलोकोरास	ज्ञानचद	"	१८४०	१२	विक्रमपुर मे लिखित।
४८७	९०३	शुकबहोतेरी चोपाई	रत्नसुन्दर	"	१९०८	८५	स० १६३८ में त्रंबावती ग्राम में रचित। कृति का गौणनाम रस मजरी है। भुजनगर में लिखित।
४८८	२७८७	शुकराजकथा	तेजविजय	"	१९वीं श.	३३	
४८९	१५६७	श्रीचन्द्रकेवलीरास	देवविजय	"	१७१७	९२	र० स० १६९२।
४९०	३९०५	श्रीगालचोपाई	महिमोदय	"	१८५१	४३	देलवाडा में लिखित। भेंसरोड मे आरम करके जिहानाबाद मे स० १७२६ में रचित।
४९१	३४८९	श्रीपालरास	गुणरत्न	"	१७वीं श.	२२	स० १५३१ में रचित।
४९२	९८५	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	"	१८वीं श.	८	स० १

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४९३	११२४ (२)	श्रीपालरास	ज्ञानसागर	रा० गू०	१६७५	२१–२७	सं १५३१ में रचित।
४९४	३१५७	श्रीपालरास	"	"	१७५२	११	जिहानाबाद में लिखित। सं १५३१ में रचित।
४९५	९८०	श्रीपालरास	विनयविजय यशोविजय	"	१९२३	७८	सं० १७३८ में रानेर में रचना।
४९६	१००१	श्रीपालरास	,	"	१९१७	८४	,
४९७	२०५८	श्रीपालरास	"	"	१७८१	४६	"
४९८	३९०७	श्रीपालरास	"	"	१८४२	४६	सं १७३७(?) में रानेर में रचित।
४९९	९९१	श्रीपालरास	जिनहर्ष	"	१८१४	२७	सं १७४० में पाटण में रचना। पाटण में लिखित।
५००	२१३८	श्रीपालरास	"	"	१८३०	३३	सं १७४० में पाटण में रचित। बीकानेर में लिखित।
५०१	२१५४	श्रीपालरास	"	"	१८७८	४३	स १७४० में पाटण में रचित।
५०२	३९ ६	श्रीपालरास	"	"	१८३३	२८	सं १७४० में पाटण में रचित।
५०३	०१५०	श्रेणिकचोपाई	धर्मशील	"	१८३५	२३	बीकानेर में लिखित। स १७१९ में चंदेरी पुर में रचित।
५०४	२१५१	श्रेणिकचोपाई	जिनहर्ष	"	१९वीं श	१३	सं १७४२ में पाटण में रचित।
५०५	२०३०	श्रेणिकरास	सोमविमल	,	१६२	२१	कुमारपालस्थापित कुमारगिरी में सं १६०३ में रचित। अहमदाबादनगर में लिखित।
५०६	१८४	षाभद्रणीचोपई	मतिसागर	"	१८३१	१७	सं १६७५ में रचना। द्रुग में लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५२३	११२४ (४)	साहूराउलनीलपणमास	दानसागर	रा०गू०	१६७५	१	
५२४	३५१२	सिद्धचक्ररास	ज्ञानसागर	"	१६८५	१६	सूरत में लिखित। संवत् १५३१ में रचना।
५२५	३०१०	सिंघासणबत्रीसी	जेराजकवि	'	१८७८	७६	रानेर में लिखित।
५२६	३५५६ (७)	सिंहासनबत्तीसीकथा	माधव	रा०	१८८७	७८–११	संवत् १६३३ में रचित।
५२७	२१६८	सिंहासनबत्तीसी कथा (पद्य)	देईदान	"	१७८२	२६	संवत् १६३१ में अकबर के समय में रचित। चित्र कोट समीप गलुंड मध्ये लिखित। देवास मालवा में सं १६३२ में रचना।
५२८	३१३४ (१)	सिंहासनबत्तीसीचोपाई	हीरकलश	"	१६वीं श.	१–८५	रचना सं १६३२।
५२९	३४६०	सिंहासनबत्तीसीचोपाई	'	रा०गू०	१७वीं श	१४२	पत्र ७६ वां तथा १३६ वा अप्राप्त सम्वत् १६३६ में डेहिलयरी में रचित।
५३०	८६	सीतारामचोपाई	समयसुन्दर		१७८३	१०२	थल ग्राम में लिखित। मेड़ता में रचित।
५३१	१८०८	सीतारामचोपाइ	"	"	१७३५	६६	
५३२	२०३८	सीतारामचोपाई	'	"	१८वीं श	८०	प्रथम पत्र अप्राप्त। मेड़ता में रचना।
५३३	३६५८	सीतरामचोपाई	'	"	"	८२	मेड़ता में रचित।
५३४	६११	सुदर्शनचरित्रचोपाई	ब्रह्मऋषि	"	१८५०	१६	अकबराबादमें लिखित
५३५	६१०	सुदर्शनशेठरासकवित्तबंध	दीपो	"	१८६१	१६	
५३६	२०८३	सुदर्शनशेठशीलप्रबंध	चंद्रसूरिशिष्य(?)	"	१५५०	१३	रचना सं १५०१।
५३७	१८६० (१४)	सुदामाचरितरास	प्रभावास	ब्र हिं	१६वीं श.	१३–२१	
५३८	१८६० (१३५)	सुदामाचरितरास	'	"	"	१०७–११५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५३६	२५७५ (२)	सुपनविचार चोपाई	ज्ञानशील	रा०गू०	१८वीं श.	१२–१३	संवत् १५६० मे रचित। १२ वें पत्र में प्रस्तुत कृति पूर्ण होती है। पश्चात् फुटकर ज्योतिपादि लिखा है।
५४०	११२३ (१३)	सुबाहुरिषिसधि	पुण्यसागरोपाध्याय	”	१७वीं श	७१–७४	स० १६०४ में जेसलमेर नयर मे रचित।
५४१	३५७२ (१८)	सुबाहुरिषिसधि	पुण्यसागर	”	१६वीं श	५७–६०	स० १६०४ में जेसलमेर में रचित। जीर्ण प्रति।
५४२	२०६६	सुभद्रारास	भावप्रभ	”	१८वीं श.	१३	स० १७६७ में पत्तन मे रचित। प्रस्तुत कृति की पूर्ति के वाद लेखकने पाहुडी विपयक सुभाषित लिखे हैं।
५४३	२०६१	सुमतिनागिलचोपाई		”	१७६०	३२	रचना स० १६१२।
५४४	६१०	सुरसुन्दरीचरितरास	विनयसुन्दर	”	१७वीं श	१६	राजपुर में लिखित, स० १६४४ मे रचित।
५४५	६६३।	सुरसुन्दरीचोपाई	धर्मवृद्धन	”	१७६१	१६	स १७३६ में बेनातट पुर मे रचना। रत्नपुरी में लिखित।
५४६	३६१२	सुरसुन्दरीचोपाई	धर्मशील	”	१८५०	२५	सवराडगांव में लिखित। स. १७३६ में बेनातट में रचित।
५४७	३६५६	सुरसुन्दरीचोपाई	नयसुन्दर	”	१७वीं श.	१३	सं० १६४४ में रचित।
५४८	३२८४ (५)	सुरेखाहरण	वीरोविप्र	”	१८१६	१–८७	स० १६२० में राचत।
५४६	२०४४	सूरपालचरित्ररास	सकलचन्द	”	१८वीं श.	१५	सं० १७१७ में इलमपुरी में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र सख्या	विशेष
५५०	२२२४	सौभाग्यपंचमी चौपाई	जिनरंग	रा०गू०	१८वीं श.	१७	स० १७३८ में रचित।
५५१	३३८७	स्थूलभद्रएकवीसउ	लावण्यसमय	"	१७वीं श.	३	सं० १५५३ में रचित।
५५२	३५७३ (१६)	स्थूलभद्रएकवीसउ	"	"	१६वीं श	४९-५१	सं० १५५३ में रचित। जीर्णप्रति।
५५३	३५७५ (५६)	स्थूलभद्ररास	उदयरतन	,	२० वीं श	२६४-२७७	
५५४	१५६५	स्थूलभद्रशीयलवेली	वीरविजय	"	१८७१	११	र सं० १७६२।
५५५	२०२३ (२)	स्थूलिभद्रकोश्यासास	नयसुन्दर	,	१७३४	२-३	
५५६	६२५	स्थूलिभद्रगुणरत्नाकर छन्द	सहजसुन्दर		१८८१	२५	मालकुआ में लिखित। रचना स १५७२।
५५७	१८८६ (५)	स्नेहबहार	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	१६वीं श	१६-२३	रचना सं १८५३।
५५८	२३७६ (६)	स्नेहलीला	रसिकराय	ब्र०हि०	१६११	१-१५	
५५९	८६०	स्नेहलीला (पद्य)		ब्र	१६वीं श.	१२	
५६०	१८८६ (११)	स्नेहसंग्राम	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०		५५-५६	रचना सं १८५२।
५६१	३२३४	स्वांतहर्षचौपाई	गोवर्द्धनदास	रा०गू०	१८११	२०	सं० १८०२ में रचित।
५६२	१८८६ (१८)	हमीररासो		रा०	१८५६	२८	गुटका।
५६३	२३७४ (१०)	हरचंदपुरी		रा० गू०	१६वीं श.	३४-३६	
५६४	३५७३ (१३)	हरिकेशीचरित्रनवरस रास	कनकसोम		१६वीं श	३५-३८	सं १६४० में वइराट नगर में रचित। जीर्णप्रति।
५६५	३४६१	हरिबलचौपाई	लावण्यकीर्ति	"	१७वीं श.	३०	पत्र २८ वां नहीं है। सम्वत् १६७१ में रावलभीकल्याण शासित जेसलगिरी में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५६६	३५७३ (२०)	हरिचलधिवरचोपाई		रा०गू०	१६वीं श	६१–६५	सं० १५६१ में रचित। जीर्ण प्रति।
५६७	११२३ (२)	हरिबलरास	कुशलसयम	„	१७वीं श.	६से२२	
५६८	२१६३	हमराजवच्छराजचोपाई	जिनोदय	„	१६०६	२५	
५६६	३६६२	हसराजवच्छराजचोपाई	„	„	१७वीं श.	२६	कोसितल में लिखित।
५७०	३६६३	हसराजवच्छराजचोपाई	„	„	१८२६	२४	रोहिठ में लिखित।
५७१	६४३	हसराजवत्सराजरास	कविमान	„	१७१२	२१	सं० १६८० मे रचित। सं० १६७५ में कोटडा में रचना।
५७२	२१०७	हीरसूरिरास	ऋषभदास	„	१८वीं श.	८५	विरमग्राम में लिखित। पत्र १–२ तथा अन्त्य दो (८६, ८७वाँ) पत्र अप्राप्त।

(१४) इतिहास (ख्यातवातादि)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१	३५६२ (१४)	अचलदास खीचीरी-वार्ता		राज०	१६५०	११७-१३५	
२	३५४६ (१८)	अजीतसिंहजीरी वार्ता		"	१६थी श	१२५-१२६	
३	२८६३ (१२७)	अणहिल्लवाडपत्तन राजावली		राज० गू०	१७वी श	१६१ वा	
४	३५४६ (११)	अनन्तरायसाप(ख)लारी वार्ता		राज०	१६वी श	६३-६७	
५	३५४६ ।(६)	अनन्तराय संखलारी बात		,	,	६८-७१	
६	२८६३ (१२६)	अभयदेवसूरिगच्छ निर्णय		रा गू सं	१६१७	१६०-१६१	१६० वा पत्र में अन्यान्य ग्रंथों के अवतरण हैं तथा १६० और १६१ वें पत्र में अन्यान्य गच्छों के ३४ आचार्यादि मुनियों की साक्षी है। पत्तन नगर में लिखित। ले० हीरकलशमुनि।
७	३५४६ (१०)	आलणसीभाटीरादूहा		राज०	१६वीं श	७२-७३	
८	३५४६ (१६)	आसथानजीरी वार्ता		,	"	१२२ वा	
९	३५४६ (५)	गिंदोलीरी कथा		"	"	६६-७०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१०	३५५८ (२)	गिंदोलीरीवात		राज०	१६वीं श	१–११	
११	३५६२ (१८)	गींदोलीगणगोर की वारता	हीरकलश	"	२०वीं श.	१५६–१६१	
१२	२८६३ (१२१)	गुरुपरंपरा गुर्वावली	"	रा०गू०	१७वीं श.	१७६–१७७	
१३	३२१२	गुर्वावली सटीक	धर्मसागर	मू०प्रा० टी०स०	१७३२	१६	उदयपुर में लिखित।
१४	३५४६ (१७)	चित्तोड अजमेर जोधपुर आदि की ऐतिहासिक हकीकत		राज०	१६वीं श	१२३–१२५	
१५	११२२ (२६)	चौवीस साखना कवित		व्रज	" "	२८ वां	
१६	३५४६ (११)	छत्रीस राजकुलनाम		राज०	" "	७४ वां	
१७	२८६३ (६०)	छीतरनामकश्रावकाष्टक	विनयचन्द्र	संस्कृत	१७वीं श	१५६ वां	
१८	३५४६ (१३)	जलगमुखरोरी वारता		राज०	१६वीं श	१०७–११३	
१९	३५५४ (२१)	जगदेवपरमाररी वात		"	१६२४	३२–४६	राणावास में लिखित।
२०	३५५५ (१३)	जैतसी उदावतरी वारता		"	१६वीं श	६०–६५	
२१	११४४ (६)	तेजपालन्वय वर्णन तथा नागोर चित्तोडादि के ऐतिहासिक संवत		"	" "	४८ वां	
२२	१०२१	पट्टावली सटीक त्रिपाठ	मू०धर्मसागर	प्रा० टी०स०	१७१५	१३	भृगुकच्छ में लिखित।
२३	३५४६ (१२)	परमारजगदेवरी वारता		राज०	१६वीं श	६७–१०७	
२४	३५५७ (६)	पातसाह पातसाही भोगवी तिरणी विगत		"	१७६१	७५–७७	
२५	३५४६ (२२)	बरांरीया की ऐतिहासिक हकीकत		"	१६वीं श	१–२	(अन्त में)

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२६	३२४५ (२०)	महाराज अभेसिंह देवलोक हुवा मारवाड़ा में धिखो हुवो तिण समियारी वारता		राज०	१६वीं श	१३१–१४१	
२७	३२४६ (१५)	महाराज असवन्त-सिंहजीरीवारता		”	”	११५–१२२	
२८	३३४१ (१)	मु हतानेणसीरी ख्यात (प्रथम भाग)		,		१–१००	पत्र १ से ६ तथा ५३, ५४ ५५ ६८, ६६ ८५, ८६, ९६, ९९, १०० अप्राप्त। जीर्णपत्र।
२९	३३४१ (२)	मु हतानेणसीरी ख्यात (द्वितीय भाग)		”		१ १–१९९	पत्र १०१ से १०७ ११० १११, ११५, ११९ १२१ से १३३ १३५, १६२ से १६७ १६९, १७ , १९४ अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३०	३३४१ (३)	मु हतानेणसीरी ख्यात (तृतीय भाग)		,		२० – ३०७	त्रुटित जीर्णप्रति।
३१	३३४१ (४)	मु हतानेणसीरी ख्यात (चतुर्थ भाग)		”		३०९–४ ०	पत्र ३०८, ३२६, ३३९, ३४१, ३९०, ३९४ से ३९९ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३२	३३४१ (५)	मु हतानेणसीरी ख्यात (पंचम भाग)		”		४०१–५०	पत्र ४१५, ४३५ ४९१ ४९३, ४९७, ४९९, अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३३	३३४१ (६)	मु हतानेणसीरी ख्यात (षष्ठ भाग)		”		५०१–६००	पत्र ५५६ वां तथा ५६६ से ५७६ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३४	३३४१ (७)	मु हतानेणसीरी ख्यात (सप्तम भाग)	”	”		६०८–७००	पत्र ६९१ से ६९८ अप्राप्त। जीर्ण पत्र।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
३५	३३४१ (८)	मुहता नेणसीरी ख्यात अष्ठम भाग		राज०		७०१से ७९५	पत्र ७३०, ७३६, ७५४, ७५५, ७५७, ७५६, ७६६, ७६६ तथा ७७१ या अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३६	३३४१ (६)	मुहता नेणसीरी ख्यात नवम भाग		"			भाग १ से ८ तक के अक विकल पत्रों का संग्रह है। जीर्ण पत्र।
३७	३५५० (१५)	मेडता आदि की ऐतिहासिक हकीकत		"	१६वीं श	६१-६७	
३८	६२३	यदुवश वशावली	रतनुहमीर	"	१८१५	१६	स० १७८० में रचित।
३६	२८१२ (६)	राजकीय हिसाब की विगत		"	१७७४	८६-६८	गुटका।
४०	१८३२ (२)	राजानराजावतरो वातवणाव		"	१६वीं श	४-१५	
४१	३५४६ (६)	राठोडांरी वसावली		"	" "	१४-८५	
४२	३५५५ (३०)	रामदासजीरी वात		"	" "	१६८-१७०	
४३	३५५५ (२७)	लाखा फुलाणीरी वात		"	१८२६	१५६-१६१	पीपलीया ग्राम में लिखित।
४४	३५५५ (२६)	विरमदे सोनीगरारी वात		"	१६वीं श	१६३-१६८	
४५	३५५६ (३)	वीझासोरठारी वात दूहा		"	" "	५१-६५	गुढा मे लिखित।
४६	३५६२ (१३)	वीझासोरठारी वारता		"	१६७०	८२-११६	
४७	२८६३ (१२३)	वृद्धगुर्वावलि	हीरकलश	रा०गू०	१६१६	१७८से १८२	झमेऊ ग्राम मे रचित और कर्ता द्वारा लिखित।
४८	३५४८ (१)	वैहलीमरी वात		"	१८वीं श	३-१६	जीर्ण पत्र।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२६	३५४६ (२०)	महाराज अभेसिंह देवलोक हुवा मारवाड़ में बिखो हुवो तिण समियारी वारता		राज०	१९वीं श	१३१–१४१	
२७	३५४६ (१५)	महाराज जसवन्त–सिंहजीरीवारता		"	"	११५–१२२	
२८	३३४१ (१)	मु हतानेणसीरी ख्यात (प्रथम भाग)				१–१००	पत्र १ से ६ तथा ५३ ५४ ५५, ६८, ६९, ८५, ८६, ९६, ९९, १०० अप्राप्त। जीर्णपत्र।
२९	३३४१ (२)	मु हतानेणसीरी ख्यात (द्वितीय भाग)		"		१ १–१९९	पत्र १०१ से १०७ ११० १११, ११५, ११९, १२१ से १३३ १३५, १६२ से १६७ १६९, १७ , १९४ अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३०	३३४१ (३)	मु हतानेणसीरी ख्यात (तृतीय भाग)		"		२० –३०७	त्रुटित जीर्णप्रति।
३१	३३४१ (४)	मु हतानेणसीरी ख्यात (चतुर्थ भाग)		"		३०९–४ ०	पत्र ३०८, ३२६, ३३९, ३४१ ३९०, ३९४ से ३९९ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३२	३३४१ (५)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (पंचम भाग)		"		४०१–५०	पत्र ४१५, ४३५ ४९१ ४९३, ४९७ ४९९ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३३	३३४१ (६)	मु हतानेणसीरी ख्यात (षष्ठ भाग)		"		५०१–६००	पत्र ५२६ वां तथा ५६६ से ५७६ अप्राप्त। जीर्णपत्र।
३४	३३४१ (७)	मुंहतानेणसीरी ख्यात (सप्तम भाग)	"	"		६०८–७००	पत्र ६९१ से ६९८ अप्राप्त। जीर्ण पत्र।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३५	३३४१ (८)	मुहता नैणसीरी ख्यात अष्ठम भाग		राज०		७०१से ७९५	पत्र ७३०, ७३६, ७५४, ७५५, ७५७, ७५६, ७६६, ७६६ तथा ७७१ वा अप्राप्त। जीर्ण पत्र।
३६	३३४१ (६)	मुहता नैणसीरी ख्यात नवम भाग		,,			भाग १ से ८ तक के अक विकल पत्रों का सग्रह है। जीर्ण पत्र।
३७	३५५० (१५)	मेडता आदि की ऐतिहासिक हकीकत		,,	१६वीं श.	६१–६२	
३८	६२३	यदुवश वशावली	रतनुहमीर	,,	१८१५	१६	स० १७८० में रचित।
३९	२८३२ (६)	राजकीय हिसाब की विगत		,,	१७७४	८६–६८	गुटका।
४०	१८३२ (२)	राजानराजावतरो वातवणाव		,,	१६वीं श.	४–१५	
४१	३५४६ (६)	राठोडांरी वसावली		,,	,, ,,	१४–८५	
४२	३५५५ (३०)	रामदासजीरी बात		,,	,, ,,	१६८–१७०	
४३	३५५५ (२७)	लाखा फुलाणीरी वात		,,	१८२६	१५६–१६१	पीपलीया ग्राम में लिखित।
४४	३५५५ (२६)	विरमदे सोनीगरारी वात		,,	१६वीं श.	१६३–१६८	
४५	३५५६ (३)	वीझासोरठारी बात दूहा		,,	,, ,,	५१–६५	गुढा से लिखित।
४६	३५६२ (१३)	वीझासोरठारी वारता		,,	१६७०	८२–११६	
४७	२८६३ (१२३)	वृद्धगुर्वावलि	हीरकलश	रा०गू०	१६१६	१७८से १८२	झमेऊ ग्राम में रचित और कर्ता द्वारा लिखित।
४८	३५४८ (१)	वैहलीमरी वात		,,	१८वीं श.	३–१६	जीर्ण पत्र।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४६	३२६७ (१८)	आवकारी चौरासी न्यातरो छन्द		रा०गू०	१६वीं श	१२५ वा	
५०	३२४८ (७)	साहिजादा कुतबुदीन सहीबरी वारता		"	१७६६	२–१२	जीर्ण पत्र।
५१	३५४६ (१०)	सोनीगरा विरमदेरी वारता		"	१६वीं श	८६–६३	
५२	२८६३ (१५)	हीरकलश गोत्रादि वर्णन		,	१७वीं श	१० वा	

(२५) कथा-वार्तादि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१	३५४६ (७)	अकलबहादुरांरी वात		राज०	१६वीं श	४६-५६	
२	३५५५ (२०)	अकलरी वात		"	" "	१२६-१३२	
३	३६१	अगस्ति कथा		सस्कृत	१८२०	८	
४	१७२५	अगस्ति कथा		"	१८२०	८	
५	२८५६	अनन्त व्रत कथा		"	१८५४	१०	भविष्योत्तर पुराण गत।
६	३०६०	अनन्त व्रत कथा		"	१६वीं श.	५	भविष्योत्तर पुराण गत।
७	२३७५ (३)	अघोलानीवारता	सामलदासभट्ट	गूर्जर	१६०६	१०४से १३१	सिंहासन बत्रीसी के अन्तर्गत। मोरवी में लिखित।
८	७३	अभयकुमार चरित्र	चन्द्रतिलकोपाध्याय	संस्कृत	१६६५	२३८	रचना का प्रारम्भ वागूमेरु (वाडमेर) मे किया और स० १३१२ मे स्तभीतीर्थे (खंभात) मे समाप्ति की। ग्रन्थकार की प्रशस्ति ४८ पद्यों में है।
९	३४०८	अमरसेन कथा		सस्कृत	१७वीं श	५	
१०	२४७२	आंबड़चरित्र गद्य	अमरसुन्दर	"	१८७६	२२	
११	२१५६	अरजनहमीररी वात		राज०	१६वीं श.	५	गद्य पद्य।
१२	४७३	अष्टप्रकारपूजोपरि कथा सग्रह		प्राकृत	१७वीं श	३७	
१३	१६६७	आदीश्वरचरित्रसंक्षेप (पद्य)		संस्कृत	१६वीं श.	११	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१४	३४१७ ( )	आरामशोभाकथा		प्राकृत	१६६२	१४-२५	सागानेर में लिखित।
१५	३५७३ (४८)	इग्यारस की कथा गद्य		राज०	१९वीं श.	११६-१२०	अपूर्ण। जीर्णप्रति।
१६	१२८१	इन्द्रिराएकादशी कथा			"	३	
१७	२१९४	उपदेशमाला कथा संग्रह		०	"	२८	१७वीं कथा पर्यन्त।
१८	२ ६० (८)	एकलगिडधाराहरीवात		"	"	६१-६७	
१९	३५४६ (१६)	एकलगिडधाराहरी वारता		"	१८०७	१२७-१३०	बरांटीया में लिखित।
२०	२३२२	एकादशीकथा		"	१८५१	६०	बीदासर में लिखित।
२१	३५६० (३)	एकादशरी वार्ता		'	१८१३	९७	कालू में लिखित।
२२	३२११	कथामहोदधि	प्रतिष्ठासोम	स०	१६वीं श	४१	संवत् १५०४ में रचित।
२३	४९२	कथासंग्रह		"	१७वीं श	३५५	चन्द्रप्रभचरित्रोद्धृत
२४	२४७१	कार्तिकपंचमीकथा	कनककुशल	"	,	५	स १६५५ में मेड़ता में रचित।
२५	१८२१	कालककथा		राज०	१८वीं श	६	
२६	३४१८	कालककथा	समयसुन्दर	स०	१७वीं श.	११	
२७	३३९५	कालककथा		प्राकृत	१६वीं श	४	
२८	२१४५	कालकाचार्यकथा		सं०	१८५८	१०	जेसलमेर में लिखित।
२९	२१९५ (१)	कालकाचार्यकथा		राज०	१९वीं श	१-७	
३०	२२८१	कालकाचार्यकथा	समयसुन्दर	सं०	१८वीं श	१५	सं १६६६ में वीरमपुर में रचित।
३१	२८६९	कालकाचार्यकथा		"	२०वीं श.	१५	
३२	९०७	कालकाचार्यकथा बालावबोध सहित		मू सं बा.गू	१५वीं श.	१२	
३३	२२७५ (२)	काष्ठघोडाविक्रमजीतनी वारता	सांमल भट्ट	गूर्जर	२०वीं श.	६१-१०४	सिंहासन बत्तीसी के अन्तर्गत।
३४	२१०६	कुतुबुदीनशाहजादारी वारता		राज०	१९०२	१२	गद्य पद्य।
३५	१९३९	कुमारपालतीर्थयात्रावर्णन		सं०	१६वीं श	३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३६	४०२	कुर्मापुत्रचरित्र पद्य	जिनमाणिक्य	प्राकृत	१७वीं श	८	
३७	४८४	कुर्मापुत्रचरित्र पद्य	"	"	१५९९	५	
३८	२९९०	कुर्म्मापुत्रचरित्र	"	"	१८वीं श	१०	गाथा बद्ध ।
३९	३५७५ (७७)	केशीगौतमअध्ययनार्थ		राज०गू०	२०वीं श.	३१६से ३२६	गुटका ।
४०	६२२	गणेशजी की कथा (पद्य)	हुलास	ब्रज	१८८७	१२	
४१	२२६६	गांगातेलीरी वात		राज०	१९वीं श	२	
४२	११४३ (२)	गुणएकादशीमाहात्म्य पद्य	लांगामैद्ध	"	" "	३८से६८	गुटका, रचना सं० १८(?)६६ ।
४३	६५० (२)	गुणावलीगुणकरंडरी वात		"	१८वीं श	२से४	
४४	३२३२	गोत्रिरात्रव्रतकथा		मू०सं० स्त०गू०	१६१७	१५	
४५	३१०८	गोपाष्टमीकथा		संस्कृत	१९०५	२	भविष्योत्तर पुराण गत ।
४६	३१५५	गोरात्रिव्रतकथा		"	१६६८	३	
४७	३५५५ (५)	चतुराईरी वात		राज०	१९वीं श.	१५-१६	गुटका ।
४८	७३६० (७)	चंदकुंवररी वात		"	" "	५५से६१	प्रतापसिंह खुमाण विनोदार्थ रचित । र० सं० १७१० ।
४९	३५५५ (२६)	चंदकुंवररी वात	हंसकवि	"	" "	१५६-१५९	गुटका। सं० १७४० में प्रतापसिंह खुमाण की आज्ञा से जोधपुर में रचित ।
५०	३५६२ (१२)	चंदकुंवररी वात	"	"	१९५०	६८-८१	गुटका। सं० १७४० में प्रतापसिंह खुमाण की आज्ञा से जोधपुर म रचित ।
५१	३५७३ (४४)	चंदकुंवर की वारता पद्य		"	१८०८	१०७-१०८	चैनसिंहजी शासित चौमु डी मे लिखित ।
५२	११४३ (१)	चन्द्रराय की वात (पद्य)	विदमजी	प्रा०हि०	१९वीं श	२०से२५	गुटका। सं० १८२८ भुज में रचना।
५३	१५२८	चन्द्रगुप्तकदुगड्डुगकथा		प्राकृत	१८वीं श	२	

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५४	२४८६	चन्द्रधवलनृप कथा	माणिक्य सुन्दर	सं०	१८७२	१३	पत्तन में लिखित।
५५	१९३८	चित्रसेनपद्मावती कथा	बुद्धिविजय		१७३३	१८	देघाणा ग्राम में लिखित। रचना सं १६६०।
५६	१९३२	चित्रसेनपद्मावती कथा	राजवल्लभ	"	१६वीं श	१५	सम्वत् १५२४ में रचित।
५७	३४१२	चित्रसेनपद्मावती कथा	"	,	१७७६	१३	
५८	३१५८	चौथ की कथा		राजस्थानी	१ ३३	४	
५९	२१३४	चौथमातारी बात पद्य		"	१९वीं श	२	
६०	३२७७	चौथमातारी कथा		"	"	४	घाघसणनगर में लिखित।
६१	३५४७ (१४)	चौथमाता की कथा		"	,	९२–९३	
६२	३५६७ २२)	चौथमाताजीरी कथा		"	"	१३८–१४१	
६३	३५६२ (१)	चौबीसएकादशी की कथाएँ		"	१७८६	१–६०	
६४	३५६८	चौरासी वैष्णवों की वार्ताएँ		ब्र हि	१९वीं श	२१५	गुटका पाटण में लिखित।
६५	१४००	जन्माष्टमीव्रतकथा		सं०	"	१०	नारद पुराण गत।
६६	१४१८	जन्माष्टमीव्रतकथा		"	१८४३	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त। नारदपुराणगत।
६७	७४५०	जंबूस्वामिकथानक			१९वीं श	११	
६८	३३७९	जंबूस्वामि चरित्र गद्य		राज०	१७वीं श	१२	
६९	३४७१	जंबूस्वामि चरित्र गद्य		"	१८वीं श	१६	चाकसू में लिखित।
७०	३५७३ (५५)	जलाल गहाणीरी वार्ता		"	१८१२	१३९–१५१	कू बरी में लिखित। जीर्णप्रति।
७१	३५४९ (८)	जल्लाल गहाणीरी वात		"	१९वीं श	६०–६७	
७२	३२०१	ज्ञाताधर्मकथा गोपनय कथा		मा सं	"	४	
७३	३५६२ (४)	डोकरीरी वातरो चुट कलो		राज०	१९५६	१८–२०	
७४	१८८१ (२)	ढोलाजी की बात		"	१९वीं श	२५–६६	अपूर्ण।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७५	२३६२ (१२)	तवावली कथा	हरजी जोशी	राज०	१८वीं श.	७	
७६	३०६६	तुलसीत्रिरात्रव्रतकथा		संस्कृत	१६वीं श	३	भविष्योत्तर पुराण गत।
७७	२१६५ (२)	दत्तब्राह्मण कथा		राज०	"	७वां	
७८	३५७३ (५)	दाढाला एकलमल्ल वाराहरी वारता		"	१६वीं श	१८–२२	जीर्ण प्रति।
७९	३५५६ (६)	दाढालारी वारता		"	" "	१–१०	
८०	३१६६	दानकथा संग्रह तथा स्त्रीचरित्र कथा		संस्कृत	१६वीं श	१६	प्रथम पत्र अप्राप्त।
८१	३४१६	दानादिकुलकलघुवृत्ति		"	१७६६	१४८	ॐकारपुर में लिखित।
८२	१५७०	दानादिकुलकवृत्ति मूलसह	देवविजय	प्रा०सं०	१७वीं श.	२५६	रचना सं० १६६६।
८३	३४१२	दानादिकुलकवृत्ति	"	संस्कृत	१८वीं श	५७	प्रथम वक्तस्कार।
८४	४८१	धम्मिलचरित्र पद्य	जयशेखर	"	१५वीं श	६०	रचना सं० १४६२।
८५	२४८०	धर्मदत्त कथा	विनयकुशल	"	१७३७	१२	सं १६४३ में रचित।
८६	६५० (३)	धर्मबुद्धिपापबुद्धिरीकथा		राज०	१८वीं श.	५से७	
८७	१८८२ (१३६)	ध्रुवचरित	परमानद	ब्र०रा०	१६वीं श	७२–७५	
८८	२८३२ (१)	ध्रुवचरित		ब्रज	१७७४	१४–२०	
८९	१८६१ (१)	ध्रूचरित्र	गोपाल	ब्र०हि०	१८४१	१–२६	
९०	२३६० (१०)	ध्रूचरित्र	गुपाल	राज०	१८४७	३७से८६	बीदासर मे लिखित।
९१	२३६२ (९)	नदद्वात्रिंशिका		संस्कृत	१८वीं श	३	
९२	३६२६	नदद्वात्रिंशिका सार्थ		मू०सं०	" "	२	करेडा में लिखित।
९३	१५४२	नन्दोपाख्यान		संस्कृत	१७वीं श	८	
९४	४१७	नमस्कारमाहात्म्य-कथानक		"	२०वीं श	६	पांच कथानक है।
९५	१६३६	नलदमयतीकथा		"	१५वीं श.	११	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
९६	१८८१ (१)	नलराजा की बात		राज	१९वीं श	१–२५	पत्र १, २ अप्राप्त।
९७	२३५७ (५५)	नासिकेतीवार्ता	सांमलदास भट्ट	गूर्जर	१९०६	१७९–१९९	मोरवी में लिखित।
९८	३५५५ (७)	नासकेतकथाबालावबोध		राज	१८२७	१–९	संग्रामसिंह शासित कंटालिया में लिखित।
९९	३५६३ (२)	नासकेतर खेसरजीरी कथा		"	१९८६	६४–७३	प्रस्तुतकृति पूर्ण कर अन्त में लेखक ने सुभाषित दोहे लिखे हैं।
१००	३५७३ (४१)	नासकेतु कथा		"	१९वीं श	१०२–१०६	जीर्णप्रति।
१०१	१६७६	नासकेतूपाख्यान सटीक		मू सं टी व्रज	१७३८	९८	हरमाने में लिखित।
१०२	३०६८	नृसिंहचतुर्दशीव्रतकथा		सं०	१९वीं श	८	
१०३	४९०	नेमिनाथचरित्र	हेमचंद्र	"	१६वीं श	१११	त्रिषष्टिशलाका पुरुषचरित्रान्तर्गत
१०४	१५३४	पंचतन्त्र	देवशर्मा	,	,	९४	
१०५	२८३१	पंचतन्त्रआदि वार्ताएं गद्य		राज	१९वीं श	१३९	गुटका। पत्र १, २ अप्राप्त। अपूर्ण प्रति।
१०६	२०३१	पंचमीकथा गद्य			१७८०	७	
१०७	१७०९	पंचाख्यान		सं०	१७९२	७३	
१०८	३५५४ (१)	पंचाख्यानबालावबोध	विष्णुशर्मा	राज	१८८५	१–५४	
१०९	३५४७ (५)	पंचाख्यानभाषा		व्रज	१९वीं श	१–२७	
११०	२३०८ (१)	पनरमीविद्यावारता	वीरचंद	राज	१८९१	१–१७	सं १७९८ में रत्नपुरी में रचित।
१११	३५५५ (१७)	पनरमीविद्यावारता		"	१९वीं श	१०३–११४	
११२	२२१२	पनरमीविद्यावारता		"	"	१३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
११३	१७२४	परिशिष्टपर्व	हेमचन्द्र	संस्कृत	१७वीं श.	१०७	किंचत् अपूर्ण । त्रिपष्टिशलाका पुरुष चरित्रगत ।
११४	४६३	पांडवचरित्र	देवविजय	"	१७६६	१६५	फलधीपुर मे लिखित ।
११५	१५३२	पांडवचरित्र	देवप्रभ	"	१६वीं श.	२३७	
११६	१६६३	पांडवचरित्र	"	"	१५वीं श.	२६६	
११७	१७०३	पांडवचरित्र	हेमचन्द्र	"	१६वीं श.	१२६	त्रिपष्टिशलाका पुरुष चरित्रगत। पत्र १-२ मे चित्र है।
११८	१६६६	पांडवचरित्र संक्षेप (पांडवचरित्रोद्धार)		"	१७वीं श.	८८	
११९	३४१५	पार्श्वनाथचरित्र		"	१७४६	५०	
१२०	६२६	पुण्यसारकथा		"	१७६६	६	
१२१	२३७५ (१)	पुष्पसेनपद्मावतीनी वारता	सांभलदासभट्ट	गूर्जर	१६०६	१से६०	गुटका।
१२२	१८८५ (२)	पूर्णवासी की कथा		ब्र०हि०	१८वीं श.	५१से८६	गुटका। आंवेर में लिखित।
१२३	४६६	पौषदशमी कथा	जिनेन्द्रसागर	संस्कृत	१८२८	२	मदिरा विन्दर में लिखित।
१२४	३४७६	प्रकीर्ण कथा		राज०	१६वीं श.	५	
१२५	१७००	प्रद्युम्नचरित्र	सोमकीर्ति	स०	१७१०	६६	स० १५३१ में रचित।
१२६	१७०५	प्रद्युम्नचरित्र	समरकीर्ति	"	१८०७	१२८	स० १५३१ मे रचित।
१२७	२६६१	प्रद्युम्नचरित्र	रविसागर	"	१८वीं श	१५८	अमदाबाद नगर मे लिखित। खगार राजा शासित माडलि नगर मे स० १६७५ मे रचित।
१२८	१७२०	वप्पभट्टि चरित्र		"	१७वीं श.	१७	
१२९	२६४७	वप्पभट्टीप्रबन्ध		"	" "	प्लेट२८	फोटो कापी
१३०	१८८२ (३७)	वलिचरित्र	लालदास	व्रज	१६वीं श.	३३-३६	अपूर्ण।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१३१	१६२७	बलिनरेन्द्रचरित्र		सं०	१६वीं श	४७	जाउ(लु)रनगर में लिखित ।
१३२	१६५५	बलिनरेन्द्राख्यानक		"	१५वीं श	३४	
१३३	१८०६	वारव्रतकथा		राज	१६५७	११	
१३४	२२०२	बीजीरो ख्याल		"	१६२३	३	
१३५	३६४२	भरटकद्वात्रिंशिका		स०	१८वीं श	१६	
१३६	१५३६	भरतेश्वरबाहुलीवृत्ति	शुभशील	"	१७३१	२२६	पटडी में लिखित ।
१३७	१७०६	भोजप्रबन्ध	बल्लाल	"	१८वीं श	४८	
१३८	१४२७	मौनव्रतकथा		,	१६वीं श	३	
१३९	२१४३ (१)	मदनशतककी वार्ता	दान	राज	१८६०	१–४	गद्य पद्यात्मक रचना ।
१४०	२३६० (११)	मधुमालतीरी वात		'	१६वीं श.	४७–५७	अपूर्ण ।
१४१	२२६७	मनसावाचारी कथा		"	१६१३	१५	अजमेरमें लिखित ।
१४२	१७१७	मलयसुन्दरीचरित्र	जयतिलक	सं०	१६६६	५६	
१४३	३५५५ (१५)	महादेवजीरो क्यो मनछा वाचारो वरत		राज	१६वीं श	६६–१ २	
१४४	२३६१	महाप्रभुजी के सेवक की चौरासी वार्ता		हि०		२६६	
१४५	३५७३ (४७)	महाभारत की कथा गद्य		राज	१८०८	११०–११६	जयरीग्राम में लिखित । जीर्णप्रति ।
१४६	१८४५	महावीरचरित्रबालावबोध		"	१७७४	१४	
१४७	१६८	महावीरचरित्रबालावबोध	मूल जिन वल्लभ	मू प्रा०	१८वीं श	७	
१४८	३४२०	महीपालकथा	वीरदेवगणी	ाकृत	१६६२	६३	
१४९	३४२३	महीपालकथा	"	,	१६४६	८४	
१५०	३१७७	मींयाबीबीरी वात		राज	१६वीं श	७	
१५१	३४८२	मुंज सम्बन्ध		"	"	२	
१५२	३६४२	मुनिपतिचरित्रसारोद्धार		सं०	१८७२	२	
१५३	३५०६	मुनिपति-चरित्र	हरिभद्रसूरि	प्राकृत	१५१६	७	रामसीनग्राम म लिखित । सं ११७२ में रचित ।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१५४	२४६५	मेरुत्रयोदशीकथा	क्षमा कल्याण	सं०	१८७३	७	जेसलमेर दुर्ग मे लिखित । सवत १८६० में बीकानेर मे रचित ।
१५५	६६०	मौनएकादशीव्याख्यान		राज	१७वीं श	४	जीर्णप्रति ।
१५६	५१६	मौनैकादशीकथा		स०	१८वीं श	२	
१५७	१६३४	मौनैकादशीकथा		"	१७वीं श	२	
१५८	३५७३ (५८)	राजाभोजरी पनरमी विद्यारी वार्ता	भवानीदास व्यास	राज०	१६वीं श	१५६-१६६	
१५६	२३६० (२)	राजाभोजरी वात (पनरमी विद्या)		"	"	१-११	
१६०	३५५१	रामचन्द्रिका पद्य		ब्र०हि०	१८०२	८६	बणेर मे लिखित । स. १६५८मे रचित ।
१६१	२८६२	रामचन्द्रिका भाषा (रामचरित्र)	केशवदास	"	१७५६	४६	श्रीसरूपसिंहजी के शासन में विक्रमपुर मे लिखित ।
१६२	३५५३ (२)	रामचरित्र गद्य		राज०	१८७६	१६-१०१	ब्रह्माडपुराण के आधार पर भाषा रचना ।
१६३	६२६	रीसालूकु वररी वारता (गद्य-पद्य)		"	१८६०	७	
१६४	३५५३ (४)	रीसालूकु वररी वारता		"	१६वीं श	१२७-१५७	
१६५	३५७३ (६०)	रीसालूकुंवररी वारता (गद्य-पद्य)		"	"	१७१-१७५	अपूर्ण जीर्णप्रति ।
१६६	३६६०	रीसालूकु वररी वारता		"	१८१०	१५	कांगणीग्राम में लिखित ।
१६७	३५७३ (४५)	रीसालूरा दूहा		"	१६वीं श	१०६ व्रा	जीर्णप्रति ।
१६८	२१३५	रूपमजरी कथा	ब्रह्मानन्द	ब्र०हि०	१८३६	८	देराग्राम मे लिखित
१६६	१५३७	रूपसेनचरित्र	जिनसूरि	स०	६८७	३१	
१७०	६५० (४)	रूपसेनरीकथा		राज०	१८वीं श	८-६	
१७१	१७१३	रोहिणीकथा		प्राकृत	१७वीं श	७-१४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७२	१९४९	रोहिणी कथा		संस्कृत	१७वीं श	३	
१७३	१९२९	लघुप्रबन्धसंग्रह		,,	१५वीं श	५से८	विक्रमप्रबन्ध मूयड प्रबन्ध, बीनपुर प्र० आदि प्रबन्ध हैं।
१७४	२१५८	वंकचूलकथा गद्य		राज०	१९वीं श	१८	
१७५	५१७	वरदत्तगुणमंजरी कथा	कनककुशल	संस्कृत	१७३४	८	संवत् १६५५ में मेड़ता में रचना। सूरति बिन्दर में लिखित।
१७६	९७७	वरदत्तगुणमंजरी कथा	,,	,	१८४३	६	संवत् १६५५ में मेड़ता में रचना। पूनानगर में लिखित।
१७७	१५२४	वसुदेव हिन्दी प्रथम खंड	संघदासगणि	प्राकृत	१६वीं श	१२६	किंचिदपूर्ण।
१७८	२१४३ (३)	विक्रमचौबोलीरी बात		राज०	१८६०	७–८	गद्य।
१७९	२३७५ (४)	विक्रमपंचदंडकथा	सामलदास	गूर्जर	१९०६	२४०से १७९	सिंहासनबत्रीशी के अन्तर्गत।
१८०	३५७३ (५६)	विक्रमशनीसरवारता		राज०	१९वीं श	१५१–१५३	अपूर्ण। जीर्ण प्रति।
१८१	१९५६	विक्रमादित्योत्पत्तिकथा		संस्कृत	१७वीं श	१	
१८२	१९५१	विनोदकथा			,	१९	
१८३	२११२	विनोद कथा संग्रह सावचूर पद्यपाठ	राजशेखर सूरि	,	,	६	
१८४	१७१५	वीरभद्रकथा			, ,	१८–२३	
१८५	१४३ (५)	वीसलदेव सुवरसिकाररीबात		राज०	१८६०	९–१२	गद्य।
१८६	१४२	वैतरणीव्रत कथा		संस्कृत	१८८१	७	पद्मपुराणगत।
१८७	४२	वैष्णव भक्तों की प्राचीन वार्ताओं का संग्रह		प्र०हि०	१९००	४००	गुटकाकार है। आद्य दो पत्र अप्राप्त। सं० पत्र३९३ में लिखा है।
१८८	४८०	शान्तिनाथचरित्र गद्य	भावचन्द्रसूरि	संस्कृत	१७६२	११७	आगरा में लिखित।
१८९	१०१६	शान्तिनाथ चरित्र	भ्रचन्द्र	,,	१५०२	९६	रचना सं० १५३५।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
१९०	३६४१	शांतिनाथचरित्र	भावचन्द्र	सं०	१८४४	११८	स १५३५ मे रचित। सोभित दुर्ग मे लिखित।
१९१	२८५२	शिवरात्री कथा		राज०	१८६६	१४	अजीतगढ मे लिखित।
१९२	४००१	शिवरात्री कथा गद्य		"	१८वीं श	५	
१९३	३५४६ (२१)	शिवरात्ररी कथा		"	१८१९	१४२–१४३	वराटीया मे लिखित।
१९४	३५५५ (१४)	शिवरात्रीरी कथा		"	१९वीं श	९५–९६	
१९५	३५४६ (१४)	शिवरात्रीरी वारता		"	१८०५	११३–११५	वराटीया मे लिखित
१९६	२६०३	शिवरात्रीव्रत कथा		सं०	१९१४	१५	अजमेर में लिखित। स्कन्दपुराणगत।
१९७	५६	शुकसप्तति		"	१९वीं श	१२–७९	अपूर्ण। पचमकथा से ५२ वीं कथा तक।
१९८	३६४०	शुकसप्तत्युद्धार		"	१८८८	५६	
१९९	२८३४	श्रवणद्वादशीव्रतकथा		"	१७९७	८	ब्रह्मपुराणगत।
२००	२०२८	श्रीआनीकथा गद्य		राज.	१९वीं श	७	
२०१	९५० (१)	श्रीदत्त श्रीमतीरी कथा		"	१७वीं श	१–२	
२०२	४८७	श्रीपालकथा पद्य	रत्नशेखर	प्राकृत	१६वीं श	२४	रचना सवत् १४२८।
२०३	१६९९	श्रीपालकथा	"	"	"	३०	रचना सवत् १४२८।
२०४	७५८५	श्रीपालकथा	"	"	१८६८	४९	कालु में लिखित। रचना स १४२८।
२०५	२१४३ (२)	पीवैविजैरी वात		राज	१८६०	४–७	गद्य।
२०६	२३७१ (१)	सकष्ट चतुर्थीव्रत कथा		"	२०वीं श	१२	गुटका। भविष्योत्तर पुराणगत कथा की भाषा।
२०७	१४७१	सत्यनारायणव्रत कथा		सं०	१९२३	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२०८	३१७१	सत्यनारायणव्रत कथा		संस्कृत	१९१२	१२	इतिहास समुच्चय गत।
२०९	३५५४ (१९)	सनीसर कथा		,	१९वीं श	३१ वा	
२१०	१८८४	सनीसरजी की कथा		,,	,	२	
२११	२९२२	सनीसरजी की कथा		,	१८८२	३०	
२१२	२३२७ (४)	सनीसरजीरी कथा	जोरो	,,	१८६५	१–२३	स १८२० में नाग पुर में रचित।
२१३	३५६२ (६)	सनीसरजीरी कथा	जोरो (जोरा वरमल) कायथ		१९७०	३४–५६	स० १८३४ में नागोर में रचित।
२१४	३५६२ (९)	सनीसरजीरी वारता			१९७०	६०–६६	
२१५	१५०४	सफलैकादशीव्रतकथा		,	१९वीं श	३	भौपर्णपुराणगत।
२१६	१५३५	समरादित्य कथा	हरिभद्रसूरि	प्रा०	१९वीं श	३०३	
२१७	५०४	सम्यक्त्वकौमुदी कथा		सं०	१८४३	४२	भुजनगर में लिखित।
२१८	१९४०	सम्यक्त्वकौमुदी कथा			१६६५	३	पा (खा) चरोद मालवा में लिखित।
२१९	१९४१	सम्यक्त्वकौमुदी कथा			१७वीं श.	३५	
२२०	१९३०	सम्यक्त्वकौमुदी कथा तथा सिंह सेन कथा		,	१५८३	२९	पत्र २८ वा में संवत् लिखा है।
२२१	२९०९	सम्यक्त्वकौमुदी कथा भाषा गद्य		राज०	१८३४	३०	कंटालीया में लिखित।
२२२	५७४ (२)	सिद्धचक्रकथा	शुभचन्द्र	सं०	१८वीं श.	१–१०	
२२३	२१४४ (२)	सिंघासणबत्तीसी कथा (गद्य पद्य)	क्षेमंकर (?)	राज०	१८२१	१५–३५	पुनरासर ग्राम में लिखित।
२२४	९११	सिंघासणबत्तीसी (गद्य)		राज०	१७९०	११	
२२५	२८९३ (२)	सिंघासनद्वात्रिंशिका		संस्कृत	१७वीं श.	१ ला	
२२६	१४१	सिंहासनद्वात्रिंशिकाकथा		,	१७वीं श	२२	
२२७	९८९३ (१)	सिंहासनद्वात्रिंशिका (गद्य)		,	१६२९	अन्त्य ३	१९ कथाएं नष्ट। सं० १६२८ में वीठ वाणा में हेमाणद द्वारा लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२२८	१५३३	सिंहासनद्वात्रिंशिका गद्य पद्यात्मक	क्षेमकर	स०	१५८१	१५०	अपूर्ण। २२वीं कथा पर्यन्त। १०६ वां पत्र मे संवत् है।
२२६	३३४०	सिंहासनबत्तीसी गद्य		हिंदी	१६१८	११६	
२३०	६८१	सुभद्राकथाबालावबोध	विनयकुशल	राज०	१६वीं श	११	
२३१	१७११	सुभूमपरशुरामकथा		प्राकृत	१६७३	२	
२३२	१७१४	सुरसुन्दर कथा		स०	१७वीं श.	१४-१८	
२३३	२४८३	सुरसेनमहासेनकथाआदि		"	"	१	
२३४	५२०	सुलसाचरित्र सस्तबक	मू० जयतिलक सूरि	"	१६११	६३	मुद्रानगरमे लिखित।
२३५	३५५५ (११)	सुवाबहुतरीकथा गद्य	देवदत्त भट्ट	राज०	१६वीं श	१-५८	
२३६	२४८१	सुव्रतश्रेष्ठिकथानक		स०	"	६	
२३७	६०	सुसढ़कथा सस्तवक	मू० (?) कांति विजय	प्राकृत	१८०८	४०	सस्तबक रचना स. १८०० ।
२३८	२३६० (१)	सूडाबहुत्तरी वात (अपूर्ण)-	देवीदान	राज०	१६वीं श	१४	विक्रमनयर के कुमार प्रद्युम्नसिह के विनोदार्थ रचित।
२३६	२८६१ (२)	सोमवती अमावसरी कथा		"	१८३४		गुटका।
२४०	३२२३	सोमवतीव्रतकथा		स०	१६२३	६	राधनपुरमें लिखित। भविष्योत्तर पुराण-गत।
२४१	२१४२ (१)	सोरठबीभैरीबात		राज०	१६वीं श	१-२	
२४२	२१६५ (३)	स्थूलभद्रकथा		"	"	८-१०	
२४३	३५७२ (६)	स्वरूपनिर्णय		ब्र हि.	१८२४	७२-१४२	
२४४	१६५८	हनुमच्चरित्र	ब्रह्मजित	स०	१७०८	३५	
२४५	३४१७ (१)	हरिबलकथा		प्राकृत	१६६५	१४	सांगानेर में लिखित। प्रथम पत्र अप्राप्त।
२४६	१६४४	हरिचन्द्रकथा			१५५७	२०	रामायणान्तर्गत सभावित होती है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
२४७	१७१२	इसालकथा		प्राकृत	१७वीं श	१से७	
२४८	३५७४ (१)	हितोपदेश भाषा		राज०	१७८३	११४	सोगाणीज्ञातीय कुशलसिंहजी ने सवामपुर में लिखाई।
२४९	४७७	होलिका कथा पद्य		संस्कृत	१८वीं श.	२	
२५०	३३६२	होलीकथा		"	१५२६	१	
२५१	५१९	होलीकथा सस्तबक	मू० फतेन्द्र सागर	"	१८८८	१०	रचना विक्रेपानगर में सं० १८२२। भुजनगर में लिखित।
२५२	११३३	होलीरज पर्व कथा	पुण्यराजगणि		१७वीं श	१	

(१६) गीत–आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१	२८६३ (७१)	अ कावलिजिणसिंह सूरिआसिका	हीरकलश	रा॰गू॰	१७वीं श	१३५ वां	
२	३५३३ (२६)	अजितशातिस्तवन	मेरुनन्दन	"	१६वीं श.	८०–८१	जीर्णप्रति।
३	३५७५ (२)	अजितशांतिस्तवन	मेरुनन्दन उपाध्याय	"	२०वीं श	२४–२७	
४	३५७५ (४६)	अजितशांतिस्तवन	"	"	"	२३१–२३५	
५	२३६८ (४)	अजितसिंगजी को सीलोको		"	१८४८	३२–३५	दाध्या में लिखित।
६	३५७३ ४२)	अजीतसिंघजीरो कवित्त		राज॰	१६वीं श	१०६ वां	जीर्णप्रति।
७	३५७५ (६)	अट्ठावीसलब्धिस्तवन	धर्मवर्धन	रा॰ गू॰	२०वीं श	३४–३७	
८	२८६३ (११२)	अढारभारवनस्पति-वर्णन		"	१६वीं श	१६८ वा	
९	३५४३ (१)	अणगस	मांणकसाह	"	१८८२	१–२	
१०	१०६३	अन्तरिक्षपार्श्वनाथछन्द	भावविजय	"	१८८२	३	मानकुंआ मेंलिखित।
११	२३६८ (२)	अमरसिंघजी को सिलोको		"	१६वीं श	२७–२६	दाध्या मे लिखित।
१२	३२१३	अमरसिघजी को सिलोको		रा॰	"	३	
१३	११२२ (५)	अमलरो छन्द	राजो	"	"	३–४	
१४	२२५२	अम्बाजी की आरती	शिवानन्द	"	२०वीं श.	१	
१५	२२४०	अम्बारी आरती	रघुलाल	"	१६०१	१	

क्रमांक	ग्रंथाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१६	२८६३ (२२)	अम्बिका गीत	सेवक	रा०गू०	१७वीं श.	१२ वां	
१७	२ ४३	अम्बिका भवानी छंद	जितचंद	,,	१६२१	२	
१८	७८०	अम्बिकास्तोत्र (छंद)	भवानीनाथ	,,	१६वीं श.	१	
१९	२८६३ (३२)	अर्हन्त भेद नमस्कार		,,	१६१६	६६ वां	
२०	३५१० (२)	अवतिसुकुमालढाल	धर्मनरेन्द्र	,	१८वीं श	३ रा	
२१	३५६७ (१६)	अश्लीलरासो	जैदेव	राज०	१६वीं श	१३३वां	
२२	३५७५ (४८)	अष्टमी स्तवन	कान्ति	रा०गू०	२ वीं श	२३६–२८	
२३	३५७५ (७)	अष्टापदतीर्थराजस्तवन	पद्मराजपाठक	,	२०वीं श.	३७–३८	
२४	३५४३	अस मायस माय		,,	१८८२	६–१०	
२५	२८६३ (१३६)	आज्ञाविचारगीत	हीरकलश	,	१७वीं श	२३६वां	
२६	३५६२ (१६)	आठ पहोरा दूहा		राज०	२०वीं श	१३७–१३८	
२७	५४८ (१०)	आत्मबोधसज्झाय	रूपचंद		१८४५	१–२	तिमरी में लिखित।
२८	३५७५ (५)	आत्मोपरिस्वाध्याय	नयविमल	रा गू०	२०वीं श	२५–२५१	
२९	३५७५ (६८)	आदिजिन गुहली	शिवचन्द्र	,,	,,	२६६–३००	
३०	३५७५ (६)	आदिजिनवीनती	समयसुन्दर	,	,,	४४–४६	
३१	१८१६ (२)	आदिनाथछमछरी	वर्धमान		१८वीं श	४–५	
३२	५४६ (५)	आदीश्वरवीनती		,	१६वीं श	४६–४७	सं० १५६२ में रचित।
३३	११२२ (८८)	आबूजीनो छंद	रूपो कवि	,,	,,	२७ वां	
३४	३०२० (३)	आयूधराछत्रीसी	महिराज		१८वीं श	३–५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र सख्या	विशेष
३५	३०२० (२)	आवूधरावत्रीसी	महिराज	रा०गू०	१८वीं श.	१-३	
३६	६५१	आराधनास्तवन	हीरसूरिशिष्य	"	१७वीं श.	६	अन्तिम ७ वा पत्र नहीं है ।
३७	३५७५ (१२)	आलोचनास्तवन	कमलहर्ष	"	२०वीं श	५८-६७	
३८	३५७५ (४२)	आलोचनास्तवन	ऋषभ	"	"	२०६-२११	स. १६६२ में त्रबावती मे रचित ।
३९	३५७५ (४५)	आलोचनास्तवन	धमसींह	"	"	२२८-२३१	फलवर्द्धिपुर में रचित ।
४०	११२२ (५८)	आशापुरीमाता छद		राज०	१९वीं श	८१ वा	
४१	७८६	ईश्वरीछद	कुंअरकुशल	"	१८५१	४	भुजनगर में लिखित ।
४२	७९९	ईश्वरीछद	"	"	१९वीं श.	५	
४३	११२२	ईश्वरीछद	"	"	"	६३-६४	
४४	१८३९ (६)	उतपतिगीत	श्रीसार	रा०गू०	१८२९	२७-३२	
४५	२८३२ (३)	उतपतिनामौ		रा०	१७७४	८१-८५	गुटका ।
४६	२३११	उदयपुरगजिल्ल	भोज	"	१९वीं श	४	
४७	२२४३	उदयसिंघमेडत्यारो सपखरो कवित्त		"	२०वीं श	२	
४८	३५७३ (४६)	उदैपुररीगजल	खेताक	"	१९वीं श	१०६-११०	श्रीअमरसिंहजी शासित उदयापुर में सवत् १७५७ में रचित । जीर्णप्रति ।
४९	११२२ (५०)	उदर मीआनो झगडो		हि०	१९वीं श	६७ वां	
५०	३५७५ (७०)	ऋषभजिनदेशना	शिवचन्द्र	रा. गू	२०वीं श	३०५ वा	
५१	३५७३ (३१)	ऋषभदेवक्रीड़ागीत	समयसुन्दर	"	१९वीं श	८१ वां	जीर्णप्रति ।
५२	२०५५	ऋषिवदना	पासचंद	"	१७१५	८	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५३	२०४७	कयलो	ज्ञानविमल	रा०गू०	१९वीं श	२	
५४	११२२ (३२)	कमालदीखान नवाबनो जस		ब्रज	,, ,,	२८–२९	
५५	११२३ (१२)	करसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०	१७वीं श	६९–७१	
५६	२३५५	कल्याणमलको कवित्त आदि	खुसराम	ब्र०हि०	२०वीं श	७	
५७	२७८४	कालिकाकवचस्तोत्र	जयलाल	राज०	१९२७	२	अजमेर में लिखित।
५८	३५४७ (८)	कालिकाजीरादूहा सोरठा	लघो	,,	१९वीं श	८६–८७	
५९	२३२९	कालिकास्तव	चन्द्रदत्तओझा	,,	१८९४	१	
६०	२७८५	कालिकास्तोत्र तथा आरात्रिका	जयपाल		२०वीं श	२	
६१	२२४६	कालीजी की आरती		,		१	
६२	२२९९	कीर्तिसिंहकुमार के कवित्त		ब्र०हि०	१९वीं श	३१	
६३	३५६७	कुपलिरासो		रा०	, ,	११७–१४८	
६४	२२८०	कुलभक्त स्तुति	भगनीराम	ब्र०हि०	१९०७	१	
६५	१८८२ (२१२)	कृष्णजी के चरणचिह्न दोहा		ब्रज	१९वीं श	१३४–१३५	
६६	१८३९ (२)	कृष्णजी धमाल			, ,	९ वा	गुटका।
६७	२३०९ (३)	कृष्णध्यान	ईसरदास	राज०	, ,,	१४–१५	
६८	२३१९	कृष्णपद	भगनीराम	ब्र हि०	२०वीं श	१	
६९	२१००	कृष्णबारमास	किसनदास	रा०गू.	१८वीं श	१	
७०	११४७ (३)	कृष्णलीला	नन्ददास	ब्र०हि०	१८८४	२८से३२	
७१	२८२९	कृष्णस्मरण तथा भक्तवेल	अर्जुनजी	गुर्जर	१९वीं श	२	गुटका।
७२	११२२ (५९)	कोटेसरनो छंद	विसराम (?)	राज०	१९वीं श	८२ वा	
७३	२३१३	क्षेत्रपालछंद	माधो	,	१९वीं श	२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७४	२८६३ (४५)	खरतरगुरुनामसस्तवन	हीरकलश	सं०	१७वीं श.	४ था	सवत् १६२० मे रचित।
७५	२८६३ (६०)	खरतरादिगच्छोत्पत्ति छप्पय	हीराणद	रा० गू०	,,	११४ वा	
७६	३५५० (५)	खेतलाजीरो छद		राज.	१६वीं श	३६–४०	
७७	३५७३	गउडीपार्श्वस्तवन	जिनचन्द्र	रा० गू०	,,	१०१वां	स १७२०मे रचित। जीर्णप्रति।
७८	२१६०	गगानवक	खुसराम	व्र हि	१६१४	२	कर्ता का दूसरा नाम मगनीराम है, उन्हीं द्वारा कृष्णगढ़ मे लिखित।
७९	३५७३ (११)	गजसुकुमालगीत	नन्नसूरि	रा गू.	१६वीं श	३३–३४	स. १५६१ मे खभात में रचित। जीर्ण प्रति।
८०	३५७५ (२२)	गजसुकुमाल स्वाध्याय		,,	२०वीं श	६७–१००	
८१	२२७७	गणेशाजी, श्यामाजी, अबाजी तथा भैरव की आरती	मगनीराम	व्र०हि०	१६२०	१	
८२	२३५७	गम्भीरमलजी आदि राजकर्मचारियों के कवित्त		,,	२०वीं श.	१६	फुटकर पत्र।
८३	२२४२	गभीरमलजीका कवित्त	खुसराम	,,	,,	१	
८४	२३५८	गभीरमलजी के कवित्त		,,	,,	४	
८५	२२३२	गंभीरमलजी को कवित्त		,,	,,	१	
८६	३५५३ (५)	गाफललावणी	विनैचद	राज	१६वीं श	१५७–१५६	
८७	८८४	गिरनार की गजल	कल्याण	,,	१८८८	३	आधोई (कच्छ) में लिखित। स. १८२१ में रचित।
८८	२२६०	गीतसग्रह	जवानसिंह नागरीदास हरिदास	व्र०हि०	२०वीं श.	१२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
८९	२८९३ (१०३)	गु जा कंचनसवाद		रा०गू०	१७वीं श	१६३वा	पत्र चार है।
९०	११२२ (२३)	गुडीपारसनाथ छंद	कुशललाभ	"	" "	८२–८३	
९१	१८८२ (१६६)	गुणनाममाला		ब्र०हिं०	१९वीं श.	१०४–१०७	
९२	२३४१	गुणसागर की छप्पै	गिरधर (?)	"	२०वीं श	२	
९३	२०२३ (३)	गुणसागरभास		रा गू०	१७३४	३–६	
९४	३५७५ (७३)	गुरुजी गु हली			२०वीं श	३०७वा	
९५	३५७५ (२५)	गौडीजिनस्तवन	प्रीतिविमल	"	,	१०४–१०६	
९६	१०९२	गौडीजीरोछंद		"	१८९४	५	रायपुर में लिखित।
९७	३५७५	गोडीपार्श्वजिनचौदा स्वप्नस्तवन	समयरंग		२०वीं श	४६–४९	
९८	११२२ (५६)	गौडीपार्श्वछंद		राज०	१९वीं श	७४–७५	
९९	२०५१	गौडीपार्श्वछंद	रूपसेवक	रा०गू०	१८वीं श	९	गजपाटक में लिखित।
१००	२२१२ (१)	गौडीपार्श्व छद्दस्तवन	प्रीतिविमल	राज०	१८३८	१–२	कालूग्राम में लिखित।
१०१	२०५२	गौडीपार्श्वस्तवन	नेमविजय	रा०गू०	१८२९	४	सं० १८०७ में रचित।
१०२	१४४७ (२)	गोपिकागीत		संस्कृत	१८८४	२४से२८	भागवतगत।
१०३	३५७२ (८)	गोपिकागीत			१९वीं श	६७–७१	भागवतगत।
१०४	२२१६	गोपीकृष्ण भ्रमरगीत स्नेहलीला		ब्र०हिं०	, ,	२	
१०५	३४९९	गोपीचन्द राजा पद		राज	, "	१	
१०६	३५४६ (३)	गोरखनाथजीरो छंद		,	" "	१० वां	
१०७	३५४६ (५)	गोरंभजीरो छंद		"	" ,	११ वा	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
१०८	२३७७ (५)	गोरावर्णोवीरनोसपपरो तथा घोडा वर्णन सपपरो	माधो	राज०	१९वीं श	३०-३१	
१०९	३५७५ (४१)	गौतमप्रश्नोत्तरस्तवन	ऋषभश्रावक	रा०गू०	२०वीं श.	१९९-२०६	
११०	१८३९ (८)	गौतमाष्टक	लावण्यसमय	”	१९वीं श	४०-४१	
१११	७७५	चउसठी (योगिनी) छद तथा जगदवा छद		”	”	१	
११२	३५७५ (७४)	चक्रेश्वरीस्तवन	शकर	”	२०वीं श	३०७-३०८	
११३	२८९३ (३९)	चतुर्विंशतिजिनगणधर मख्या वीनति	हीरकलश	”	१६१९	८४ वां	
११४	२८९३ (३३)	चतुर्विंशतिजिनपचकल्याणकस्तोत्र	”	”	१७वीं श.	६६-६९	६८ वां पत्र के प्रथम पृष्ठ के अत में पुष्पिका 'लिपीकृत हीराकेन'।
११५	१०१५	चतुर्विंशतिजिनस्तवन तथा आविलतपसज्भाय	लावण्यसमय विनयविजय	”	१८६१	१०	
११६	२८९३ (१३८)	चद्रगुप्तसोलस्वप्नसज्भाय	हीरकलश	”	१७वीं श	२४३-२४४	स. १६२२ में राजलदेसर में रचित और लिखित (?)
११७	३५७५ (६४)	चंद्रप्रभजिनस्तवन	शिवचन्द्र	”	२०वीं श	२९६-२९७	
११८	३५६२ (१०)	चावडारो छद	चुनीलाल	राज०	”	६६-६७	सोजत में रचित।
११९	३२०५	चित्तौड की गजल	खेतल	”	१८वीं श	२	सवत् १७४८ मे रचित।
१२०	३५५० (४)	चित्तौड की गजल	”	”	१९वीं श	३५-३९	पालाड़ा ग्राम में लिखित।
१२१	७३६८ (११)	चैत्यवदन	कमलविजय	”	१८४८	४० वां	
१२२	३२८४	चौबीसी स्तवन	जिनराज	”	१७६२	६	कालू मे लिखित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१२३	३५७५ (१)	चौवीसी स्तवन	देवचन्द्रजी	रा०गू०	२ वीं श.	१–२४	
१२४	३५७५ (३३)	चोवीशी स्तवन	जिनराजसूरि	"	" "	१४२–१५४	
१२५	१८३९ (११)	चौवीसदंडकस्तवन	धर्मविजय	"	१९वीं श	४८–५२	सं० १७२९ में जैस लमेर में रचना। गुटका।
१२६	२८९३ (१११)	त्रिभवइजिननमस्कार	हीरकलश	"	१७वीं श	१७४–१७५	
१२७	२८९३ (४३)	त्रिभवइजिनस्तवन	,		" "	८६–८७	
१२८	११२२ (१)	जगडूनो छंद	लीलो	राज०	१९वीं श	२ रा	
१२९	११७२ (१८)	जगडूसाहनो जस		रा०गू०	" ,	१० वां	
१३०	२०५४	जवानसिंहको कवित्त	खुसराम	ब्र०हि०	२०वीं श.	१	
१३१	२३६२ (७)	जसवंतसिंहजी महा राजरा कवित्त		राज०	१८वीं श	७ वा	
१३२	३५४८ (६)	जसवंतसिंह तथा अजी तसिंहजी के कवित्त			१८वीं श	१	
१३३	३४७४	जालोरपार्श्वविविध ढाल स्तवन	पुण्यनन्दि	रा०गू०	१७वीं श.	५	
१३४	११२२ (४६)	जामलाखारीनीसाणी		रा०	१९वीं श	६२–६३	
१३५	२८९३ (१३३)	जिनकल्याणकस्तवन	हीरकलश	रा०गू०	१६२१	१९५से १९७	रूसणा ग्राम में रचित।
१३६	२८९३ (१२३)	जिनचंद्रसूरिगीत	"	"	१७वीं श	१७७वां	
१३७	२८९३ (१२४)	जिनचंद्रसूरिगीत	"	,	" "	१८२से १८६	
१३८	२८९३ (१२५)	जिनचंद्रसूरिगीतनवक	,	"	" "	१८६से १८९	
१३९	२८९३ (९४)	जिनचंद्रसूरिस्तुति	विल्ह	रा०गू०	, "	१६०वां	द्वादश दल कमल बंध में एक काव्य है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१४०	३५७५ (५०)	जिनप्रतिमास्थापन स्तवन	जिनहर्ष	रा०गू०	२०वीं श	२४१-२४८	रचना स. १७२५।
१४१	३५५५ (३१)	जिनरस	वेणीराम	राज०	१६वीं श	१६०-१७४	सं. १६५८में रचित।
१४२	३५७५ (६२)	जिनवाणीस्तुति	शिवचन्द्र	रा०गू०	२०वीं श	२६४-२६५	
१४३	२३६८ (१६)	जिनविनती	कनककीर्ति	"	१६वीं श	५०-५१	
१४४	३३७५ (७१)	जिनहर्षसूरिभास	जिनहर्ष	"	२०वीं श	३०५-३०६	
१४५	३५७५ (६६)	जिनहर्षसूरिभास	शिवचन्द्र	"	"	२६८-२६६	
१४६	२८६३ (३५)	जिनहर्षसूरिगीत		"	१७वीं श	६६ वां	
१४७	२१२५	जिनाज्ञास्तवन सविवरण	नेमीसार वि० स्वोपज्ञ	"	१८वीं श.	५	जैन शास्त्रीय चर्चात्मक कृति। कर्ता ने अन्त में आपके विशेषण दिए हैं, उनमे से एक निम्न प्रकार है। साहिश्री शालेमसाहिसमक्ष श्री श्री श्रीसर्वज्ञशत ग्रन्थसत्यतासत्यता का धारक।
१४८	३२००	जीराउलापार्श्वनाथ स्तवन	सोमविजय	"	१७४५	३	स्तम्भनकपुर में लिखित।
१४६	३५४३ (६)	जोगपाखडी	गोरखनाथ	राज०	१८८२	१०-१४	
१५०	२०४८	ज्ञानपचमीस्तवन	केशरकुशल	रा०गू०	१६वीं श	४	स. १७५८ में सिद्धपुर मे रचित।
१५१	४२२	ज्वरनोछद	कान्ति	"	१८३८	१	मेडता मे लिखित।
१५२	३५७३	ढ ढणस्वाध्याय	जिनहर्ष	रा०	१८वीं श	१७ वां	जीर्णप्रति।
१५३	११२२ (२३)	ढूढीयानो छद तथा सवैया	प्रेमकवि	"	१६वीं श.	१६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१५४	३५६७ (२५)	सारादे लोचनारी सज्झाय	हर्षकुशल	राज०	१९वीं श	१४६–१४७	
१५५	५६१	त्रिपुराछंद	गुणानन्दशिष्य	रा०गू०	,, ,,	२	आदि प्रणमी पार्श्व जिन वपद श्रीसद गुरु धरी ध्यान। बाला त्रिपुरा वीनवु माता दिये बहुमान।
१५६	३५७२ (२४)	थंभणपार्श्वनाथ स्तवन धमणया	कुशललाभ	,,	१९वीं श	६९–७०	जीर्ण प्रति।
१५७	१८६२	दर्शनस्तुति		प्र हि०		५	
१५८	२१७५	दशवैकालिकभास	राममुनि	रा०गू०	१७वीं श	२४	
१५९	९८६	दशवैकालिकस्वाध्याय	शुद्धिविजय		१९वीं श.	७	
११	२८९२ (११)	दशार्ण भद्रगीत	हीरकलश	,	१७वीं श	६–८	पत्र ६ ठा और ८ वा का अर्धभाग नष्ट।
१६१	११२२ (६८)	दातारसूमनो सवाद			१८८८	८७–८८	
१६२	३५५५ (३)	दीपकबत्तीसी	केसोदास	राज०	१९वीं श	१४ वां	
१६३	१८८९ (१७)	दुखहरणवेलि	सवाई प्रतापसिंहजी	हिन्दी	१८६६	९४से९६	
१६४	२२७८	देवी आरती	भगतीराम	प्र०हि०	१९०७	१	कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं। कृष्णगढ़ में लिखित।
१६५	२२८२	देवी आरती	,	,	१९०७	१	कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं। कृष्णगढ़ में लिखित।
१६६	२३२८	देवीजी की स्तुति		राज०	१९२०	१४	
१६७	११२२ (१)	देवीस्तुति		,,	१९वीं श	१	
१६८	१२७९	देवीस्तुति	भगतीराम	प्र०हि	१९०७	१	कर्त्ता के हस्ताक्षर हैं। कृष्णगढ़ में लिखित।
१६९	३५६७	देसंतरी छंद	समधर कवि	राज०	१९वीं श	१५–१५२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
१७०	३५६५ (५)	द्विकन्यासंवाद ग्रन्थ		ब्र०हि०	१६वीं श	३७६-३६०	
१७१	३५५० (१२)	धन्नासज्झाय		रा०गू०	"	८८ वां	
१७२	३५४६ (१४)	धरातीर्थगीत आदि		राज०	"	७५-७७	
१७३	३५७५ (५६)	नन्दीश्वरस्तवन		रा० गू०	२०वीं श.	२६१-२६२	
१७४	३५७५ (६०)	नदीसूत्रसज्झाय	शिवचन्द्र	"	"	२६२-२६३	
१७५	३५१६	नवग्रह छद	शकर	"	१६वीं श	५	
१७६	३५७५ (२६)	नवपदस्तवन	जिनलाभ	"	२०वीं श	१०६-११३	
१७७	३५७५ (३६)	नवकारचालीस्तवन चोढालीयो	राजसोमपाठक	"	"	१६१-१६५	
१७८	३५५४ (१५)	नवकारसज्झाय		"	१६वीं श.	२६ वां	
१७६	२३१५	नवरात्रि कवित्त	जयलाल	ब्र०हि०	१६२७	२	रचना स १६२७ कवि के हस्ताक्षर।
१८०	२०४६	नववाडसज्झाय	जिनहर्ष	रा०गू०	१६वीं श.	५	संवत् १७७६ मे रचित।
१८१	२०६०	नववाडसज्झाय बल-भद्रसज्झायादि सग्रह	अनेक कवि	"	१७वीं श	४५	
१८२	३५६६ (१)	नित्य के कीर्तन		ब्र. हि	१८५२	१-८८	
१८३	२३७६ (१०)	नित्य के पद		"	२०वीं श.	१८-३८	
१८४	३५५७ (१०)	नीसाणी	केसोदास गाडण	राज०	१८वीं श.	१०२ रा	
१८५	३५४६ (१३)	नीसाणी कवित्त		"	१६वीं श.	७४-७५	
१८६	१८३६ (६)	नेमजी का बारहमास	श्यामगुलाब	ब्रज.	"	४१-४४	गुटका।
१८७	११२७ (२१)	नेमराजीमतीबारमास	ज्ञानसमुद्र	"	"	१४-१५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
१८८	३५०८	नेमराजुलचु नडी	कान्तिविजय	रा०गू०	१६वीं श	२	
१८६	३५२०	नेमराजुलबारमास आदि	उदयरत्न	,,	१८वीं श	४	सं० १७०६ में रचित।
१६०	२८६३ (६)	नेमिगीत	हीरकलश	,,	१७वीं श	४ था	
१६१	११२३ (२२)	नेमिनाथचंद्राइणगीत	माकडमुनि	,,	,	८१–८७	
१६२	३५५४ (४)	नेमिनाथ चोक	अमृत	,,	१६वीं श	६२–६४	स० १८३६ में रचित।
१६३	१८२	नेमिनाथचोवीसचोक	अमृतविजय	,	१८६३	८	स० १८३५ में रचित। रात्रिकापुर में लिखित।
१६४	२३६८ (१२)	नेमिनाथजी की वीनति		रान०	१६वीं श	४०–४२	
१६५	३६३५	नेमिनाथ फाग	राजहर्ष	रा०गू०	१८वीं श	२	
१६६	२३७४ (५)	नेमिनाथबारमास	रूपचंद		१६वीं श	२६–२७	
१६७	२३७४ (६)	नेमिनाथबारमास	देवविजय	,		२७–२८	
१६८	२३७४ (७)	नेमिनाथबारमास	कवियण	,	, ,	२८ वा	
१६६	३२०३	नेमिनाथबारमास	विनयविजय	,	१८वीं श	२	सं० १७२८ में रानेर में रचित।
२००	२३०० (५)	नेमिनाथबारमाससवैया		ब्र०हि०	१८७६	३५–४६	अजमेर मे लिखित।
२०१	२३६८ (१७)	नेमिनाथसारन	मनरूप	रा०गू०	१६वीं श	५२–५४	
२०२	२८६३ (५६)	नेमिनाथ हींडोलणा	हीरकलश	रा०गू०	१६२५	१११से ११४	पुष्पिका-सं० १६२५ के आषाढ़ मास में डेहिनयरी में रचित, पीमसर में कर्त्ता द्वारा स्वयं लिखित।
२०३	३१६३	नेमीश्वररागमालामय स्तवन	मेरुविजय	,	१८वीं श	३	स० १७०३ में रचित।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२०४	३५६२ (१५)	पखवाडा		राज०	२०वीं श.	१३६–१३७	
२०५	३५४६ (१२)	पखप्रवोध		"	१६वीं श.	७४ वा	
२०६	२८६३ (३१)	पचतीर्थी नमस्कार		रा० गू०	१७वीं श	६६ वां	
२०७	२८६३ (४०)	पचतीर्थी नमस्कार		"	"	८५ वा	
२०८	२८६३ (४१)	पचतीर्थीस्तुति	हीरकलश	"	"	८५ वां	
२०६	२८६३ (४१)	पचपरमेष्ठिनमस्कार	"	"	"	८५ वां	
२१०	३५७५ (६१)	पचमागसज्झाय	शिवचद्र	"	२०वीं श.	२६३–२६४	
२११	३५७५ (४७)	पचमीतपमहिमास्तवन	लक्ष्मीसूरि	"	"	२३४–२३६	
२१२	२०५४	पचलघुतीर्थमालास्तवन		"	१६१८	५	
२१३	११२२	पचागुलीदेवीछद		"	१६वीं श	८ वां	
२१४	३६४०	पचेद्रियवेली	गेल्ह (?)	"	१७वीं श	१	सवत् १५५० में रचित।
२१५	१८८२ (१)	पद	तुलसीदास	व्रज०	१६वीं श.	१८ वां	
२१६	१८८२ (२)	पद	अग्रदास	"	"	१८ वां	
२१७	१८८२ (३)	पद	तुलसीदास	"	"	१८–१६	
२१८	१८८२ (४)	पद	कमलानन्द	"	"	१६ वां	
२१६	१८८२ (५)	पद	अग्रदास	"	"	१६ वां	
२२०	१८८२ (६)	पद	परमानन्ददास	"	"	१६–२०	
२२१	१८८२ (७)	पद	तुर(ल)सी	"	"	२०–२१	

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२२२	१८८२ (८)	पद	तुलसीदास	ब्रज	१६वीं श.	२१ वा	
२२३	१८८२ (६)	पद	भगवान	"	"	२१ वा	
२२४	१८८२ (१०)	पद	चरनदास	"	,	२२ वा	
२२५	१८८२ (११)	पद	सूरकिसोरमुनि	"	"	२२-२३	
२२६	१८८२ (१२)	पद	परमानन्द	,	,	२३ वा	
२२७	१८८२ (१३)	पद	नन्ददास	"	,	२३ वा	
२२८	१८८२ (१४)	पद	"	"		२३ वा	
२२६	१८८२ (१६)	पद		"	"	२४ वा	
२३०	१८८२ (१७)	पद	तुर (ल) सी	"	,	२४-२५	
२३१	१८८२ (१८)	पद		,	"	२५ वा	
२३२	१८८२ (१६)	पद	रामदास	"	,	२५ वा	
२३३	१८८२ (२१)	पद	,	,	,	२६ वा	
२३४	१८८२ (२२)	पद	कृष्णदास	,	,	२६-२७	
२३५	१८८२ (२३)	पद		"	"	२७ वां	
२३६	१८८२ (२४)	पद	,	"	,	२७-२८	
२३७	१८८२ (२७)	पद	मौजीराम	"	,	२८-२६	
२३८	१८८२ (२८)	पद	सूरदास	"	,	२६ वा	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
२३९	१८८२ (२९)	पद	सुखस्याम	ब्रज०	१९वीं श	२९ वां	
२४०	१८८२ (३०)	पद	अग्र	"	"	"	
२४१	१८८२ (३१)	पद	चरनदास	"	"	२९	
२४२	१८८२ (३२)	पद	नददास	"	"	३०	
२४३	१८८२ (३३)	पद	माधोदास	"	"	३१	
२४४	१८८२ (३४)	पद	सूरदास	"	"	"	
२४५	१८८२ (३५)	पद	नददास	"	"	३१–३२	
२४६	१८८२ (३६)	पद	कबीर	"	"	३२–३३	
२४७	१८८२ (३८)	पद	अग्र	"	"	३६ वां	
२४८	१८८२ (३९)	पद	गरीबदास	"	"		
२४९	१८८२ (४१)	पद	नागरीदास	"	"	३	
२५०	१८८२ (४२)	पद	अग्र	"	"		
२५१	१८८२ (४३)	पद	नददास	"	"		
२५२	१८८२ (४४)	पद	सूरकिसोर	"	"	३९	
२५३	१८८२ (४५)	पद	मानदास	"	"	४०	
२५४	१८८२ (४६)	पद	रामदास	"	"	४०–४१	
२५५	१८८२ (४७)	पद	व्यासदास	"	"	४१ वां	

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२५६	१८८२ (४८)	पद	बस (सी) लाल	व्रज	१६वीं श	४१ वां	
२५७	१८८२ (४६)	पद	नंददास	"	"	४१–४२	
२५८	१८८२ (५०)	पद	व्यास	"	"	४२ वा	
२५६	१८८२ (५१)	पद	सदानन्द		"	४२ वां	
२६०	१८८२ (५२)	पद	भगवान	"	"	४२ वा	
२६१	१८८२ (५३)	पद	सदानन्द	"	"	४२ वा	
२६२	१८८२ (५४)	पद	नन्ददास		"	४२ वां	
२६३	१८८२ (५५)	पद	सदाराम		"	४२ वां	
२६४	१८८२ (५६)	पद	पातीराम		"	४२ वा	
२६५	१८८२ (५८)	पद	सूर			४३–४४	
२६६	१८८२ (५६)	पद	सूरदास	"	"	४४–४५	
२६७	१८८२ (६१)	पद	भगवान		"	४५ वा	
२६८	१८८२ (६२)	पद				४५–४६	
२६६	१८८२ (६३)	पद	बंसीधर	"	"	४	
२७०	१८८२ (६३)	पद	"	"	"	४६ वा	
२७१	१८८२ (६५)	पद	गरीबदास	"	"	४६–४७	
२७२	१८८२ (६६)	पद	गोपीनंद	"	"	४७ वा	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
२७३	१८८२ (६७)	पद	तुलसीदास	व्रज०	१६वीं श०	४७ वां	
२७४	१८८२ (६८)	पद	कुंभनदास	"	"	४७-४८	
२७५	१८८२ (६९)	पद	नरसी	रा० गु०	"	४८ वां	
२७६	१८८२ (७०)	पद	नंद	व्रज०	"	४८ वां	
२७७	१८८२ (७२)	पद	सूरदास	"	"	४९ वां	
२७८	१८८२ (७३)	पद	चत्रदास	"	"	४९-५०	
२७९	१८८२ (७४)	पद	तुरसीदास	"	"	५० वां	
२८०	१८८२ (७५)	पद	अग्र	"	"	५० वां	
२८१	१८८२ (७७)	पद	ग्यानदेव	"	"	५१ वां	
२८२	१८८२ (७८)	पद	परमानन्द	"	"	५१ वां	
२८३	१८८२ (७९)	पद	त्रिलोचन	"	"	५१ वां	
२८४	१८८२ (८०)	पद	श्रीभट	"	"	५१-५२	
२८५	१८८२ (८१)	पद	परमानन्द	"	"	५२ वां	
२८६	१८८२ (८२)	पद	चद्री (श्रीपति)	"	"	५२ वां	
२८७	१८८२ (८३)	पद	मीरा	व्र० हि०	"	५२ वां	
२८८	१८८२ (८४)	पद	तुलछी(सी)दास	व्रज०	"	५२-५३	
२८९	१८८२ (८५)	पद	मलूकदास	"	"	५३ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
२९०	१८८२ (८८)	पद		ब्रज	१९वीं श	५४ वां	
२९१	१८८२ (९०)	पद	मलसाराम	"	"	५५ वां	
२९२	१८८२ (९१)	पद	रैदास	"	"	५५ वां	
२९३	१८८२ (९२)	पद	नन्ददास	,	"	५५-५६	
२९४	१८८२ (९३)	पद	भगवान	,	,	५६ वां	
२९५	१८८२ (९४)	पद	तुरसीदास	"		५६ वा	
२९६	१८८२ (९५)	पद	सूर		,	५६ वा	
२९७	१८८२ (९६)	पद	केवलराम	"	,	५६ वां	
२९८	१८८२ (९७)	पद	मुरली	"	,	५६-५७	
२९९	१८८२ (९८)	पद	भगवान	,	"	५७ वा	
३००	१८८२ (९९)	पद (द्वय)	तुरसी	"	"	५७-५८	
३०१	१८८२ (१ ०)	पद	विट्ठलदास		,	५८-५९	
३०२	१८८२ (१०१)	पद	कबीर	,	"	५९ वा	
३०३	१८८२ (१०२)	पद	श्री भट	"	,	५९ वा	
३०४	१८८२ (१०३)	पद	हरि	"	,	५९ वां	
३०५	१८८२ (१०४)	पद	रामदास	"	,	५९ वां	
३०६	१८८२ (१०५)	पद	सूर	,	"	५९-६०	
३०७	१८८२ (१०६)	पद	विष्णुदास			६० वां	

गीत-आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३०८	१८८२ (१०७)	पद	कबीर	ब्रज०	१९वीं श	६१ वा	
३०९	१८८२ (१०९)	पद	नामदेव	"	"	६१ वा	
३१०	१८८२ (११०)	पद	कबीर	ब्र०रा०	"	६१ वा	
३११	१८८२ (१११)	पद	किसनदास	ब्रज०	"	६१ वा	
३१२	१८८२ (११३)	पद	जयदेव	"	"	६२ वा	
३१३	१८८२ (११४)	पद	प्रेमदास	"	"	६२-६३	
३१४	१८८२ (११५)	पद	तुरसीदास	"	"	६३ वा	
३१५	१८८२ (११८)	पद	नामदेव	"	"	६४ वा	
३१६	१८८२ (१२०)	पद	परसराम	"	"	६५ वा	
३१७	१८८२ (१२१)	पद	अग्रदास	"	"	६५ वा	
३१८	१८८२ (१२२)	पद	नरहरिराम	"	"	६५ वा	
३१९	१८८२ (१२३)	पद	नामदेव	"	"	६६ वां	
३२०	१८८२ (१२४)	पद	ग्यानदेव	"	"	६६ वा	
३२१	१८८२ (१२५)	पद	गोकलदास	"	"	६६ वां	
३२२	१८८२ (१२६)	पद	वीठल	"	"	६६ वा	
३२३	१८८२ (१२७)	पद (द्वय)	नरसी	"	"	६६-६७	
३२४	१८८२ (१२८)	पद	मीरा	रा०गू०	"	६७ वां	
३२५	१८८२ (१२९)	पद	आसकरन	ब्रज०	"	६७ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३२६	१८८२ (१३०)	पद	मीरा	रा०गू०	१९वीं श.	६७ वां	
३२७	१८८२ (१३१)	पद	तुरसी	व्रज	"	६७ वां	
३२८	१८८२ (१३२)	पद	कृष्ण (दास)	"	,	६८ वा	
३२९	१८८२ (१३३)	पद	परमानन्द	,	,	६८ वा	
३३	१८८२ (१३४)	पद	मीराबाई	व्र०रा	"	६८ वा	
३३१	१८८२ (१३५)	पद	सुरलीदास	,	,	६८-६९	
३३२	१-८२ (१३८)	पद	छीतमदास	व्रज		७१-७२	
३३३	१८८२ (१४०)	पद	श्याम		"	७५-७६	
३३४	१८८२ (१४२)	पद	बालकृष्ण	"		७६ वा	
३३५	१८८२ (१४३)	पद	भगवान	"	,	७६ वा	
३३६	१८८२ (१४४)	पद	जगन्नाथ कविराज		,	७६-७७	
३३७	१८८२ (१८५)	पद	बुधानन्द	,	,	७७ वा	
३३८	१८८२ (१५१)	पद	नामो	,	,	९२ वां	
३३९	१८८२ (१५२,	पद	तुरसीदास	"	"	९२ वां	
३४०	१८८२ (१५३)	पद	अमदास		"	९२ वां	
३४१	१८८२ (१५४)	पद	कबीर	"	"	९२ वां	
३४२	१८८२ (५६	पद	माधोदास	,	,	९३ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
३४३	१८८२ (१५९)	पद	मीरा	राज०	१९वीं श.	६४ वां	
३४४	१८८२ (१६०)	पद	नामदेव		"	६४ वां	
३४५	१८८२ (१६१)	पद	कबीर	"	"	६४ वां	
३४६	१८८२ (१६९)	पद	भगवान	"	"	१११-११२	
३४७	१८८२ (१७०)	पद	गदाधर मिश्र	"	"	११२ वां	
३४८	१८८२ (१७३)	पद	बिहारीदास	"	"	११५ वां	
३४९	१८८२ (१७४)	पद	सूरदास	"	"	११५ वा	
३५०	१८८२ (१७५)	पद	नन्ददास	ब्रज	"	११५-११६	
३५१	१८८२ (१७६)	पद	मायोदास	"	"	११६ वां	
३५२	१८८२ (१७७)	पद	सूरदास	"	"	११६-११७	
३५३	१८८२ (१८०)	पद	कबीर	"	"	११९ वां	
३५४	१८८२ (१८२)	पद	सूरदास	"	"	१२० वां	
३५५	१८८२ (१८४)	पद	मीरा	"	"	१२१ वां	
३५६	१८८२ (१८५)	पद	बालकृष्ण	"	"	१२१ वां	
३५७	१८८२ (१८६)	पद	नैददा	"	"	१२२ वां	
३५८	१८८२ (१८७)	पद	अमदास	"	"	१२२ वां	
३५९	१८८२ (१८८)	पद पंचक (५)		"	"	१२२-१२३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३६०	१८८२ (१८९)	पद	तुरसीदास	,,	१९वीं श	१२५ वां	
३६१	१८८२ (१९)	पद	हरि	,,	,,	१२४ वां	
३६२	१८८२ (१९१)	पद	सूरकिसोर	,,	,,	१२४-१२६	
३६३	१८८२ (१९२)	पद	बालकृष्ण	,,	,,	१२६ वां	
३६४	१८८२ (१९४)	पद	सूरदास	,,	,,	१२७ वां	
३६५	१८८२ (१९५)	पद	बिद्यादास		,,	१२७ वां	
३६६	१८८२ (१९६)	पद	गनेश	,,	,,	१२७ वां	
३६७	१८८२ (१९८)	पद	मुरारीदास	व्रज	,,	१२८ वां	
३६८	१८८२ (१९९)	पद	सुर	,,	,,	१२८ वां	
३६९	१८८२ (२००)	पद	तुरसीदास	,,		१२८-	
३७०	१८८२ (२०६)	पद	मीरा	,,		१३२ वां	
३७१	१८८२ (२०७)	पद	माधोदास		,,	१३२ वां	
३७२	१८८२ (२०८)	पद	मानदास	,,		१३२ वां	
३७३	१८८२ (२१०)	पद	माधोदास		,,	१३३-१३४	
३७४	१८८२ (२११)	पद	सुर	,,	,,	१३४ वां	
३७५	१८८२ (२१३)	पद	सूरदास	,,	,,	१३५-१३६	
३७६	१८८२ (२१४)	पद	माधो	,,		१३६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
३७७	१८८२ (२१५)	पद	परसराम	ब्रज	१६वीं श	१३६ वां	
३७८	१८८२ (२१७)	पद	मगनीराम	राज०	"	१३७ वा	
३७९	१८८२ (२१९)	पद	कबीर	ब्रज०	"	१३८ वां १२६	
३८०	१८९० १)	पद	बिहारीदास	ब्र०हि०	"	१से३	
३८१	१८९० (३)	पद	लच्छीराम	"	"	४से५	
३८२	१८९० (५)	पद	कबीर	"	,	५—६	
३८३	१८९० (६)	पद		"	"	६ वां	
३८४	१८९० (११)	पद	केवलराम	"	"	११—१२	
३८५	१८९० (१२)	पद		राज०	"	१२ वा	
३८६	१८९० (१३)	पद	ब्रह्मदास	ब्र०हि०	"	१२—१३	
३८७	१८९० (१५)	पद	सुरदास	"	"	२२ वां	
३८८	१८९० (१६)	पद	मीरा	"	"	२२ वा	
३८९	१८९० (१७)	पद	वासदास	"	"	२२ वां	
३९०	१८९० (१९)	पद	ब्रह्मदास	"	"	२५-२६	
३९१	१८९० (२०)	पद	सीतलदास	"	"	२६—२७	
३९२	१८९० (२१)	पद	ब्रह्मदास	"	"	२७ वां	
३९३	१८९० (२२)	पद	चरनदास	"	"	२८ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
३९४	१८९० (२३)	पद	सूरदास	ब्रज	१९वीं श.	२८ वां	
३९५	१८९० (२४)	पद	केवलराम	"	"	२८-२९	
३९६	१८९० (२५)	पद	चरनदास	"	"	२९ वां	
३९७	१८९० (२६)	पद	नरसी	रा०गु०	"	२९-३०	
३९८	१८९० (२७)	पद	लघु (?)	ब्र०हि०	"	३० वां	
३९९	१८९० (२८)	पद	नरसी	रा०गु०	,	३० वां	
४००	१८९० (२९)	पद	लच्छीराम	ब्र०हि०	"	३०-३१	
४०१	१८९० (३३)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	,	"	३५ वां	
४०२	१८९ (३४)	पद	सूरदास	"	,	३५ वां	
४०३	१८९० (३५)	पद	कबीर	"	"	३५-३६	
४०४	१८९० (३६)	पद	कृष्णदास	"	"	३६-३७	
४०५	१८९० (३८)	पद	श्री भट	,	"	३८ वां	
४०६	१८९० (३९)	पद	तुलसीदास	,	,	३८-३९	
४०७	१८९० (४०	पद		"	"	३९ वां	
४०८	१८९० (४१)	पद	कबीर	"	,	३९-४०	
४०९	१८९० (४३)	पद	माधोदास	ब्रज	"	४०-४१	
४१	१८९ (४४)	पद	मीरा	हि०	,	४१ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४११	१८६० (४५)	पद	सूर	ब्र हि.	१६वीं श.	४१ वां	
४१२	१८६० (४६)	पद		"	"	४१–४२	
४१३	१८६० (४७)	पद	तुलसीदास	ब्रज०	"	४२ वां	
४१४	१८६० (४६)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	४३–४४	
४१५	१८६० (५१)	पद		"	"	४७–४८	
४१६	१८६० (५२)	पद	नरसी	रा. गू.	"	४८ वां	
४१७	१८६० (५३)	पद	मीरा	राज.	"	४८–४६	
४१८	१८६० (५५)	पद	सूर	ब्र०हि०	"	५० वां	
४१६	१८६० (५६)	पद	तुलसी	"	"	५१ वां	
४२०	१८६० (५७)	पद		"	"	५१ वां	
४२१	१८६० (५८)	पद	भीखम	"	"	५१–५२	
४२२	१८६० (५६)	पद	कृष्णदास	ब्रज.	"	५२ वां	
४२३	१८६० (६०)	पद	परसराम	"	"	५२ वां	
४२४	१८६० (६१)	पद	गरीबदास	"	"	५२–५३	
४२५	१८६० (६२)	पद	कल्याण	"	"	५३ वां	
४२६	१८६० (६३)	पद	मीरा	राज.	"	५३–५४	
४२७	१८६० (६५)	पद	ब्रह्मदास	ब्र०हि०	"	५६ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४२८	१८६० (६६)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श	५६–५७	
४२९	१८६० (६७)	पद	कबीर	"	"	५७ वां	
४३०	१८६० (६८)	पद	तुलसीदास	"	"	५७–५८	
४३१	१८६० (७०)	पद	केवलराम		"	५९–६०	
४३२	१८६० (७२)	पद	श्रीभट	"	"	६१ वां	
४३३	१८६० (७३)	पद		ब्रज		६१ वा	
४३४	१८६० (७४)	पद	मीरा	राज	"	६१–६२	
४३५	१८६० (७५)	पद		ब्र०हि		६२ वां	
४३६	१८६० (७६)	पद	सूरदास	"	"	६२ वा	
४३७	१८६० (७८)	पद	कबीर	"	"	६५ वा	
४३८	१८६० (७९)	पद		"	"	६५ वा	
४३९	१८६० (८०)	पद	कुम्भनदास		"	६५–६६	
४४०	१८६० (८२)	पद	मीरा	राज	"	६८ वा	
४४१	१८६० (८४)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	६९ वा	
४४२	१८६० (८५)	पद	नागरीदास	"		६९–७०	
४४३	१८६० (८६)	पद	सूरदास	"	"	७० वां	
४४४	१८६० (८७)	पद		राज	"	७०–७१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
४४५	१८६० (८८)	पद	नरसी	रा०गु०	१६वीं श.	७१ वां	
४४६	१८६० (८६)	पद	"	रा०	"	७१ वां	
४४७	१८६० (६०)	पद	मीरा	"	"	७१—७२	
४४८	१८६० (६१)	पद	कबीर	ब्र०हि०	"	७२ वां	
४४६	१८६० (६२)	पद	भगवान	"	"	७२—७३	
४५०	१८६० (६६)	पद	मीरा	राज०	"	७६ वां	
४५१	१८६० (६७)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	७६ वा	
४५२	१८६० (६६)	पद	कबीर	"	"	७६ वां	
४५३	१८६० (१००)	पद		"	"	७६—८०	
४५४	१८६० (१०१)	पद	नंददास	"	"	८०—८१	
४५५	१८६० (१०२)	पद		"	"	८१ वा	
४५६	१८६० (१०३)	पद	सूरदास	"	"	८१—८२	
४५७	१८६० (१०५)	पद	मीरा	राज०	"	८२—८३	
४५८	१८६० (१०६)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	"	८३ वां	
४५६	१८६० (१०७)	पद		"	"	८३ वां	
४६०	१८६० (१०६)	पद	"	"	"	८४ वां	
४६१	१८६० (१११)	पद	बालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	८५—८६	

क्रमाङ्क	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र-संख्या	विशेष
४६२	१८६० (११२)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श.	८६–८७	
४६३	१८६० (११३)	पद	तुलसीदास	,,	,	८७ वां	
४६४	१८६० (११४)	पद			,,	८७–८८	
४६५	१८६० (११६)	पद	मीराबाई	रा	,,	८६–६०	
४६६	१८६० (११७)	पद		ब्र०हि०	,,	६०–६१	
४६७	१८६ (११८)	पद	कबीर	,,	,	६१ वां	
४६८	१८६ (११६)	पद			,	६२ वां	
४६६	१८६० (१२०)	पद	बालकृष्ण चन्द्र(सखी)		,,	६२ वां	
४७०	१८६ (१२१)	पद	सुखदेव		,	६२–६३	
४७१	१८६० (१२२)	पद	नंददास	,	,	६३–६८	
४७२	१८६० (१२४)	पद	लच्छीराम	,	,	१००–१०१	
४७३	१८६० (१२५)	पद			,,	१०१ वां	
४७४	१८६० (१२७)	पद	जगन्नाथ	,		१ २–१०३	
४७५	१८६० (१२८)	पद	कबीर	,	,	१०३ रा	
४७६	१८६० (१३०)	पद	लच्छीराम	,,	,,	१०४–१०५	
४७७	१८६ (१३१)	पद	सूरदास	,	,,	१०५ वा	
४७८	१८६ (१३३)	पद	श्याम	,	,	१ ७ वा	

गीत–आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७९	१८९० (१३७)	पद	सूरदास	ब्र०हि	१९वीं श.	११८–११९	
४८०	१८९० (१३८)	पद	अलिलता	"	"	११९–१२०	
४८१	१८९० (१३९)	पद	सुखानन्द	"	"	१२०–१२१	
४८२	१८९० (१४०)	पद		"	"	१२१ वां	
४८३	१८९० (१४३)	पद	तुलसीदास	"	"	१२५ वां	
४८४	१८९० (१४४)	पद	मीरा	राज०	"	१२६ वां	
४८५	१८९० (१४५)	पद	अग्रदास	ब्र०हि०	"	१२६ वां	
४८६	१८९० (१४६)	पद	बालकृष्ण (चन्द्सखी)	"	"	१२७ वां	
४८७	१८९० (१४७)	पद	मीरा	राज.	"	१२७ वां	
४८८	१८९० (१४८)	पद		ब्र०हि०	"	१२८ वां	
४८९	१८९० (१४९)	पद	बालकृष्ण (चन्द्सखी)	"	"	१२८ वां	
४९०	१८९० (१५०)	पद		"	"	१२८–१२९	
४९१	१८९० (१५१)	पद	जगन्नाथ	"	"	१२९ वां	
४९२	१८९० (१५२)	पद	नन्ददास	"	"	१२९–१३०	
४९३	१८९० (१५३)	पद		"	"	१३०–१३१	
४९४	१८९० (१५४)	पद	कबीर	"	"	१३१ वां	
४९५	१८९० (१५६)	पद	सूरदास	"	"	१३२–१३३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४६२	१८६० (११२)	पद		ब्र०हि०	१६वीं श	८६–८७	
४६३	१८६० (११३)	पद	तुलसीदास	,,		८७ वां	
४६४	१८६० (११४)	पद		,,	,,	८७–८८	
४६५	१८६० (११५)	पद	मीराबाई	रा	,,	८६–६०	
४६६	१८६० (११७)	पद		ब्र०हि०	,,	६०–६१	
४६७	१८६ (११८)	पद	कबीर	,,	,,	६१ वां	
४६८	१८६ (११६)	पद			,,	६२ वां	
४६९	१८६० (१२०)	पद	बालकृष्ण चन्द्र(सखी)	,,	,,	६२ वां	
४७०	१८६ (१२१)	पद	सुखदेव	,,		६२–६३	
४७१	१८६० (१२२)	पद	नंददास			६३–६८	
४७२	१८६० (१२४)	पद	लच्छीराम		,,	१००–१०१	
४७३	१८६० (१२५)	पद		,,	,,	१०१ वां	
४७४	१८६० (१२७)	पद	जगन्नाथ	,,		१ २–१०३	
४७५	१८६० (१२८)	पद	कबीर	,,	,,	१०३ रा	
४७६	१८६० (१३०)	पद	लच्छीराम	,,	,,	१०४–१०५	
४७७	१८६ (१३१)	पद	सूरदास	,,	,,	१०५ वां	
४७८	१८६ (१३३)	पद	श्याम	,,	,,	१ ७ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
४७९	१८९० (१३७)	पद	सूरदास	ब्र०हि०	१९वीं श.	११८–११९	
४८०	१८९० (१३८)	पद	अलिलता	"	"	११९–१२०	
४८१	१८९० (१३९)	पद	सुखानन्द	"	"	१२०–१२१	
४८२	१८९० (१४०)	पद		"	"	१२१ वां	
४८३	१८९० (१४३)	पद	तुलसीदास	"	"	१२५ वां	
४८४	१८९० (१४४)	पद	मीरा	राज०	"	१२६ वां	
४८५	१८९० (१४५)	पद	अग्रदास	ब्र०हि०	"	१२६ वां	
४८६	१८९० (१४६)	पद	बालकृष्ण (चन्द्रसखी)	"	"	१२७ वां	
४८७	१८९० (१४७)	पद	मीरा	राज	"	१२७ वां	
४८८	१८९० (१४८)	पद		ब्र०हि०	"	१२८ वां	
४८९	१८९० (१४९)	पद	बालकृष्ण (चन्द्रसखी)	"	"	१२८ वां	
४९०	१८९० (१५०)	पद		"	"	१२८–१२९	
४९१	१८९० (१५१)	पद	जगन्नाथ	"	"	१२९ वां	
४९२	१८९० (१५२)	पद	नन्ददास	"	"	१२९–१३०	
४९३	१८९० (१५३)	पद		"	"	१३०–१३१	
४९४	१८९० (१५४)	पद	कबीर	"	"	१३१ वां	
४९५	१८९० (१५६)	पद	सूरदास	"	"	१३२–१३३	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
४९६	१८९० (१५७)	पद	हरिदास	प्र०हि०	१९वीं श	१३३ वा	
४९७	१८९० (१५८)	पद	तुरसी	"	"	१३३ वा	
४९८	१८९ (१६०)	पद	"		"	१३४–१३५	
४९९	१८९० (१६२)	पद	नंददास	"	"	१३६ वा	
५००	१८९० (१६३)	पद	प्रमानन्द	'	'	१३६–१३७	
५०१	१८९ (१६४)	पद	बिहारीदास	'		१३७ वा	
५०२	१८९० (१६५)	पद	नंददास	"		१३७ वा	
५०३	१८९० (१६६)	पद		"	'	१३७–१३८	
५०४	१८९० (१६७)	पद	सूरदास	"	"	१३८ वा	
५०५	१८९० (१६८)	पद	कबीर	"	'	१३८–१३९	
५०६	१८९० (१६९)	पद	"	"		१३९ वा	
५ ७	१८९० (१७०)	पद	हरिदास	"		१३९ वा	
५०८	१८९० (१७१)	पद		"		१३९–१४०	
५०९	१८९० (१७२)	पद	न ददास	"	'	१४० वा	
५१	१८९० (१७३)	पद	कबीर	"	'	१४० वा	
५११	१८९० (१७४)	पद	प्रमानन्द	"	"	१४०–१४१	
५१२	१८९० (१७५)	पद	केशवराम	"	'	१४१ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
५१३	१८६० (१७७)	पद	सदाराम	ब्र०हि०	१६वीं श	१४२ वा	
५१४	१८६० (१७८)	पद	वासदास	"	"	१४२ वा	
५१५	१८६० (१७९)	पद		"	"	१४२-१४३	
५१६	१८६० (१८०)	पद	नरसी	रा०गू०	"	१४३ वा	
५१७	१८६० (१८३)	पद	सूर	ब्र०हि०	"	१४६ वां	
५१८	१८६० (१८४)	पव		"	"	१४६ वां	
५१९	१८६० (१८५)	पद	नागरीदास	"	"	१४६-१४७	
५२०	१८६० (१८६)	पद	माधोदास	"	"	१४७-१४८	
५२१	१८६० (१८७)	पद	नामदेव	"	"	१४८ वा	
५२२	१८६० (१८८)	पद	सूरदास	"	"	१४८ वां	
५२३	१८६० (१८९)	पद		"	"	१४८-१४९	
५२४	१८६० (१९०)	पद	कवीर	"	"	१४९-१५०	
५२५	१८६० (१९१)	पद	वालकृष्ण (चदसखी)	"	"	१५० वां	
५२६	१८६० (१९२)	पद		"	"	१५०-१५१	
५२७	१८६० (१९३)	पद	वखतो	"	"	१५१ वां	
५२८	१८६० (१९४)	पद	वालकृष्ण (चन्दसखी)	"	"	१५१-१५२	
५२९	१८६० (१९५)	पद	मीयां तानसेन	"	"	१५२ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५३	१८९० (१९६)	पद	रामदास	ब्र हि	१९वीं श	१५२-१५३	
५३१	१८९० (१९८)	पद	नरसी	रा०गु०	,,	१५६ वा	
५३२	१८९० (१९९)	पद	नन्ददास	ब्र हि		१५६-१५७	
५३३	१८९० (२०१)	पद	अग्रदास	,,	,,	१५७-१५८	
५३४	१८९० (२०२)	पद	सूरदास	,,		१५८ वां	
५३५	१८९० (२०३)	पद	मायोदास	,,	,,	१५८ वां	
५३६	१८९० (२०४)	पद	मीरा	राज		१५८-१५९	
५३७	१८९० (२०६)	पद	मीरा	ब्र हि	,,	१५९-१६०	
५३८	१८९० (२०७)	पद		,,	,,	१६० वां	
५३९	१८९० (२०९)	पद				१६१ वां	
५४०	१८९० (२१०)	पद	बालअलि			१६१ वां	
५४१	१८९० (२११)	पद	प्रमानन्द	,,	,,	१६१-१६२	
५४२	१८९० (२१२)	पद		,,	,,	१६२ वां	
५४३	१८९० (२१३)	पद	भगवानसखी	,,	,,	१६२-१६४	
५४४	१८९० (२१४)	पद	कृष्णदास		,,	१६४ वां	
५४५	१८९० (२१५)	पद	प्रमानन्द	,,	,,	१६४-१६५	
५४६	१८९० (२१६)	पद	तुलसीदास		,,	१६५ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
५४७	१८६० (२१८)	पद		ब्र हि.	१६वीं श	१६७ वा	
५४८	१८६० (२२१)	पद	अग्रदास	,,	,,	१६६ वा	
५४९	१८६० (२२२)	पद	सूर	,,	,,	१६९–१७०	
५५०	१८६० (२२३)	पद	मीरा	राज.	,,	१७०–१७१	
५५१	१८६० (२२४)	पद	सुखदास	ब्र हि.	,,	१७१–१७२	
५५२	१८६० (२२५)	पद	सूर	,,	,,	१७२ वा	
५५३	१८६० (२२६)	पद	कबीर	,,	,,	१७२–१७३	
५५४	१८६० (२२७)	पद	मीरा	राज.	,,	१७३ वा	
५५५	१८६० (२२८)	पद		ब्र. हि	,,	१७३	
५५६	१८६० (२३१)	पद	माधोदास	,,	,,	१७४–१७६ वा	
५५७	१८६० (२३२)	पद	नन्ददास	,,	,,	१७६ वां	गुटका अपूर्ण। १७६ पत्र पर्यन्त।
५५८	३५७१ (३)	पद		,,	१७३७	१२१–१३०	४० पद्य हैं।
५५९	३५७५ (६३)	पद	शिवचद्र	रा गू.	२०वीं श	२९५–२९६	
५६०	१८८२ (१३७)	पद (एकादशी व्रत महात्म्य)	वेदव्यास	व्रज	१९वीं श	७०–७१	
५६१	१८६० (४२)	पद (महादेवस्तुति)	सूर	हिंदी	,,	४० वां	
५६२	१८६० (१३५)	पद (रासविलास)	रामदास	व्रज०	,,	११५–११७	
५६३	१८८२ (१५)	पद (हिंडोलावर्णन)	तुलसीदास	,,	,,	२३–२५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५६४	१८८२ (११६)	पद चतुष्क (४)	अग्रदास	,,	,, ,,	६३से६४	
५६५	१८६० (८)	पद चतुष्क (४)		व्र हिं०	,	७-८	
५६६	१८६० (३७)	पद चतुष्क (४)		,	,, ,,	३७-३८	
५६७	१८६० (१३२)	पद चतुष्क		,,	,, ,	१०५-१०७	
५६८	१८६० (१८२)	पद चतुष्क (४)	मीरा	व्र हिं रा	,	१४४-१४६	
५६९	१८६० (१६७)	पद चतुष्क		व्र०हिं०		१५३-१५६	
५७०	१८८२ (२०)	पद त्रय	अग्रदास	व्र०	,	२५-२६	
५७१	१८८२ (७६)	पद त्रय (३)	सूरकिसोर	व्र०	,	५०-५१	
५७२	१८८२ (८६)	पद त्रय (३)	तुरसीदास	,,		५३ वां	
५७३	१८८२ (८९)	पद त्रय (३)	कबीर	,	, ,	५४-५५	
५७४	१८८२ (११७)	पद त्रय (३)	तुलसीदास	व्रज	१९वीं श	६४ वा	
५७५	१८८२ (१७१)	पद त्रय (३)	सूरकिसोर	,	,	११२-११५	
५७६	१८८२ (१७८)	पद त्रय (३)	तुरसीदास	व्रज	,, ,	११७-११८	
५७७	१८८२ (१९७)	पद त्रय (३)		,,	, ,	१२७-१२८	
५७८	१८८२ (२१८)	पद त्रय (३)		,	, ,	१३८ वां	
५७९	१८८२ (२२१)	पद त्रय		,,	१८१९	१३९ वा	सवाई जैपुर में लिखित। माधोसिंह रा ये ठाकुर सौभागसिंहजी लिखापित।

गीत-आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-सख्या	विशेष
५८०	१८६० (३०)	पद त्रय (३)		ब्र. हि.	१६वीं श.	३१-३२	
५८१	१८६० (३१)	पद त्रय (३)	गुमानकु(कुं)वर (गुमानाबाई)	"	"	३२-३४	
५८२	१८६० (५४)	पद त्रय (३)		व्रज०	"	४६-५०	
५८३	१८६० (६४)	पद त्रय (३)		ब्र०हि०	"	५४-५६	
५८४	१८६० (६६)	पद त्रय (३)		"	"	५८-५६	
५८५	१८६० (७१)	पद त्रय (३)		"	"	६०-६१	
५८६	१८६० (१२३)	पद त्रय	कबीर	"	"	६८-१००	
५८७	१८६० (१५६)	पद त्रय		"	"	१३२-१३४	
५८८	१८६० (१८१)	पद त्रय (३)		"	"	१४३-१४५	
५८९	१८८२ (२५)	पद द्वय (२)	हरिदत्त	व्रज	"	२८ वां	
५९०	१८८२ (२६)	पद द्वय (२)		"	"	२८ वां	
५९१	१८८२ (५७)	पद द्वय (२)		"	"	४२-४३	
५९२	१८८२ (६०)	पद द्वय (२)	सूर	"	"	४५ वां	
५९३	१८८२ (७१)	पद द्वय (२)	गोविन्ददास	"	"	४८-४६	
५९४	१८८२ (८७)	पद द्वय (२)	माधोदास	"	"	५४ वां	
५९५	१८८२ (१०७)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६०-६१	
५९६	१८८२ (११७)	पद द्वय (२)		हि०	"	६१-६२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
५६७	१८८२ (११६)	पद द्वय (२)		व्रज	१६वीं श	६४-६५	
५६८	१८८२ (१४१)	पद द्वय (२)	गदाधर मिश्र	"	"	७६ वा	
५६६	१८८२ (१५)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६१-६२	
६००	१८८२ (१५५)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	६२-६३	
६०१	१८८२ (१५७)	पद द्वय (२)	रामदास	"	"	६३ वा	
६०२	१८८२ (१५८)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	६४ वा	
६०३	१८८२ (१६२)	पद द्वय (२)	मीरा	राज	"	६४-६५	
६०४	१८८२ (१७२)	पद द्वय (२)		व्रज०	"	११५ वा	
६०५	१८८२ (१७६)	पद द्वय (२)		"	"	११८-११६	
६०६	१८८२ (१८३)	पद द्वय (२)	गदाधर	"	"	१२०-१२१	
६०७	१८८२ (१६३)	पद द्वय (२)		"	"	१२६-१२७	
६०८	१८८२ (२०२)	पद द्वय (२)		"	"	१२६-१३०	
६०६	१८८२ (२०३)	पद द्वय (२)	तुरसीदास	"	"	१३० वा	
६१	१८८२ (२२०)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	१३८-१३६	
६११	१८६० (२)	पद द्वय (२)	कबीर	व्र०हि०	"	३-४	
६१२	१८६० (४)	पद द्वय (२)		"	"	५ वां	
६१३	१८८६ (७)	पद द्वय (२)		"	"	६-७	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६१४	१८६० (६)	पद द्वय	बालकृष्ण (चंदसखी)	ब्र०हि०	१६वीं श	८-६	
६१५	१८६० (१०)	पद द्वय (२)	ब्रह्मदास	"	"	६-११	
६१६	१८६० (१८)	पद द्वय (२)		"	"	२७-२५	
६१७	१८६० (३२)	पद द्वय (२)	मीरा	राज.	"	३४-३५	
६१८	१८६० (४८)	पद द्वय (२)	मीरा	ब्र०हि०	"	४२-४३	
६१६	१८६० (५०)	पद द्वय (२)	कबीर	"	"	४६-४७	
६२०	१८६० (८३)	पद द्वय (२)		"	"	६८-६६	
६२१	१८६० (६३)	पद द्वय (२)	सूरदास	"	"	७३-७४	
६२२	१८६० (६४)	पद द्वय (२)		"	"	७४-७५	
६२३	१८६० (६५)	पद द्वय (२)	नरसी	रा०गू०	"	७५-७६	
६२४	१८६० (१०४)	पद द्वय (२)	प्रमानन्द	ब्र०हि०	"	८२ वां	
६२५	१८६० (१०८)	पद द्वय (२)	बालकृष्ण [चन्दसखी]	"	"	८३-८४	
६२६	१८६० (११०)	पद द्वय (२)		"	"	८४-८५	
६२७	१८६० (११५)	पद द्वय (२)	प्रसोतमदास (पुरुषोत्तमदास)	"	"	८८-८६	
६२८	१८६० (१२६)	पद द्वय (२)	लच्छीराम	"	"	१०१-१०२	
६२६	१८६० (१२६)	पद द्वय (२)	-	"	"	१०३-१०४	
६३०	१८६० (१४१)	पद द्वय (२)	नन्ददास	"	"	१२२ वां	

क्रमांक	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६३१	१८६० (१५५)	पद द्वय (२)	नन्ददास	ब्र०हि०	१६वीं श	१३१–१३२	
६३२	१८६० (१६१)	पद द्वय (२)			"	१३५–१३६	
६३३	१८६० (१७)	पद द्वय (२)	बालकृष्ण (चंदसखी)		"	१४१–१४२	
६३४	१८६० (२०)	पद द्वय (२)	प्रमानंद	"	"	१५७ वां	
६३५	१८६० (२०५)	पद द्वय (२)		"	"	१५६ वां	
६३६	१८६० (२०८)	पद द्वय (२)	सुरदास	"	,	१६०–१६१	
६३७	१८६० (२१७)	पद द्वय (२)		"	"	१६६–१६७	
६३८	१८६० (२१६)	पद द्वय (२)	मीरा	"		१६७–१६६	
६३९	१८६० (२२०)	पद द्वय (२)		,	,	१६६ वां	
६४०	१८६० (२२६)	पद द्वय (२)	सुरदास	,	"	१७४ वां	
६४१	१८६० (२३०)	पद द्वय (२)	कबीर	"	,	१७४–१७५	
६४२	१८८२ (१८१)	पदपंचक (५)		ब्रज	"	११६–१२०	
६४३	१८८२ (१ ५)	पद पंचक		"	,	१२१–१२२	
६४४	१८६० (७७)	पद पंचक		ब्र०हि०	"	६२–६६	
६४५	१८६० (८१)	पद पंचक (५)		"	"	६६–६८	
६४६	१८६० (१३६)	पद पंचक (५)	परमानंद		"	११७–११८	
६४७	१८६६ (१४२)	पद पंचक (५)		"		१२२–१२५	

गीत–आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६४८	१८६०	पदमुक्तावली (स्फुट पदसंग्रह)		ब्र०हि०	१६वीं श	१७६	गुटका अपूर्ण
६४९	३५६६ (८)	पद संग्रह		„	१७वीं श.	६२–१६६	
६५०	३५७१ (१)	पद संग्रह		„	१७३७	५८	पाटण में लिखित। १७१ पद हैं
६५१	३५७१ (२)	पद संग्रह		„	१७३७	५६–१२१	३२६ पद
६५२	३५७५ (१६)	पद्मावती आलोयणा	समयसुन्दर	रा०गू०	२०वीं श.	७६–८१	
६५३	११२२ (१४)	पद्मावती छन्द	हर्षसागर	„	१६वीं श	८–६	
६५४	३५४६ (४)	परमेसरजीरो छन्द	हररूपसेवक	राज०	१८१६	१०–११	
६५५	१८८२ (२०६)	पवित्राएकादशीपद	कुंभनदास	व्रज	१६वीं श.	१३२ वां	
६५६	१८३६ (१३)	पांडवा की सज्झाय	कान्ह सेवक	राज०	१८३१	६५–६७	
६५७	२०४०	पार्श्वजिनस्तवन	दीप	रा०गू०	१८वीं श.	३	
६५८	३५७५ (७८)	पार्श्वनाथघुग्घरनिसाणी छन्द	जिनहर्ष	रा०गू०	२०वीं श.	११७–१२२	
६५९	६७६ (२)	पार्श्वनाथघुग्घरनिसाणी छन्द	जिनहर्ष	रा०गू०	१६११	२–४	
६६०	३५५० (२)	पार्श्वनाथघुग्घरनिसाणी	रूप सेवक	रा०	१६वीं श	६–१२	माधवगढ मे लिखित।
६६१	११२२ (६)	पार्श्वनाथ छंद		रा०	„	५–६	
६६२	३५५५ (३२)	पार्श्वनाथ छंद		„	„	१७४ वां	
६६३	३५४८ (८)	पार्श्वनाथ जीरो छन्द		„	„	१३–१४	जीर्णपत्र
६६४	२१०५	पार्श्वनाथदेसतरीछन्द	राजकवि	„	१८वीं श	१	
६६५	२१०६	पार्श्वनाथदेसतरीछंद	„	रा०गू०	१६वीं श.	२	
६६६	२३२७ (१)	पार्श्वनाथदेसतरी छन्द	„	रा०	१८६५	२–६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६६७	३५२२	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	राजकवि	रा०गु०	१८वीं श	२	
६६८	३५७३ (२४)	पार्श्वनाथदेसंतरीछंद	,,	रा०	१६वीं श	८६–८८	जीर्णप्रति।
६६९	३५४६ (६)	पार्श्वनाथदेसतरीछंद	,		१८१७	११–१२	घरांटीया म लिखित।
६७०	३१६४	पार्श्वनाथरागमालामय स्तवन	जयविजय	रा गु	१८वीं श	२	
६७१	३६२५ (२)	पार्श्वनाथराजगीता	उदयविजय वाचक	,	१७७०	५३ वा	
६७२	३५५६ (४)	पार्श्वनाथ स्तवन	समयसुन्दर	,	१६वीं श	६५–६६	
६७३	३५५० (१)	पाबुजीरी निसाणी		राज		१–६	
६७४	३५६० (४)	पाबुधाधोलोसरा दूहा		,	१८वीं श	१–५	अपूर्ण।
६७५	३५७५ (१७)	पुण्यछत्तीसी		रा०गु०	२०वीं श	८१–८५	सम्वत् १६६६ में सिद्धपुर में रचना।
६७६	३५७५ (२६)	पुण्यप्रकाश स्तवन	उ०विनयविजय	,,	,,	१२२–१३०	रानेर में स १७२६ में रचना।
६७७	२१६१	पुष्कराष्टक	खुसराम	ब्र हि०	१६१४	२	कर्ता ने कृष्णगढ में लिखी।
६७८	२२६३	पृथ्वीसिंघजीसुजस पच्चीसी सटीक	जयलाल टी० स्वोपज्ञ	,	१६३१	८	कर्त्ता के हस्ताक्षर युक्त पत्र १ से ४ में मूल पाठ है तथा पत्र ५ से ८ में टीका है।
६७९	११२२ (२५)	पृथ्वीराजसिंघ नो जस	लक्ष्मीकुशल	ब्रज०	१६वीं श	२४–२५	
६८०	२२३६	पृथ्वीसिंह का शिकार		ब्र०हि०	२०वीं श	१	
६८१	३५७५ (३१)	पैंतालीस आगमस ज्झाय	धरमसीपाठक	रा०गु०	,,	१३८–१४१	पैंतालीस सूत्रों के नाम और उनकी श्लोक संख्या बताई है। जैसलमेर में रचना।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
६८२	३५७५ (३८)	पौपधस्तवन	समयसुन्दर	रा०गू०	२०वीं श	१८६-१६१	संवत १६६७ मरोट नगर में रचना
६८३	११२४ (५)	प्रतिमाधिकारवेलि	सामंत	रा०गू०	१६७५	२	
६८४	१८४२	प्रास्ताविक गीत		राज०		१	राजा गजसिंह जीरो सपक्खरो है।
६८५	११२१ (२६)	फतेमहम्मदनो जस		ब्र०	१६वीं श	२५-२६	
६८६	३५७२ (३६)	फलवर्धिपार्श्वस्तवन		रा०गू०	,,	१०१ वां	जीर्ण प्रति।
६८७	३५६७ (१५)	फूलमाला		राज०	,,	१३१-१३३	
६८८	३५६७ (१७)	फ़हड़रासो	जैंदेव	राज०	,,	१३३-१३४	
६८६	३५६७ (२६)	फ़हड़रासो		राज०	,,	१४७ वा	
६६०	३५७५ (१३)	बारहभावना सज्झाय	जयसोम	रा०गू०	२०वीं श	६२-६६	सवत् १६७६ में बीकानेर में रचना
६६१	३५६७ (२८)	बारह मासो		राज०	१६वीं श.	१४६-१५०	
६६२	२३४७ (१)	बालाकाली स्तुति तथा गगानवक	खुसराम	ब्र०हि०	१६१३	१-२	स० १६१३ मे अजमेर में रचित कवि के हस्ताक्षर।
६६३	३५६६ (७)	बावन पद विविधराग तालबद्ध		ब्र०हि०	१७वीं श	४८-७६	
६६४	६७६ (३)	बावीसअभक्ष्य बत्तीस-अनतकाय सज्झाय	लक्ष्मीरत्न	रा०गू०	१६११	४-५	
६६५	११६७	बिरदावली		ब्रज	१६वीं श	३४	महाराज प्रतापसिं जी की।
६६६	३५७५ (३)	बृहदालोचना स्तवन	राजसमुद्र	रा०गू०	२०वीं श	२७-३०	
६६७	३५७५ (११)	भ्राचार्य नवबाड सज्झाय	जिनहर्ष	रा०गू०	,,	४६-५८	
६६८	३५६७ (१३)	भक्तनिङ्दावली	मलूकदास	राज०	१६वीं श	१२८-१२६	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
६९९	२२५७	भंडारी मानीरामजीरो गीत		राज०	२०वीं श.	१	
७००	२२५६	भंडारी सिवचंदजीरो गीत		"	,	१	
७०१	२३६८ (१३)	भमराकी सज्झाय	महमद		१८४८	४२-४४	
७०२	३५४६ (७)	भवानीजीरो छंद	ववो		१९वीं श	१२-१३	
७०३	२३२६ (२)	भवानीदासजीरो गीत आदि	साधूरामजी सेवक		"	३-४	
७०४	२८९३ (३७)	भावनागीत	हीरकलश	रा०गू०	,	७० वां	
७०५	२१४७	भावनाविलास	ज्ञानसागर	ब्र हि०	१८३९	१६	
७०६	३८५८	भापाभावना गद्य	हरिरायजी	,	१८वीं श	५	
७०७	२२३६	भैरूजी को कवित्त		,	२०वीं श	१	
७०८	३५४३ (३)	मनमोहन पार्श्वनाथ स्तवन	ज्ञानविमल	रा०गू०	१८८५	६-७	
७०९	९३२	मरसिया	कुंअरकुशल	ब्रज	१८६८	९	कच्छनरेश लखपत सिंह के।
७१०	९१७	महाराउरायधणजीरा छंद सार्थ	मोहू (?) गोदड	रा०	१९वीं श	४	
७११	११२२ (४५)	महाराओश्रीगोहडजी नो जस	कनककुशल	ब्रज		६१ वां	
७१२	११२२ (३३)	महाराओ श्री जीना कवित्त	जसराज आदि	,	,	३०-३२	कच्छनरेशों के स्तुति काव्य हैं
७१३	१८३२ (१)	महाराजारायधणजी। को छंद		राज०		१-४	सवजस्त में लिखित।
७१४	३५७५ (८०)	महावीरजिनपंचकल्याण स्तवन	रामविजय	रा०गू०	२०वीं श	१४०-१४६	सुरत में संवत १७७३ में रचना।
७१५	३५७५ (३२)	महावीरजिन स्तुति	जिनलाभसूरि	,	"	१४१ वां	
७१६	३५७५ (१५)	महावीरदेव स्तवन	समयसुन्दर		,	७७-७९	
७१७	३५७५ (८२)	महावीर सत्तावीश भवस्तवन	शुभविजय	,	"	१५२-१६०	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थ नाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
७१८	१०८६	माणिभद्र छंद	शांतिसूरि	रा०गू०	१८७०	४	
७१९	१०९१	माणिभद्र छंद	गुलाल	,,	१९वीं श	३	
७२०	२०६७	माणिभद्र छंद	उदयविजय	,,	,,	२	
७२१	३५४७ (९)	माताजीरो छंद	नरसिंघचारण	राज	,,	८७ वां	
७२२	३५४७ (१०)	माताजीरो छंद	भगवानभोजग	,,	,,	८८-८९	
१	३५४७ (१२)	माताजीरो छंद	सारग कवि	,,	,,	९१ वा	
४	३५४७ (१३)	माताजीरो छंद	आढोडूरसोजी	,,	,,	९१ वां	
५	३५७० (३)	मानमाधुरी पद्य	माधोदास कपूर	ब्र०हि०	१८वीं श	७१-८१	
२६	३४०८	मीरा कबीर आदि के अनेक पद संग्रह	मीरा कबीर आदि	रा०	१८६०	७०	
२७	२१९९	मु तांप्रतापचदजी को गीत		ब्र०हि०	२०वीं श	१	
२८	३५७५ (३७)	मुनिमालिका	चारित्रसघ	रा०गू०	,,	१८१-१८६	स० १६३६ रिणी-पुर मे रचना।
७२९	३९७९	मुनिमालिका	चारित्रसिंह	रा०	१९वीं श	२	स० १६३६ मे रिणीपुर मे रचित।
७३०	१८८९ (१३)	मुरलीविहार	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	,,	६१से६३	
७३१	११२२ (६५)	मुसलमानना कलमाना कवित्त		ब्र०हि०	,,	८५-८६	
७३२	२२५४	मुहणोतसिरदारमलका कवित्त		,,	२०वीं श	१	
७३३	२२५५	मुं हता बॉकीदासजीरो गीत		रा०	,,	१	
७३४	२२१७ (२)	मृगापुत्रसज्झाय	खेममुनि	,,	१८वीं श.	३ रा	
७३५	२३२६ (१)	मेवाडको छंद	जिनइन्द्र (जिनेन्द्र)	,,	१९वीं श	१-३	मेवाड़ के दोषों का वर्णन है।
७३६	८९३	मोहणोतप्रतापसिंघरी पचीसी	शिवचद सेवक	,,	१८५७	६	

क्रमांक	ग्रन्थांक	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७३७	३५७५ (२४)	युगादिस्तवन	सहजकीर्ति	रा०गू०	७ वीं श	१०२-१०४	
७३८	२२४५	रतनविजयजी को कवित्त	सुसराम	अ०हि०	"	१	
७३९	१८८९ (२)	रसकमलकपच्चीसी	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	१९वीं श	३-५	रचना सं० १८५१
७४०	१८२६	रसिक सुरती मास	अज्ञात	रा०गू०	१७४४	७	प(ख)इनगर में लिखित
७४१	२२४४	राजसिंघजी को कवित्त		अ०हि०	२०वीं श	१	
७४२	११२२ (४७)	राजारावविरदावली		अ०	१९वीं श	६३ वां	
७४३	३९८६	राजीमतीमंगल	जिनदास	रा०	,	२	कर्णालनगर में लिखित। ८० पद्य हैं।
७४४	१८३९ (१५)	राजुलपच्चीसी	आनंदचंद(?)	ब्रज	१८३२	१११-११८	गुटका
७४५	३९८७	राजुलपच्चीसी	लालचंद	रा०	१९वीं श	८	
७४६	८९९	राधाकृष्ण संवाद		अ	१९०३	५	
७४७	११७२ (१९)	राधाकृष्ण संवाद		रा०	१९वीं श	११-१३	
७४८	३५४७ (७)	रामचंद्रजीरो सपलरो		,	"	८५ वां	
७४९	८०२	रामरक्षास्तोत्र		,	१८९४	१	
७५०	११२२ (१५)	रामाभैरव (भैरूसाह) का छन्द	जेसकवि	"	१९वीं श	९ वां	
७५१	१८६८ (६)	रायसिहजी का गीत आदि		अ०हि०	१८वीं श	१-३	गुटका
७५२	३४८४	रावणसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०		२	
७५३	११२२ (२)	रावन मंदोवरीसंवाद		रा०	१९वीं श.	१३-१४	
७५४	१८८९ (१२)	रासको रेखतो	सवाई प्रताप सिहजी	हि०	"	५९-६१	
७५५	३५४३ (२)	रेटियासस भाय	रतनबाई	रा०गू०	१८८२	२-३	सं० १६३५ में मेड़ता नगर में रचित।
७५६	३५७१ (५९)	रोहिणीतपमहिमास्तवन	श्रीसार	रा०	१९वीं श	१९९ वां	सं० १७० में रचित जीर्ण प्रति।

गीत–आदि

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७५७	३५७५ (५५)	रोहिणीस्तवन	श्रीसार	रा०गु०	२०वीं श.	२६०–२६५	
७५८	११२२ (३६)	लखपतिराय राय-धणजी पृथ्वीराज के कवित्त		अ०	१९वीं श.	५५ वाँ	
७५९	११२२ (६१)	लाखाफूलाणीना कवित्त		राज०	,,	८६ वाँ	
७६०	२८६३ (८)	वर्तमानादि चौविसी नमस्कार पद्य	हीरकलश	रा०गु०	१७वीं श.	४–५	
७६१	११२३ (१६)	विचारस्तवन		,,	,,	७६ वाँ	
७६२	११२२ (६)	विजयप्रभसूरिनी वृद्धि साणी छंद	विजय	रा०	१९वीं श	५ वाँ	
८६३	८६७	विनायकीटीको तथा जसराजनो छंद	केसोदास	सं०अ०	,,	३	
७६४	३५४६ (१)	गुण विवेकवाररी निसाणी		रा०	१८०६	१–५	सगाईया में लिखित।
७६५	३५५५ (१८)	विवेकवाररी नीसाणी	केसोदास	,,	१९वीं श.	११५–१२१	
७६६	३५५५ (२२)	विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	१५५ वाँ	
७६७	३५७३ (७)	गुण विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	३० वाँ	जीर्ण प्रति।
७६८	३६६६	विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	११	
७६९	२३६६ (६)	वियोगवेली		अ०हि०	,,	१७१–१७७	मालपुर में लिखित।
७७०	२८२८	विविधपदसंग्रह	चत्रभुज अधारूजी परसजी कीताजी सोमजी माधो जगनाथ आदिअनेककवि	रा०व्रज	,,	फुटकर पत्र ३५	
७७१	३५७३ (२५)	विषयस्तवन		रा०गु०	,,	९० वाँ	जीर्ण प्रति।
७७२	३५७६ (८३)	विरहमानस्तवन	धमसी	,,	२०वीं श.	२६१–२६४	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७३७	३५७५ (२४)	युगादिस्तवन	सहजकीर्ति	रा०गू०	७ वीं श	१०२–१०४	
७३८	२२४५	रतनविजयजी को कवित्त	खुसराम	व्र०हि०	"	१	
७३९	१८८९ (२)	रसकमभकपत्तीसी	सवाई प्रताप सिंह्जी	हि०	१९वीं श	३–५	रचना सं० १८५१
७४०	१८३६	रसिक सुरली मास	ब्रह्मानन्द	रा०गू०	१७४४	७	प(ख)द्दनगर मलिखित
७४१	२२४४	राजसिंघजी को कवित्त		व्र०हि०	२०वीं श	१	
७४२	११२२ (४७)	राजारावविरदावली		व्र०	१९वीं श	६३ वा	
७४३	३१८६	राजीमतीमंगल	जिनदास	रा०	,	३	कर्णालनगर में लिखित। ८० पद्य हैं।
७४४	१८३९ (१५)	राजुलपच्चीसी	आनंदचंद(?)	व्रन	१८३२	१११–११८	गुटका
७४५	३१८७	राजुलपच्चीसी	लालचंद	रा०	१९वीं श	८	
७४६	८६९	राधाकृष्ण संवाद		व्र	१९०३	५	
७४७	११७२ (१९)	राधाकृष्ण संवाद		रा०	१९वीं श	११–१३	
७४८	३५५७ (७)	रामचंद्रजीरो सपखरो		,	"	८५ वा	
७४९	८०२	रामरक्षास्तोत्र		"	१८९४	१	
७५०	११२२ (१५)	रामाभैरव (भैंरूसाह) का छन्द	जेसकवि	"	१९वीं श	९ वा	
७५१	१८६८ (६)	रायसिंहजी का गीत आदि		व्र०हि०	१८वीं श	१–३	गुटका
७५२	३४८४	रावणसंवाद	लावण्यसमय	रा०गू०	,	२	
७५३	११२२ (२)	रावन मंदोदरीसंवाद		रा०	१९वीं श	१३–१४	
७५४	१८८९ (१२)	रासको रेखतो	सवाई प्रताप सिंहजी	हि०	"	५९–६१	
७५५	३५४३ (२)	रेटियासज्झाय	रतनबाई	रा०गू०	१८८२	२–३	सं० १६३५ में मेडता नगर में रचित।
७५६	३५७३ (५९)	रोहिणीतपमहिमास्तवन	श्रीसार	रा०	१९वीं श	१६९ वां	सं० १७० में रचित जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७५७	३५७५ (५५)	रोहिणीस्तवन	श्रीसार	रा०गू०	२०वीं श	२६०–२६४	
७५८	११२२ (३६)	लखपतिराय राय-धणजी पृथ्वीराज के कवित्त		ब्र०	१६वीं श	४४ वां	
७५९	११२२ (६१)	लाखाफूलाणीना कवित्त		राज०	,,	८३ वां	
७६०	२८६३ (८)	वर्तमानादि चौविसी नमस्कार पद्य	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	४–५	
७६१	११२३ (१६)	विचारस्तवन		,,	,,	७७ वां	
७६२	११२२ (६)	विजयप्रभसूरिनी वृद्धि साणी छंद	विजय	रा०	१६वीं श	४ वां	
७६३	८६७	विनायकीटीको तथा जसराजनो छंद	केसोदास	स०ब्र०	,,	३	
७६४	३५४६ (१)	गुण विवेकवाररी निसाणी		रा०	१८०६	१–५	वराटीया मे लिखित।
७६५	३५५५ (१८)	विवेकवाररी नीसाणी	केसोदास	,,	१६वीं श	११४–१२१	
७६६	३५५५ (२७)	विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	१४५ वां	
७६७	३५७३ (७)	गुण विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	३० वां	जीर्ण प्रति।
७६८	३६६६	विवेकवाररी नीसाणी	,,	,,	,,	११	
७६९	३३६६ (६)	वियोगवेली		ब्र०हि०	,,	१७६–१८२	मालपुर में लिखित।
७७०	२८२८	विविधपदसंग्रह	चत्रभुज अधारूजी परसजी कीताजी सोमजी माधौ जगनाथ आदिअनेककवि	रा०व्रज	,, ,,	फुटकर पत्र ३२	
७७१	३५७३ (२५)	विपयस्तवन		रा०गू०	,,	५० वां	जीर्ण प्रति।
७७२	३५७१ (८३)	विरहमानस्तवन	धमसी	,,	२०वीं श.	३६१–३६५	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
७७३	२८६३ (३४)	बीकानेर मंडन आदि जिनस्तवन	हीरकलश	रा०गू०	१७वीं श	६६ वा	
७७४	३५७५ (६७)	वीरजिनगुहली	विद्यारंग	"	२०वीं श	२११ वा	
७७५	३५७५ (८१)	वीरजिनपंचकल्याणक स्तवन	सकलचंद	"	"	३४६–३५२	
७७६	४१६	वीरजिनस्तवन बालावबोध सहित	मू०यशोविजय बा० पद्मविजय	"	१८७६	८६	हुंढकमतनिराकरण कृष्णगढ़ में लिखित।
७७७	३५७५ (७८)	वीरजिनस्तुति स्तवन	यशोविजय	"	२०वीं श	३२७–३४०	ईडलपुर में दोसी मूला सुत दोसी मेघा के लिये संवत १७३२ में रचना।
७७८	३५७५ (६५)	वीरदेशना स्तवन	शिवचन्द्रपाठक	"	२०वीं श	२१७–२१८	
७७९	३५७५ (७२)	वीरदेशना स्तवन	शिवचन्द्र	"	"	३०६ वा	
७८०	३५७५ (२३)	बीसस्थानक स्तवन	वसतो मुनि	"	"	१००–१०२	
७८१	३५७५ (५१)	वैराग्य सज्झाय	विनयभद्र	"	"	२४८–२५०	
७८२	२८६३ (४४)	शत्रुंजय इगतालीस नामगर्भितनमस्कार		"	१७वीं श.	८७–८८	
७८३	३५७५ (५७)	शत्रुंजयवीनति	देवचन्द्र	"	२०वीं श	२७७–२८०	
७८४	२८६३ (४)	शत्रुंजयस्तवन	रंगकलश	"	१७वीं श	३ रा	
७८५	३५७५ (२७)	शान्तिजिनस्तवन	मेघमुनि	"	२०वीं श	११३–११७	
७८६	२३६८ (३)	शान्तिनाथस्तवन	गुणसागर	राज०	१९वीं श	२६–३१	
७८७	२३६८ (१०)	शान्तिनाथस्तवन	शान्तिकुशल	रा०गू०	१९वीं श	३६ वा	
७८८	३५७३ (२३)	शान्तिनाथस्तवन	हर्षधर्म	"	"	६८–६९	जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
७८९	२०७१	शारदा छंद	शान्तिकुशल	रा०गू०	१९वीं श	३	
७९०	२०७४	शारदा सरस्वती छंद	,,	,,	१८७०	२	
७९१	२१०२	शारदा छंद	,,	,,	१९वीं श	२	
७९२	३५७५ (३०)	शाश्वतजिनवरस्तवन		,,	२०वीं श.	१३०–१३८	समीनयर में स० १७१४ में रचना।
७९३	२१७२	शाहजहाकवित आदि		हि०	१८वीं श	१	
७९४	३५७५ (५३)	शिखामण स्वाध्याय		रा०गू०	२०वीं श	२५१–२५२	
७९५	३५७५ (५)	शीतलनाथ स्तवन	समय सुन्दर	,,	,,	३२–३४	
७९६	२८९३ (२६)	शुद्धसमकितगीत	हीरकलश	,,	१६२२	६० वां	डीडूयाणा में रचना।
७८७	२३०६	श्यामाजी की आरती	मगनीराम	राज०	२०वीं श.	१	
७८८	२३०७	श्यामाजी की आरती	,,	,,	,,	१	
७९९	२३१७	श्यामाजी की भैरव की आरती	,,	,,	१९१६	२	अजमेर मे लिखित कवि के हस्ताक्षर।
८००	३५७३ (३५)	सचिआइजीरो छंद	रघुपति	,,	१९वीं श	८८–८९	जीर्ण प्रति।
८०१	२८९३ (११७)	सज्झाय	हीरकलश	रा०गू०	१६२२	१७३ वां	लाडणू में लिखित।
८०२	३५७३ (४९)	सज्झाय स्तवन आदि		,,	१९वीं श	१२०–१२८	जीर्ण प्रति।
८०३	३५७३ (९)	सज्झाय स्तवन सग्रह		,,	,,	३१–३२	जीर्ण प्रति।
८०४	१०१३	सनीसर छंद		,,	१८वीं श	१	
८०५	२१०४	सनीसर छंद		,,	१९वीं श.	१	
८०६	२३०९ (४)	सनीसर छंद	हेम	राज०	,,	१५–२०	
८०७	३०२० (१)	सनीसर छंद	,,	,,	१८वीं श	१ ला	
८०८	३५४८ (७)	सनीसर छंद	,,	,,	,,	१९–२०	जीर्ण प्रति।
८०९	३५५४ (२०)	सनीसर छंद	,,	,,	१९वीं श	३१ वां	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
८१०	३५६२ (७)	सनीसर छंद	हेम	राज	२०वीं श	५६-५६	
८११	३६५४	सनीसर छंद	"	,	१७४४	१	जगत्तारिणी में लिखित।
८१२	३५६२ (८)	सनीसरजीरो स्तोत्र		,	२०वीं श	५६-६०	
८१३	२२७६	सबद	भगनीराम	,	१६२०	४	कृष्णगढ़ में लिखित।
८१४	३५४३ (४)	समकितस भाय	लक्ष्मीसुन्दर	रा गु.	१८८२	७-६	सं० १७२४ में राजनगर में रचित।
८१५	३३७४ (४)	समरा सारंग कड़खो	देपाल कवि	"	१६वीं श	२५सेर६	
८१६	३५७५ (६६)	समवसरण देशना	शिवचंद्र	,	२०वीं श	३००-३ २	
८१७	३५७५ (७५)	समवसरण स्तवन	धर्मवर्द्धन	,	,	३०८-३११	
८१८	३५७५ (७६)	सम्भवजिनस्तवन	सुखलाल	,	,	३४० वा	अजमेर नगर म सं० १६१२ में रचना।
८१९	२८६३ (२०)	सरस्वती गीत	लावण्यसमय	"	१७वीं श	१७ वा	
८२०	२८६३ (२१)	सरस्वती गीत	मतिसुन्दर कान्हुयस (?)	"	"	१२ वा	
८२१	६६७	सरस्वती छंद	शान्तिकुशल	"	१६वीं श.	२	
८२२	३०४४	सरस्वती छंद	सहजसुन्दर	"	,	२	
८२३	३५४८ (६)	सरस्वती छंद	हेम	राज		१४-१६	
८२४	२३१२	सरस्वती छंद	,	,	"	२	
८२५	२३२७ (३)	सरस्वती छंद	दयासूर	,	"	१६-१७	
८२६	४२३	सरस्वती छंद गीतादि		रा	१८०५	१	इरवा में लिखित।
८२७	१८८२ (२०४)	सवैयो (?)	मधुवेसो	व्रज	१६वीं श	१२०-१२१	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८२८	८७८	सजोगबत्तीसी	मानकवि	ब्रज	१९वीं श	५	स० १७३१ में अमरचदमुनि के आग्रह से रचित।
८२९	११३७	सजोगबत्तीसी	,,	ब्र०हि०	१७१३	११	सं० १७३१ में अमरचदमुनि के आग्रह से रचित।
८३०	३९६०	संजोगबत्तीसी	,,	,,	१७७६	४	स० १७३१ मे रचित।
८३१	१८८२ (४०)	सांझी गीत		ब्रज	१९वीं श	३८ वा	
८३२	२८९३ (३६)	सात वि (व्य) सनगीत	हीरकलश	रा०गू०	१६२२	७० वां	स० १६२२ मे लाड (नू) में रचित, उसी समय में लिखित होना सभव है।
८३३	२१७६	साधुवदना	पासचद	,,	१७३५	६	पाली में लिखित।
८३४	११२२ (४३)	सासू बहूनो सवाद		गू०	१९वीं श	५३ वां	स० (१८) १२ के दुष्काल से सबधित रचना।
८३५	३५४६ (८)	साहिबमहरवान छद	हररूपसेवक	हि०	१९वीं श	१३ वां	कवि का निवास स्थान सोझत(ज) था,
८३६	३५७५ (५८)	सिद्धक्षेत्रचैत्यपरिपाटी	देवचंद्र	रा०गू०	२०वीं श	२८०–२९१	
८३७	११२२ (२७)	सिद्धरायजैसिंघना कवित्त		ब्रज	१९वीं श	२६ वा	
८३८	११२२ (३१)	सिद्धरायजैसिंघना कवित		,,	,,	२८ वा	
८३९	३५११	सिद्धान्त चोपाई		रन०	१७वीं श	१	
८४०	३५६७ (७)	सीकोतरीछद		रा०	१९वीं श.	१०६–१०७	
८४१	१८८२ (१४९)	सीताराम विवाह	हरि	ब्रज	,,	८१से९१	
८४२	२३२७ (२)	सीमधरजिन त्रिभंगी छंद आदि		रा०	,,	१०–१५	
८४३	३५७३ (२८)	सीमधरजिन वीनति	भक्तिलाभ	रा०गू०	,,	७९–८०	जीर्ण प्रति।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि समय	पत्र संख्या	विशेष
८४४	३५७५ (४)	सीमंधरजिन वीनति	मतिलाभ उपाध्याय	रा०गू०	२०वीं श.	३०-३१	
८४५	२३७४ (१६)	सीमंधरजिनस्तवनादि स्तवन		,,	१६वीं श	८०से८३	
८४६	२२१८ (१)	सुखसंवाद	सुखदेव	व्रज	,,	१-१०	
८४७	१८२३	सुदर्शन ऋषिसज्झाय		रा०गू०	१७७६	३	
८४८	३५५० (१३)	सुदर्शन सज्झाय	रूपकीर्ति	,,	१६वीं श	८८-८६	
८४६	२८३२ (४)	सुदामा की बाराखडी		राज०	१७७४	८५-८८	
८५०	२२१७ (३)	सुमति जिनस्तवन	क्षेममुनि	रा०गू०	१८वीं श	२ रा	
८५१	३५१० (३)	सुराप्रयऋषिसज्झाय	लक्ष्मीरत्न		,	३से४	
८५२	१८८६ (६)	सुहागरैनि	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	,	२३से२४	रचना सं० १८४६।
८५३	२३६८ (६)	सूरजजी की सिलोको	सेवग	रा०	१६वीं श	३७से३६	
८५४	३५६२ (३)	सूरजजी रो सलोको		,	१६५६	१७-१८	
८५५	३२५५	सूरज देवतारो सलोको		,,	१८०१	१	
८५६	३५५७ (२)	सूरज देवतारो सलोको		,	१८वीं श	७२ वां	
८५७	११२२ (३७)	सूरजनी स्तुति कवित्त		ब्रज	१६वीं श	३६ वा	
८५८	११६५	सूयजीरो सिलोको		रा०	१८५३	१से३	गुटका है। पत्र ४ से ३८ तक जैन स्तवनादि हैं।
८५६	३५४६ (२)	सेरसिंहमेड़तीया आदि अनेक राजाओं का सपखरा छंद आदि		,	१६वीं श	६-१	
८६०	१७६ (१)	स्तंभनपार्श्वनाथ उत्पत्तिस्तव	कुशललाभ	रा गू०	१६११	१-२	

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र-संख्या	विशेष
८६१	३५७५ (८)	स्तभनपार्श्वनाथ स्तवन	कुशललाभ	रा०गू०	२०वीं श	३८-४४	खंभायत मे रचना।
८६२	२३०८ (२)	स्तवनपदआदिसग्रह		,,	१८६१	१७-४३	
८६३	३५४६ (६)	स्तवनादि		,,	१६वीं श	१७-४८	
८६४	३५६७ (२३)	स्तवनादि		राज०	,,	१४२-१४५	
८६५	११२२ (५१)	स्तुति	प्रथीराज चहुआण	हि०	,,	६८-६६	
८६६	३५५० (१४)	स्थूलिभद्रसज्झाय	देवकुमारी (?)	रा०गू०	,,	८६-६०	
८६७	३५१५ (४६)	स्याद्वादनयस्तवन	श्रीसार	,,	२०वीं श	२३६-२४०	
८६८	३५५५ (६)	हरिगुणकष्टहरणस्तोत्र	चद कवि	रा०	१६वीं श	१४ वा	
८६९	३५६७ (१२)	हरजस		,,	,,	१२७-१२८	
८७०	३०६	हरिरस		ब्र०हि०	१८६०	१५	पद्य रचना।
८७१	२३७७ (३)	हरिरस	ईसरबारोट (बारहठ)	रा०गू०	१८०७	१६	चोबारी में लिखित।
८७२	३५५५ (८)	हरिरस	ईसरदास बारहट	,,	१६वीं श	६-१४	
८७३	३५५७ (८)	हरिरस	ईसरदास बारहट	,,	१७६६	८२-६७	
८७४	३५६७ (५)	हिंगुलाजमाण देवायण	ईसरदास बारहट	राज०	१६वीं श	१००-१०५	
८७५	२२२४	हिंडोला के कवित्त		ब्र०हि०	२०वीं श	४	
८७६	२८६३ (६५)	हीरकलशमुनिस्तुति	विल्हण	रा०	१७वीं श	१६१	द्वादश दल कमल बध में एक काव्य है।

क्रमांक	ग्रन्थाङ्क	ग्रन्थनाम	कर्त्ता	भाषा	लिपि-समय	पत्र संख्या	विशेष
८७७	२३६८ (७)	हीरसूरिसज्झाय	आणद	राज०	१६वीं श	५० वां	
८७८	३५७२ (४)	डुणाडा मंडन	देवसूरि	रा०गु०	१६वीं श	१८ वां	जीर्ण प्रति।
८७९	१८८६ (१०)	होरीबहारपद की टीका	सवाई प्रतापसिंहजी	हि०	१९वीं श	३९से४५	

ग्रन्थकार-नामानुक्रमणिका

नाम	पृष्ठ संख्या

नाम	पृष्ठ संख्या

नाम	पृष्ठ सख्या

राजस्थान पुरातन ग्रन्थमाला के कुछ ग्रन्थ

प्रकाशित ग्रन्थ

संस्कृतभाषाग्रन्थ—१ प्रमाणमञ्जरी–तार्किकचूडामणि सर्वदेवाचार्य मूल्य ६ । २ यन्त्रराजरचना–महाराजा सवाई जयसिंह मूल्य १ ७५ । ३ महर्षिकुलवैभवम्–स्व श्रीमधुसूदन ओझा मूल्य १ ७५ । ४ तर्कसंग्रह–प क्षमाकल्याण मूल्य ३ । ५ कारकसम्बन्धोद्योत–प रभसनन्दि मूल्य १·७५ । ६ वृत्तिदीपिका प मौनिकृष्ण मूल्य २ ० । ७ शब्दरत्नप्रदीप मूल्य २ । ८ कृष्णगीति कविसोमनाथ मूल्य १ ७५ । ९ शृङ्गारहारावलि-हर्षकवि मूल्य २ ७५ । १० चक्रपाणिविजयमहाकाव्य–प लक्ष्मीधरभट्ट मूल्य ३ ५० । ११ राजविनोद–कवि उदयराज मूल्य २ २५ । १२ वृत्तसंग्रह मूल्य १ ७५ । १३ नृत्यरत्नकोश प्रथम भाग–महाराणा कुंभा मूल्य ३ ७५ । १४ उक्तिरत्नाकर–प साधुसुन्दर गणि मूल्य ४ ७५ । १५ दुर्गापुष्पाञ्जलि–प० दुर्गाप्रसाद द्विवेदी मूल्य ४ २५ । १६ कर्णकुतूहल तथा कृष्णलीलामृत–भोलानाथ मूल्य १ ५ । १७ ईश्वरविलासमहाकाव्य श्रीकृष्णभट्ट मूल्य ११ ५ । १८ पद्यमुक्तावली– कविकलानिधिश्रीकृष्णभट्ट मूल्य २ ० । १९ रसदीर्घिका कविविद्याराम मूल्य २ ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषा ग्रन्थ—१ कान्हडदे प्रबन्ध कवि पद्मनाभ मूल्य १२ २५ । २ क्यामखां रासा कवि जान मूल्य ४·७५ । ३ लावारासा–गोपालदान मूल्य ३ ७५ । ४ बांकीदासरी ख्यात–महाकवि बांकीदास–मूल्य ५·५ । ५ राजस्थानी साहित्यसंग्रह भाग १ मूल्य २ २५ । ६ जुगल–विलास–कवि पीथल मूल्य १ ७५ । ७ कवीन्द्रकल्पलता–कवीन्द्राचार्य मूल्य । २ । रा प्रा वि प्र के हस्तलिखितग्रन्थों की सूची भाग १ मूल्य ७ ५ ।

प्रेसों में छप रहे ग्रन्थ

संस्कृत भाषा ग्रन्थ—१ त्रिपुराभारतीलघुस्तव–लघुपण्डित । २ शकुनप्रदीप–लावण्यशर्मा । ३ करुणामृतप्रपा ठक्कुर सोमेश्वर । ४ बालशिक्षा व्याकरण–ठक्कुर संग्रामसिंह । ५ पदार्थरत्नमञ्जूषा प कृष्णमिश्र । ६ काव्यप्रकाश-संकेत–भट्ट सोमेश्वर । ७ वसन्तविलास फागु । ८ नृत्यरत्नकोश भाग २ महाराणा कुंभा । ९ नन्दोपाख्यान । १० रत्नकोश । ११ चान्द्रव्याकरण आचार्य चन्द्रगोमि । १२ स्वयम्भूछन्द–स्वयम्भू कवि । १३ प्राकृतानन्द–कवि रघुनाथ । १४ मुग्धावबोध आदि औक्तिक संग्रह १५ कविकौस्तुभ–प रघुनाथ मनोहर । १६ दशकण्ठवधम्–प दुर्गाप्रसाद । १७ वृत्तजातिसमुच्चय–कवि विरहाङ्क । १८ कवि दर्पण अज्ञात कर्तृक ।

राजस्थानी और हिन्दी भाषाग्रन्थ—१ मुंहता नैणसीरी ख्यात–मुंहता नैणसी । २ गोरावादली पद्मिणी चऊपई–कवि हेमरतन । ५ चन्द्रवशाली–कवि मोतीराम । ६ राजस्थानी दूहासंग्रह । ७ वीरवांण–ढाढा बादर ।

इन ग्रन्थोंके अतिरिक्त अनेकानेक संस्कृत प्राकृत अपभ्रंश प्राचीन राजस्थानी और हिन्दीभाषा में रचे गये ग्रन्थों का संशोधन और सम्पादन किया जा रहा है ।